

The Gazette ot 2

PUBLISHED BY AUTHORITY

ਚੱ• 22] No. 22] नई बिस्सी, सनिवार, मई 31, 1986 (ज्येष्ठ 10, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, MAY 31, 1986 (JYAISTHA 10, 1908)

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि वह अलग संस्थान के रूप में रखा जा सके (Separate paging in pirm to thin Part in order that it may be filled as a separate exampliation)

भाग गा। खण्क 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधींन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 25 श्रप्रैल 1986

सं० ए० 12023/2/83-प्रणा०-2--श्रायोग की समसंख्यक भ्राधिसूचना दिनांक 5 फरवरी, 1986 के कम में श्रध्यक्ष संघ लोक सेवा श्रायोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के विष्ठि वैयक्तिक सहायक (समूह "ख" के० स० स्टे० से०) के श्री के० सुन्धरम को श्रध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर र० 700-40-900-द्व० रो०-1100-50-1300 के वेतन मान में श्रायोग के कार्यालय में 1-4-86 से 14-2-88 तक प्रतिनियुक्ति शर्ती श्री श्री पर नियमित रूप से नियुक्त करते हैं। उनकी प्रतिनियुक्ति की भवधि उनकी नियुक्त करते हैं। उनकी प्रतिनियुक्ति की भवधि उनकी नियुक्त करते हैं। उनकी प्रतिनियुक्ति की भवधि उनकी नियुक्त करते हैं।

2. श्रध्यक्ष के विशेष वैयक्तिक सहायक श्री के सुन्दरम का बेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का बा कि फा का 1-(II)-स्था -3(ख)/75 दिनांक 7-11-1975 में उल्लि-खित शर्ती एवं उनमें समय-समय पर हुए संशोधनों के अनुसार देय होगा । सं० ए० 32013/3/84-प्रशा० II--ग्रध्यक्ष संघ लोक सेवा ग्रायोग इस कार्यालय की चिनांक 19-2-1986 की सम-संख्यक ग्रिध्यस्थान के प्रतिस्थापन में संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में कार्यरत श्री जगदोश लाल, ग्रधीक्षक (त० सं०) को 2-11-1985 से 30-4-1986 तक ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भो पहले हो, ग्रायोग के कार्यालय म रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में सहायक नियंत्रक (त० सं०) (ग्रुप "क" राजपितत) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते है।

श्री जगदीण लाल की सहायक नियंतक (त० सं०) के रूप में नियुक्ति पूर्णतया तदर्थं श्राधार पर है और इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति श्रथवा वरिष्ठता के लिए उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा ।

सं० ए० 32014/1/84-प्रशा० II--सिवन, संघ लोक सेवा श्रायोग इस कार्यालय की दिनांक 24~2-1986 की सम-संख्यक श्रिधसूचना के प्रतिस्थापन में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कार्यरत श्री श्रार० सी० गुप्ता, श्रन्वेषक (त० सं०) को 22-11-1985 से 30-4-1986 तक श्रथना श्रागामी मादेशों तक, जो भी पहले हो, श्रायोग के कार्यालय में तदर्थ साधार पर मधीक्षक (त० सं०) के पद पर नियुक्त करते है।

2. श्री स्नार० सी० गुप्ता की स्रधीक्षक (त० सं०) के रूप में नियुक्ति पूर्णतया तदर्थं स्नाधार पर है और इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति सथवा वरिष्ठता के लिए उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा ।

दिनांक 1 मई 1986

सं० ए० 38013/9/85-प्रशा० III—कार्मिक तथा प्रशा-सनिक सुघार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर 1973 की गर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक और नियमित आधार पर स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री गुरवण राय को राष्ट्रपति द्वारा 30 अप्रैल, 1986 के अपराह, से निवर्तन आयू होने पर सरकारी सेवा से निवृत होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

> एम० पी० जैन भ्रवर समिव (का० प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार, लोक शिकायत तथा पेंशन मंद्रालय

(कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

नई विरुली-110003, विनांक 6 मई 1986

सं० 3/18/86-प्रणा०-5--निदेणक, के० ग्र० ब्यूरो भौर पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा राजस्थान राज्य पुलिस के ग्रधिकारी श्री सरदारी लाल, पुलिस उपाधीक्षक को दिनांक 17 ग्रप्रैल 1986 ग्रपराह्म से, ग्रगले भावेण होने तक, प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो/जयपुर में स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19015/16/84-प्रशा०-5 -- विशेष धन्वेषण देल (गृह मंद्रालय) से प्रत्यावर्तन होने पर, श्री के० पी० सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, के० श्र० ब्यूरो न दिनांक 21 श्रप्रैल, 1986 पूर्वाह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उसी पद पर कार्यभार क्रहण कर लिया है ।

> धर्म पाल भरुला प्रशासन श्रधिकारी (स्था०) केन्दीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1986

सं० 3/22/86-प्रशासन-5--राष्ट्रपति, श्री ग्रार० शेखर भा०पु० सेवा (राजस्थान: 1957) को दिनांक 5 मई 1986, अपराह्म से श्रमले श्रादेश होने तक संयुक्त निदेशक केन्द्रीय भन्वेषण न्यूरो एवं विशेष पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के० **च**कवर्थी उप निदेशक (प्रशासन) के० ग्र० ब्यूरो

गृष्ठ मंत्रालय महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 मई 1986

सं० ओ० दो० 2142/86-स्थापना--राष्ट्रपति जी ने डाक्टर भोला चौधरी को ग्रस्थायी रूप से ग्रागमी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में जनरल ड्यूटी ग्राफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 21 मार्च 1986 पुत्राह्म से सहर्ष नियुक्त किया है।

एम० **प्र**शीक राज सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय भौचोशिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 2 मई 1986

सं० ध-16013(1)/2/85-कार्मिक-1--प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री पी० के० सेनापति, भा० पु० से० (उड़ीसा: 67) ने 10 प्रप्रैल, 1986 के पूर्वाह्म से के० औ० सु० ब० यूनिट, एच० ६० सी०, रीची में उप भहानिरीक्षक के पर्व का कार्यभार संभाति लिया ।

> ह० प्रपाठनीय महानिवेशक किंभीसुब

भारत[े]के महारंजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिस्सी, दिनांक 3 18 ग्रंपीस 1986

सं 13/15/85-प्रशासन- --भारत के महार्राजस्ट्रार का कार्यालय नई दिस्ली में उप निदेशक जनगणना कार्य श्री तीर्य दक्ष्म सेमा निवृत्ति की आयु होने पर 31 मार्च 1986 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए।

बी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

विक्त मंत्राख्य (ग्राधिक कार्यं विभाग) प्रतिभृति कागज कारखाना

होशंगाबाय, विनाक 6 मई 1986

'सभ वढ़ाई जाती है।

क्रमांक 7(64)—-इस कार्याक्षय के पत्न क्रमांक पी० औक 3/6611 दिनांक 19-11-85 के तारतस्य में श्री एस०कै० आनन्द का वेतनमान ६० 840-40-1000-द० ग्र०-40-40-1200 में सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर तदर्थ नियुक्ति की भवधि दिनांक 1-4-86 से 2 माह तक या जब तक यह पद नियमित क्य से नहीं भरा जाता इनमें से जो भी पहले हो

श० रा० पाठक महाप्रबन्धक मारतीय लेखा परीजा एवं लेखा विभाग कार्यालय निवेशक लेखा परीका केन्द्रीय राजस्य—I

नई पिल्ली, दिनांक 7 मई 1986

प्रशासन-I/का० भा० सं०-44--इस कार्यालय के एक स्थानापत्र लेखा परीक्षा अधिकारी श्री भार० एल० चौपड़ा वार्यव्य भायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मई 1986 अपराक्ष को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे। उनकी जन्म तिथि 28 मई 1928 है।

मोहन खुराना उप-निदेशक लेखा परीक्ता (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा व हक), राजस्थान जयपुर, दिनाँक 5 मई 1986

सर्वन्धी:---

1. राजबहादुर गुप्ता

25-4-86 (अपराह्न)

2. मनोहर लाल नागिया

25-4-86 (भ्रपराह्म)

ए० के० मैद वरिष्ठ उप महालेखाकार

लेखा परीक्षा निदेशक का कार्यालय पूर्व सीठ रेलवे मालिगाँव, दिनाँक 5 मई 1986

सं० प्रशा० | 5-16 | 79 | 35 ए | 845-- भी भरिबन्द मजुमकार तहायक लेखा परीक्षा भिक्षकारी को वेतनमान 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 ६० में दिनाँक 1-5-86 से अगले भादेश तक लेखा परीक्षा ग्राधिकारी के पद पर पदाक्षत किया गया है।

एन० जी० मास्लिक लेखा परीक्षा निवेशक

रक्षा मंद्रालय

डी॰ जी॰ ग्रो॰ एफ॰ मुख्यालय सिविल सेवा ग्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 28 सप्रैल 1986

सं० 5/86/ए/ई-। (एन० जी०) -- महानिदेशक श्रायुध निर्माणी महोवय, वाहन निर्माणी, जबलपुर के श्री श्याम सुन्दर शर्मा, सङ्घायक फोरमैन (तक) को सहायक स्टाफ श्रिधकारी (ग्रुप "बी) (राजपतित) के पद पर दिनौंक 31-3-1986 (पूर्वाह्म) से नियुक्ति तथा श्रायुध उपस्कर श्रुप मुख्यालय, कानपुर में तैनात करते हैं।

एस० दासगुण्ता उपमहानिदेशक/प्रकासन कृते महानिदेशक प्रायुध निर्माणी

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो - नागपुर, दिनौंक 5 म**ई** 1986

सं० ए-19011(28)/83-स्था० ए०--विभागीय पदो-श्रति समिति की सिफारिश पर श्री एन० एन० सुश्रमित्यत, मुख्य श्रयस्क प्रसाधन श्रधिकारी की भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में निदेशक (श्रयस्क प्रसाधन) के पद पर दिनौक 7 श्रप्रैल 1986 के पूर्वालु से पदोन्नति प्रदान की गई।

> पी० पी० वाबी प्रशासन स्विधकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान स्पूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून, विनांक 7 मई 1986

सं क्षी ०-36/707-- निस्निखितः प्रधिकारी, जो प्रधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अनिस्तम आधार पर क्षियुक्त किए गए थे, अब प्रस्थेक के नाम के सामने दी नयी तारीख में उसी पद पर स्थानापन्न रूप मे नियमित आधार पर नियुक्त किए जाते हैं :--

क्र०सं० नाम प्रधिसूचना की सं० और ताराम्य जिस के यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनास किए गए पद्योक्षति की भन्तर्गत तदर्थ धनिन्तम आधार पर तारीम नियुक्ति की गयी थी

1 2 3 4 \$
1. श्री जगदीम कुमार दिनांक 24-7-78 की ग्रिधिसूचना सं० 16 श्रारेखण कार्यालय (म॰ 29-1-85
सं० सी 5395/707 प्र०) वेहरादून । (पूकीहा)

1 2	3	4	5
2. श्री ए०पी० सेमवाल	दितांक 19-4-79 की श्रधिसूचना सं० सी- 5481/707	मानचित्र प्रकाशन कार्यालय, दे० दून ।	1 1- 2- 85 (पूर्वाह्न)
3. श्री जैड केरकैटा	दिनांक 28-11-78 की श्रधिसूचना	स ० 757 पार्टी (पूर्वी सकिल)	1 1-2-885
(भ्रनु० जनजाति)	सं० सी-5438/707	कलकत्ता ।	(पूर्वाह्म)
4. श्री राजभीर सिंह	दिनांक 12-7-82 की प्रधिसुचना	सं० 57 पार्टी (पश्चिमोक्तर स०)	1 1−2−85
	सं० सी-5836/707	चण्डीगढ़ ।	(पूर्वाह्म)
 श्री विद्यादस कैंथोला 	दिनांक 3-9-82की ग्रधिसूचना सं०	सं० 15 श्रारेखण कार्यालय (मा०प्र०)	29-4-85
	सी-5859/707	देहरादून ।	(पूर्वाह्न)
6. श्रीडी०पी० बडोनी	दिनांक 19-4-79 की श्रधिसूचना सं०	मानचित्र श्रमिलेख एवं निर्गम	2 8-1-86
	सी-5481/707	कार्यालय (मा०प्र०) देहरादून ।	(पूर्वीहरू)
7. श्री सूरज लाल खन्ना	विनांक 25-3-80 की श्रधिसुचना सं० सी-5611/707	सं ० ß 3 पार्टी (पश्चिमी स०) जयपुर	30−1− 8 6 (पूर्वी स)
 श्री सिताब सिंह रावत 	दिनांक 4–11–82की श्रिधसूचना सं०सी–5878/707	सर्वेक्षण (हवाई) नई दिल्ली ।	20- 1-86 (पूर्वाह्र)
9. श्री हरी प्रसाद (ग्रनु० जाति)	दिनांक 20- 1- 79 की ग्रधिसूचना सं० सी- 5456/707	सीमा दे ल, म० स० का०, न ई दिल्ली	11-2-86 (पूर्वीह्न)
10. श्री जसबन्त सिंह	विनांक 1 <i>7</i> 1- 84 की ग्रधि सू चना	सं० 16 श्रारेखण कार्यालय (मा०	29- 1- 85
	सं०सी-6038/707	प्र०) देहरादून।	(पूर्वाञ्च)
11. श्री पुनयोत्तम दास	दिनॉक 12-7-82 की ग्रधिसूचना	मं० 90 पार्टी (उत्तरी सकिल)	26- 4- 85
	सं० सी-5836/707	वेहरा द् न ।	(पूर्वीह्न)
12. श्री चन्दरसिंह	विनांक 3-9-82की ग्रधिसूचना सं०	सं० 70 (फा०), पार्टी	25-2-85
	सी- 5859/707	(उ० स०) देहरादून ।	(पूर्वाह्म)
13. श्री शिवनाथ सिंहपंवार	दिनौंक 12-7-82 की ग्रधिसूचना	मानचित्र ग्रभिलेख एवं निर्गम	11-2-85
	सं० सी-5 8 36 ₁ 707	कार्यालय (मा०प्र०) देहरादून।	(पूर्वाह्न)
14. श्रो तिलक दाम	दिनांक 4–11–82 की प्रधिसूचना	सं० 2 ग्रारेखण कार्यालय (उ० स०)	1-7-85
(भ्रनुसूचित जाति)	सं०सी–5878/707	देहरादून।	(पूर्वाह्म)
15. श्री भान् प्रकाण पन्त	विनांक 3-9-82 की ग्रधिसूचना	सं ० 16 श्रारेखण कार्यालय (मा०प्र०),	11-2-85
	सं० सी- 5859/707	देहरादून।	(पूर्वाह्म)

सं० सी-37/707—निम्नलिखित ग्रधिकारी को जो ग्रधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ ग्रनितम ग्राधार पर नियुक्त किए गए थे, उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से ज्ञापटसमैन डिवीजन-1 (सलेक्शन ग्रेड) के पद पर पदाचनस किया जाता है।--

ऋ०सं०	नाम तथा पद	ग्रधिसूचना की सं० और तारीखाजिस श्रन्तर्गत् तदर्थं श्रनन्तिम श्राधार पर नियुक्ति की गयी थी	के यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदवानस की तारी ख
1	2	3	4	5
(मनु ह्रापटः	ाम ओरांन ० जनजाति) समैन हि०-1 १भशन ग्रेड)	ग्रधिसूचना संख्या सी-5976,707 दिनोक 13-7-83	सं० 65 (टी०सी० एम०) पार्टी, सर्वेक्षण (हवाई) नई दिल्ली	17-1-86 (भ्रपराह्न)

सं० सी०-38/707-श्री प्रेम सिंह संधु (मनुसूचित जाति), सर्वेक्षक सेलेक्शन ग्रेड को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में मिक्कारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी") के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में दिनांक 30-12-1985 (पूर्वीह्र) से सं० 13 म्रारेखण कार्यालय (पूर्वोत्तर सकिल), शिलांग में नियमित माधार पर नियुक्त किया जाता है।

गिरीण चन्द्र भग्नवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक नियुक्ति प्राधिकारी

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण नई दिल्तो-110011, विनौंक 8 मई 1986

सं 11/4/86-स्मा०--प्राचीन संस्मारक, पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष नियमावली, 1959 के नियम 6 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, में, जगत पति जोशी, अपर महानिदेशक एतद्दारा यह निदेश जारी करता हूं कि राजिंगरी पर्वत, जिजी, जिला दक्षिण आरकोट, तमिल नाडू के स्मारकों में दिनाँक 12-5-86 से 21-5-86 (दोनों दिन सम्मिलित) तक देवी कमलाकलि अम्मन के वार्षिक उत्सव के उपलक्ष में प्रवेश नि:शुल्क होगा।

जगत पति जोशी श्रपर महानिवेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनाँक 30 भग्नैल 1986

सं० ए-12026/3/86-स्था०--विज्ञापन भीर दृश्य प्रचार निदेशक, इस निदेशालय के स्थायी तकनीकी सहायक (विज्ञापन) श्री भास्कर नायर को इसी कार्यालय में 30 श्रप्रैल 1986 के पूर्वीह्न से भगले तीन मास, या तब तक जब तक कि पद नियमित रूप से भरा न जाए, जो पहले हो, के लिए पूर्णतयाः तदर्थ एवं ग्रस्थायी श्राधार पर सहायक माध्यमं भ्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनौंक 5 मई 1986

सं० ए-38013/1/86-स्था०--श्रिधवर्षिता की श्रायु प्राप्त करने पर सूचना श्रीरप्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय सेवा कडर का स्थायी सहायक एवं इस निदेशालय में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर कार्यरत सुपरवाइजर श्री एन० डी० खन्ना 30 श्रप्रैल 1986 के श्रपराह्म को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> बलबीर सिंह सन्धु उप निदेशक (प्रशासन) कृते विद्यापन भीर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेना महानिवशालय नई दिल्ली, दिनौंक 2 मई 1986

सं० ए० 12024/6/85- प्रशासन-I--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० सुरेखा श्रोबराय को 21 मार्च, 1986 (पूर्वाञ्च) से श्रागामी श्रादेशों तक सफदरजंग श्रस्पताल, नई दिल्ली में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, विल्ली के तहत् दन्त सर्जन के पव पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है ।

> पी० के० **घई** उप निदेशक (प्रशासन) (सी० एण्ड बी०)

भाभा परमाणु धनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनाँक 11 मार्च 1986

संदर्भ : 7 (109)/85/सतर्कता/702- - जबिक यह म्रारोप लगाया गया है कि :

"श्री डी॰ घार॰ नामिला कोंडा माली (ए) भूदृश्य एवं स्वच्छता धनुरक्षण धनुभाग, जिन्हें कि 30 जुलाई 1985 से 17 सिसम्बर 1985 तक 50 दिनों का ग्राजित धवकाण स्वीकार किया गया था, वे दिनोंक 18 सितम्बर 1985 से ग्रागे ग्रनधिकृत रूप से छुट्टी पर बने हुए हैं।

उनके इस पूर्व कथित आवरण के कारण कथित श्री नामिला कोंडा ने अपनी ड्यूटी के प्रति निष्ठा नहीं विखाई है भौर केन्द्रीय सिविल सेवाएं (भाचरण) नियम, 1964 के नियम 3 के उपनियम (I) (II) और (I) (III) के अनुसार उनका व्यवहार सरकारी कर्मचारी होने योग्य नहीं है।

भौर यह कि कथित श्री नामिला कोंडा को विनांक 9 जनवरी 1986 के ज्ञापन सं० 7 (109)/85/सतर्कता/79 द्वारा उन पर लगाए गए भभियोग तथा केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा श्रपील) नियम, 1965 के नियम 14 के भधीन उनके विरुद्ध अस्तावित कार्यवाही से भवगत करा विया गया था।

श्रीर यह कि कथित श्री नामिला कोंडा के स्थानीय पते तथा गृह स्थान के पते पर रिजस्ट्री ए/डी डाक द्वारा भेजे गए कथित ज्ञापन वाले लिफाफे बिना वितरित हुए कमशः "वावा नहीं किया गया" तथा "पाने वाला विवेश चला गया है श्रतः वापस किया जाता है" डाक विभाग के इन रिमाकों के साथ वापस लौट श्राए हैं,

श्रीर यह चूंकि कि कथित श्री नामिला कोंडा के बारे में कोई सूचना नहीं मिली श्रतः उपर्युक्त कथित ज्ञापन एक बार पुनः 31 जनवरी 1986 को उनके पूर्व पते पर रिजस्ट्री ए/डी डाक से भेजे गए थे। वे ज्ञापन भी बिना वितरित हुए क्रमशः डाक विभाग के इस रिमार्क के साथ "पता नहीं" तथा "दावा नहीं किया गया" श्रीर "पामे वाला विवेध गया है श्रतः वापस किया जाता है" वापस लौट श्राए हैं,

श्रौर यह कि कथित श्री नामिला कोंडा इस कार्यालय को भ्रपने बारे कोई सूचना देने में असमर्थ रहे हैं, भौर यह कि कथित श्री नामिला कोंडा इस कार्यालय को अपने बारे में कोई सूचना विए बगैर लगातार ड्यूटी से अनुपस्थित रह रहे हैं अतः अधोहस्ताक्षरी इस बात से संनुष्ट हैं कि अब केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1965 के नियम 14 के प्रावधानों के अनुसार जाँच की कार्यवाही जारी रखना व्यावहारिक रूप से तर्क सम्मत नहीं है,

ग्रतः ग्रब परमाणु कर्जा विभाग के दिनाँक 7 जुलाई 1979 के ग्रावेश सं 22(1) /68-प्रशा ा मिं श्रन्तर्गन प्राप्त केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियमण ग्रौर ग्रपील) नियम, 1965 के नियम 12 उपनियम (2) के उपवाक्य की तथा उपर्युक्त नियमों के नियम 19(11) में प्रदत्त ग्रधिकारों का उपयोग करते हुए ग्रधोहस्ताक्षरी इसके द्वारा कथित श्री नामिला कोंग्रा को तस्काल सेवां से हटाते हैं।

श्री नामिला कोंडा को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त भादेश के विरुद्ध श्रपील भध्यक्ष, कार्मिक प्रभाग, भा०प० भ० केन्द्र, भ्रपीलीकरण प्राधिकारी के पास की जा सकती है। यदि कोई श्रपील होती वह श्रपीलीकरण प्राधिकारी के पास इस श्रावेश की प्राप्ति के दिनाँक से पैतालीस दिनों के भीतर कर दी जानी चाहिए।

> एच० वी० म्रावतरामाणी स्थापना म्रधिकारी

बम्बई-400 085, दिनाँक 8 मई 1986

सं० जी०/455/स्था०-II/1926--श्री यशवंत पुरुषोत्तम भारपुरे ने सहायक कार्मिक श्रीधकारी पद का पद भार 31-3-86 (भ्रपराह्म) को श्रीधवर्षिता पर छोड़ दिया।

> के० वेंकटकुष्णन उपस्थापना श्र<mark>िधकारी</mark>

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय भौर भंडार निवेशालय

सम्मई-400 001, दिनाँक 9 श्रप्रैल 1986

सं० ऋभंनि/2/1(3)/85-प्रशा०/2080--परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय श्रोर भंडार निदेशालय के निदेशक ने परमाणु ऊर्जा विभाग, भा० प० अ० कें०, बम्बई के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल, श्री प्रकाश मोतीराम मणवीर को इसी निदेशालय में दिनाँक 27 मार्च 1986 (पूर्वाह्र) से अगले भादेश होने तक 650-30-740-35-880-द रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में सहायक लेखा श्रीधकारी के पद पर अस्थायी आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० ऋभंनि०/2/1(3)/85-प्रशा०/2092--परमाणु ऊर्जी विभाग, ऋग घीर भंडार निवेशालय के निदेशक ने परमाणु ऊर्जी विभाग, भा० प० ऋ० कें०, बस्बई की स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल, श्रीमती सुषमा क्षिकांत दलवी को इसी निवेशालय में विनाक 27 मार्च 1986

(पूर्वाला) से प्रगले प्रादेश होने तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपयें के वेतनमान में सहायक लेखा प्रधिकारी के पद पर प्रस्थायो प्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनौंक 8 मई 1986

सं० कभंनि/2/1(26)/83-प्रशा०/2433--परमाणु कर्जा विभाग, क्रय भीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक, श्री कल्लुपरमपिल नारायण पिरुलई शाशीधरन नायर को इसी निदेशालय में दिनौंक 15-4-1986 (पूर्वीह्न) से 30-4-1986 (पूर्वीह्न) तक तदर्थ श्राधार पर तथा दिनौंक 1-5-1986 (पूर्वीह्न) से श्रगले श्रादेश होने तक नियमित साधारपर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपयें के वेतनमान म सहायक क्रय श्राधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन प्रधिकारी

राजस्थान परमाणु बिजली घर ग्रणुशक्ति-323 303, विनांक 25 ग्रप्रैल 1986

सं रापविष/भर्ती/2(18)/86-स्थ/279-राजस्थान परमाणु विजली घर के मुख्य अधीक्षक दिनौक 23 प्रप्रैल 1986 के पूर्वीह्न से श्री विजय कुमार सक्सेना को इस विजली घर में रु 650-960 वेतन श्रंखला में प्रस्थायी तौर परहिन्दी श्रविकारी नियुक्त करते हैं।

एस० डी० मेहता प्रशासन अधिकारी (द्वितीय)

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी ०ए०पी ०पी ० (401 504), दिनाँक 29 मप्रैल 1986 सं० ता० प० बि० घ० /1/34(1)/76-मार० (खण्ड-XV):—-तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य मधीक्षक तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य मधीक्षक तारापुर परमाणु बिजलीघर में स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) भी र स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री पी० एम० फिलिप को, 1 फरवरी, 1986 की पूर्वाह्म से भगले भादेशों तक के लिए इसी बिजलीघर में, भस्थायी क्षमता में वैज्ञानिक श्रधिकारी/ श्रभियन्ता ग्रेड "एस की" के तौर पर नियुक्त करते हैं।

वी० पी० नाईक प्रशासनिक श्रधिकारी~ााI

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनौक 30 श्रप्रैल 1986

सं० ए- 1901 1/13/80-६०-1-- सेवा-निवृत्ति की श्रायु प्राप्त कर क्षेत्रे पर श्री के० एत० एस० कृष्णत, उपमहानिदेशक 30 श्रप्रेल, 1986 (श्रपराङ्क्ष) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> जै० सी० गर्ग संयुक्त निवेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनौंदा 10 अप्रैल ा	1086
---------------------------------------	------

सं० ए-32014/3/84-ई० सी०--महानिदेशक नागर विमानन, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक तकनीकी श्रधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि प्रत्येक के नाम के सामने दी गई श्रवधि के लिए बढ़ाने की मंजूरी देते हैं:--

क∘ सं∘	नाम	=	च्या नियुक्ति की विधि
		से	तक
~~~	म्म		
1.	पी० एस० नारायणन्	25-2-85	27-1-86
2.	के० वेलायुधन- /I	27- 2-85	"
3.	के व मुत्तुकृष्णन्	3-3-85	, ,,
4.	के० वेलायुधन-II	28-2-85	17
5.	एम० के० घोशी	25-3-85	31-3-86
6.	ए० स्रार० गोस्वामी	1~ 3-85	P
7.	एम० के० धर्माधिकारी	28-3-85	21
8.	पी० वाई० खाडीकर	12-5-85	27- 1-86
9.	ंजे० बी० सोनार	1- 3- 85	"
10.	डी० सी० दास	27-3-85	31-3-86
11.	के० नारायणन	3 - 3 8 5	27-1-86
	के० लारेंस	28-3-85	31-3-86
13.	सुरजीत सिंह	20-2-85	27-1-86
	डी० भट्टाचार्जी	11	"
	श्रार०पी० गेनदर	2 <b>5</b> -2 <del>-</del> 85	31-5-85
	एस० के० नन्दा	2-3-85	30-6-85
	पी० एम० ढोल किया	26-3-85	"
	टी०एम० सेइन्दोन	1-3-85	n
	एस० एल० नन्दा	n	31-3-86
	एस० सी० सूद-	3-3-85	27-1-86
	कुलवंत सिंह	1-6-85	30-6-85
	वी०एस० मलिक	1-3-85	<i>n</i>
	एम० एच० म्रयुवी	"	30-9-85
	जसवन्त सिंह	28-5-85	31-3-86
	एस० एल० भीदी	28-3-85	n 21-2-90
	सी० श्रहम्यम	1-3-85	11
	एल० के० मित्तल	16-4-85	24-10-05
	श्राई० सी० सेठी	3-3-85	31-3-86
	एच० श्रार० रंजन	2-3-85	27-1-86
	एस० डी ० कुमार	2-3-85 1-3-85	4/-1-80 "
	बी० एल० परमार	1-3-65 "	11
	पी० ग्रार० ग्रानन्द	"	91 9 00
	एस० मी० सूद[[	90 0 00	31-3-86
	एस० के० खन्ना	26-2-85	27-1-86
	•	1-3-85	11
J5	पी०के० उपूर	24-2-85	

ऋ० मं०	नाम		तदर्थं नियुक्ति ग्रवधि
		<del>से</del>	तक

सर्वश्री  36. श्रनिल कुमार  37. एम० पी० चौहान  38. एन० एस० मियान  39. जे० एन० नाग  40. जे० एस० देयोल  41. नन्द किणोर  42. पी० के० चन्दा  43. एस० के० जन्दा  44. वाक् बखान  45. एम० के० सेनगुप्ता  46. जे० एस० सबसेना  47. एम० एल० कोचर  48. सी० एस० साहा  49. एस० श्रार० मित्तरा  50. ए० एन० पात्रापूरे  51. एस० करुणाकरन  52. वी० पाल  53. एम० एल० देवनाथ  54. जी० एस० विद्यार्थी  55. बी० के० मुखर्जी  56. स्वमीनाथ  57. ग्रार० के० चन्दा  70. उन्हर्म चिन्नरहा  71. उन्हर्म चिन्नरहा  72. चन्हर्म चिन्नरहा  73. उन्हर्म चन्नरहा  74. जी० एस० विद्यार्थी  75. ग्रार० के० चन्द्रा  76. स्वमीनाथ  77. उन्हर्म चन्नरहा  78. ग्रार० के० चन्द्रा  78. ग्रार० के० चन्द्रा  78. ग्रार० के० चन्द्रा  79. जन्द्रा  70. जन्द्रा  70. जन्द्रा  70. जन्द्रा  70. जन्द्रा  70. जन्द्रा  70. जन्द्रा  71. जन्द्रा  71. जन्द्रा  72. जन्द्रा  73. जन्द्रा  74. जन्द्रा  75. ग्रार० के० चन्द्रा  75. ग्रार० के० चन्द्रा	86 86
37. एम० पी० चौहान 38. एन० एस० मियान 39. जे० एन० नाग 40. जे० एस० देयोल 41. नन्द किणोर 42. पी० के० चन्दा 43. एस० के० जन्दा 45. एम० के० सेनगुप्ता 46. जे० एस० सबसेना 47. एम० एल० कोचर 48. सी० एस० साहा 49. एस० ग्रार० मित्तरा 50. ए० एन० पात्रापूरे 51. एस० करुणाकरन 52. वी० पाल 53. एम० एल० देवनाथ 54. जी० एस० विद्यार्थी 55. बी० के० मुखर्जी 56. स्वमीनाथ 57. ग्रार० के० चन्दा 30-11-85 27-1-8 " "" "" "" "" "" "" "" "" "" "" "" ""	86 86
38. एन० एस० मियान 39. जे० एन० नाग 40. जे० एन० नाग 41. नन्द किणोर 42. पी० के० चन्दा 43. एस० के० चन्दा 44. वाक् ब खान 22-3-85 45. एम० के० सेनगुप्ता 46. जे० एस० सबसेना 47. एम० एल० कोचर 2-3-85 31-3-85 48. सी० एस० साहा 3-3-85 49. एस० ग्रार० मिस्तरा 50. ए० एन० पाचापूरे 51. एस० करूणाकरन 52. वी० पाल 53. एम० एल० देवनाथ 54. जी० एस० विद्यार्थी 55. बी० के० मुखर्जी 56. स्वमीनाथ 24-2-85 7	-85 -86
39. जे० एन० नाग " " 40. जे० एन० देयोल " " 41. नन्द किणोर " " 42. पी० के० चन्दा " " 43. एस० के० चन्दा 2-3-85 " 44. वाक् ब खान 22-3-85 " 45. एम० के० सेनगुप्ता 1-3-85 24-10-8 46. जे० एस० सबसेना 3-3-85 27-1-8 47. एम० एल० कोचर 2-3-85 " 48. सी० एस० साहा 3-3-85 " 49. एस० ग्रार० मिसरा 1-3-85 " 50. ए० एन० पाचापूरे 4-7-85 " 51. एस० करुणाकरन 27-2-85 " 52. वी० पाल 21-3-85 24-10-8 53. एम० एल० देबनाथ 29-3-85 31-3-8 54. जी० एस० विद्यार्थी 2-3-85 " 55. बी० के० मुखर्जी 27-3-85 " 56. स्वमीनाथ 24-2-85 "	-86
39. जे० एन० नाग " " 40. जे० एन० देयोल " " 41. नन्द किणोर " " 42. पी० के० चन्दा " " 43. एस० के० चन्दा 2-3-85 " 44. वाक् ब खान 22-3-85 " 45. एम० के० सेनगुप्ता 1-3-85 24-10-8 46. जे० एस० सबसेना 3-3-85 27-1-8 47. एम० एल० कोचर 2-3-85 " 48. सी० एस० साहा 3-3-85 " 49. एस० ग्रार० मिसरा 1-3-85 " 50. ए० एन० पाचापूरे 4-7-85 " 51. एस० करुणाकरन 27-2-85 " 52. वी० पाल 21-3-85 24-10-8 53. एम० एल० देबनाथ 29-3-85 31-3-8 54. जी० एस० विद्यार्थी 2-3-85 " 55. बी० के० मुखर्जी 27-3-85 " 56. स्वमीनाथ 24-2-85 "	-86
40. जि एस० देवाल 41 नन्द किणोर " " 42. पी० के० चन्दा " " " 43. एस० के० चन्दा 2-3-85 " 44. वाक् ब खान 22-3-85 " 45. एम० के० सेनगुष्ता 1-3-85 24-10-8 46. जे० एस० सबसेना 3-3-85 27-1-8 47. एम० एल० कोचर 2-3-85 31-3-8 48. सी० एस० साहा 3-3-85 " 49. एस० ग्रार० मिसरा 1-3-85 " 50. ए० एन० पाचापूरे 4-7-85 " 51. एस० करुणाकरन 27-2-85 " 52. वी० पाल 21-3-85 24-10-8 53. एम० एल० देवनाथ 29-3-85 31-3-8 54. जी० एस० विद्यार्थी 2-3-85 " 55. बी० के० मुखर्जी 27-3-85 " 56. स्वमीनाथ 24-2-85 " 57. ग्रार० के० चन्द्रा 17-3-85 "	-86
41. नन्दानणार 42. पी० के० चन्दा  43. एस० के० चन्दा  44. वाक् ब खान  45. एम० के० सेनगुप्ता  46. जे० एस० सक्सेना  47. एस० एल० कोचर  48. सी० एस० साहा  49. एस० ग्रार० मिसरा  50. ए० एन० पाचापूरे  51. एस० करुणाकरन  52. वी० पाल  53. एम० एल० देवनाथ  54. जी० एस० विद्यार्थी  55. बी० के० मुखर्जी  56. स्वमीनाथ  57. ग्रार० के० चन्द्रा  7 2-3-85  7 7-3-85  7 7-3-85  7 7-3-85  7 7-3-85  7 7-3-85  7 7-3-85  7 7-3-85	-86
43. एस० के० चन्दा  43. एस० के० चन्दा  44. वाक् ब खान  45. एम० के० सेनगुप्ता  46. जे० एस० सबसेना  47. एम० एल० कोचर  48. सी० एस० साहा  49. एस० भार० मिसरा  50. ए० एन० पाचापूरे  51. एस० करुणाकरन  52. वी० पाल  53. एम० एल० देबनाथ  54. जी० एस० विद्यार्थी  55. बी० के० मुखर्जी  56. स्वमीनाथ  57. भार० के० चन्द्रा  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85  "  27–3–85	-86
43. एस० क० चन्दा  44. वाक् ब खान  45. एम० के० सेनगुप्ता  46. जे० एस० सबसेना  47. एम० एल० कोचर  48. सी० एस० साहा  49. एस० ग्रार० मिस्तरा  50. ए० एन० पाचापूरे  51. एस० करुणाकरन  52. वी० पाल  53. एम० एल० देबनाथ  54. जी० एस० विद्यार्थी  55. बी० के० मुखर्जी  56. स्वमीनाथ  57. ग्रार० के० चन्द्रा  22-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85  "1-3-85	-86
44. वाक् बान 22-3-85 45. एम० के० सेनगुप्ता 1-3-85 24-10-8 46. जे० एस० सक्सेना 3-3-85 27-1-8 47. एम० एल० कोचर 2-3-85 31-3-8 48. सी० एस० साहा 3-3-85 " 49. एस० ग्रार० मिसरा 1-3-85 " 50. ए० एन० पाचापूरे 4-7-85 " 51. एस० करूणाकरन 27-2-85 " 52. वी० पाल 21-3-85 24-10-8 53. एम० एल० देवनाथ 29-3-85 " 54. जी० एस० विद्यार्थी 2-3-85 " 55. बी० के० मुखर्जी 27-3-85 " 56. स्वमीनाथ 24-2-85 "	-86
46. जै० एस० सक्सेना 47. एम० एल० कोचर 2-3-85 31-3-85 48. सी० एस० साहा 3-3-85 " 49. एस० ग्रार० मिसरा 50. ए० एन० पाचापूरे 4-7-85 " 51. एस० करूणाकरन 52. बी० पाल 21-3-85 24-10-8 53. एम० एल० देवनाथ 29-3-85 " 54. जी० एस० विद्यार्थी 2-3-85 " 55. बी० के० मुखर्जी 27-3-85 " 56. स्वमीनाथ 24-2-85 "	-86
46. जे० एस० सबसेना 47. एम० एल० कोचर 2-3-85 31-3-8 48. सी० एस० साहा 3-3-85 " 49. एस० ग्रार० मिसरा 50. ए० एन० पाचापूरे 4-7-85 " 51. एस० करूणाकरन 52. बी० पाल 53. एम० एल० देवनाथ 54. जी० एस० विद्यार्थी 55. बी० के० मुखर्जी 66. स्वमीनाथ 24-2-85 "	-86
47. एम० एल० कोचर  48. सी० एस० साहा  49. एस० ग्रार० मिसरा  50. ए० एन० पाचापूरे  51. एस० करुणाकरन  52. वी० पाल  53. एम० एल० देबनाथ  54. जी० एस० विद्यार्थी  55. बी० के० मुखर्जी  56. स्वमीनाथ  57. ग्रार० के० चन्द्रा  2-3-85  31-3-8  "  3-3-85  "  27-2-85  "  27-2-85  "  27-3-85  "  24-2-85  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-8  "  31-3-	
48. सी० एस० साहा 3-3-85 " 49. एस० ग्रार० मिस्तरा 1-3-85 " 50. ए० एन० पात्रापूरे 4-7-85 " 51. एस० करुणाकरन 27-2-85 " 52. बी० पाल 21-3-85 24-10-8 53. एम० एल० देबनाथ 29-3-85 31-3-8 54. जी० एस० विद्यार्थी 2-3-85 " 55. बी० के० मुखर्जी 27-3-85 " 56. स्वमीनाथ 24-2-85 " 57. ग्रार० के० चन्द्रा 17-3-85 "	
50. ए० एन० पाचापूरे 4-7-85 " 51. एस० करूणाकरन 27-2-85 " 52. वी० पाल 21-3-85 24-10-8 53. एम० एल० देबनाथ 29-3-85 31-3-8 54. जी० एस० विद्यार्थी 2-3-85 " 55. बी० के० मुखर्जी 27-3-85 " 56. स्वमीनाथ 24-2-85 " 57. ग्रार० के० चन्द्रा 17-3-85 "	
50. ए० एन० पाचापूरे 4-7-85 " 51. एस० करूणाकरन 27-2-85 " 52. वी० पाल 21-3-85 24-10-8 53. एम० एल० देबनाथ 29-3-85 31-3-8 54. जी० एस० विद्यार्थी 2-3-85 " 55. बी० के० मुखर्जी 27-3-85 " 56. स्वमीनाथ 24-2-85 " 57. ग्रार० के० चन्द्रा 17-3-85 "	
51. एस० करणाकरन 27-2-85 52. वी० पाल 21-3-85 24-10-8 53. एम० एल० देबनाथ 29-3-85 31-3-8 54. जी० एस० विद्यार्थी 2-3-85 " 55. बी० के० मुखर्जी 27-3-85 " 56. स्वमीनाथ 24-2-85 " 57. ग्रार० के० चन्द्रा 17-3-85 "	
53. एम० एल० देबनाथ 29-3-85 31-3-8  54. जी० एस० विद्यार्थी 2-3-85 "  55. बी० के० मुखर्जी 27-3-85 "  56. स्वमीनाथ 24-2-85 "  57. ग्रार० के० चन्द्रा 17-3-85 "	
53. एम० एल० देबनाथ       29-3-85       31-3-8         54. जी० एस० विद्यार्थी       2-3-85       "         55. बी० के० मुखर्जी       27-3-85       "         56. स्वमीनाथ       24-2-85       "         57. ग्रार० के० चन्द्रा       17-3-85       "	-85
54. जी० एस० विद्यार्थी       2-3-85       "         55. बी० के० मुखर्जी       27-3-85       "         56. स्वमीनाथ       24-2-85       "         57. ग्रार० के० चन्द्रा       17-3-85       "	
56. स्वमीनाथ 24-2-85 " 57. ग्रार० के० चन्द्रा 17-3-85 "	
56. स्वमीनाथ 24-2-85 " 57. ग्रार० के० चन्द्रा 17-3-85 "	
<b>5</b> 8 शीतल सिंह 26-2-8 <b>5 27-</b> 1-8	-86
59. विनयनद्रा दत्ता 1-3-85 24-10-8	-85
60. के० एस० चूग्गर 1-3-85 31-3-8	-86
61. बी <b>० ती</b> जा 2 <i>7—2</i> —8 <b>5</b> "	
62. एम० एन० जोगी 1-3-85 "	
63. ग्रार० एस० पिल्लै ""	
64. पी० डी० मैनी	
· 65. यशपान सिंह 262-85 "	
66. एस <b>०</b> एन० जहरी 1-3-85	
67 जी । एम । गदरी ""	
68. एम० एल० गिरधर 23-2-85 "	
69 एस० सी० साहनी 26-2-85 "	
70 जी॰ एस॰ दत्ता 26-3-85 "	
71. ग्रार० एन० वर्मा 28-2-85 "	
72. श्रार <b>ः</b> के <b>० नेगी</b> 1-3-85 "	
73. कल्याण कुमार सेन 18-3-85 "	
74. अभो ह जोली 26-2-85 "	
75. पी० एस <b>० वर्मा</b> 1—3—85 27—1—8	- R &
76. ए० एन० भिह " 31-3-8	0.0

क नाम सं०	बढ़ाई गई तदर्थ नियुक्ति की अविध		
	<del></del>	सक	
सर्वेश्री			
77. एस० के० चन्दा	26-3-85	27-1-86	
78. पल्लम कांतिराय	27-3-85	31-3-86	
79 नवल भटनागर	28-2-85	"	
80. बिजाय कुमार नन्दी	1-3-85	"	
81. भ्रो० पी० सक्सेना	"	"	
82. श्रशोक कुमार शर्मा	25-3-85	12	
83. जे० के० सरकार	28-2-85	11	
84. ग्री०सी० कम्बले	14-3-85	11	
85. पी० के० राय	28-2-85	11	
86 रमेश कुमार	1-3-85	11	
87. टी० के० चौधरी	"	n	
88. बी० के० दास	"	**	
89. जे० एम० सरकार	"	"	
90. एस० भार० विश्वास	))	39	
91. जे० एस० राखरा	17-3-85	11	
92. एन० मजूमवार	30-10-85	ti	
93 इन्द्रजीस	27- 3-85	11	

उपरोक्त सहायक तकनीकी अधिकारी इस बढ़ाई गई सदयं निय्क्ति की अविधि के फलस्वरूप इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दाया करने के हक्तदार नहीं होंगे और सदयं आधार पर की गई सेवा-अविधि महायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में न तो वरीयता के प्रयोजन के लिए और न ही अगले उच्चतर ग्रेड में पदोक्ति की पालता के लिए गिनी जाएगी।

#### दिनांक 28 ग्रंप्रैल 1986

सं० ए० 32013/3/82-ई० सी०--राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की बरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि को प्रत्येक के सामने दी गई श्रवधि के लिए बढ़ाते हैं ---

ऋ० नाम	ग्रवरि	¥
सं०	से	तक
1 2	3	4
सर्वेश्री		
1. एम० के० वर्मा	9-8-1985	2-9-1985
2 वी०एन०चावला	11-9-1985	9-10-1985
3. के० गणेशन	17-7-1985	9-10-1985
4. एस <b>० डी० वंस</b> ल	1-7-1984	9-10-1985
5 एम०एल०धर	1-7-1984	2-9-1985

1 2	3	4
सर्वश्री	<del></del>	<del></del>
<ol> <li>वी० सुद्रामण्यन्</li> </ol>	1-7-1984	2-9-1985
7. ग्रर्जुन सिंह	8-8-1985	31-3-1986
<ol> <li>एम० एल० चक्रवर्ती</li> </ol>	17-7-1985	31-3-1986

उपरोक्त प्रधिकारियों की वरिष्ठ तकनीकी ग्रिधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की भवधि बदा दिए जाने पर वे इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगे भीर उनके द्वारा की गई इस सेवा की गणना न तो ग्रेड में वरिष्ठता के लिए भीर न ही श्री उच्चतर ग्रेड में प्रोफित की पादता के लिए भी जाएगी।

मं० ए-32013/6/84-ई० सी०---राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित ग्रधिकारियों की वरिष्ठ संचार ग्रधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि प्रत्येक के नाम के सामने दी गई भ्रवधि के लिए ग्रववा पद (पदों) के नियमित ग्राधार पर भरे जामे तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी देते हैं:--

赤。	नाम	!	ग्रवधि
सं०		से	तक

सर्वश्री		
1. बी० श्रार० सेना	25-11-84	31-3-86
2. एल० घार० सिंह	711-84	11
3. पी० एन० एस० कुशवाहा	24-3-85	<b>3</b> 7
4. पी० के० झा	22-3-85	**
5. ज <b>गमोह</b> न जीली	29-4-85	. "
<ol> <li>ही० पी० चौहान</li> </ol>	21-6-85	"
<ol> <li>वी० ग्रार० श्रीनिवासन</li> </ol>	14-3-85	"
8. एस० एस० चौधरी	31-7-85	,,
9. जी० एस० वेदी	20-3-85	30-11-85
10. के० मी० विष्वास	15-4-85	31-1-86
11. पी० भ्रार० नायर	21-3-85	3-12-85
12. एस० ऋष्णामूर्ति	9-4-85	31-10-85

उपर्युक्त अधिकारी वरिष्ठ संवार अधिकारी के ग्रेड में इस बढ़ाई गई तदर्थ नियुक्ति के फलस्वरूप इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे और तदर्थ आधार पर की गई सेवा न तो इस ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिए अथवा न ही अगले उच्चतर ग्रेड में पदोश्रति की पादता के लिए गिनी जाएगी।

क∘ नाम व पदनीम ∸	-	ग तैनातीकास्टेश `-
सं० ———————	कर <b>ने</b> की तार्	
सर्वश्री		<b>.</b> .
1. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव,	21-11-85	वैमानिक संचार
तकनीकी ग्रधिकारी	<b>(</b> पूर्वाह्य)	स्टेशन, मद्रास
2. ग्रार० के० शुक्ता,	30-10-85	वैमानिक संचार

वन भ्रनुसंधात संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 5 मई 1986

मं० 16/443/85-स्था०-1-संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहराद्वन, छा० राशिन्द्र कुमार ठाकुर को अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहराद्वन, के आधीन सन्डल अनुसंधान केन्द्र, वंगलूर में अनुसंधान अधिकारी के पद पर दिनांक 29-1-1986 की पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अस्थायी रूप से सहर्ष नियकन करते हैं।

जे० एन० सक्सेना कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय कोचिन-31, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

उपनिदेशक (प्रशासन)

विषय: स्थापता—केन्द्रीय उत्पादन शुलक प्रधीक्षक (ग्रुप छ) के ग्रेष्ठ में नियुक्ति, पदोक्षिति, नैतानी और स्थानाग्तरण के ग्रादेश—
सी० सं० 11/3/2/84-स्था०-1---निम्तिचिति केन्द्रीय उत्पादन शुलक निरीक्षकों को पदोन्नत गरके, उनके उच्चत्तर पद पर कार्यभार
ग्रहण करने की तारीख से और अगले श्रादेश होने तक २० 650-30-740-35-810-द० रो०--35-880-40-1000-द० रो०40-1200/- के वेतनमान में स्वीकार्य भन्तों के माथ केन्द्रोय उत्पादन शुलक श्रधीक्षक (ग्रुप छ) के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त
किया जाता है:---

सर्वश्री

- 1. डा॰ एंटणी
- 2. ई० देवराजन
- 3. एम० डी० मत्ताई

गृह मंत्रालय (क्रामिक और प्रणास्तिक मुधार विभाग) के कार्यालय जापन सं० 1/9/79 -म्था० पी० I दिनांक 5 प्रक्तूबर 1981 (इस कार्यालय के पत्र सो० मं० II/24/1/82-स्था०-II दिनांक  $26 \cdot 2 - 82$  में संगेषित) में बताए प्रकार से, वे अपने वेसन निर्धारण के संबंध में, पदोन्नति की तारीख के एक महीने के अन्दर अपना विकल्प दें। एक बार दिया गया विकल्प अन्तिम रहेगा।

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रधीक्षक (ग्रुप ख) के ग्रेष्ड में निम्नलिखित स्थातन्तरण र्यार नैताती के भी श्रादेश दिए जाते हैं :---

<b>क</b> ०सं०	नाम	कहां पर काम कर रहे हैं	तैनाती का स्थान	दिप्पणी
1	2	3	4	5
2. त्री० 3. के० 4. एल० 5. डी० 6. पी० 7. ई०स 8. एम०	श्री  50 नारायण पणिक्कर श्रद्भुल हमीव राधाकुष्णन  कल्याण कृष्णन एंटणी (पदोन्नति पर) श्रशोकन  गे० दिवाकरन  हो० मताई	भ्रान्तरिक लेखा परोक्षा मुख्यालय सीमा शुल्क गृह, कैलिकट	मावूर रेंज प्रधोक्षक (तकनीकी), कण्णूर एस० जी० पी० जेपूर सीमा शुक्क गृह, कैलिकट ग्रान्तरिक लेखा परीक्षा मुख्यालय तेल संस्थापन रेंज श्रान्तरिक लेखा परीक्षा मुख्यालय डिजीजन निघारक, एरणाकुलम II	रिक्त स्थान पर  क्रम सं० 1 के स्थान पर  क्रम सं० 6 के स्थान पर  क्रम सं० 3 के स्थान पर  क्रम सं० 4 के स्थान पर  क्रम सं० 7 के स्थान पर  क्रम सं० 2 के स्थान पर  क्रम सं० 9 के स्थान पर

1	2.	3	4	5
9. एन० १	<b>भी</b> बरन	ष्ठियोजन निवारक एरणाकुलम ⊸I ष्ठियोजन	सीमाशुल्क ग्रन्वे व ग्रासू० यूनिट मुख्यालय	षायु सीमा शस्क विरुवनन्तपुरम <b>चे</b> पुनः भ्रपवर्तिव पद पर
10. ई०देव	ाराजन (पदोन्नति पर)	को( <b>धिक्</b> को <b>ड-I</b> रेंज	कोचिन रेंज	रिक्ष स्थान पर
।1. के० जे 12. टीं०के०		धायु सीभाशुल्क तिरुषतन्तपुरम प्रधोक्षक सी० णु०⊶II मुख्यालय	मंजेरी रेंज ग्रधीक्षक कोफिपोसा औरसीमाणुरूक समीक्षा	यथोपरि
.3. के०के०	० एस <b>० प</b> णि <del>ष</del> कर	श्रधीक्षक, सी ० शु०-II मुख्यालय	सीमाशुल्क नीति न्याय निर्णय व सी० शु० ग्रिमियोजन	

यह श्रादेश 1-1-1985 से प्रभावी होगा।

कार्यालय मादेश सं० 2/85 दिनांक 4 जनवरी 1985

षिषय → स्थापना — केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रधीक्षक (ग्रुप ख) के ग्रेड में नियुक्ति, पदोन्नति, तैनाती और स्थानान्तरण के श्रादेश सी॰ सं॰ IJ/3/2/84 स्था॰ I--श्री वी॰ शिष्यांक्ररन, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षक (व॰ ग्रे) उद्योग मण्डल — II रेंज को र० 650~30-740-35-810-द० रो०-35-880-40~1000~द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में, उनके उच्चतर पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से और श्रगले श्रादेश होने तक, केद्रीन्य उत्पादन शुल्क श्रधीक्षक (ग्रुप ख) के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है।

गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक मुधार विभाग) के कार्यालय ज्ञापन सं० 1/9/79-स्था० पी०-I दिनांक 5 मक्तूबर, 1981 (इस कार्यालय के पत्र सी० सं०-II/24/1/82 स्था० II दिनांक 26- 2-82 में संप्रेषित ) में बताए प्रकार **है, वे प्रपने वेसन निर्धारण के** सम्बन्ध में, पदोन्नति की तारीख के एक महीने के प्रन्वर श्रपना विकल्प दें। एक बार दिया गया विकल्प श्रन्तिम रहेगा।

केन्द्रीय उत्पादन गुल्क प्रधीक्षक (ग्रुप ख) के ग्रेड में निम्नलिखित स्थानान्तरण और तैनाती के भी प्रादेश दिए जाते हैं :--

ऋ०सं० नाम	कहां पर काम कर रहे हैं	तैनाती का स्थान	दित्पणी
<ol> <li>श्री एन० श्रलक्सेंडर</li> <li>श्री वी० शिवशंकरन</li> </ol>	मूनार -II रैंज	ग्रधीक्षक तकनीकी-I मुख्यालय	रिक्त स्थान पर
	उद्योग मंधल II रेंज	मूनार II रेंज	ऋम सं० 1 स्थान पर

मृतार में कार्य ग्रहण करने के लिए श्री बी० शिवशंकरन के पहुंचने पर,श्री एन० ग्रलक्सेंडरश्री वी० शिवशंकरन को कार्यभारसौंप वैंगे।श्री वी० शिवशंकरन को 11-1-1985 को या उससे पहले भार मुक्त कर दिया जाना चाहिए।

. कार्यालय प्रादेश सं॰ 13/85 दिनांक 18 जनवरी 198**8** 

विषय⊸- स्था० केन्द्रीय उत्पादन गुरुक ग्रधीक्षक (ग्रुप ख) के ग्रेड में नियुक्ति, पदोक्षति, तैनाती ग्रीर स्थानान्तरण के ग्रावेश

सी० सं० II/3/2/84-स्था०-I— श्री ग्रार० के० रमेशन, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक निरीक्षक (व० ग्रे०) मुख्यालय को सं० 650-30-740-35-810- व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200/- के वेसनमान में, उनके उच्चसर पट पर कार्यभार ग्रहण करने की सारीख से ग्रीर श्र्मले ग्रादेश होने तक, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक

प्रधीक्षक (ग्रुपःखं) के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है ।

गृह मंत्रालय (कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग) के कार्यालय शापन सं 1/9/79—स्था पी । दिनांक 5 श्रक्तूबर, 1981 (इस कार्यालय के पत्र सी । सं II/24/1/82 स्था । II दिनांक 26—2—82 में संप्रेषित) में बताए प्रकार से, वे श्रपने वेतन निर्धारण के संबंध में, पक्षोश्रति की तारीख के एक महीने के श्रन्दर श्रपना विकल्प दें। एक बार दिया गया विकल्प श्रन्तिम रहेगा।

उनको, ध्र्मले श्रादेश होने तक मुख्यालय में श्रधीक्षक (सतर्कता) के रूप में तैनात किया जाता है।

# कार्यालय श्रावेश सं० 24/85 दिनांक 26 फरवरी 1985

सी० सं० II/3/2/85- स्था० I- - निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षकों को पदोन्नत करके 1-3-1985 से या बाद में हों तो, उनके उच्चतर पद पर कार्यभार ग्रंहण करने को तारीख से और प्रगले प्रावेण होने तक ६० 650-30-740-35-810--व० रो०- 35-880-40-1000 व० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्वीकार्य भक्तों के साथ केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रधीक्षकों (ग्रुप ख) के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है:

सर्वश्री

- 1. ए० के० ग्ररविण्दन
- 2. पो० के० जोसफ

गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रणासिक सुधार विभाग) के कार्यालय ज्ञापन सं० 1/9/79 —स्था० पी०- I दिनांक 5 श्रक्तू बर 1981 (इस कार्यालय के पत्र सो० स०  $I^{\rm I}/24/1/82$  स्था० - I दिनांक 26- 2- 82 में सप्रेपित ) में बताए प्रकार से, वे श्रपने वेतन निर्धारण के सम्बन्ध में, पदोन्नित की तारीख के एक महीने के श्रन्दर श्रपना चिकल्प दें। एक बार दिया गया विकल्प श्रन्तिम रहेगा।

केदीय उत्पादन शुल्क प्रधीक्षक (ग्रुप ख) के ग्रेड में निम्नलिखित तैनाती और स्थानान्तरण के भी श्रादेश दिए जाते हैं :---

ऋ०सं० नाम	कहां पर काम कर रहे हैं	तैनाती का स्थान	टिप्पणी
सर्वंश्री			
1. ए० के० भ्ररविन्दन	निरीक्षक रा० श्रा० नि० कण्णूर	भ्रधीक्षक (निवारक) तृणुर डिवीजन	रिक्त स्थान पर
2. ए <b>प</b> ० वेंकटा <b>प</b> लम	ग्रधीक्षक (तकनीकी) एरणाकुलम– [ा] र डिवीजन	ग्रधीक्षक तृशूर-I रेंज	यथोपरि
3 पी०के० जोसफ (पदोन्नति पर)	डिवीजन कार्यालय तिरुवन <del>न्</del> तपुरम	ग्रधीक्षक (तकनीकी) एरणाकुलम–I डिवीजन	क्रम सं० 2 के स्थान पर
4. के० कृष्णन नंख्यार	म्रधीक्षक वि० म्र० यू० मुख्यालय	मधीक्षक मू० व० कक्ष	रिक्त स्थान पर

# भ्रादेश मं० 87/85 दिनांक 14 मई 1985

विषय — स्था० केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रधीक्षक (सूप ख) के ग्रेड में नियुक्ति, पदोक्रति, तैनाती श्रीर स्थानान्तरण के श्रावेश

सी० सं० II/3/2/85—स्था० I—श्री एस० शिवदासन, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक निरीक्षम (व० ग्रे०) मुख्यालय को रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200/- के वेसनमान में, उनके उच्चतर पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से श्रीर श्रगले श्रादेश होने सक, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक श्रधीक्षक (ग्रुप ख) के रूप में स्थानापक तौर पर नियुक्त किया जाता है।

- 2. गृह मंतालय (कार्मिक ग्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग) के कार्यालय ज्ञापन संव 1/9/79-स्थाव पीव I दिनांक 5 ग्रक्सूबर 1981 (इस कार्यालय के पन्न सीव संव II/24/1/82 स्थाव-II दिनांक 26-2-82 में संप्रेषित) में बताए प्रकार से, वे श्रपने देतन निर्धारण के सबन्ध में, पदोश्रमि की तारीख के एक महीने के ग्रन्दर विकस्प दें। एक बार दिया गया विकस्प ग्रन्तिम रहेगा।
- 3. अगले अदिश होने तक उनको तृशूर जिजीजन, तृशूर में अधीक्षक (विशेष कार्य अधितारी) के रूप में अब तैनात किए गए श्री ए० के० अरिवन्दन के स्थान पर, अधीक्षक, विशेष सीमा- शुल्क निवारक यूनिट, बाञ्जंगाड के रूप में तैनात किया जाता है। दिनांक 3-5-85 के आदेश सं० 80/85 द्वारा की गयी श्री ए० के० अरिवन्दन की तैनाती एतद्वारा रद् की जाती है।

# कायलिय भाषेश सं० 110/85

दिनांक 27 जून 1985

विषय — स्थापना — केन्द्रीय उत्पादन शुरुक प्रधीक्षक (ग्रुप ख) के ग्रेड में पदोन्नति तैनाती और स्थानान्तरण के ग्रादेश— सी० सं० II/3/2/85 स्थानान्तरण के ग्रादेश— सी० सं० II/3/2/85 स्थानान्तरण के ग्रादेश— सि० सं० II/3/2/85 स्थानान्तरण के जन्मतर पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से जो भी बाद में पड़े और ग्राने ग्रादेश होने तक रू० 650-30-740-35-810—द० रो०— 35-880-40-1000—द० रो०—40-1200/— के वेतनमान में स्वीकार्य भत्तों के साथ केन्द्रीय उत्पादन शुरुक ग्राधीक्षकों (ग्रुप ख) के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है :—

ऋ०सं० सर्वश्री

- पी० राधाकृष्णन (सं० III)
- 2. टी॰ सी॰ राजदास

क० सं० नाम सर्वेश्री	कहां पर काम कर रहे हैं	तैनाती का स्थान	टिप्पणी
1. पी० राधाऋष्णन (सं० III)	वायु सीमाणुलक तिरुवतन्तपुरम	तिरुवन्नतपुरम र रेज	करु सं० 2 के स्थान पर
2. एम० वी० ग्रद्राह्य	तिरुवनन्तपुरम I रेंज	श्रधीक्षक (तक्षनीकी) तिरुवनन्तपुरम डिवीजन	ऋ० सं० 3 के स्थान पर
3. ए० परमेश्वरन नायर	श्रधीक्षक (तकनीकी) तिरुवनंतपुरम डिबीजन	पालक्काड III रेंज (तृष्ट्र्र डिवीजन)	रिक्त स्थान पर
4. टी० सी० राजदास	मुख्यालय (निवारक)	तलशेरी रेंज (कण्णूर डिवीजन)	रिक्त स्थान पर
<ol> <li>जी० एम० श्रहमद उल कथीर</li> </ol>	ग्रधीक्षर (तक्तीकी) एरणाकुलम II डिबीजन	चिट्टूर रेंज (तृषूर डिवीजन)	रिक्त स्थान पर
6. एन० ग्रलक्सैंडर	ग्रधीक्षक (नकनीकी) मुख्यालय	ग्रधीक्षक (तक्तीकी) एरणाकुलम II डिवीजन	क्रम सं० 5 के स्थान पर

3. ऊपर के पैरा 2 में जिन तैनातियों भीर स्थानान्तरणों के श्रावेश दिए हुए हैं वे 1- 7-1985 से ही प्रभावी होंगे।

ध्रादेश सं० 119/85 विनांक 24 जूलाई 1985

विषय — स्था० – केन्द्रीय उत्पादन शुलक श्रधीक्षण ग्रेड में नियुक्ति, तरककी, तैनाती श्रीर स्थानांतरण के संबंध में श्रादेश।

सी० सं० II/3/2/85 स्था० I—श्री एन० के० रमणन, निरीक्षक, के० उ० मुल्क (बिरिष्ठ ग्रेड) का प्पुषा रें।, एरणाकुलम II डिबीजन को रू० 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेसनमान में, उनके उच्चतम पद पर कार्यभार ग्रहण करने की

तारीख से धौर ग्रमले ग्रादेश होने तक ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (ग्रुप "ख") के रूप में स्थानापन्न तीर पर काम करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2 श्री एन० के० रमणन को 31-7-85 तक ग्रालपुषा रेंज में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क -II, के रूप में तैनात किया जाना है ग्रीर श्री टी० के० वासुपिल्ले, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (ग्रुप "ख") के 31-7-1985 को सेवा निवृत्त होने पर उस रिक्त स्थान पर 1-8-85 से श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रालप्पुषा रेंज, के रूप में तैनात किया जाता है।

भावेश सं० 131/85 दिनाँक 1 भ्रगस्त 1985

विषय → स्था० केन्द्रीय उत्पादन मुल्क श्रधीक्षक ग्रेड (ग्रुप "ख") में नियुक्ति, तरक्की, तैनाती श्रौर स्थानांतरण के संबंध में श्रावेश ।

सी॰ सं॰ II/3/2/85 स्था॰- I---निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पादन णुल्क निरीक्षकों को, तरक्की करके रु० 650-30-740-35-810-स॰ रो०-35-880-40-1000-द॰ रो०-40-1200/- के वेतनमान में श्रीर श्रनुमत्त भक्तों के गाथ, उनके उच्चतम पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख ने श्रीर अगलि श्रादेश होनं तक, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (ग्रुप 'ख") के रूप में स्थानापन्न तौरपर काम करने के लिए नियुक्त किया जाता है:

ऋम सं० सर्वेश्री

- 1. टी० दामोधरन
- 2. बी० हरिहर सुष्रम्हण्य भ्रय्यर

2. के o उ o शल्क भ्राधीक्षक (ग्रूप 'ख'') ग्रेड में निम्नलिखित तैनाती भ्रौर स्थानौंतरण का भी भ्रादेश दिया जाता है।---

कम सं०	नाम	कहाँ काम कर रहे हैं	तैनाती का स्थान	दिप्पणी
<del></del> -	सर्वेश्री		,	
1.	टी० वामोदरन	पुनरीक्षण कक्ष मु <b>ख्</b> यालय	ग्रधीक्षक (तकनीकी) एरणाकुलम I डिवी०	एक रि <del>क्</del> त स्थान पर
2.	हरिह्र सुब्रम्हण्य ग्रय्यर	डिवीजन कार्यालय तिरुवनंतपुरम	कुंडरा रेंज	क्रम संख्या 3 के स्थानपर
3.	सी० भार० भास्करन	कुं <b>ड</b> रा रेंज को स्थानाँतरण श्रादेश के श्रधीन	श्रां० ले० परी० मुख्यालय	एक रिक्त स्थान पर



भाग III—खण्ड 4 PART III—Section 4

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 10] नई विल्ली, सनिवार, मई 31, 1986/ ज्येष्ठ 10, 1908 No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 31, 1986/JYAISTHA 10, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as separate compilation

# UNIT TRUST OF INDIA New Delhi, the 31st May, 1986 CORRIGENDUM

No. UT|ND 23434|Gen. 85|86.—In Part III—Section 4 of the Gazette Extraordinary dated the 26th May, 1986, in the Notification issued by Unit Trust of India, the word "inducted" should be read as "elected".

A. K. THAKUR, Jt. Genl. Manager

319 GI/86

1

## श्रादेश सं० 132/85

#### दिनांक 2 ग्रगस्त 1985

विषय ~ स्था०-प्रशासन अधिकारी/यहा० मुख्य लेखा अधिकारी/लेखा अधिकारी ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति/तरक्की के नियमन के संबंध में आदेश।

सी० सं० /II/3/20/84 स्था०- I--- तिम्नलिखिन आधिकारियों, जिन्हें उनके नाम के नामने दिखाए गए कार्यालय आहेत के अनुसार पहले तदर्थ आधार पर तरक्की किया गया था, का, प्रत्येक के आमने दी गई धारीख से प्रशानि अधिकारी/पहा० मुख्य लेखा अधिकारी/सेखा परीक्षक (प्रुप "ख") के ग्रेड में नियमित आधार पर स्थानान्त्र तौर पर काम करने के लिए नियुक्त किया जाना है :---

ऋम	नाम	श्रादेश सं ० व तारीख जिनके श्रनुसार	नदर्थ तरवकी को	 नियमत की
.सं०		तदर्थ श्राधार पर तरक्की की गई थी	तारीख:	ता रीख
सर्वश्री	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			
परीक्षव	न० गोविन्दन कुट्टी, _र , मु <del>ष</del> ्यालय परीक्षा)	सी'० सं० II/3/20/84 स्था ०~ I (भाग–I) दिनौंक _१ 7⊸6−84	22-6-84	1-8-85
	० केणवंन (ग्रनुसूचित जाति) नुष्य लेखा   श्रधिकारी सं०II, ाय	यथोपरि	8~6~84	1-8-85
(प्रणास	ा० रामचन्द्रन नायर, निक ग्रधिकारी, तपुरम  डिवीजन )	सं1० सं० ∏/3/20/84 स्था० I दिनांक 7- 7-84	117-84	1-3-85

श्रधिकारियों को सूचित किया जीता है कि वं दो पर्य को श्रवधि के निए परिवीक्षा पर रहेंगे और यदि वे संत्राधिन के एए से परिवीक्षा श्रवधि पूरी न करें तो तरकको के लिए उनके मामले पर विचार नहीं किया जाएगा।

श्री अ० गोविन्दराज समाहर्ता

# **श्रादेश सं० 17/86**

# कोचीन, दिनाँक 11 फरवरी 1986

विषय — स्थापना— केन्द्रीय उत्तादन णुस्त अधीक्ष ह (श्रुप ख) के ग्रेड के पदीक्षिति, तैनातो और स्थानान्तरण के आदेश । सी० सं० II/3/9/86—स्था०—I——िनम्निष्धिय केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षकों को पदीक्षित करके उन्ततर पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख संग्रीर ग्रगले ग्रादेश होने तक ६० 650—30-740—35-810—द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200के वेतनमान में स्वीकार्य भत्तों के नाथ केन्द्रीय उत्पादन णुल्क ग्रधोक्षकों (ग्रुप ख) के ख्य में स्थानापन तीर पर नियुक्त किया जाता है:—

#### क्रम मं० नाम

- 1. श्री वी ० विद्याधरन
- 2. श्री ई० सक्विवानन्दन
- 2. केन्द्रीय उत्पादन शुलक प्रधीक्षक (ग्रुप ख) के ग्रेड में निम्नलिखित तैनाती ग्रौर स्थानान्तरण का भी ग्रादेश दिया जाता

	कर्म असा क्यां क्या कर के के					
ऋम	नाम	कहाँ काम कर रहे हैं	तैनाती का स्थान	टिप्पणी		
सं०						
सव	र्वश्री					
1. वी	।० विद्याधरन	मुख्यालय (लेखा परीक्षा)	वि० सी० गु० नि० युनिट,	श्रम सं० ३ के स्थान		
		(पदोन्नति पर)	कासरगोड वि० द० सी० गु० नि०			
2. 🕏	० सच्चिदानन्दन	मुख्यालय (लि०परी०)	बलियपद्टम रॅंज	रिक्त स्थान पर		
		(पदोन्नति पर)	कण्णुर <b>डि</b> बी <b>ज</b> न			
3. के	० राधाकृष्ण मेनोन	वि० सी ० गु० नि० यूनिट,	मुख्यालय (ले० परी०)	रिक्त स्थान पर		
		कासरगोडे वि० सी० शु० नि० डिवी०	· ,			

भादेश सं० 23/86 दिनांक 17 फरवरी 1986

विषय: - स्थापना-केन्द्रीय उत्पादन शृहक श्रधीक्षक (ग्रृप ख) के ग्रेड में पदोक्षति, तैनाती श्रीर स्थानांतरण के ग्रादेण।

सी० सं० II/3/9/86 स्था०I—निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पादन गुल्क निरीक्षकों को पदोन्नत करके उनके उन्चतर पद पर कार्यग्रहण करने की तारीख से ग्रौर ग्रगले श्रादेश होने तक रू० 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880+40-1000—द० रो०-40-1200/— के वेतनमान में स्थीकार्य भत्तों के साथ केन्द्रीय उत्पादन गृल्क श्रधीक्षकों (ग्रुप ख) के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है :—

क० सं० नाम

 श्री के० के० शिवजी (वि० सी० शु० नि० यूनिट, कैलिकट/ वि० सी० शु० नि० डिवीजन)

2. श्री ग्रार० ग्रजित कुमार (मृख्यालय)

उपर्युक्त दोनों ग्रधिकारियों को, भारत सरकार के दिनांक 24 जनवरी, 1986 के श्रादेश फा० मं० ए० 1109/43/85 प्रग्रा०-IV के प्रश्रीन स्वी हत ग्रितिरिक्त पदों के सामने तिष्वनन्त-पुरम एयर पोर्ट में, फिलहाल तैनात किया जाता है।

उनको सूचित िया जाता है जिएयर पोर्ट में उनकी तैनाती बिल्कुल अस्थायी ग्रीर तदर्थ आधार पर है ग्रीर केवल तब तक के लिए है जब तक कि निर्धारित कार्यप्रणाली के ग्रनुसार तिरुथनन्तपुरम के एयर पूल में तैनात किए जाने वाले ग्रधीक्षकों (वायू गीमाशुरूक) की सूची को ग्रन्तिम रूप देकर पद, ग्राहियों को तैनात न किए जाएं।

**श्र्निप्रमाणि**त

वी० के० **ग्रग्रवा**ल समाहर्ता

कोचिन-682 031, हिनांक 30 भ्रगस्त 1985 ग्रावेश सं० 148/85

विषय —स्थापना केन्द्रीय उत्पादन शुरूक ग्रधीक्षक (ग्रुप ख) के ग्रंड में नियुक्ति, पदोश्रति, सैनाती ग्रीर स्थानाम्तरण के ग्रादेश ।

सी० मं० II/3-2-85 स्था० I—श्री वी० महादेव ग्रय्यर, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक निरीक्षण (त्र० ग्रे०) ष्टिवीजन कार्यालय, तिरुवनन्तपुरम को रु० 650-30-740-35-810-रु० रो०-35-880-40-1000-रु० रो०-40-1200/- के वेतनमान में उनके उच्चतर पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से ग्रीर ग्रगले श्रादेश होने तक, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक श्रधीक्षक (ग्रुप ख) के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया जाता है।

2. श्री महिदेव ग्रय्यर को 57 दिन की ग्रजित छुट्टी पर चले गए। श्री वी० ग्रनन्तकृष्णन के स्थान पर, के० उ० शुल्क ग्रधीक्षक तृशूर रेंज — III के रूप में श्रस्थायी तौर पर तैनात किया जाता है।

विनौक 16 सितम्बर 1985 भावेश सं० 160/85

विषय :--स्था०-अधीक्षक, के० उ० शुरुक (ग्रुप -ख) के ग्रेड में पदोन्नति, तैनाती और स्थानान्तरण के आदेश

सी० सं० II/3/2/85 स्था०-I--िनम्निलिखित केन्द्रीय उत्पादन शुरूक निरीक्षकों को पदोन्नत करके, रू० 650-30-740-35-810-द० रो०- 35-880-40-1000-द० रो०- 40-1200/- के वेतनमान में श्रीर स्वीकार्य भत्तों के साथ, उनके उच्चतर पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख में श्रीर श्रगके श्रावेण होने तक केन्द्रीय उत्पादन शुरूक श्रधीक्षक (ग्रुप ख) के रूप में स्थानापन्न तौर पर काम करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पर	काम करने के वि	तए नियुक्त क	या जाता ह।		
	ऋम् सं०	नाम	सर्वेश्री		
	1. रंजिह	जिकब कोशी			
	2. एम॰ र	गोपालन			
	2. केन्द्रीय	उत्पादन गुरुक	भघीक्षक (ग्रुपख) के ग्रेड में	निम्नलिखित तैनाती ग्रीर स्थानांतरण का	प्रादेश दिया जाता है।
कम	नाम		कहाँ काम करते हैं	तैनाती का स्थान	टिप्पणी
सं ०					
	सर्वेश्री				
1.	एम० चन्द्रशेख	रत नायर	वि० सी० शु० नि० डिवीजन,	पालक्काड II रेंज	ए० केणव मेनोन के
	•		कै लिकट		स्थान पर जिनको
					छुट्टीमंजूर की गई
					हैं।
2.	के० देवदास		मुख्यालय (निवारक)	<b>प्र</b> धीक्षक (तकनीकी)	क्रम सं० 1 के स्थान
				वि० सी० गु० नि० ४वीजन कार्यालय	पर
				<b>कै</b> लि <b>कट</b>	

क्रम सं०	- नाम	कहाँ काम करते हैं	तैनाती का स्थान	टिप्पणी
	सर्वेश्री	alter former for the first former and the former		
3.	वी० राघवन नंब्यार	ग्रधीक्षक (तकनीकी) कोषिक्कोड डिबीजन कार्यालय	मुख्यालय (निवारक)	क्रम सं०ं2 के स्थान पर
4.	टी० एन० गोपालन	मुख्या <b>ल</b> य (निवारक)	भ्रधीक्षक (तकनीकी) कोषिक्कोड डिवीजन	कम सं० ३ केस्थान पर
5.	रंजिस जेकब कोणी	मुख्यालय (पद्रोन्नति पर)	मुख्यालय (निवारक)	क्रम सं० 4 के स्थान पर
6.	एम० गोपालन	निरुवनंतपुरम वायु सीमाशुल्क (पद्गोन्नति पर)	वि० सी० शु० नि० यूनिट, कण्णूर	श्रीसी०पी० भास्करन केस्थान पर जिन्हें खुट्टी मंजूर की गई है।
7.	एम० डी० मथाई	श्रधीक्षक (निवारक) एरणाकुलम I डिवीजन	मूल्याँकन <b>न व</b> र्गीकरण कक्ष, मुख्यालय	क्रम सं० 8 के स्थान पर
8.	के० कृष्णन नंब्यार	ध्रधीक्षक मूल्याँकन व वर्गीकरण कक्ष मुख्यालय	ग्रधीक्षक (तकनीकी) एरणाकुलम I डिवीजन	कम सं० 9 के स्थान पर
9.	टी० दामोदरन	ग्रंघोक्षक (तकनीकी) एरणाकु <b>लम</b> I डिवोजन	प्रधीक्षक (निवारक) एरणाकुलस I डिवीजन	क्रम सं० 7 केस्थान पर

# विनौक 20 नवम्बर 1985

# श्रादेश सं**० 1**89/85

विषय --स्था०--केन्द्रीय उत्पादन गुरूक श्रधीक्षक ग्रेड (ग्रुप "ख ') में पद्रोन्नति, तैनाती श्रीर स्थानौतरण के संबंध में श्रादेश

सी० सं० II/3/2/85 स्था०-I— निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षकों को, पदोन्नति करके ६० 650-30-740-35—810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० -40-1200/- के वेतनमान में भौर स्वीकार्य भसों के साथ, उनके उच्चतर पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से श्रौर श्रगले श्रादेश होने तक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्राधीक्षक (ग्रुप "ख") के रूप में स्थानापन्न तौर पर काम करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

#### ऋम सं० सर्वेश्री

- सी०टी० सखरिया
- 2. टी० के० श्रीनिवासन
- 2. केन्द्रीय उत्पादन शुरूक अधीक्षक (ग्रुप "ख") के ग्रेड में निम्नलिखित तैनाती भ्रौर स्थानौतरण का भ्रावेश दिया जाता है।

ऋम सं०	नाम	कहाँ काम करते हैं	तैनाती का स्थान	टिप्पणी
 स				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
1. ₹	गि० टी० स <b>ख</b> रिया	मुख्यालय, निवारक	एरणाकुलम−II रेंज (एरणाकुलम II डिकीजन)	रिक्त स्थान पर
2. <b>දි</b>	ो० के० श्रोनियासन	डियोजन निवारक एरणाकुलम-⊥ डिवीजन)	श्रंकमाली रेंज (एरणाकुलम [°] I डिबीजन)	

# भृवनेण्वर, दिनांक 14 दिसम्बर 1985

सी मं II/(39)5-50 टी०-84/16 158ए--केन्द्री; उत्पाद एवं भीमा शुरूक समाहतिलय, भुवनेष्वर के निम्नलिखिन प्रधिकारी उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से श्रधीक्षक के ग्रेड में स्थायीवन किए गए हैं --

क्र० मं० अधिनारी ∤ा नाम	स्थापीवत की नारीख
 सर्वेजी :	
<ol> <li>चनार्दन पुरोहित</li> </ol>	5-11-83
2. अनिल कुमार महान्ति	23-11-83
3. सूरेश कृमार बेहेरा	13-1-84
4. ग्रर्धेन्द्र किसोर दत्त	82-84
5. नित्यानन्द दाम	7-4-84
<ol> <li>बोधीयास अभावार्य</li> </ol>	30-8-84
7. लक्ष्मी नारायण	30-8-84
8. राधापोहन पाईक्राय-	6-10-84
9. ∞ध्य चन्द्र बेडरा	23-12-84
10. गंगापनि बेहेरा	23-12-84
11. बी० सी० पत्नायक	7-2-85
12. महेन्द्र चन्द्र साहु	7-2-85
13. बैरागी चरण साह	7-2-85
14. विनय नुमार साहा	10-12-84

# भुवनेश्वर, दिनांक 2 मई 1986

सं० ।/म्था० /1986---नेभ्द्रीय उत्पाद एव भीमा शृहक ममाहर्ताच्य भूवनेश्वर के निम्नलिखित , राजश्वित श्रधितारी उनके नाम के जामने दिए गए दिनांक में श्रधिवर्षिता प्राप्त करने के कारण भरतारी नौलगी से मेंद्रा निवृत्त हुए ।

1. श्री मृत्रु म्नु श्राब	क्रधीक्षक <b>वर्ग 'ख'</b>	
2. श्री पी० के० रावल	श्रदीक्षक वर्ग 'ख'	(भ्रपराह्म) 31 7-85 (भ्रपराह्म)

बी० नेन्द उप-समाहतो (का० भ्रीर स्था०)

कल-क्ता, .दनांक 5 मई 1986 विषय —-प्रशीक्षक पेड "बी'' मैं पदोक्षनि, स्थानान्तरण एवं पदस्थापना

#### 1. पदोश्रति

स्थापना ग्रादेण सं० 48/86—केन्द्रीय उत्पाद गुल्क समा हर्नालय कलकत्ता—।/।।/बोलपुर के सम्मिलित मंबर्ग के निम्नि लिखित केन्द्रीय उत्पाद गुल्क निरीक्षक पदोन्नति के उपरान्त इसके द्वारा श्रान्तिम रूप से केन्द्रीय उत्पाद गुल्क श्राधीक्षक ग्रेड "बी" के रूप में नियुक्त किए जाते हैं जिनका वेसनमान रुपयये 650-30-740-35-810-40-1000 द० रो ०-40-1200 के साथ नियमानुसार सामान्य मान्य भत्ता उच्च पद (श्रधीक्षात, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रेड "बी") का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख़ से लागू होगा। ग्रन्य श्रादेश ग्राने तक उनकी पहस्थापना निम्नप्रकार होगी:—

कः० सं०	नाम	वर्तमान पदस्थापना
सर्वश्र	î'−−	
1. कमल	िकोर राय	नियति गुल्क वापसी, कलकत्ता1
2. सत्येग	चन्द्र मैवा	ग्रान्तरिक लेखा परीक्षा, कलक <b>त्ता</b> — 1
3⊷ देवकत	मुखर्जी	प्रधान समाइर्ता सेल, कलकत्ता—1
4. नूसिंह	कुमार विश्वार	म कलकत्ता—।।
5. भोतर	<b>ा</b> ज चत्रवर्ती	कलकत्ता—।।
<ol> <li>भानित</li> </ol>	रंजन दत्त	ग्रान्तरिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता−।
7. कमल	रंजन भट्टाचाः	र्जी कलकत्ता—।।
8. प्रदीप	कुमार सेनगुष्	ना कलकत्ता—−।।
9. रवीन्त	: चन्द्रकर	कलकत्ता——।।
2. 3		पदोक्षति अधिकारियों को चेतावनी दी
		मैं उनकी नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी है

2. ऊपर निखित पदोन्नति ग्रिधकारियों को चेतावनी दी नाती है कि ग्रेड "बी" मैं उनकी नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी है श्रीर सीधी भर्ती या ग्रन्य ग्रिधनारियों के लिए निर्धारित पदों के प्तरीक्षण /परिवर्तन योग्य है जिसके ग्रावंटन का निर्णय सरकार ग्रन्तिम रूप से से सकती है।

दूसरे णब्दों मैं अनिकास रूप से पदोश्वति अधिकारी को गृह मंत्रालय के आदेश सं० 9/11/55/एस० आर० पी० एस० दिनांक 22-12-59 मैं निहित निदेशानुसार सीधी भर्ती के अधिकारियों के साथ (जब वे उपलब्ध होंगे) और जब वे स्थापना के लिए अधिक होंगे तब उन्हें वापस लौटा दिया जायगा।

- 3. जनकी पदोन्नित श्री गौर कुमार वे, निरीक्षक हैं (एस० जी) द्वारा द्वायर की गयी वर्ष 1984 की रिट याचिका सी श्रीर सं 8496 (डब्ल्यू) के अनितम निर्णय के अनुसार होगी और श्रवमाना आवेदन के श्रादेणानुसार एक पद रिक्स रखा गया है।
- 4. यह पदोश्रिनि श्री एम० ग्रार० दश शर्मा, निरीक्षक ग्रीर ग्रन्य द्वारा ग्रारक्षण पर वर्जकी गयी रिक्ट याचिका के श्रन्तिम निर्णय पर भी निर्भर करेगी ।
- ।।. स्थानान्तरण एवं पदस्थापना

निम्नलिखित स्थानान्तरण एवं पदस्थापना इसके द्वारा

ग्रन्थ श्रादेश ग्राने नक तत्काल लागू किया जाता है:—

अ० प्रिविकारी का नाम वर्तमान पदस्थापना पदोश्रति/स्थानान्तरण

मं० के बाद पदस्थापना

सर्वश्री-
1. कमल किशोर राय निर्यात शुल्क वापमी बोजपुर ममाकलकत्ता- 1 समा० हर्तालय

2. सत्येश चन्द्र मैद्रा आन्तरिक लेखा

परीक्षा कलकत्ता- 1

समा०

कम० ग्रिधिकारी का नाम वर्तमान पदस्थापना पदोन्नित/स्थाना-सं० न्तरण के बाद पदस्थापना

सर्वश्री--

3. देवकत मुखर्जी प्रधान समाहर्ता प्रधान समाहर्ता-सेल कलकत्ता-I समा ० सेल कलकत्ता-I समा ०

4. नृसिंह कुमार विश्वाम मुख्यालय (लेखा कलकत्ता⊸II परीक्षा) समा०

कलकत्ता−II समा०

5. भोजराज चऋवर्ती

श्रीरामपुर टेक्स- बोलपुर समाहर्ता-टाइल प्रम०, लय कलकत्ता-मा समा०

6 शान्ति रजन दत्त

श्रान्तरिक लेखा-परीक्षा कलकत्ता- 1

समा०

कमल भट्टाचार्जी

हावड़ा पश्चिम प्रम० " कलकत्ता- I समा०

8. प्रवीप कुमार सेन-

बैरकपुर के० उ० कलकत्ता~ II समा० म् ० प्रम०, रेंज-II

गुप्ता

कलकत्ता∼II

रवीन्द्र चन्द्रं कर

बैरकपुर के० उ०

मु०, प्रम०, रेंज~ I;

कल'∘-∏

10. डी० के० राय

बोलपुर समाहर्ता- समाहर्तालय,

लय

श्रपील यूनिट कलकत्ता-Iसमा०

11. एस० जी० दे

बोलपुर समाहर्तालय कलकता ''बी''

प्रम०, कल०~I समा० (ए० ग्रार० सिह्ना, विधि शास्त्रा में स्थाना-न्तरित के स्थान

पर)

12. ए० के० घोष

दुर्गापुर इस्पात प्रम० कलकता-II समा०

13. श्रार० एन० विश्वास दुर्गापुर के० उ० श्रु० प्रम०

कलकत्ता-II

14. मोनी बनर्जी

मुख्यालय श्रपील कलकत्ता-I कलकत्ता−''एफ'' प्रम०कलकता–I

पदोन्नत/स्थानान्तरित प्रधिकारियों द्वारा प्रधीक्षक ग्रुप ''घ'' केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि के साथ कार्यभार स्थानान्तरण के प्रमाणपत्न की प्रति उप समाहर्ता (का॰ एवं स्था॰), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कलकत्ता-1/11/ बोलपुर को प्रेषित की जाए ।

3-86/GI/86

गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० एक ० 1/1/80/स्थां ० पार्ट-1 दिनांक 26-9-81 के अनुसार अपने नेतन नियतन के के सम्बन्ध में पदोन्नति अधिकारी पदोन्नति तिथि से एक माह के अन्दर अपना आशय प्रकट करेंगे।

स्थानीय ब्यवस्था करके म्रिमिकारी को शीघ्न कार्यमुक्त करें।

सी० **भु**जंगस्वामी प्रधान समाहर्ता

# केन्द्रीय जल स्रायोग

नई दिल्ली, दिनाँक 6 मई 1986

सं० ए०-19012/1(42)/86-स्था० एक--ग्राध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, एतद्द्वारा श्री जै० एम० देशपाँडे, वरिष्ठ ब्यावसायिक सहायक (एच० एम०) की प्रतिरिक्त सहायक निर्देशक (एच० एम०) के पद पर रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 के वेतनमान में, स्थाना गन्न क्षमता में तदर्थ श्राधार पर दिनाँक 30-1-86 से छः माह की श्रवधि या जब तक यह पद नियमित श्राधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

श्री जे० एम० देशपाँड को नियुक्ति पूर्णंतः स्थानीय व्यवस्था के तौर पर है भ्रीर इससे उन्हें उच्च ग्रेड में नियमित पदोन्नति श्रयथा वरिष्ठता काको हक नहीं मिलेगा ।

सं० ए०-19012/1(41)/86-स्था० एक--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, एतद्द्वारा श्री पी० के० गूई, वरिष्ठ ध्यावसायिक सहायक (एच० एम०) को अतिरिक्त सहायक निदेशक (एच० एम०) के पद पर रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-1200 के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में तदर्थ आधार पर दिनांक 27-1-86 (जो उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि हैं) से छ: माह की अवधि या जब तक यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भो पहले हो, नियुक्त करते हैं।

श्री पी० के० गूई को नियुक्ति पूर्णतः स्थानीय व्यवस्था के तौर पर है और इससे उन्हें उच्च ग्रेड में नियमित पदोन्नति श्रयवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलिगा।

> श्री महादेव श्रय्यर श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 7 मई 1986

सं० ए-19012/1150/85--स्थापना-पाँच--प्रध्यक्ष; केन्द्रीय जल श्रायोग श्री जी०सी० चक्रवर्ती, पर्यवेक्षक को श्रीतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200/- रुपए के वेतनमान में 22/8/1985 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिए श्रथवा पद के नियमित

प्राधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हों, पूर्ण श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं ।

> मीनाक्षी श्ररोड़ा श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

# उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी प्रधिनियम, 1956 के मामले में एवं धूप सन्म रबर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लि० रायपुर (म०प्र०)के विषय में ग्वालियर, दिनाँक 6 मई 1986

सं० 2488/पी० एस० /सी० पी०--कापनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एनद्द्वारा सूचित किया जाता है किइ स सूचना के प्रकाशन के दिनाँक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं० धूप सन्स रबर इंडस्ट्रीज, प्राइवेट सिमिटेड, रायपुर का नाम, यदि इसके विरुद्ध काई कारण न दर्णाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी ।

एस० करमाकर कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण,

वम्बई-400 020, दिनाँक 1 मई 1986

सं ० एफ - 48-एडी/एटी/1986--श्री एस० व्ही ० नारायण वैयनितक सहायक प्रति अध्यक्ष, आयकर प्रपीलीय अधिकरण, बम्बई को तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर, आयकर अपीलीय अधिकरण, वम्बई पीठ, बम्बई में 1 मई, 1986 के पूर्वीह्न से तीन माह की अविध के लिए या तब नक जब तक कि उक्त पद पर नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी पहले हो, नियुक्ति किया जाना है।

उक्त नियुक्ति तदर्थ श्राधार पर है श्रौर श्री एस० व्ही० नारायण को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान फरेगी श्रीर उनके श्राधार पर उनके द्वारा प्रदत्त सेवाएं न तो वरोयता के श्रिभप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी श्रौर न दूसरी उच्चतर श्रेणो में प्रोधत किए जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

टी० डी० सुग्ला भ्रध्यक्ष ध्रुक्त आर्. टी. एन. एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के मुचीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 श्रगस्त 1986

सं० 2283 ए० सी० यू भार-111/कल/86-87--यतः मुक्षे, शेख नईम्हीन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वस्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा पना हैं), अशि धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने कार्ण हैं कि स्थावर संपत्ति चिसका खिनत बाजार मृत्य 1,00,000/- रहन से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 18/2 है तथा जो गरियाहट रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 14-8-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल् के सिए , अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रति-क्षण से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पहिष्ठ प्रतिफल से अधिक हैं बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिखित खत्वकेय से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक रूप से किथल नहीं हैं करन नया है :---

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी बाय की बाबस, उक्स जिभिनियक के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उत्तसे बचने में तृष्टिभा को जिए; महि/या
- (थ) एति किसी काय या किसी धन या अन्य कारितायी नेते चिन्ही भारतीय धानकर विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर समितियम, या धन-कर समितियम, या धन-कर समितियम, या धन-कर समितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती ध्वाध प्रकट नहीं किया थ्या था वा विध्या बाना वाहिए था, कियान के स्विद्धा के सिए;

वी०के० प्रापार्स्टीज प्रा० लिमिटेड।

(म्रन्तरक)

2. श्री नीलजना मित्रा।

(भ्रन्तरिती)

कर मह सुचना जारी करके भूगोंकत सम्पृतित, वौ वर्षभू को निष् कार्यकाहिया करता हुए।

उपरा सम्मणि के वर्षण के सम्बन्ध के कोई भी जातीर ह---

- (क) इस स्वता के राज्यव में प्रकाशन की तारीब से 45 किन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वता की तारीब से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि साथ में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्ति में से किसी मानित त्वारा;
- (क) इस त्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में हिस-ब्रूप किसी बन्न व्यक्ति क्याचा अवोहरवाकाची के शब्द निवित्त में किए वा सनोचे !

स्वर्कीकरण ह—हरूनों प्रयुक्त बच्चों बीर वर्षों का, को उन्हें विविक्तिक के बच्चाय 20-क में परिमाणिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याद में क्रिया गना है।

#### अनुसू<del>ची</del>

पत्रेट नम्बर 3सी चारतस्ला प्रोमिसेस नम्बर 18/2 गरियाहट रोड कलकत्ता संक्षम प्राधिकारी के पास 14–8–1985 तारीख रजिस्ट्रीकरण किया।

> योख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 18-4-1986

# प्रकृष कार्य हैं. युक् युक् ह हर्गा हुन हैं ।

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन

#### बारव बारकार

# कामाजव. सहावक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

म्रजंन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 18 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० 2284/एक्सी यू० ग्रार०-III/कल/86-87--ग्रत: मुक्ते, शोख नईमुद्दीन

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें वर्षकों वर्षात् 'उक्त विभिनियम' कहा क्या है"), की धारा 269-व के वर्षात संस्कृत प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धा, विस्वास अवित वाचार भूग्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिस्की संख्या 105 है तथा जो साईदीन ऐमिनेई कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय स॰ ए कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19-8-1985

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान बितिक स के लिए अन्तरित की गर्य है और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि सभापुर्वोक्त उपस्ति का उचित बरवार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्मयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, जक्त विविवय के अभीग कर को के अन्तरक के श्रोबल्य हो कभी कड़ने वा उत्तर वचने में वृतिभा के दिवप्? श्रीक्र/मृत्र
- (क) एंकी किसी बाय या किसी भन वा बन्य वास्तिवी की जिन्हें भारतीय नायंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्य अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृतिवा वी किए।

सतः वन, उसत विधितियम की धारा 269-न से बन्धरण कें, में, उसत विधितियम की धारा 269-क की उपधाया (1) के वधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्धात :--- 1. नरबादि देवी कसोरिया

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स एकमी केम इण्डिया लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हिन्स

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामीस से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के प्रजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य काक्ति व्वाप अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पश्चों का, जो उक्त विधित्यम, के बच्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया यदा है।

# अनुस्ची

एक तल्ला, 4085, वर्ग फुट, प्रेमिसेस नम्बर, 105, साईदीन एमिनेई, कलकत्ता, सब-रेजिस्ट्रार ग्रब एसिरेस में, 19-8-1985 तारीख में रेजिस्ट्रिशन हुन्ना। दलिल संख्या 12165।

येखा नईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) क्रजेन रोंज, कलकत्ता

तारीख: 18-4-1986

# भ्रस्य नार्वं,ही प्रतिप्रति ।

श्री मिलमान बनर्जी,

(मन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमतो शॉमला मुखर्जी

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1986 सं० 2285/ए० सी० यू श्रार०-III/कल/86-87--यत: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर संभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके भश्कात 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 6/1/1 सी॰ है तथा जो म्निल मैं ज रोड स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा म्निधकारी के कार्यालय कल ॰ में, रजिस्ट्रीकरण म्निधियम, 1908 (1908 का 16) के मुद्यीन, तारीख 7-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एमे अतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त बंतरण लिखित से बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

> किंगी मंत्रप्त से हुई किसी भाग की नानत्, उक्त अधितिवृत्य के स्थीन कर दोने के अंत्रुक के दायित्य में कमी करने या उसके न्यूने में स्थिधा के निए; स्ट्रिया

(च) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय बावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अब-कर अभिनियम, या अब-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोद्यार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने यो स्विष्ण को निए;

कतः वय, उकत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद्य:— का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

(क) इस तुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्योकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो हक्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुदा हैं॥

#### अनुसूची

डीड नं० 11625 तारीख 7-8-1985 श्रनुसार जो सम्पत्ति नियन्ध हुन्ना है।

> णेख नईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 18-4-1986

# धक्य बार्षेत की उपन्त पर्य ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाह

# कार्यालय्, सहस्रक अध्यक्तः वाय्कत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1986

सं० 2286/ए० सी० क्यू म्रार-III/कल/86-87--मतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

वायक हु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 41 ए है तथा जो चारू चन्द एवेन्यू, कल स्थित है (अब इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कसकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 16-8-1985

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के द्रायमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वों कर सम्पत्ति का बिचस बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं,, दृसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से अक्स अंतरण लिखित में वासविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बचारण में शुर्भ कियाँ नाम की नामस्, उत्थय अभिनित्तम के स्थीन कर को में अंतरक के वासित्य में कमी करने ना स्थल क्षण में मृत्रिया के लिए। स्रोद्ध
- (व) एंडी किसी नाव ना निक्की पद ना बुल्क नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) ना अक्द विश्वित्यम, या भन-कर नृषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुप्य का नौ जिन्हा,

भतात स्था, उन्त अभिनियम की बादा 269-न से अनुसरभ में, में, उन्त अभिनियम की भाष 269-न की उपभाग (1) से स्थीन, निम्नतिशित व्यक्तियों, अभीत स—— 1. श्री भ्रनिल माधव पाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीना डे

(अन्तरिती)

का वह सूचना आयो करकं पृत्रों क्या स्थापित के अर्थन के रिज्य कार्यनाहिनां करता हूं।

उन्त सम्मस्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोप ह

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन की बनीध या तत्संबंधी क्यक्तियों व्र कूचना की तामील से 30 दिन की क्षतिम, जो भी क्षतिम बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्षतिमां में से किसी व्यक्ति ब्रास्ट
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रशासन की आरीख से 45 दिन के भीतर उक्त रक्षावर संपत्ति में हिलबय्ध किसी कच्य व्यक्ति इताश अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकींचे।

रणक्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीण पदी व्या, जो उक्त अधिनिवस को अध्याव 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उत अध्यास में दिया प्रा है।

असुमूचो

डीड नं० 12057 नारीख 16-8-1985 श्रनुसार जो सम्पत्ति निबन्ध हुग्रा है।

> योख न**र्धमुद्दीन,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 18-4-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269 घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-2 कलकत्ता

कलकता, दिनांक 18 अप्रेल 1986

निदेश सं० 22 ए०सी० ग्रार⊸म्यू०|कलकत्ता | 86−87−− यत: मुझे, शेख नडणुदीन,

आयका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षय शिक्षकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उचित आजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 4/4 है तथा जो फ़ार्न रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बङ्कित है) रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत नारीख 7-8-1985

को पूर्वोत्रत सम्परित के उचित बाजार मृस्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित महीं किया गया है :—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम कं अधीन कर दोने के अन्तरक के दार्गियल से स्वी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/मा
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था हा किया जाना खाहिए था, किपाने में सुविधर केरिस्ए;

अतः अव. उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रोडिंक, िपनिखित व्यक्तियों, अर्थाष्ट्र कच्च 1. श्री प्रभाप चन्द बनर्जी और ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्राशुतोष माथुर।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उक्त तम्परित के वर्षन के वर्षन में कोई भी आसोप हु---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है, 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर स्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिवित में किंद् सा सकर्गि

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

## वन्स्यी

सम्पत्ति जो डीड सं॰ 11636 तारीख 7-8-85 अनुसार निबन्ध हुआ।

> शेख नश्मृद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3 कलकत्ता

तारीख: 18-4-1986

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एसं. -----

कांधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज के अधीन सुचना

1 श्री निर्मलेन्दु बसु।

(भ्रन्तरक)

2. सन्ध्या रानी दाप।

(श्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० 2288/ए सी० क्यू भार-III/कल/86-87---- यत: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00;000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 28 ए हैं तथा जो वेथुनरो कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंचा प्रतिफल का पंचा प्रतिफल का पंचा प्रतिफल के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर वेने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यशाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

# अनुसूची

मम्पत्ति जो डीड नं० 12272 तारीख 21-8-85 अनुसार निबन्ध हुमा।

मेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज≣3; कलकत्ता

बतः ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के हभीग, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित :---

तारीख: 18-4-1986

मोहरः

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

CHI COLLEGE AND A CONTRACT OF THE CONTRACT OF

ा. समसोन डेबलपमेंटस प्रा० लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती किरन नादाट।

(भ्रन्तिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेड-३, कलकना भगवना, विनांक 18 श्रप्रैल, 1986

निदेश सं० 2289 ए० सी० वयु आर०111/कन कत्ता/४६ – 87-यतः मुझे, शेख नाईमृहीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्पात् 'अकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,90,600/- ਲ. ਜੀ ਸਥਾਕਿ ਵੀ

और चिसकी संख्या 2/5 है तथा जो भरत बोस रोड कलकत्ता में स्थित (है और इसरो उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप रे। वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यातय सक्षम प्राधि-कारी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 14-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभ्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित भाषार मुल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत से आधक है और अंग्रन्क (अंतरकों) और अंतर ंरती (अंतरितियाँ) के नीच एैसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त संतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) **अंतरण से धुर्द किसी बाब की बाबत, उ**क्त अधि-नियम को अधीन अपर दोने को बांतरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; व्यार/या
- (स) एसी फिसी नाम या किसी धन या कत्म भारितयाँ को जिन्हु भारतीय जामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया पाना पाहिए था, किपाने में सुविधा के सिए;

पें. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अ^{रकार}, नि**क्लीसचित्र व्यक्तियाँ, वर्षांत्** क्ष्याः

बतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पक्ति को अर्जन को सिए आयेज। ह्यां शुक्त करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र मो प्रकाशन की लागख से 4.5 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना करी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ भों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भा) इस सम्बना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीन स 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास निश्चित में किए आपसकेंगे।

स्पक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

यूनिट नम्बर बी श्राट तका 2108 वर्ग फुट प्रेयमसेग नम्बर 2/5 घरन बीस रोड कलकत्ता गक्षम प्राधिकार के पास 11−8−1985 तारीख में रिजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख ाईम्दीत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (जिरोक्षण) ऋजीत रेंज अलकसा

नारीख: 18-4-1986

महर :

4 86/31/86

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 श्रप्रैल 1986

निदेण मं० 2290/ए० सी० क्य श्रार-111/कलकत्ता/86-87 -यत: मुझे, शेख नईम्हीन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 18/2 है तथा जो गरियादाट रोड कलकत्ता में स्थित हैं (और इसरे छपाबद्ध अनुसूची गं पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीयर्क्ता श्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीयरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान ब्रौतफल को लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार करूप, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निलिसन उद्देष्य से उक्त अन्तरक निस्ति में बास्तीविक हथा से कथिन नहीं विद्या गया है ....

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के बचीन कर दोने के बन्तरण के कामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बॉर/का
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

क्त: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की लपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 1. मैंसर्स भीके प्रापन्टीज प्राद्ववेट किमिटेड।

(अन्तर्क)

2. श्री जयमेट प्लाट समिति।

(भ्रन्तिरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस न्यान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की समिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राया;
- (च) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, वधोहस्ताक्षरी वे पास सिचित में किए का सकोंगे।

स्थल्दिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याग में दिया गया क्री हैं।

# **ग्रनु**मूची

यूनिट नाम्बर 10 ई, एगारो तल्ला 1621.12 वर्ग फुट प्रेमिसेस नम्बर 18/2 गरियाडाट रोड, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 14-8-1985 तारीख में रिजस्ट्री करण हुन्ना।

णेख नाईमुद्दीत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राक्युन (निरीक्षण) ार्जन रेंज-III, कलकत्ता-

तारीखा: 18-4-1986

प्रकम बार्च टी, एत*्* एच_{्य}-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 श्रप्रेल 1986

निदेश सं० 2291/ए०मी० नयू श्रार—III/कल/86--87 ---यत: युझे, शेख नाईमुद्दीन शयकर अधिनियम - 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमे

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित शाचार म्स्च 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 3 ए है तथा जो माधव चटर्जी स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-8-1985

कां पूर्वतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्में यह विश्वास करने, का कारण है कि यथ्यपूर्वों कत सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा क लिए; और/था
- (का) एको किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम 195/(1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्ता अजिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री कनक मैन।

(ब्रन्तरक)

2. श्रीमती इंदुबेन खूब सानगिन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वे श्रुष्ठ सम्पत्ति के वजन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किये वा सकेंगे

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त गन्वों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया हो।

## अन्सूची

जमीन 2 काठा 5 छटांक प्रेमिसेस तम्बर 3 ए माधव चटर्जी स्ट्रीट कलकत्ता—20 सक्षम प्राधिकारी के पास 14—8—1985 तारीख़ में रिजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्वय रेप-111 कलकत्ता

नारीख: 18-4-1986

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस.----

(1) श्री मिगमा प्राइवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ज $\circ$  बी $\circ$  वासवानी।

(ग्रन्तरिती)

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता. दिनांक 18 भ्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 2292/ए०सी० न्यू० स्नार-111/कल/86-87-यतः मुझ, शख नाइमुद्दीन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य ... 00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी संख्या 22 है तथा जो ग्राशुतोष चौधरी ऐवेन्यू कलकत्ता में स्थित है (और इसमे उपाबद्व ग्रनुसूची में और. पूर्ण रूप से विणत है), प्रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 14 ग्रगस्त, 1985

फा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके उरयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह कितकत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिर्वित के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कितफल, निम्निलित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में गन्तिवित से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उभये वजन मा स्विका। के लिए; और/मा
- (ख) एसे किसी जाय र किसी घटना प्राप्त कर की करें, विन्हें भारतीय नाब-कर विधिनयम, 1922 (1922 कर ११) या उत्तर का प्राप्त कर ना धानिक कर ना धानिक कर ना धानिक कर ना धानिक कर की धानियम, 1957 (1957 का 27) के ना या किया चाना चाहिए चा, छिपाने में मृविधा के लिए;

कतः बंब, उकतं विधिनियम, कौ धारा 269-प के अनुसरक में. में. उकतं विधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) में के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, बधीन ---- को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास तिलिक में कियो जा सकते।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका यया हैं।

## अनुसूची

प्लाट तम्बर 33, चार तल्ला , 820 वर्ग फुट, प्रेमिसेस नम्बर, 22, स्राशुतोय चौबरी, ऐवेन्पू कलकत्ता, सक्षम प्राप्तिकरी के तल 14-8-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुस्रा।

> शेख नईमुद्दीन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रजंन रेंज कलकत्ता 16

दिनांक: 18-4-1986

मोहरा

प्रकर्पः बाह्यः टीः एनः एसः ----

#।यकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भाग 269 ला (1) की अभीत स्थात

#### भारत सरकार

कार्यालयः महायक नायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 18 **ग्रप्रै**ल 1986

निर्देश सं० 2293/ए० सी०का० श्रार-III/कलक/86-87 --अतः मुझ, शख नईमुद्दीरः

ायकर लोभानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा '69-स के लभीन मक्षम प्राणिकारी को, यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य ,00,000/- रह. में अधिक है

और जिपकी सख्या 22 है तथा जो श्राणुतीय चीधरी एवेन्यू अलकत्ता में स्थित है (और उसने उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण चय से विणित है) रिजस्द्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय (अन पात्रिकारों में रिजस्द्रीकरण श्रीधित्वम 1908

(1908 का 16) के अधीन नारीख 14~8-1985 को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान निकल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुओ यह विकास अपने का कारण है कि यूथापूर्वेक्त संपन्ति का उचित् बाबार क्या, उसके क्रयमान प्रतिकत्त सं, एसे क्रयमान प्रतिकत का न्त्रह प्रतिकत के कारण है कि बाबार क्रयमान प्रतिकत से, एसे क्रयमान प्रतिकत का न्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरण के लिए तम् पामा गया प्रतिकत, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिक्स में प्रस्तिक कप से कायन नहीं किया क्या है है-

- (क) यापारण सं हुन् िकाती काव की वासका, उत्तर वीधीनका की सधीन कार दोने की क्याप्तक की काबित्व में कामी कार्य से सकते क्याने में सुविधा की लिए: बार/या
- (क) एसी (कसी जाज या किसी अन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्याजनार्थ अन्तिर्धा तथा प्राप्त अन्ति किया स्था था पा निका जाना पर्वाच्छा था, जिल्लान हो विकास के लिए;

अक्षः वन, उन्नत जीवनियम की भाग 269-ग को अनुसरण ४, दी नको अधिनियम की भाग 269-म की भूषभाग (१५ ४) ज्योन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित १००० (1) मीगमा प्राईवेट लिमिटेड

्प्रस्तरक)

(2) मैंसर्स आई० आर० टेक्नोलोजी सर्विसेन प्रा० लिमिटंड। में (श्रन्तरिती)

का यह सूचना धारी करके पृत्रेक्ति सम्पत्ति के वर्षन धे तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनता तन्यति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस तृष्यना के राजपन में अकाशन की तारीय ते 45 दिन की सविभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर बृषना की तामील से 30 दिन की नविभ, यो भी यविश्व याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से फिजी का बित त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्म स्यक्ति इतारा अभोहस्ताझरी के शास सिचित में किए या सकति:

लब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदों का, वो उपच अधिनियम, के अध्यक्ष 20-ध म परिशाधित है, नहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय हो दिया वया है।

## **अम्स्**ची

पर्लंट नन्बर 12 दा तल्ला 984 वर्ग फुट। 22 श्राणुतोष बांबरी ऐंबेन्यू कलकता एअम प्राधिकारी कंपास 14-8-85 नारीख में रजिस्ट्रीकरण हुश्रा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-III 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

नारीख: 18-4-1986

प्राष्ट्रप बार्ष.टी.एन.एस. .....

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) को प्रभीन सूचना

#### भारत चरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर जायुक्त (निरोक्तण) श्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1986

निर्देश मं० 2294 ए०मी०न्यू० ग्रार-III/कल०/86-87 ---यतः मुझे, शेख नदीमुदीन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- 'त. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 29 है तथा जो बालूगंज पार्क, कलकला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गक्षम प्रधिकारी में रिजस्ट्रीकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-1985

करे पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और

मुन्ने यह विषयास करने का कारण हैं कि यथा
पूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रति-फल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के नीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकार, निम्निनिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है : ---

- (क) अन्तरण से हुर्च किसी जाय की शायत, उक्त जिमित्यम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे सक्षणे में स्थिशा के सिए; और/कर
- (क) एसी किसी भाग का किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शेखर चन्द्र ला।

(श्रन्तरक)

2. श्री एलाईट कमाशियल प्रा० लिमिटेड। (श्रन्तिन्ती)

की यह सूचना चारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति में वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### इन्स इम्पत्ति के वर्षन के सक्त-च वे कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताभूरी के पास सिवित में किए या वर्षेणे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, नहीं अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### मनस्यों

29 बालूगंज पार्क, कलकत्ता एस० गार० ए० के पास 20-8-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुमा। दलील संख्या⊶12221

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्ष) ग्राजेन रेंज 54, रफीग्रहमद किंदनाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 18-4-1986 मोहर: प्रकर शार्ष, वी. एन, एस. ------

ज्ञाबकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### मारव बहुकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-III कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 18 **अप्रै**ल 1986 निर्देश मं० 2295/ए० सी० स्यू० श्चार—III/कल/86+87 — श्चतः मुझे, णेख नईमुद्दीन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 260-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्त्रीस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसका में संख्या 23/7 है तथा जो राय स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाबार मृह्य से कम के क्यमान प्रिटिंग्स के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह जिल्लास करने का कारण हैं कि संभापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाबार गृज्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:----

- (का) अन्तरण से शुद्ध किसी बाय की बायक, धनत सीधीनसम के अधीन कर दोने के सस्तरक के शामित्व में कभी करने या उसमें सचने में सुनिधा के लिए; बीहर/या
- (क) शैसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों कर्ता, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना धाहिए था, स्थियाने भें श्रांत्रा के लिए,

बतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उर्ग अधिनियम की धारा 269-घ की स्पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकारें, अधीब, क्ष्रक 1. श्री शचीन्द्र नारायण सिंह

(अन्त'रक)

2. श्री प्रताप राय पी० कोठारी

(भ्रन्तरिती)

को यह क्षाना चहरी कर्क क्वोंक्त सम्मण्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहिया कारता हुं।

उक्त सक्तरित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपध में प्रकाशन की शारीस से 45 विन की वन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की ताबीस से 30 दिन की सवधि, जो भी नवधि गाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतहर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-बहुध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा मधोहस्ताक्षरी के एस लिकिश में किए जन्म स्थीत ।

स्थानकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा क्या हैं।

#### प्रनपु वी

डीड नं० 12455 नारीख 28-8-1985। स्रनुसार जो सम्पत्ति निबन्ध हुस्रा है।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजंब रेंज-54, रफीग्रहमद किदनाई रोड, कलबत्ता∽ 16

नारीख: 18-4-1985

प्रकृष बाडां, टी. एत एश -----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-प (1) में मधीन स्पना

#### भारत सरकाह

भागांत्रयः, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 18 अप्रैल 1986

मं० 2296/ए०सी० म्यू० आर्- /कलत/86-87--अणः मुझे, गोख नईमुदीन

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 209-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को कह विज्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- 75. में अधिक हैं

कौंग जिनकी गंख्या 52 ए हैं तथा जो अम्भू नाय पण्डित स्ट्रीट, कनकत्ता में स्थित हैं (औंग इससे उपाबद्ध अनुभूत्री में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० ए० क्यू ० ग्राप०-11, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 14-8-1985

को प्रेंकित सम्पत्ति को उचित बासार स्म्य को कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्वाँकत संपत्ति का उचित आजार स्या, उसके क्ष्यभान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के केह प्रांत्रशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ.ज., निम्नीसिंखत उद्धेक्त से उक्त अन्तरण विश्वित में दास्त-विक रूप से कांधित नहीं किया वता है है—

- (क) अन्तरक ले हुई किसी आय की शायक, क्रम्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक खे दायित्व में किसी कारकेया उससे क्याने में सुनियम के लिए; और/या
- (क) गुन्ती किसी नाय या किसी थन या नत्य जास्तियों नेंगे, जिन्हें भारतीय नाय-कर निर्मित्तमम्, 1922 (1922 का 11) या उनते अभिनियम, या धन-कर निर्मित्तमम्, या धन-कर निर्मित्तमम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया पनर था या किया जाना चाहिए था, क्षिपान में सुनिधा के सिख;

ज्ञात: सव, सक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जल्सरण जा, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) द्ध क्षधीन, निस्तिमिक्क व्यक्तियों, सर्वात् क्र--- ा वीरदले हाउसिंग कारपोणरी।

(ग्रन्तरक)

वी दीप पन्य लोहारीवाला एण्ड पन्छ।
(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथांकित सम्मत्ति के अर्थन के किए अर्थनाहियों करता हुए।

ताबत संपत्ति के वार्जन की संसंध भी जाति भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की सामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस मृचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 विन के भीतर उकत रथावर संपत्ति मा हितबधा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्डिक्टचः - इसमें प्रयुक्त कवा और पर्ध का, वो उक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अया 8⁴।

#### जनसम्ब

सम्पत्ति जो एग्रीमेंट पर श्राई० ए० मी० एनयू० श्रार० III द्वारा 14-8-85 तारीख पर निबन्ध हुग्रा है।

> णेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी पहायक आधकर आधुक्त (तिरीक्षण) प्रजीत रेंज़• 54, रफीअहमद किदवाई रोड़ कलकता-16

नारीख: 18~4-1986

# प्रकर ह नार्षः सी ् स्त्र हत्त्व स्त्र स्वयन्त्र स्वयः

मायकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीम स्थाना

#### भारत संस्कांत

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्स)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनाँक 18 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० 2297/एक्यूR-III/कलकत्ता 1986-87-श्रतः मुझे, शेख नाइमुहीन,

नावकर जीभीनवम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जीभीनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित शाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से जिथक है

श्रीर जिसकी सं० 52 ए है तथा जो शम्भुनाथ पिन्छत स्ट्रीट में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्वी रेंज-3 में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 14-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकत के लिए बन्दरित की नई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि मणापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके ध्रममान प्रतिकल से, एसे ध्रममान प्रतिकल का बन्दर्स प्रतिचत से विभक्ष है और अन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बंबरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम गतिकल, निम्मसिचित उद्योग से उच्च सन्तरण सिक्षित में चान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीर प्रायकर अधिनियम 1000 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :——
5—86GI/86

(1) वेस्टले हाउभिंग कारपोरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रोम प्रकाण क्याल

(भ्रन्तरिती)

को कह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हुई ।

उक्त तत्र्यक्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप हः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारपेश से 45 दिन कई अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत सूचना के सूजपन में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्धा किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्कीक रच: --- इसमें प्रयुक्त श्रव्दों और पदों का, श्रां चकत अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाषित ह^व, बही अर्थ होग्र को उस अध्याय में दिवा गया ह^व।

#### अनुसूची

सम्पत्ति जो एग्रिमेंट पर श्राई० ए० सी० रेंज 3 हारा 14-8-85 तारीख में निबन्ध हथा है।

शेख नाइमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड़, कल्पकत्ता-16

तारीख: 18-4-86

मांहर:

प्रक्ष भारों, टी. एन., एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 18 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० 2298/एक्यू० ग्रार-3/कल० 86-87--ग्रतः मुझे शेख नाइमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० है तथा जो स्नाकापुर पी० एम०-यादवपुर में स्थित है (स्रौर इमसे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर, पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्निधकारी के कार्यालय, स्नाई० ए० सी० एक्वी रेंज-3 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1980 1908 का 16) के स्रधीन तारीख 14-8-85

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण हैं कि बथापृष्टिक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से एसे इवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नौलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी काव की वावत, उपत अधिनियम के अधीन कर दाने के बन्दरक को दावित्व में कमी करने या उसस अधने में मिकधा के लिए; बॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या नन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 1) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जान चाहिए था, छिपाने में सृविधा की नए;

अत उब, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ( पृथीन, निम्नोलिस व्यक्तिसयों, अर्थात :— (1) श्रीमती रिनी घोष

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मिहिर कान्ति भौमिक

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जात के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में ममाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

सम्पत्ति जो एग्रिमेंट श्राई० ए० सी० एक्वी रेंज~3, कलकत्ता द्वारा 14-8-85 तारीख में निबन्ध हुन्ना।

> गेख नाइमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3 54, रफी ग्रहमद किदबाई रोड़, कलकत्ता-16

तारीख: 18→5-86

## क्षण नाइंं ही, एन, एकं, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) से अधीन सूचना

#### वाहर पुरस्त

## कार्यास्य, सङ्गायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज:-Ⅲ, कलकत्ता कलकत्ता, दिनॉक 18 ग्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० 2299/एक्यू०रेंज कलकता/1986-87--श्रत : मुझे, शेख नाइमुद्दीन,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसर्वें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मतित, चिस्तका उचित वाजार नृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 9/8 सी०/1 है तथा जो मुर एवेन्यु कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 9/8/85

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए वा, डिप्पाने ये धुनिधा से डिप्पाने ये

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिकित व्यक्तिसमों, अर्थात :--- (1) श्रीमती राधा रानी सेन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुक्ति भट्टाचार्जी

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चा≥ी सहरचे पूर्वोक्य सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यपाहिमां करता हूं।

#### उनत सम्मन्ति के नर्जन के बन्नरभ में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी ज्वीध बाद में तमान्य होती हो, के भीतर पूर्वे कि स्वित्वों में से किसी व्यक्ति हवाहा;
- (व) इत ब्रामा में राज्यम में प्रकाशन की दारीश से 45 दिन में भीतर अन्य स्थानर कमाति में दित-बहुभ किसी अन्य न्यांचत ह्यारा अभोहस्ताक्षरी में पात सिवित में किए था तकांगे।

स्पाक्षीकरण: ----इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, आ उत्तर अभिगितम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति डीड नं० 6850 द्वारा तारीख 9-8-85 अनुसार जो निवन्ध हुआ है।

> शेख नाइमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~II, 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-1

सारी**ख**: 18-4-86

## प्रकथ बार्ध-हो-हन-दूस:------बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 18 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० 2300/एक्यू० ग्रार०--3/कल/1986-87 ग्रत: मुझे, शेख नाइमुद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जितका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- ं. ते अधिक है

म्नौर जिसकी सं० 52 ए हैं तथा जो शम्भुनाथ पिन्डित स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर, पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्बी रेंज 3 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 14-8-85

को प्वंक्ति सम्पत्ति के लिपत बाबार मृल्य से कम के ब्रुवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रुवमान प्रतिकल से, एसे द्रुवमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्दृष्ट्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है ——

- (कः) अन्तरण में हुर्द किसी आयं की बाबत, उक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्;

महः नव, उक्त निमित्तियम का भारा 269-ग के अनुसरण का, मी, अथत निमित्तियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिरां, अर्थात् :---

(1) बेस्टले हाउसिंग कारपोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स धोप चन्द लोहारीवाला एन्ड सन्स (ग्रन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ष सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उपत संबक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील चे 30 दिन की बचीच, वां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अक्तर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाध अ अरे कारीय से 45 दिन के भी बर उक्त स्थावर उपित्त में हित ब्रंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, श्रो उक्त अधिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति जो एग्रिमेंट म्राई० ए० सी० **एक्वी रेंज**-3, द्वारा 14-8-85 ना० में निवन्ध हुमा है।

> शेख नाइमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्राजन रेंज-3 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

**ता**रीख: 18-4-86

## सक्त बाल् , सर्वे , एवं , एवं , --------

## वानकार विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन क्यान

#### मार्ग्य बहुक्यू

## वार्याचय, शहायक भावकर बाब्यल (निर्याचन)

भ्रर्जन रेंज, कलकता

कलकत्ता, दिनाँक 18 ग्राप्रैल, 1986

निर्द्रेण सं० 2301/एक्यू रेंज/III/कल/1986-87--मतः मुझे शेख नाइमुद्दीन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्रचित बाजार मूज्य 1,00,000/- फ. से अधिक ह"

ग्रीर जिसकी सं० 52 ए है तथा जो शम्भुनाथ पंड़ित स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन् सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्वी/ग्रर्जन रेंज-3 में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरवमान प्रतिफल से एसे दरवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बीड बन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेषम से उक्त अन्तरण सिचित वे बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या नम्ब नास्तिनों की, चिन्हें नारतीय नाय-कर निधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधितियम, या भन-कार अधितियम, 1957 (1957 का 27) अर प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जन्त चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिहा;

(1) बेस्टले हाउसिंग कारपोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सन्जीव लोहिया

(भ्रन्तरिती)

को नइ सूचना चारी करको पूर्वोक्त संपत्ति को नर्चन के तिक् कार्यवाहियां सूक करता हुएं।

## **उक्त क्ष्मारित के अर्थाप के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--**

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितत्यों में से किसी स्थित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के मान मिसित में किया का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रेयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त विधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याम में विद्या नथा हैं।

#### नन्त्र्यी

सम्पत्ति औ एग्रिमेंट पर ग्राई० ए० सी० एक्वी रेंज-3 द्वारा 14-8-85 तारीख में निबन्ध हुग्रा ।

> शेख नाइमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड़, कक्षकत्ता-16

नतः वन उनतं निर्मितयमं की भारा 269-न के अमृत्तरण मं, मं, उनतं निर्मितयमं की भारा 269-च की उपभाष्टा (1) के नभीन, निरमीन[क्य मास्वित्तों], नुष्मीय् क्र--

तारीख: 18-4-86

प्रकृष आहें . ही . एस . व्स . ------

बाबकार अधितिसभ. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीत तुमना

#### भारत स्रकार

कार्यासय, सहायक ज्ञायकर आयुक्त (निरीक्षक) प्रार्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० 2302/एक्यू आर-?/कल / 1986-87—म्नतः मुझे, शेख नाइमुद्दीन,

भागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसको १६वके परवात 'उन्दा विभिन्नियम' नहा थवा ही, की व्यक्त 269-४ को वभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका जनित वाचार मून्य 1,00,000/- राज स प्राप्तिक हो

ग्रीर जिसकी सं० 52 ए हैं तथा जो शम्भुनाथ पन्डित स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर, पूर्ण रूप से विणित है), रिमस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्याक्ष्य, श्राई० ए० सी० एक्वी रेंज-3 कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीन, तारीख 14-8-85

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम से कम दूरयमान गितफल के निए अन्तरित की गई है और गृझे यह बिदबास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एमे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (भ) भनवासम् सं हुए किए। भाग की मायस, उसरी समिनियम के सभीत कार दोने के अन्तरक के रामित्य में कभी कारमें या उससे समाने में मिनिया के (अए) सीर/मा
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी भन या बन्त वर्गित्र के की, जिन्हीं भारतीय जाय-कार जीभिनियम, 1922 की 1}) ार जनत जीभिनियम, या अन-कार जीभिनियम, या अन-कार जीभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बेस्टले हाउसिंग कारपोरेणन

(म्रन्तरक)

(12) श्री यशदेव मृलचंद पंजाबी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

जनत सम्बन्धि को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की ननिभ या तत्त्रंत्रंभी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की ननिभ, को भी नृतिभू बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्तवद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकारी के पाछ निवित्त में किए वा सर्केंगे।

स्पष्टिमेकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

सम्पत्ति जो एप्रिमेंट पर श्राई० ए० सी० रेंज-3 द्वारा 14-8-85 तारीख में निबन्ध हुआ है।

> शेख नाइमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड़, कक्षकता-18

तारीख: 18-4-86

मोहर 🔅

प्रसम् **नार्वः हो . एन . एस .** ॥ ० = ५०००

1. श्री इला घोष

(ग्रन्तरक)

भावकर जीवनिषय, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) से बचीन स्वका

2. जयति द्वासरा

(ग्रन्तरिती)

#### भारत सहस्रहर

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 18 श्रप्रैल 1986

निर्वेश मं० 2303/ए० मी० वप् ० शार-III/कलकत्ता/86-87~-श्रतः, मुझे, शेखनईमुदीन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त जीशीनयज' कहा यथा है), की भारत 269-च को अधीप सजान प्राधिकारी को यह विभवास करने का नारण हु⁰ कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार भूका 1,00,000/-रतः सं **अधिक ह**ै

ग्रौरजिसकी संव 114-ए है, तथा जो बक्ल बागान रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्तौ भ्रधिकारी के कार्यालय,

में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 13 ग्रगस्त 1985

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुस्य से कम के बरयभार बीबफल के लिए अम्परित की गर्छ है और मुक्ते यह विषयास करने का अप्ररण है कि य*थाप्*योंकरा सम्पत्ति का उण्जित नाबार मल्या, त्रबाके रक्यमान प्रतिकत्य सं ए वे स्वयंत्रान प्रतिकता का पंदह प्रतिकास काधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तम पामा गया इतिफल, निस्तिनिवित उद्वेदेन में उन्त नलाएन विकिल वं अल्लाभृतिक अप मं क्लीधत नहीं किया नवा है :---

- (क) *मर |*रण में हुई किमी काय की बारत, उक्त अर्थितियम को लभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; PT / 4 193
- (a) हांसी फिल्ली आब या किसी धन या लच्छ । बास्तिको को , जिन्ह^{ें} भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अमोर्जनार्थ जरूरीरती वसरा ४४४ट नहीं किया सभा भा या किया जान शाहिए था फिएएरे हैं किया समिका के शिक्त

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लि कार्यवाहियां करतात है।

उक्स सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सच्चा के राजपानी में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्जना की तामील सं 30 दिन की अवधी, जो भी अम्बिप १५ प्रकार करता हो, को **भीतर प्रवेक्ति** व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचर। के राजपूर्य में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर अवन स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दो तला बिर्लिडग जमी : 2 काठा 6 छटांक 10 बर्ग फुट, 114-ए बकुल बागान रिनस्ट्रीक्सी, एस० ए० कलकत्ता के पास 13-8-85 नारीख में रजिस्ट्रीकरण हुन्ना । दाखिल सं०--11879 I

> शेख नईम्हीन सक्षम प्राधिकारी महाया आयार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ग-II, कलकत्ता-16

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निम्मलिसिस व्यक्तियो, अर्थात् :--

नारीख: 18-4-1986

मोहर

त्रक्ष. बार्च. थी. एन. एस. -----

भागभात्र अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर बाक्क्स (किरीकक) भ्रार्जन रेज-II, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 18 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 2304/ए० सी० क्यू०/ब्रार-III/कलकता/86-87---यतः , मुझे, णेख नईमृद्दीन,

कायकर निर्माणयम, 196 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), को धार्य 269-व के मधीन तक्तम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थानर बम्मीस, विश्वका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रह. से मिनिक हैं

मोर जिसकी सं० 52-ए हैं, तथा जो शम्भु नाथ पंडित स्ट्रीट में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री हर्ती अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० क्यू०/ आर-III/कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अगस्त, 1985

को प्रोमक सम्मत्ति के उणित बाबार मृत्य से कम के अधनान गरिकल को लिए बंतरित की नवाँ है जरि मुझे यह निश्वास करने कक्ष्में का कारण है कि मणापूर्वेश्वत सम्मत्ति का स्वित बाबार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिक्ष्म से, एसे अध्यमान प्रतिक्ष्म का गंग्रह प्रतिकृत से जिएक है जोर अंतर्क (बंतरकों) जोर बंतरिती (बन्तरितियों) को बीच एसे अन्तर्क के लिए तय पावा नवा शितक है जिस्मति वे उन्तर बन्तर्क विविद्य में बारतिक स्थ से कन्ति तहीं किया बना है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी काम की बावत उपत अधि-गिया की समीत कर दोने के बन्तरक को दायित्य में अभी काम का बावते अपने में सुविधा के लिए श्री/शा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बस्थ जास्तियों की, चिन्हों भारमीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृत्तिवियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया चा किया जाना चाहिए था स्थिपने में सविधा से सिए;

1. वेस्टले हाउसिंग कार्पोरेशन

(अन्तरक)

2 श्रीराम सिंह चौधुरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्मति के सर्वन का सम्बन्ध में काई भी बार्कर :---

- (क) इस सूचना को राज्यान को प्रकाशन की रार्टीक सं
  45 दिन की संघीं या तत्साक्रिकी व्यक्तियों पर
  बूचना की तामील सं 30 दिन की नगींग, को भी
  सन्धि प्रका में समान्त होती हो, को भीतर पृथींकर
  स्थानकर्मी को के किसी न्यांकित ब्याहा;
- (न) इत बूचना के राजपत्र में त्रकावन की तारीय है 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी कच्च न्यनित बुवाश वधीहस्ताकारी के शास निवित में किए जा सकोगे।

न्यव्यक्तियम् :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उपस विकासका, से बध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं वर्ष होना, यो उस कालाय में दिका यहा हैं।

#### नगराची

सम्पत्ति जो ऐग्रीमेंट पर श्राई० ए० सी० ए० सी० क्यू०/ श्रार- $I_{I}$  द्वारा 14-8-1985 तारीख में निबन्ध हुश्रा है ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, कलकत्ता-16

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 18-4-1986

मोहर '

प्रारूप आहें टी.एस.एस.. 📖 📖 🔻 . . . .

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 को धारा 269 घ (1) से अधीन सुचका

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

**ग्रर्जं**न रेंज, कलकर्त्ताः

कलकत्ता, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 2305/ए०सी०क्यू०/ग्रार-III/कलकत्ता/86-87— यतः, मुक्षे, शेख नईमुद्दीन,

आस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रतिभकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार मृज्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 2D है, तथा जो बालिगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद अनुसुची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14 श्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दश्यमाम श्रीतकाल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विद्वात करने क्य कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्रूच्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे दश्यमान प्रतिकृत का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब ण्या गया प्रतिकृत, निम्नसिणित उद्देश्य से उस्त अन्तरण मिल्लिस में बास्तिक रूप से क्षित नहीं क्या गया है है—

- (क) क्यारण के हुई किनी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के कथीन कर देने के अन्तरक के दावित्य के कथी करने या उत्तर बनने में सुविधा के किन्दु: धर्मर/का
- (स) एसी किसी नाय मा किसी भन या नाम नास्तिनों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, को भन-कर नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिपाने में सुनिधा है मिए;

जतः गव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जन्सरक रो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अधीन, निम्मलिक्तित व्यक्तियों, अधीत् ६—— 6—86GI/86 1. मुदगल उद्योग एवं श्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. रमण लाल विनानि एवं ग्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह क्षाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बनतः सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ू ---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (व) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीब से 45 दिव के भीतर उक्त स्थानर गम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति त्यारा, अक्षेष्ट्रनाकानी के गास जिल्हा मों किए जा सकींगे।

स्वक्षीकरणः—इसमें प्रवृक्ष शब्दों और पदों का, भी उक्त अधितिसम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया अवा हैं।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 2-डी. 228 वर्गफुट, 20, ब्रालिगंज सरकुलर रोउ, कलकत्ता-19 सक्षम प्राधिकारी के पास 14-8-85 तारीख में रजिसीकरण हम्रा ।

> शेख नईमुद्दीन यक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, कलकत्ता-16

तारीख ' 18-4-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आईं री. एन. एस व्राप्त व्याप्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 18भ्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 2306/ए० सी० क्यू० श्राप्-3/अनकत्ता/86-87— यतः, मुझे, शेख नईमुद्दीन,

मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वसस करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्तिः जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 52-डी है, तथा जो बालीगंज सरकुलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसू में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक तो श्रीधनारी के वार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 14 श्रगस्त, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पत्ति का उपात बाजार मृत्य, उसके सत्यमान प्रतिकल से एने द्रश्वमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से जिसक है और अंतरक (जंतरकाँ) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एने अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल निम्नीसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिकल निम्नीसिक्त अंतर्व नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (-1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जत: उब. सकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, कें, उज्जन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, नियनकिस्तिन चिक्समों, अधीत ;— 1. श्री पृरुषोत्तम दास गोयल

(ग्रन्तरक)

2. नीतू धनधनिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ए--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकःशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध आद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्ब व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितवहर्ष किसी अन्य व्यक्ति बुगारा वधे हस्ताक्षरी के पास लिखिब में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण:---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीकृतियम, ने अभ्याय 20-क में दिशशीबत हों, वही अर्थ हरेश। जो उस मध्याय में विया गया हो।

ग्रनुमुची

प्लैट नं० 2-सी, 52-डी, बालिगंज सरकुलर रोड़, कलकला सक्षम प्राधिकारी के पास 14-8-1985 तारीख में रिजस्टी-करण हुन्ना ।

> शेख नईमुद्दीन ृंसक्षम प्राधिकारी ेंसहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

नारीख: 18-4-1986

मोहरः

प्ररूप नार्, यो तु एन तु एस तु------

## बायुक्ट वर्रिप्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ल (1) के सुधीय सुप्रका

भारत सरकार

## कार्यानय, सहायक जायकार आयुक्त (निद्धक्षिण)

म्रर्जन रेंज, फलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 18 म्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 2307/एक्यु श्रार-3/कल०/86-87---यतः, मुझे शेख नईमुद्दीन

बाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इत्में इसके परभाव, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं , की धारा 269-ख के गथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,09,000/- रा. से मुधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 52ए है तथा जो शम्भूनाथ पन्डित स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० एक्यू०श्रार-3 कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-5-85

को प्रॉक्श सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाण प्रतिकल के बिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृश्य, दशके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के बन्द्रह प्रिवद् से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्यों), के बीच एसे सन्तर्ण के सिए तय पाया गया क्या कि बिला उच्चेद्रेय से उजत अन्तरण जिवित में वास्तिक के बास्तिक रूप से क्यिस नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरक से दुवा किसी नाम की सामतः। उनतः विभिन्नव को वधीन कर दोने की बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे नकने में सुविधा के सिए; बांट/या
- (थ) एसं किसी बाय या किसी धन या वृत्य वास्तियां केंग्र विकृष्ट आएतीय कामकृष्ट वाधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम्, या वृत्य-कृष्ट व्यक्तियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान काहिए था, छिपान में सृजिधा कें सिष्ट;

(1) बेस्टले हाउसिंग कारपोलेशन

(म्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद टिबरीवाल ग्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

की वह संघण वा<u>र्</u>त कर**वे पूर्वीका संग्**रित के अर्थन के तिन कार्यवाहियां शुरू करता हो।

## बक्त सन्पत्ति के क्ष्मि के संबंध में कीई औं नाक्षेत्र हु--

- (क) इस स्वना के ध्रवपन में प्रकाशन की कार्यांच में 45 दिन की अविश्व मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों, पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को और वविश्व में समाप्त होती हो, के शीवर व्यक्तिस व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (ध) इस न्धना के रावपत्र में प्रकाशन की शाउधि के 45 विश के भीतर ज्वल स्थानर कमित में क्षिक्य कुर किसी अन्य मानित इकारा नथी हत्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकती।

रणक्टीक २७:--इसमें प्रयुक्त शब्दा जीर पूर्वों का, को उक्त शिक नियम की शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं है वहीं अर्थ हों

## अन<u>ु</u>सूची

सम्पत्ति जो एग्निमेन्ट द्वारा श्राईएसी एक्यु-श्रार-3 दफ्तर में 14-8-85 तारीख में निबन्ध हुग्रा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

वतः वधः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वी, भी उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, निम्मृजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 18-4-86

## म्बर्ग नार्ष् हा की प्रमुख नुष्या कार्या

# जावश्रद्ध त्रीधिनयम्य (1961) ((1961) का 43ी की धार 269-ल (1) में वर्णीन कुसना

#### JUST MANAGE

कार्यालय, सहायक आयकर नामुक्त निरीक्षण)

श्रजेन रेंज₌ः, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँकः 18 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 2308/एनयू श्रार-3/कल०/8687--यतः, मुझे, शेख नाईम्हीन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसक परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 2'69-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 52ए है तथा जो शम्भूनाथ पंडित स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रशिकारों के जार्यालय ग्राई०ए०सी० एक्यू० ग्रार-3, कल उता में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 14-8-85

की पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उशके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का सम्बद्ध प्रतिकत से मिक है और मंतरक (बंतरकों) और बंदरितों (अंतरितिकों) के बीच एसे मंतरण के लिए एव पावा चवा प्रतिकल मिक्निसिवत स्व्वोद्य से उच्छ मंतरच क्रिक्स के बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है है—

- हुँक्ह्री सन्तर्भ में हुन्दी सिक्कि साम की बायबात उत्तर मिलियम के नवीन कर योगे के सन्तर्भक के गाणिएक की कर्की गाणिएक की कर्की गाणिएक की कर्की गाणिएक की क्रिक्ट्री गाणिएक की किरक की किर्ट्री गाणिक की किरक की कि
- (क) होती निस्ती नाव या किसी भन वा नत्व नास्तिको को जिल्हा भारतीय वायकार निश्चित्रका, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निभिन्नका, या पन-कार मधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोधनार्थ अन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया का वा वा किया जाना शाहिए था, कियाने में जुनिया जी किया। जी किया

बरुः अव उपल निधितियम की भारा 269-ग जै अनुस्त्रन कीं, की, उन्त्र अभिनियन की भारा 269-व को उपभारा (1) वे अभीर तिमाधियान मानिका अभीर के स्न (1) वेष्टले हाऊसिंग कारपोरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार कयाल

(भ्रन्सरिती)

भी यह सुधाना आरी करनी पुनोंभत संपत्ति भी अर्जन में विक्र कार्यभाहिमां करता हों।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस प्रथम में राजपन में प्रकाशन की रारीय में 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की दाबीन से 30 दिन की बविध ने जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो , में भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थनित ध्वारा;
- (ख) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संप्रतिस में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति इसारा मभोहस्ताकरी के पाव लिकित में किस का सकति।

स्थाधीकारण:--इसमें अनुस्ता कंट्यों और पदों सा, जो उनका निभिन्नित, के सभ्याम 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होता को उस सभ्याम में विका नवाही।

#### अनुसूची

सम्पत्ति जो एग्रिमेन्ट पर श्राईएसी श्रार-3 द्वारा 14-8-85 तारीख में निबन्ध हुश्रा।

> शेख नाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ृ(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3; कलकत्ता

तारी**ख:** 18 - 4-8 6

HAN MINE AND REAL SECTIONS

मानकर नर्भिनयम, 1961 (1961 भा 43) की पाच 269-स (1) **से अपीप प्रज**या

#### NAME OF TAXABLE

काबीसम् सञ्जनक मान्कर मान्कत (निर्धिश्य)

**ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता** 

कलकत्ता, दिनौंक 18 अप्रैल 1986

निर्देश सं० 2309/एक्यू ग्रार-3/कल०/86-87--यतः, मुझे शेख नईमुद्दीन

नायकर निप्तियम्, 1961 (1961 का 43) जिले स्वने इक्षके १२पात् 'चक्त विधिनियम्', क्यून ग्वा 🕍 की पास्प 269-या के मधीन सक्षम प्राधिकारी को , वह विस्थान ऋरते का कारण है कि स्थावर तज्योत्ता, जितका उचित्र वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं।

धौर जिसकी सं 014बी 0 है तथा जो महेन्द्र बोस लेन, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर, पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० श्रार०ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-8-85

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के लीचत वाचार मूच्य ते कान वी क्रमनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वास्त संपत्ति का उचित गणार मुख्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का क्लाह प्रतिशत से अभिक है आरे अन्तरक (अन्तरकारें) **बार** भन्तोरती (अन्तरिक्तियाँ) के बीच एसे अन्तरेन के हिन् इव नामा नवा प्रधिपान, निम्नीति विश्व अनुवादिय हो अवद अन्वरम् तिर्देशक में मारवर्ष्ट्रियक क्यू वे कायित नहीं किया पदा है है-

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की नायत सकत अधि-निवन के बधीन कर देने के अन्तरक के दाजिल्य में कती करने वा अवसे बचने में सुविधा के निए; वरि/वा
- (थ) शेरी किसी नाय या किसी भन या जन्म केंद्रीकार्य को, जिन्हों भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियन, वा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकतार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भागा जिला पाना आहिए था, क्रियाने में सूर्यिशा चे निदः

क्त: क्रव_ा उक्त माँभीनयम की भारा 269-न **ही क**न्<del>यर</del>म क्रें, मी, श्वनत क्यूँपनिवृत्त की पारा 269-प कर्त उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थातु:---

(1) श्रीमती विमला बाला नाग चौधरी

(अन्तरक)

(2) श्री प्रबोध कुमार सरकार

(भ्रन्तरिती)

को वह बुक्रमा प्रार्थी करने दुर्गोक्त कम्मीत में लगेन भी सिव कार्यगाहियां कुक करता 🚮 🗓

उपन क्रमिति क्षेत्र वर्षात क्षेत्र सम्बल्ध में कोई भी बाक्षेत्र ह—-

(क) एक ब्रुप्तना के हाज़पन में प्रकाशन की दार्शन है 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर ब्राचना की तानीस से 30 दिन की समित, सो भी नवीय बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर प्रशेक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति दुवारा;

 (क) इस स्थान के प्राथम के प्रकार की प्राथमिक के 45 बिंग को भीतर उक्त स्थावत सम्पत्ति को हिन-बबूध किसी करण स्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए वा सकेंगे।

ल्बक्दीकरण :---- इत्तमें प्रमुक्त तन्यों और पर्यों का, या उत्तर अधिनियम के अभ्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, बहुरि वर्ष होता । यस लच्चाय में दिशा गवा 💕 🗱

दोतला बिडी, 3 कट्टा जमीन, प्रेमिसेस नम्बर 14/10, महेन्द्र बोस लेन, कलकता-4, एस० ग्रार० ए० कलकत्ता के पास 26-8-85 तारीख कोरजिस्ट्रीकृत हुन्ना।

वलील संख्या---- 12416

शेख नाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज₌3, कलकत्ता-16

तारीच : 18-4-198€

प्ररूप आइं टी.एन.एस.---- -

जाप्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### THE STORE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जनरेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता,दिनाँक 18म्मप्रैल 1986

निर्देश सं० 2310/एक्यू० ब्रार-3/कलकता/86-87--मतः मुझे, शेख नाईमुद्दीन,

शेवकर मिनियम, 1963 (1961 का 43) (जिसे असमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन समय प्राध्यकरों को यह जिल्लास अर्थ के धारा कर्य है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृन्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

भीर जिसकी सं02 है तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्ता सारनो कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय म० र० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-8-85

- (क) वीराय में हुई किसी बाद की वावका, क्या क्रिय-विवस की वधीन कर दोने की बीतरक की दासित्व की कमी करने या उससे बचने में शृतिका की जिएह क्रीर/श
- (च) प्रेसी किसी अाव या किसी अन या अप्य जास्तियों की विन्द्र भारतीय आयकर निश्नित्रया, 1922 (1922 का 11) या उक्त निश्नित्रया, या अनक्त निश्नित्रया, या अनक्त निश्नित्रया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा स्थित जाना शाहिए था, क्याने में सुविवा के निष्धा

चतः अव त उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण भौ त मौ त उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः——

- (1) श्रीमती लीलावती देवी गर्नेरी वाला एवं ग्रन्य (श्रन्सरक)
- (2) सुरेश कन्स्ट्रक्शन प्रा० लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुर्ने।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वान में हाययम में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की नवींथ मा तत्त्वस्वन्धी स्वत्तिमों पत्त स्वान की हामील से 30 दिन की नवींथ, को भी नवींथ नाद में समाप्त होती हो, से भीतड पूर्वोचड स्वीनतमें में से किसी स्ववित हवारा;
- (क) इस सूचना के द्राव्यम में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित के किए वा वृद्धित हैं।

स्पथ्यकिष्णः -- इसमें प्रमुक्त कर्यों जीड़ पर्यों कां, को उनके करियानिक करियानिक के कथ्यान 20 के में परिभाषिक हैं, वहीं कर्य होगा को उस कथ्यान में विदा भवा हैं।

#### जग्त स

चारतला 1267 वर्गफुट, प्रेमिसेस नम्बर-2, नरेन्द्र चन्द्र दत्ता सारणी; कलकत्ता, एस० श्रार० ए० कलकत्ता के पास 2-8-85 तारीखमें रिजिस्ट्रीकरणहुमा।

दलील संख्या--13646

भोख नाईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III2 कनकता

तारी**ख**ः 18-4-86

प्रारूप आई.टी.एन.एस. . . . . . . .

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सङ्कार

कार्याचन , च्याचन मान्यक र मान्युनन (चिक्रीमाण)

धर्जन रेंज-3, फलकत्ता

फलफत्ता, दिनाँक 18 अप्रैल 1986

निर्देश सं० 2311/एक्यू० हुआर०-3/कल०/86-87—स्वतः, म्झो, शेख नाईमहीन,

मनकर गणिक्य, 1961 (1961 का 43) क्रियों एतये इंडके क्यारा 'उक्ट गणिक्यक' क्रम एका हैं), भी पार 269-य के गणिक क्यार महिल्करों को वह क्रियात करते का करून है कि स्थापक बंचीबा, क्रियाका श्रीवृत्व श्राक्षण सुन्त 1,00,000/- का, ये श्रीक्षा हैं

सौर जिसकी सं 101 है तथा जो मनोहरपुकुर रोड, कलकता में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्णक्ष से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० थ्रार० ए० कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रीन तारीख 5-8-86

की प्रेरिक सम्मित के ठाँका नासार मूज्य से कम के करमान इतिकास के किए क्यापित की नहीं है ठाँर सुन्ने यह विश्वास कारी का कारण है कि वचान्वींका संबद्धि का उचित मालार क्या अकते व्यवकार प्रीकृष्ण से, एोडे कानुवाय प्रतिकास का क्या प्रक्रिक्त से वीचन हो जीर म्यापक (वंदारकों) मीर वंदर्शित (बचारिककों) से तीच होते बन्दरम् के किए वस कारा हरा प्रति-क्या विकाशिक स्कृतिक स्कृतिक से जनक स्वारण विकास में वास्त-नेक कर से कवित नहीं किया नवा है 6---

- रेखी अन्यस्य यं हुई निर्मायाः वर्षं राज्यः । तन्धः श्रीयनिषयः वी वर्गीय कर योगे में अन्यस्य को श्रीयस्य में क्ली सन्दर्भ या क्लाबं ब्लामे में कृष्णिया वी विष्टः वीर/शा
- (क) प्रेची किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिविया , 1922 का 11) वा स्थल अधिविया , या अन्यार अधिविया , या अन्यार अधिविया , या अन्यार अधिविया , या अन्यार अधिविया , 1957 (1957 का 27) को अयोधनार्थ अस्परिती इवारा प्रकट नहीं किया एका था या किया परात का दिए था किया में स्विया की हैक्स;

तः सम, अन्तः विधिनिकः की बारा 269-म की, अनुकरण मी, उक्त अधिनिक्य की बाच 269-म की उपभाय (1) वे अभीन भिन्नीक्रीक्रक स्मीवक्षी स्माद्ध ह—- (1) श्रो सत्येन्द्र भट्टाचार्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दीपार्ला दस

(म्रन्तरिती)

को यह स्थाना जाड़ी करके पृष्टिंगल सम्बन्धित के वर्षण के शिष्टु कार्यमां क्रम सुरू कार्यमा हो।

ज्वा सम्माच के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६— कार्यवाहियां कारता हो।

- (ह) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीका वे 45 दिन की शविध मा तत्वंबंधी व्यक्तियों कद त्रवा की तामीच के 30 दिन की अवधि, जो भी अधि माद में सवापा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिओं में से किसी क्विपस द्वारा;
- (क) ५स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 रिन के भीतर उक्त स्थावर सन्पत्ति में दिखा । यक्ष किसी व्यक्ति व्यक्ति के पास सिक्ति में विकास का सकेंने।

स्पन्धीकरण:---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उच्छा अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

## **अनुसूर्या**

दो तला पुराना बाडी, 3 कट्टा 25 वर्गेफुट जमीन, प्रेमिसेस नम्बर 101, मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता, एग० आर० ए० कलकत्ता की पाटन 5-8-85 तारोख में रजिस्ट्रीकरण हुग्रा।

दलील संख्या--- 11525

शेख नईमहीन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 18-4-86

## प्रकार बाहील सी ह एस ह एस स्टूब्बब्बब्बर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन समाना

#### भारत बरकार

कार्यास्त्र व, बहायक आयक्त कार्यक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, कलकत्ता

कलकला, दिनौंक 18 मप्रैल 1986

निर्देश सं० 2312/एकु भार-III/कलक्सा/86-87---यतः, मुमे शेख नईमुहीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, कह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका स्वित्व वाचार मुख्य 1,00,000/- ए. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 3ए है तथा जो माधव चटर्जी स्ट्रीट, कलकला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 14-8-85

को पूर्योक्त तस्पत्ति को जीवत बाजार मूल्य से कम के कावान प्रितिक्त को लिए अन्तरित की पद है जीर मूझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उन्नके द्रवयमान प्रतिकत्त से एसे कावमान प्रतिकल का पंक्रह प्रतिवात से अभिक है और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीव एसे जन्तरक के किए तय पावा गवा प्रतिकल निम्नीनिवत अधुवदेश से दक्त अन्तरक लिला में बास्तविक रूप से क्रिभित नहीं किया गवा है हु---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, खक्त नियम के अभीन कर दोने के बंबरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुरुवधा के किए; और/या
- (च) एती किसी नाय वा किसी धन वा नाज आस्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर स्विजियन, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियस, या धनकर निर्माणकर निर्माणकर निर्माणकर किया किया है। 1957 (1957 का 2न) के प्रवेशियाओं अन्ति रेशी द्वारी जकट नहीं किया भवा था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा ने निर्माण की निर्माणकर निर्म

वत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिकियन की धाक 269-थ की उक्भारा (1) के अधीन, निम्नलिसिंत व्यक्तियों अर्थास् :--- (1) श्रीकनक मैल

(भ्रन्तरक)

(2) किरिन 2. साई एवं अन्य

(श्रन्तरिती)

करें क्यू ब्राचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इन्त सम्बद्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी जाकीप ह---

- (क) इदः सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा अधीहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्टींकरणः---इसमें प्रयंक्त घट्टों और पर्दों का, जो उक्त जीवित्रमा, के अध्याय 20-क में दिशावित हैं हैं। बही वर्ष हांगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## धनुसुची

जमीन-- 2 कट्ठा 5 छटाँक, प्रेमिसिस नम्बर 3ए, माधव चटर्जी स्ट्रीट, लकक्सा ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता∼ 16

सारीख: 18-4-86

मोहर 🛭

प्ररूप मार्च.टी.एन.एस. --=---

a 1001 /4001 **a 10**1 **ad** 

नाधकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन स्चना

#### FRIT STATE

## भाषाच्या, सङ्ग्यक वायकार वायुक्त (चिरिक्षाक)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 18 मध्रील 1986

निर्देश सं० 2313/एकु म्रार-3/कलकत्ता/86-87⊸-म्रतः, मुझे, शेख नईमृहीन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 101 है तथा जो मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय स० र० ए०, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलंख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अब्वरेय से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य ग्रास्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्धिरिटी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सविधा वै किए।

अत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के जनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1); के अधील, निम्नुसिशिक्त व्यक्तिकों, अभित् ⊯— 7—86GI/86 (1) श्री श्रमलें इभट्टचार्जी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीविजयदत्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्षि के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्र में किए वा द्वोंचे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पवाँ का, को अक्त वीधिनयम, के अध्याय 20-के में परिशासिक हैं, वहीं कुर्य होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अनुसूची

दो तला पुराना बाडी जमीन—3 कट्ठा 25 वर्गफुट, 101, मनोहर पुकुर रोष्ट, कलकत्ता, स० र० ए० कलकत्ता के पास 5-8-85 तारीख से रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारी**ख**: 18~4-86

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस., ------

भाषकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-न (1) के नधीन सुचना

#### भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 18 ग्रप्नैल 1986

निर्देश सं० 2314/एकु श्रार-3/कलकता/86-87---यतः, मुझे,शेख नईमुद्दीन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा थया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाबार सूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिल्ला सं० 6/1/1सी है तथा जो मिनल मैं न रोह, कलकत्ता में स्थित है (भीर इल्ले उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मिन्सिंग के कार्यालय स० र० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण मिन्सिंग, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 7-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उत्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित कीं गई है और मूके यह विश्वास करन का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का वंदह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तस पासा नथा इतिफाल, निम्नीनियत उद्देश्य से उस्त बनारण कि विवृत्त में सास्तविक रूप से कियत नहीं किया पास है ह—

- (क) शंधरण वे हुई कियी बाव की बावस, स्वक अभिनियम के सभीन कर दोने के अंधरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/दा
- (क) श्रेसी किसी बाब वा किसी वन वा बच्च जास्त्रियों का, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियस, या धन-कार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

भरत सब, उक्त की धीनवम की बारा 269-म के बन्तरण थे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे अधीन, निम्लिसित स्थानित्यों, अधीन १-४ (1) श्री नीलमनि बानाजी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाहिर बरन मुसाधि

(भ्रन्तरितो)

की बहु सृष्ना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिख कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप छ---

- (क) इस स्वाग के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की ताशीस से 30 दिन की वविधि, जो भी श्विष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथें क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवास;
- (ख) इच स्चना के राजपन में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किये का सकेंचे।

स्वयाकिका :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिस। वदा हैं.a.

#### 

एक तफला बाडी, जमीन—2 क्रास 12 वर्गफुट, 6/1/1सी, अनिल मैन रोड, कलकत्ता-19 स० २० ए० कलकता के पास 7-8-85 तारीख से रिजिस्ट्रीकरन हुआ। वलील संख्या—11626।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 18-4-86

मोहर 🧓

प्ररूप आर्द्र.टी. एन. एस. ------

## बावकर म्यिनियंग, 1961 (1961 का 43) की गाउ 269-व (1) के बचीन बुखना

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 18 ग्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 2315/एक्यू० श्रार-3/86-87----थतः मुझे, शेख नईम्होन

नायकर निर्मित्यन, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इत्तर्में इक्तरं परकार विभिनित्य कहा क्या है), क्री वारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारभ है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित्रं वाबाह मृत्यू, 1,00,000/- रा. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० 101 है तथा जो मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय स० र० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 5-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित भाषार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए जंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास अंदने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उजित बाजार बृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफाल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिशी (अंशरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया प्या प्रतिफाल निम्निलिशत उद्देश्य से सक्त सम्तरण विश्वित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (अ) अन्तरम संहुई किसी बाय की वाय्त्र, बन्स निपनियम संविधीत कर दोने के अन्तरम के समित्य में कभी करमें दा उत्तर्व वचने में दृष्यिया भं (त्र्यू) मीझ्/मा
- (क) एसी फिसी नाम ना किसी धन मा नत्म नास्तिमाँ की, जिन्हीं भारतीय नाम-कर निधित्तमा, 1922 (1922 का 11) या उपल निधित्तमा, वा वय-कर निधित्तमा, 1957 (1957 का 27) की प्रकोणनार्थ कर्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रकाश मा विकास नाम नाहिए या, कियान में सुनिधा की लिए;

अतः सव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-व के जनुसरक वे, में, उक्त जीभीनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, जर्भात्:— (1) श्री निर्मले दुभट्टाचार्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजिब दत्त

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### अन्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाधोप ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिता में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्थ किसी मन्य स्थित ब्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए जा सकों थे।

#### अन्सची

दो तला पुराना बाडी फार्म 3 कट्ठा 25 वर्ग फीट, 101, मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता स० र० ए० कलकत्ता को पास 5-8-85 तारीख से रजिस्ट्रीकरण हुन्ना दलील संख्या-→11518।

> शेख नईमृद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 18-4-86

मोहर 🛭

## प्रकृत जाव _जी . एस . एस . -----

बारकर ने[भागियम् 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

#### नाउन बहुब्बाह

## कार्यासयः, सहायक सायकर आयुक्त (निदीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 18 ग्रप्नैल 1986

निर्वेश सं० 2316/एकु० आर.० 3/86-87/कलकत्ता--यतः, मुझे, शेख नईमुद्दीन

वाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विक्वास करने क. कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 0 1 जी है तथा जो श्रीकृष्ण मन, कलकत्ता में स्थित है) श्रीर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय स० २० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्री करण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्रवमान प्रतिफल को निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य उत्तक दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्मसिवित अध्योह्य से उक्त वस्तुल निवित में बास्त-दिक रूप से क्रियत नहीं किया प्या हैं:---

- हेक) क्लारक से हुई किसी भाग की वाबत., उक्त अधिनियम से अधीन कर दोने में अलारक के समित्व में क्ली कर्त्व या उत्तते अचने में तृतिका के सिए; भीर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन - स्थितिस्य व्यक्तियमें, वर्षात्र (1) श्रीमती उमा राय चौधरी एवं मन्य

(अन्तरक)

(2) श्री महेश लाल मिश्र

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यसाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन में संबंध में कोई भी वाक्षेप रू---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी स्थितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में के किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी के पास निधित में किए वा सकेंचे।

स्पटिकिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहै।

#### अनुसूची

दो तला बाडी, जमीन-1 कट्टा 4 छटौंक 17 वर्गफुट। 11 बी श्रीकृष्ण लेन, कलकत्ता स० र० ए० कलकत्ता के पास रजिस्ट्रीकरण हुमा दलील संख्या--16635।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारी**डा**: 18-4-86

मोहर 🖫

प्ररूप भाष्ट्रं टी.एन..एस..----

## बाबकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 18 अप्रैल 198 6

निर्देश सं० 2317/एक्यू० म्नार-3/86-87/कलकत्ता---यतः मुझे, शेख नर्दमुदीन

बायकर बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त 'पिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख को बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० 18 है तथा जो शिवादास भादुरी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय स० र० ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 3-8-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जीतरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; जीर/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीरजत कुमार काली

(श्रन्तरक)

(2) श्रीस्यामल कुमार नाथ एवं ग्रन्थ

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जा<u>री करके पूर्वोक्त</u> सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

## उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

18, शिवादास भादरी स्ट्रीट, कलकत्ता । स० र० ए० कलकत्ता की पास 3-8-8 5 तारीख में रिजिस्ट्रीकरण हुन्ना ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 18-4-86

ing and the control of the control o

प्रसन् बार्च , दी , एन , एस . -----

अधिकार स्थिनियस, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के न्यीन स्वा

## भारत सरकार क/अंनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

**प्र**र्जन रेंज, कक्षकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 18 ग्रप्रैल 1986

निर्देश सं० 2318/एकपू० ग्रार-3/कलकत्ता/8 6-8 7 · यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करणें कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिमकी मं० 1 ए है तथा जो कालेज रोड़ कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण कर से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग० र० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 17-8-85

को पूर्विकत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रीत्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरिए के लिए उप पाया गया प्रतिफल निम्नितिष्त उद्वरेष से उनत बंतरण मिषित में बास्तिषक रूप से किथत नहुं किया गया है है—

- (क) बन्तर्य से हुए दिस्ती बाय की बावत , उक्छ अधिनियंत्र को बनीन कर वोचे के अन्तरक को वाहित्य में क्यी करने वा उन्नये व्याप में मुद्दिया के सिए; क्रीट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, किया दिवस के जिए;

पताः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्थ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो समगुबरन मुखर्जी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सबिता दत्त

(भन्तरिती)

को यह सुमना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रुक्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाधन की शारीख है 45 दिन की जनपि का तरसम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की ताजीत है 30 दिन की बनिध, या भी अवधि नाव ही सजाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी स्पित्त हुवारा;
- (क) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस क 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबपुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्देशकारी के पांच निविद्य में किए का सक्ति।

स्थव्योकरणः ---इश्चमॅ प्रयुक्त सन्दौं और पर्वो का, वो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित कैं, वहीं वर्ष होगा, थीं उस वध्याय में दिया स्था हो।

## **अमृस्**ची

प्रेमेसिस नम्बरः 1 ए, कालेज रोड़, कलकत्ता 1 स० र० ए, कलकत्ता के पाम 17-8-8 5 तारीख से रजिस्ट्रीकरण हुन्ना।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता -16

तारीख: 18-4-86

## प्रकृष् सार्थं . दी . एन . यस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक नायकर मायुक्त (निक्किंगः)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 18 श्रप्रीं ल 1 98 6

निर्देश सं० 2319/एक्यु० ग्रार-3/फल हत्ता/86-87 यतः, मुझे, शेख नईमुद्दीन

गायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० 1/121 है तथा जो गरियाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय स० र० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1608 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-8-85

को वृबेक्त सम्बक्ति को जिल बालार मृत्य ते कम के दृश्यमार इंडिक्क को निए अन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अभा पूर्णेक्त सम्पक्ति का जिल्ल बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पंक्ष्य प्रतिशत से अधिक है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए स्य प्रया गया प्रतिफल, जिम्मलिसित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर में कथित नहीं किया गया है र——

- (क) अन्तरण ले हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों करे, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया राम था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मीं स्विधा के निए;

जनः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी जक्त अधिनियम की भारा 269-म की नगभारा (४) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) म० बी० एन्टरप्राईसेस

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिसा मुखर्जी

(भन्तरिनी)

को मह सूचना बाडी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किल कार्यजाहियां करता हो।

रुक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी अविधि बाद में समाप्त हारेती हों, के भीतर पूर्वों कर स्पिक्तमों में से किसी स्पिक्त इवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए वा सकेंथे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो अवल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गंधा है।

#### अनुसूची

880.27 वर्गफुट फ्लैंट चारतल्ला 1/121, गरियाहाट रोड, कलकत्ता, स० र० ए० कलकत्ता के पास 16-8-85 तारीख में रिजिस्ट्रीकरण हुन्ना। दलील संख्या- - 12071

> णेख नईमुद्दीन मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज, कलकत्ता- 16

नारीख ः्रै18 - 4-8 6 मोहरः प्रकप आइ.टी.एन.एड. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से अधीन सूचना

#### भारत करकार

## कार्यालय, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 18 अप्रैल, 1986

निर्देण सं० एसी-1/भ्रार-2/कलकत्ता/86-87--यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जिसकी सं० पी~398 है तथा जो ब्लाक जी न्यू श्रालिपुर में स्थित है) श्रीर इस पे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रालिपुर 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-8-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के करवनान प्रतिफाल न्दें लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाबाइ मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफाल से एसे एसे इध्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाबा गया प्रतिफाल, निक्निश्चित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अम्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में क्यी अपने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन या बन्य लास्तियों को जिन्हों भारतीय मायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इंघारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अज्ञासरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिम्बिट व्यक्तियों, अर्थात् ं~~ (1) श्रीमती तपति मुखर्जी

(भ्रन्तरक)

(2) चन्द्रकान्त हरलालका भ्रौर श्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

## तकत सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में काई भी वालेंच :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तार्ग ल से 50 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्तियां।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, कड़ी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्दर्भी

5.485 कठा जमीन के साथ मकान का श्रविभवन 1/4 श्रंश पी-398, ब्लाक जी, न्यू श्रालिपुर, कलकसा-53; में श्रवस्थित है।

दलील संख्या--एस० भ्रार० म्रालिपुर, 24 परगना का 1985 का 7335

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुकुत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 18−4−86

वरूप बार्ड , दी_ल एक , एक , कार्यकारक

बायकार समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) में बचीन सुचना

#### THE STATE

कार्यांसय, बहायक माधकर माध्यत (निरोक्तम)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनौक 17 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० ए०सी० 2/ब्रार-2/कलकत्ता/ 86-87--यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधीनमम' फहा गना हैं), की धाय 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारून हैं कि स्थानर सम्बद्धि, जिल्हा स्थान वाचार न्त्य 1,60,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० पी-398 है तथा जो ब्लाक की न्यू म्रालिपुर में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रोर, पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय एस० म्रार० म्रालिपुर, 24 परगना रजिस्ट्रीकरण म्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 20-8~85

भी पूर्णेक्त सम्बन्धि के जीवत बाबार बूक्य से कम के क्रममान प्रक्रिक के लिए जैतरित की गई है और मुम्मे वह विकास करने का कारण है कि क्यापूर्णेक्त सम्बन्धि का उपित बाबार मूक्य, उत्तके क्यायाण प्रतिकृत से, इसे क्यामान प्रतिकृत का प्रकृतिकृत से अधिक है और अम्बर्क (अन्तरकार्गे) और अध्यक्ति (अन्तरित्तकों) के बीच एसे अन्तरका के लिए तब पाना प्रवादिक मान्तिकीं के उप्तिकार के जिल्ला अम्बर्भ जिल्ला में बाल्लानिक रूप से क्याया मुद्दी किया गया है :——

- (क) जम्मरण से हुइ किसी नाव की बावस, बक्स विधिनियम के जभीन कर देने के अंतरक के वाधिरव में कभी करने वा स्थल बचने में द्विशा के लिए; जोर/वा
- (क) एंसी किसी बाय या भन या बस्य वास्तियों को, किन्हुं भारतीय सायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, या भनकार विधिनयम, या भनकार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्वरिती क्यारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया काम वाहिए था, कियाने के प्रविका के विद्या

बर्तः थयः, शब्द वीपीनयम् की भारा 269-म थै। बन्दरस्य हो, हो, उक्त वीपीनयम् की भारा 269-स की सम्भारा (1) के वधीयः निम्मतिषिक व्यक्तिकीं, मण्डी डा—

8-86/GI/86

(1) श्री श्रासित बरन धाचार्य

(मन्तरक)

(2) चन्द्र कान्त हरलालका श्रीर श्रन्य

(मन्तरिती)

नते यह सुचना जारी करके पृथींक्त सम्मत्ति के अर्चन के क्रिय कार्यनाहिनां करता हो।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में नहेड़ भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तादीश सं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तानील ते 30 दिन की व्यक्ति, को चीं अभीध बाद में समाप्त होती हो, को शीत्र पूर्वोक्क व्यक्तियों में से विक्ती व्यक्ति दुधाएं;
- (थ) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सर्पाय थें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हिराक्ष्य के किसी जन्म स्थाय मधाहस्ताक्षरी के साथ सिधित में किए या सकींचे।

स्यक्षीकरण:---इसमें प्रमुक्त सक्तें और पर्यों का, को स्वक विधिनयम, के सभ्यान 20-क में वीरभावित है, कही अर्थ होगा, वो उस सभ्यान में विका क्या है।

## अनुस्की

5.485 कठा जमीन के साथ मकान का अविभक्त 1/4 ग्रंश पी-398, ब्लाक जी, न्यू प्रालिपुर, कलकत्ता-53 में श्रवस्थित है।

दलील संख्या—एस० ग्रार० ग्रालिपुर, 24 परगना की:

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधि कारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारी**ख**: 17-4-86

मोहर १

## प्रकृष भाष**्ट्रा** हो हुन _{स्थानसम्बद्धाः}

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) वे अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यां नय, अहारक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकता, दिनाँक 17 अप्रैल 1986

निर्वेश सं० ए०सी ०-3/ग्रार-2/कलकता/86-87--यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2'69-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पी-398 है तथा जो ब्लाक जी व्यू भ्रालिपुर में स्थित है। (भौर इससे उपावद्ध भ्रतुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस व्यारव्यालिपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-8-85

कों प्योंक्त सम्पत्ति के उपित शाकार मुख्य से कम के क्यवान प्रतिफर, के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उपित बाबार नृत्य, उक्षके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है "---

- (क) बन्दरण से हुइ फिसी बाग की बाबत, धनक वॉधिनियब के बधीन कर दोने के जन्दरक के धाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपामे में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्रीमती दि चौधुरि

(भ्रन्तरिती)

(2) श्री चन्कांत हरलाल का भौर भन्य

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता। हुं।

बनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की वनिथ वा तत्त्वं भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविथ, को बी जनिथ बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धां और पर्वो का, जो उन्धः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, नहीं अर्थ होगा परे उस अध्याय में विया गया है।

### वयुस्यी

5.485 फठा जमीन का साथ मकान का भविभवत 1/4 ग्रंश पी-398, ब्लाक-जी, न्यू ग्रालिपुर, कलकत्ता-53 में भवस्थित है।

दलील संख्या:---एस० म्रार० ग्रालिपुर 24 परगना का 1985 को 7359।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 17-4-86

मोहरः

______

प्रक्षः आद्^र्दी . एन . एवं _अ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के जभीन स्वमा

#### भारत तरकार

## कार्याक्षव, सहायक भागकर बाव्यत (निडामण)

ध्रजैन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 17 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० एसी-4/श्रार-2/कलकत्ता/86-87—यतः मुझे। शेख नईम्उदीन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या पी० 398 है सथा जो लाक जी, न्यूभालि-पुर स्थित है। (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वांजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० आलिपुर, 24 परगना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-5-86

को पूर्वोक्त सम्मिति को अभित बाजार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिकल को तिल जन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मित्त का उभित बाजार मृत्य, उशके बश्यमान प्रतिकल से एसे बश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रशिक्त से अभिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पावा जमा प्रतिकल, निम्मितिक उन्दर्भ से उस्त अन्तरण जिल्ला को बास्तविक कम से कमित नहीं किया वना है —

- (क) बग्तरम से हुई फिसी शाम की वावत, बन्ध वर्षिनियम में वर्षीन कर दोने में वंतरक के दायित्व के कमी करने का बन्धे वजने में बुरिवधा के बिए; कीर/वा
- (व) इसी किसी शाय वा किसी धन या श्रम्य शास्तियों का, चिन्ही भारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनयम, या श्रमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंखरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, जियाने में सुनिधा के विका

क्ट: बच, उन्तर विधित्यमं की पास 209-मं से बन्दरूप को, को, एक्ट कीपीनयमं की पास 269-मं की व्यथासं (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रजित कुमार ग्राचार्य

(प्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त हरलालका ग्रोर ग्रन्य

(श्रन्सरिती)

को नह ज्यान बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन से लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## अवस्य सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षीप ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 विन की श्विभ या तस्सम्बन्धी श्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की बबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मृतिकारों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब डै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति व्याश अधोहस्ताक्षरी के शब् विचित में किए जा सकोंचे।

स्वच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उवसे विभिनियम, के वश्याय 20 क में परिभाविष्ठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

5.485 कट्टा जमीन का साथ मकान का ग्रविभक्त 1/4 ग्रंश पी-398, ब्लाक जी, न्यू भ्रालिपुर, कलकत्ता 53 में भ्रवस्थित है।

दिलल संख्या एस० झार० झालिपुर का 1985 का 7582।

शेख नईमृद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

ता**रीख**ः 17–4–86

मोहरः

प्रकम जार्च, क्षी. एवं. एक्षा, ------

कामका अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के अभीन तुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

सर्जनरेंज-2, कलकता

कलकता, विनांक 17 मधील 1986

निर्वेश सं० एसी-5/म्रार-2/कलकत्ता/86-87 यतः, मृझे मेख-नर्षमुटीम

कारण जीवीववर, 1961 (1961 मा 43) हिंको हुन्ती इस्के कारण क्रिका करियोवर कहा गया है), नहीं पक्षा 366-व्य के क्लीन कारण करियकरों को व्यक्तियात कर्ण का बहुत्व है कि स्वास्त्र कर्णांक, चित्रका क्लिट क्षावार पूर्व 1-,00,000/- पा, वे वरिका है

भीर जिसकी सं 0 10 है तथा जो बेलमे ियार रो ७ क्लकत्ता में रियत है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है, रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-86

को पूर्णेक्स कंगील के जीवत बह्नार मूल्य से कम के अवयंक्रत प्रीक्षक की विश्व मंत्रीका की गई है और मुक्ते यह निरमान संकर्त का का का का है कि मधानुष्यिक संपत्ति कर अधिक सक्तार क्ष्मा, का कि जाना मिक्स है बीर मधानुष्य के अध्यान मिक्स के बीर मधानुष्य के अध्यान मिक्स है बीर मधानुष्य के अध्यान मिक्स है बीर मधानुष्य के विषय का नाम गया प्रतिक्रम मिक्सीलिक्स क्ष्मों के बीर है से अध्यान करत्त्व कि ता मों मधानुष्य कि का का मधान का मधानुष्य के सम्मानिक का से का बीर महीं किया नाम है ।——

- (क) अंधरण ते हुद्दं भिन्ती भाष की बावबा, उपला अभिनियम के नभीन कर दोने के अंधापक के बाविका में कभी करने या उससे बचने में सुनिष्धा के न्किए; और/ना
- (च) क्की किन्दी भाव या किन्दी भग या अन्य अधीवतकों को, जिन्दी भारतीय वायकर विभिन्नयम्, 1922 (1922 को 11) या उपत विभिन्नयम्, या भन-कर अधिनित्रम्, 1957 (1957 का 247) की प्रसोमसभी अक्कीस्त्री द्वारा प्रकट नहीं किन्दा सक्त भाषा विका जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिका को सिन्दाः

कर: क्य, उनत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, जें, उनत अभिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के ज़रीन . कैन्निमिवित व्यक्तियों, वर्षात् हि— (1) श्री श्रार० एन० पोवार एवं सन्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बजरंग लाल खेरिया भौर भन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बादी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अवन के लिए कार्यकारिकां क्ष्क करका हुई।

उन्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हैं---

- (क) इस स्थाना को राज्यका में प्रकाशन की सम्मीच च 45 दिए की जकीं या सरसंबंधी व्यक्तियों की गुक्ता की तानीस से 30 दिन की अविधि, यो भी नवीन वक्क में क्यांच्या होती हो, को भीतद प्रतिका व्यक्तियों में से चित्रती व्यक्ति स्वास्तः;

स्वयद्धीकारण: --- कार्को प्रयुक्त कार्को और पर्को का, ओ उन्ह्री अभिनेत्रन, के अध्याक 20-क में कथा क्रीकार है, स्क्ष्टी कर्य होगा ओ उस अध्याक में विका गया है।

## धनुषु ची

1562 वर्ग फुट प्लाट 10, बेलमेडियार रोड, कलकत्ता-27 में भ्रवस्थित है। प्लाट नं०- - 6ए

सक्षम प्राधिकारी के पास 29-8-85 तारीख में रिजिस्ट्री दुशा।

रजिस्ट्री का ऋमौक संख्याः--- 85--- 86 का 71

शेख नईमृद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2/कलकत्ता

तारीख: 17-4-86

मोहर ।

## प्रकृत नार्षे . सी. एम् . एवं हु-------

बाब्रकर विधितियम्, 1961 (1961 का 43) करी बाह्य 269-व (1) में विधीन सुचना

#### SPEE SERVE

## कार्याक्य, ब्रह्मायक नायकर नायुक्त (निर्द्राक्षण)

म्रज'न रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता,विनौक 17 म्रमेंल 1986

निर्देश सं० एसी-6/आ२-2/कलकता/86-87--यतः, मुझे शेख नईमुद्दीन

जाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निश्वास करने का आरण् हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सून्य 1,00,600/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० 74ए है तथा जो खेलान बाबु लेन, कलकत्ता-2 में स्थित है। भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० भ्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 3-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसान प्रतिकल् के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यथमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिवत्ति से अधिक हैं और जंतरक (जंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकल निम्मसिचित उद्देश्य से उस्त अंतरण निमित्त के बास्तिक स्त वे किया वास की सम्मानिक स्त विश्वास निम्मसिचित अपने किया निम्मसिचित अपने से अस्त अंतरण निमित्त के बास्तिक स्त वे किया वास है किया नवा है किया वास है किया है क

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शवत अचत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में तृतिथा के लिए; और/शा
- (ब) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों करें चिन्हों भारतीय नावकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर निधिनियम, या धनु-कुछ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ नन्दरिती ब्वास् प्रकट नहीं किया गय। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी निष्

बतः वयं उत्तर विभिनियमं की भारा 269-म की वनुसरण में, में, उक्त वृभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) इंबर्भान, जिस्लिसिय व्यक्तिस्ता, वर्षास्त करूल (1) श्रीमती माया देवी भट्टो

(अन्तरक)

(2) श्रीरजत कुमार नंदि

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## वक्त सम्मति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी नाओंच ८---

- (क) इस स्थान के श्राचपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्थान की तामीन से 30 दिन की अवधि, धो भी स्वाधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिन्यम के अध्याय 20-के में परिभाषिल हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका भवा है।

#### अनुसुची

1 कठा 7 छटाँक जमीन का साथ मकान 74ए खेलान बाबु लेन, थाना-चित्पुर, कलकत्ता-2 में श्रवस्थित है। दलिल संख्या:--एस० श्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का श्राइ 11449

> शेख नईमृदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-2, क्लक्सा

तारी**ख**: 17-4-86

मोहर १

एकव् कार्ष . श्री , वृद . वृद्ध .,-------

हासकर वॉभीनयन, 1961 (1961 को 43) की पाछ 269-म (1) जे नभीन स्पन्त

#### SLAW EASILY

## कार्वाचन, सहायक भागकर वायुक्त (विरक्षिक)

श्रर्जं न रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँक 17 श्रप्रें ल 1986

निर्देश सं० एसी-7/ग्रार-2/कलकत्ता/86-87--यतः, मुझे शेख नईम्हीन

आयकर भी भी नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269 क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, बहु विश्वात करने का कारच है कि स्थान संपरित जिसका एकित बाबार मृज्य

1,00,000/- रु. से विभक 🧗

ग्रीर जिसकी सं० 19बी० है तथा जो ग्रालिपुर रो७, कलकत्ता में स्थित है। ग्रीर इससे उपावज्ञ अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है। रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्याक्षय सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, सारीख 9-8-85

को पूर्विक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रिक्ति के लिए भन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का छारण है कि यभाप्योंकत संपरित का उजित भाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिकास से, एमें प्रमाणन प्रतिकास का पन्नह् प्रतिवास से विभक्त है जौर क्लार्क (बन्तरका) और बंतरियी (अंतरितियों) के नीच एसे वंतरण के निष् तव नामा नवा प्रतिक कन, निम्नसिविक उद्वोध्य से प्रकृत बंदहन विविद्य में नास्त-विक क्य से कवित नहीं भिका करी है है—

- (क) अन्तरम ते शुद्र मिली बाव की बावत, उक्त श्रीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उधने बचने में तृतिका के सिए श्रीप/मा
- (बा) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा धी सिष्;

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित अधिकत्त्रों, अर्थात् हि— (1) शम्भु प्रापरटीज

(भन्तरक)

(2) इलोरा द्रेडि लि॰

(श्रन्तरिती)

को यह सूचका चारी करके पृत्रीकत सम्पत्ति के वर्षन के विह कार्यवाहियां करता हूं।

नत बन्मतित के वर्धन के सम्बन्ध में कोई नी बाबोप:--

- (का) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन का तारीच से 48 दिन की वनिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तालीन से 30 दिन की वन्धि, को भी वन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्ष्मिक्तयों में से किसी व्यक्ति वृक्षा,
- (क) इस स्थल के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रह्म किसी अन्य न्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकान में किए का सकीये ।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिस ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया ही।

## अनुसूची

1120 वर्ग फुट प्लाट 19को, भ्रालिपुर रोड, कलकत्ता-27 में प्रवस्थित है। प्लाट तं० सो० सक्षम प्राधिकारी के पास रजिस्ट्री हुग्रा। रजिस्ट्री का कर्मांक संख्या :⊶ 1985–86 का 62

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 17-4-86

मोहरः

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, कलवत्ता कलकृता, दिनांक 17 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० एसी-8/ग्रार-2/कलयत्ता/86-87—यतः, मुझे शेख नईमुद्दीन

शायकर सिंधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विश्वका उवित वाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 106 है तथा जो नारकेलडागा मेन रोड स्थित है। भीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर, पूर्ण क्य से विणित है। रजिस्ट्री क्रवी श्रिष्ठ कारी के कार्यात्य सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्री-करण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिश्रीन तारीख 23-8-85

को प्रवासित सम्परित के रिचित राजर धन्य से कम के क्यमा।
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुभे यह विश्वास सरने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृश्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नसिचित उद्देश्य से उपत अन्तरण निचित्त में भास्त-निक क्य से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुवाँ किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के वितरक की बाबित्य में कमी अध्ये का नसके दशने में सर्वित्या को भिना: की निवा
- (क् रियो किसी क्षय के जिली भग का अस्य बार्किकों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान ये मुविधा जै किए:

बत: क्व, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-ग की अमुसरण कों, मीं, एक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपभारा (1) को अभीना निम्नसिनितः स्थीक्तर्यों, अर्थात् :—∾ (1) श्रीमती मानिक चान्द दामानि

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जय प्रकाश विहानि

(भ्रन्तरिती)

नी यह स्वना जारी करके प्रॉक्ट सम्पत्ति के बर्डन के क्रिक्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ह

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की संज्ञीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व्य) द्व वृत्रमा चै राज्यम में प्रकाशन की तारीय चैं 45 दिन के धीतर अनत स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थानत इंगरा अभोहस्ताक्षरी के पा! लिखित में किए जा सकों।

## षगुसूची

106, नारकेलडांगा मेन रोड, कलकत्ता-54 में भ्रवस्थित फ्लैटनं० मि 101

सञ्जय प्राधितारी के पास 23-8-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ। रजिस्ट्री का ऋमिक संख्या 85-86 का 64!

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज-2, कलकत्ता

सारीख: 17-4-86

मोहरः

## जन्म आहें<mark>, श्री भूग , श्रेष</mark> भूगरण वरणाल

## वावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वेभीन सुचना

#### भारक करकार

## भावनिय, सहायक नायकर नायुक्त (विश्वीकाण)

ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांव 17 ग्रप्नेल 1986 निर्देश मं० एसी-/ग्रार-2/कलकत्ता/86-87--यतः मुझे शेख नईमहीन

क्षायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269--च के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 0 106 है तथा जो नारकेलडागा मन रोड स्थित है। भीर इससे उपाबद्ध असुनुची में भीर, पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-85

को वृजोंका संघीता के उपित वाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के जिए जन्तरित की गई हैं और वृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि वजाप्योंका नम्पतित का उणित वाजार बुख्य, उसके स्वयमान प्रतिकास से एमे स्वयमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिशत में अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरका) और बन्धरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे बन्तरण के बिए स्वय वावा नया प्रतिकास, निम्मतिषित स्वयंदेव से उन्तर बन्तरण स्विश्वत में वान्सविक क्य से किथा वहीं किया गया है ए—

- हेको जनसरल संहूर्ण किसी बाव की बावत, अवस्य विधिनियम के वधीन कर बने के जनसरक की शावित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा ने निमा: शरि/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क' जिन्हें भारतीक आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, वक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरस् में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती मानिक चान्द दामानि

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला दिम दागा

(अन्तरिती)

को यह पुष्पा पारी करके पुर्वोक्त सम्मन्ति के वर्षण के जिए कार्यवाहियां करता हुई (ह)

### दलद दल्योत के नर्जन के संबंध की कीए भी शाक्षेत्र k---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकारत की ताड़ीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, थो भी कदि वाद में समाज होती हो, के भीता प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।
- (ख) इस स्चना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध कियी जन्म व्यक्ति स्थाप कथोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए का सकेंगे!

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और वदौं आहे, को सकत अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभावित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## वन्सूची

106, नारकेलडांगा मेन रोड, कलकत्ता-54 में अवस्थित प्लाटनं० सी-201

सक्षम प्राधिकारी के पास 23-8-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ। रेजिस्ट्री का क्रमॉक संख्या 85-86 का 65।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंघ-2, कलकत्ता

तारीख: 17-4-86

मोहर 🛭

## त्रक्म बाइ. टी. एन. एव .-----

## नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वया

## भारत सरकार कार्थास्य, महायक जायकार जायुक्त (मिरीकाक)

अजैन रेज-2, कल हत्ता कल हत्ता, दिनांक 17 अप्रैल 1986

निर्देश मं० एसी-10/आर-2/कलक्ता/86-87यतः, शेख नईमृहीन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त सिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व ले मधीन सञ्चम प्राधिकारी को यह विश्वास कारन का ___ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिपकी सं० 106 है तथा जो नारकन डांगा मेंन रोड स्थित है श्रीरइसमे उपाबद्ध अनक्षी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। प्राप्तिही-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, र्राजस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख 23-8-86

न्द्रं पृथ्तें क्ल संपृक्ति को उचित बाचार मृस्य से कम के दस्यातन प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास क रूने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार भूरूप, उद्याको इदयमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिश्वक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रमध्य के मधीन अन् वीन के बासरक के शांबित्व में कमी करने ६३ अससे कपने मी सविधा की लिये; शीह्र/या
- (क) ्मेली किसी अग्य वा किसी धन या वन्य वास्तियाँ को. जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रकोशनार्थं कन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया करा भाषा किया जाना चाहिए ना. स्थितने में अविधा में जिए।

अत: अब:, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण बं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अभीत. निम्नलिखिश व्यक्तियों, अर्थात —

(1) श्रीमानिक चान्द दामानि

(अन्तर्क)

(2) शकुन्तला देवा हरलान ा

(अन्तरिती)

को यह सचना बारी करके एवॉक्त सम्मोरू के बर्क के खिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्तर सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में की हैं भी बार्योप 🖫---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच सं 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सुचन। करी तामीज से 30 दिन की कर्जाभ, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर धुनोंक म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बनारा:
- (ब) इस ब्याना के रावपत्र में प्रकावन की तारीस से 4.5 दिन को भीतर जक्त स्थानर संपत्ति में हिल-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति दुनारा बधोहस्ताक्षरी के गरा निष्ठित में किए वा सर्वोत्रेः

जिथितियम के बच्चाम 20-क में परिभाषित हीं, वहीं कर्थ होंग! जो उस अध्याय की दिया यका है।

### अनुमुखी

106, भारकेनडांगा मन रोड, कल हत्ता -- 54 में अवस्थित ज्लाट नं ० सी० 202 सक्षम प्राधिकारी के नाम 23-8-85 तारीख में राजिस्ट्री हुआ । राजिस्ट्री का ऋमि ६ संख्या 85-86 **新 66 b** 

> शेख नईमहीन सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, कलकत्ता

तारीख 17-4-86 मोहर:

9-86/GI/86

प्रकथ आहाँ, टी. एस. एस. *****

कावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के वभीन सुवना

#### भारत सरकार

## कार्यान्य, बहारक नावकार नायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, यलकता

्रवश्ता, दिनांवः 17 श्रप्रैल, 1986

निदेश मं० एसी-12/ ऋजीन रेंच-II/ यलअना/86-87—— शनः मुझे, शेख नईम्हीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थाप सम्पत्ति, जिसवा उविल बाजार भूका 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 106 है तथा जो नारकेवडांगा मेन रोड, स्थित है (और इसमें उपाबद्ध धन्मुचीं में और पूर्णेष्ट्य में बणित है) रिस्टी एवीं शिवि ारी के ार्यावय, सक्षम प्राधिकारीके रिक्ट्री-प्रण शिवित्यम, 1908 (1908 दा 16) के ग्रंधीन, नारीख 23-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूस्य से कम के द्रायमान प्रिपिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्ति सम्प्रीत का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरित (अंतरितयारें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बारतिथक रूप में किशन नहीं किया गया है:---

- (क) कृत्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम की संधीत कार दोने के बंदारक के दायिक भें काठी अपने का उसने बचने में सविधा करित्त की की की
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 ो १५१० (। ११) या उत्तम अभिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योअसार्थ अंतरिकों ड्यास स्वाट अहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के निए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, भं, पक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिसिक व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) मानिक चांद डामानि

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रणो ह हुमार बागारिया भ्रौण प्रत्य । (श्रन्तरिती)

को वह क्षता जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां कुक करता है।

जनव सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ करण में समाच्य होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूथ किसी ब्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींगी।

स्वच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त राज्यों और पर्यो का, आ उन्तर जीविनयम के बच्चाय 20-क में परिकारित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उम अच्याय परिवास गया है।

#### अनुसुची

106, नारकेनडांगा मेन रोड, यलकत्ता-54 में स्रवस्थित है प्लाट नंगडी-1 सक्षम प्राधिकारी के पास 23-8-1985 नारीख में रिजस्ट्री हुस्रा । रिजस्ट्री या कमिय गंग 85-86 का 68।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

नारीख: 17-4-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज-2, कलकत्ता

बालदःत्ता, दिनांदः 17 अप्रैल 1986

निर्देश मं० एमी-ा/ग्रार-2/कलकत्ता/86-87--यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 106 है तथा जो नारकेलडांगा मेन रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से धणित है) रिजस्ट्री उर्जी अधि तारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—- (1) श्री मानियः चन्द दामानि

(मन्दरः)

(2) श्री नारायनि देवि इंटा

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की लारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उम अध्याय मे दिया गया **ह**ै।

#### अनुसूची

106, ना पात्रडांना मन रोड, उत्तक्ता-54 में अवस्थित हैं प्लाटनं० सी-301

यजन प्राधि असी के पास 23-8-85 तारीख में रजिस्ट्री हमा। रजिस्ट्री आ कमिक मंख्या:--85--86 का 67।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक्र श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 17~4-86

मोहर '

## प्रकृत कर्मा, द्वीत द्वात द्वाताला ।

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

जन इता, दिनां र 17 अप्रैल 1986

निदेग सं० ए० ती०-13/प्रतन रेंग-II/ क्रतक्ता/85-86→-श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसकें पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-स के निधीन सदाम प्राधिकारी की, यह निध्नाध करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० 106 है तथा जो नारकेनडांगा मेन रोड, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ो 197 मां को असी के असी तथ, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्री∙ करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 23-8-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति कं उचित बाजार मृत्य से कम के **एरयमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित <mark>की गई और</mark> मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है

मेन पह गिर्यात परित को जीवत नाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल सं, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी मान की बाबत, स्वयद् सिंधियम के संशीध कर दोने के स्वयुक्त औं बासित्व में कमी करने या उत्तरी नवने में बुनिधा के सिंग्द; और/या
- (3) एंकी किसी जाव या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षतार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नवा वा वा वा वाना वाहिए था, कियाने सें श्रीवधा के निए;

(1) मानिक चाद दामानि।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री राधेश्याम बागारिया श्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राभपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूथ किसी बन्ध स्थावित ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी वें पास निवास में किए वा सकतेंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त धुन्दों कीट वयों का, को उक्क विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिश हुँ, वहीं अर्थ होगा ना जस अध्याय में दिया गुया हैं।।

## अनुसूची

106 नारकेलडांगा मेत रोड, कलकत्ता-54 में अवस्थित त्राट नं॰ डी-2 सक्षम प्राधिकारी के पास 23-8-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ। रिजस्ट्री का क्रिमिक सं॰ 85-86 का 69

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कलकत्ता

अतः त्रवः, उक्तः अधिियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर् कि लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीख: 17-4-1986

## त्ररूप बाइं.टी.एम.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अथीन सूचना

#### भारत पर्याप

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 17 भ्रप्रैल 1986

निदेश मं० ए० मी० 14-प्रजीन रेंज- /कलकत्ता/86-87--स्रमः, मुझे, गोख नईम्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे रतमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा चया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीतिषकी संव 106 है तथा जो नारकेलडांगा मेन रोड, में स्थि^त है (श्रीर इसमें उपाबढ़ श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजिस्ट्री जो प्रिधि गरी के अर्थातप, सक्षप प्रा धिमारी में रिजिस्ट्री-एएग प्रिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 23-8-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरवजान प्रितिकस के लिए बंतरित की गई है जीर मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एरेए दरयमान प्रतिफल के उन्स्रह प्रतिकत्त से विभिक्त है बीर जन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के जिए तथ पाया बया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलिल् में वास्तीबक रूप से बास्तीबक रूप से वास्तीबक रूप से बास्तीबक रूप से बास्तीबक रूप से कार्या है है

- (क) अन्तरण संहुदं कितीं नाय की नायतः, उपस मधिनियम को अभीन कर दोने की अन्तरक की नाधित्व मो कनी करने वा उससे प्रथमें मों स्विधा के बिष्ट; वर्षिट्र/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को विन्हें भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनी में अन्दिश्शिती बुदारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के स्विद्या

कतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-च कौ जन्तरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गानिक चाद दामानि ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किशन जाजोदिया और ग्रन्य।

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हों।

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीय हन्न

- (क) इस सूचन्त के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सुवना के राजवन में प्रकाशमा की तारीय वें 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावण सम्पत्ति मा हितवधूथ किसी अभा व्यक्ति द्वारा अभोक्रस्याक्षरी के पास निमित्र के फिल् का मारीयाँ।

रूपष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वितम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं नहीं कर्ष होगा वो अस अध्याद में दिशा गया

#### वनसम्ब

106, नारकेनडांगा शेड, कलकत्ता-54 में ग्रवस्थित डी०-302 सक्षम प्राधिकारी के पास 23-8-85 तारीख में रिजस्ट्री हुन्ना । रिजस्ट्री का क्रिसिट सं० 85-86 का 70 ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

ना**रीख**: 17-4-86

प्रकार कार्याः हो. इच् , स्व , ----

जाधकर विधिनियम, 1965 े 961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक जावकर बायुक्त (निर्राक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 म्रप्रैल 1986

निदेश सं० ए० सी०-15/ग्रर्जन रें ज/II/कल्कत्ता/86-87----ग्रनः मुझे, शेख नईमिद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके प्रकात (उक्त किएनियम क्स) ग्या है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 14 है तथा जो भ्रालीपुर पार्क रोड, में स्थित है। (भ्रीर इससे ज्याबद्ध भ्रन्सूची में और पूर्ण हम से वर्णित है), रिजिस्ट्री कर्ता प्रिक्षिकारी के कार्यालय, भ्रार० ए० कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-8-1985

का पृत्रां वत संपत्ति के जीवत वाबार मृत्य से कन के क्यां अप्राप्त प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का धन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एके कुरुरण के सिए तय

क्षाया गया प्रतिकाल, निक्निसिक्ति उद्भविक से उक्त अन्तरण निविक्ष से वास्तविक रूप से काधित नहीं कि., गया है है---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्तः अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा वे विद्: बांड/बा
- रेकों किसी बाय या किसी थम या कर्य बारितयों को, जिन्हों भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे विद्या

ातः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ः, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कनकलता मल्लिकः ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) एलडोराडो (इण्डिया) प्रा० लि०।

(ग्रन्तरिती)

को सह बुचना भारी कारके प्यापण सन्तारस के अर्थन के सिय कार्यशाहियां सुक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूच्या के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में ज़काशन की सारीज सं 45 किन के भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास रिताल में किए का संक्री।

ल्ब्स्डीकरणः — इसमें प्रथन्त प्रज्ये और पर्दोक्षा, वा स्वत्य स्विभिनयम क अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थहोगा में उस अध्याय में विमा स्वाहः।

#### अनुसूची

31,42 क**ा जमीत का माथ मकात का अविभक्त** 1/3 ग्रंग, 14, प्रलीपुर पार्क रोड, कलकत्ता मे अवस्थित है। दलील गं०-प्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का श्राई०, 12493।

> शेख नईमुद्दीन यक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-II, कलकत्ता

नारीख: 17-4-1986

मोहरः

भूषण वार्षः, दी., **एव**., **एव**., अवस्थान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सुम्रा

#### 

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

गर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलवन्ता, दिनांक 17 अप्रैन 1986

निदेश मं० ए० मी०-16/ ग्रार्जन रें ज/कलकत्ता/86-87---श्रनः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परणात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित गांवार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 14 है तथा जो आलीपुर पार्क रोड, में स्थित हैं (स्रौर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्री-कर्ना अधि गरी के कार्यालय, अगर० ए० कल क्ता में रिक्ट्रीवरण अधिमनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 17-8-1985

को पूर्वेकित सम्पत्ति को जिलात नावार भूस्य से कम को बहरवान प्रतिफल को लिए जस्तिरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापुर्वेक्त सम्पत्ति का उलित वाजार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे ब्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्ति से मिक है और मंतरक (मंतरकों) और मंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण को स्थि तब पाया यवा प्रतिफल, निम्निचितित उद्देश्य से उस्त बन्त्र्ण सिवित में वास्तिविक म्या से क्षित नहीं किया गया है हु---

- (क) अन्तर्भ ने हुई किसी बाव की बावत, उन्हें अधि हिनसम के अधीन कर दोने के बन्दरक के दाधिए में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीए/दा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिम्हियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीभनियम, वा भनकर जीभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया या जा वा किया जाना वाहिए था, जिन्नाने ज्ञा स्विभा के लिए;

भनः, स्वा, उक्त विधितियमं की धारा 269-भं के वनुसरण मों,, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) काशीनाथ मल्लिकः।

(ग्रन्तरकः)

(2) एनडोराओं (इण्डिया), प्रा० नि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थमा जारी कारके पूर्वोक्ट संपृत्ति की अर्थन के कियू कार्यमाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्युना के स्वयंत्र में प्रकावन की तारीय से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बद्धि, वो भी बुद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त महिन्दमों में से किसी म्यहिन्द बुदाय;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है बब्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-पास निद्वित में किए वा सकता ?

स्पव्यक्ति हुन हसमें प्रयुक्त सम्बा भीर पर्यो का, वो उनके विभिन्न में निर्माणित हैं, बही कर्य होंगा वो उस संभ्याय में दिया स्वा हैं।

# अनुसूची

31.42 कठा जमीन का साथ मकान का प्रविभक्त 1/3 ग्रंग 14. ग्रालीपुर पार्क रोड, कल क्ला में ग्रवस्थित है। दलील मं०-ग्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का ग्राई० 12133।

> शेख नईम्द्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

नारीख: 17-4-1986

मोहरः

प्ररूप वार्ड . टी . एन . एस . ------

# सामकर समितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के समीत क्षाना

#### नार्त चलकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलक्ता, दिनांक 17 श्रग्रैल, 1986

निर्देश सं० ए० मी०-17/ग्रार- /कलकता/86-87--श्रन: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव 14 है तथा जो श्रलीपुर पार्क रोड, में स्थित है (श्रीर इमने उपाबद्ध प्रतुस्ची में श्रीर पूर्णस्य से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-8-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के स्वित बाबार मूल्य से कम के स्वमान । तिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यवाम्बॉक्त संपत्ति का उचित बाबार ब्रुच, उसके स्थ्यमान प्रतिक्षण में एमें स्थ्यमान प्रतिक्षण का पण्डह प्रतिकाल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरियों (उन्तरिविधा) के बीच एमें अन्तर्थ के सिए तब बाबा गया प्रतिकल, निम्मलिबित सब्बेय से उस्त क्ष्मतरण सिबित में वास्तविक रूप में सीचत नहीं किया बचा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शिषियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिल् बार/या
- (क) एमि किसी बाब वा किसी बन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, सा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ कालाविसी दुवारा प्रकट नहीं किया गया भाषा जिल्ला कालाविस था, द्विस्तर में स्विधा कर्णना विकास कालाविस था, द्विस्तर में स्विधा कर्णना

(1) विश्वताय मल्तिक ।

(अन्तरक)

(2) एनडोराडो (इण्डिया) प्रा० नि०।

👁 (ग्रन्तिंग्ती)

की यह सूचना चारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाष्ट्रिया शुरू करता हुए।

नक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारांख स 45 दिन के भीतर उक्त भ्यायर सम्मत्ति मो दितबस्थ किसी जन्म आहित द्वारा अधाहस्तावरी के पास निकित में किए बा सम्मा

#### जनसंची

31.42 कठा जमीन का साथ मजान का ग्रविभक्त 1/3 ग्रंग 14, ग्रलीपुर पार्क रोड, कलात्मा में ग्रव स्थित है। दत्तील पं०—-भार० ए० उन्हाना का 1985 का ग्राई० 12134 र

> ्रीगेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्डा सकलकत्ता

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, जिल्लीअफिल **अधितजें, अधीर के**—

तारीख: 17-4-1986

# ब्रक्ष आहे.टी.एन्.एस्. ~~~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### माह्न चरकार

क्षायां तथ, सहायक आधकर आधकर (निरोक्तक) श्रर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 ग्रप्नेल, 1986

निर्देश सं० ए० सी०-18/ श्रार  $I^I$ / कलक्ता/86-87 श्रात मुझे, शिख नईमुद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त निधानम' कहा गया हैं), की भारा 269-स ने नभी संसम प्रीभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 91बी है तथा जो सी० श्राई० टी० स्किम- VI एम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधनारी के कार्यालय, श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को जिनत वाजार मुल्य में कम को स्थ्यमान विकास के लिए वन्सरित की गई हैं। और मुक्ते यह विववास करन का कारण है कि स्थान्योंक्त सम्वत्ति का उचित वाजार मृस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और जंतरक , तरकों) और संस रिती (वंतरितियों) े विच एसे वंतरण के लिए तम पाम क्या प्रतिकत निम्नसिक्त उक्सरेस से उक्त वंतरण सिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त विधिनिवस के अधीन कर कोने के अन्तरक के द्वावित्व में कभी करने या तमसे वचने में विविधा के तिए; बार /वा
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी भव या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था. कियारों में मितिभा के शिरा है

1) वैद्यनाथ चटर्जी।

(भ्रन्तरक)

(2) वर्गवारी नाल परसराम पुरिया और श्रन्य। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के धर्वन के दिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त सन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) ६स भ्षता कं राजपत्र में प्रकाशन की तारी है वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि स्पिन्तमों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की जबिध, जो औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्छ व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस श्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ब्तारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए वा सकरेंगे।

स्तरकारिकरण: — इसमें प्रयुक्त कर्वा और पदों का, थी सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाशिय हैं, बहा अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया ध्या प्री

#### अनुसूची

2.2 काठा जमीन प्लाट नं० 91 बी, सी०ग्राई० टी॰ स्कीम नं० , I एम याना फुनबागान कलकत्ता में श्रव स्थित है दलील मं०-ग्राए० ए० कलकत्ता का 1985 का शाई० 11441

शेख नईमुद्दी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, कलक

प्रतः अव, जक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वन्तरण में मैं, सक्त विधिनियम की धारा 269-छ की उपभारा (१) भे बधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों वर्णात् हा—क

मोहर:

**तारीख • 17-4-1986** 

10 -86GI/86

प्रकम बाह्र टी. एन. एस., -----

बाधकर बीधनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

#### नारत तरकातु

# कार्यासय, सहायक जायकर कार्यक्त (निरोजण) ग्रर्जन रेंज- कलकत्ता

कलकत्ता,दिनांक 17 ग्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० ए० सी०- 19/ग्रार-II/कलकत्ता/86-87— श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारत है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भ्रूष्ण 1.00,000/- रा. से अधिक है

भीर निपकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो सेक्टर नं० 1, नदीन सल्ट लेक में स्थित है (भीर इपसे उगाबद्ध थ्र सूची में भीर पूर्ण- रूप से विणित है), रिनस्ट्री ति प्रिध तरी के बार्यालय, प्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के श्रधीन तारीख 28-8-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है 'क यथा पूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जौर बंतरिक (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ख्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नशीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबस, अक्ट अधिनिका के अभीन कार नोत्र के पाल्यन ते अधिका में कासी कारने या उससे अचने में म्लिका के लिए; अधित्या
- (थ) होती किसी बाग वा फिसी था वा अस्थ बास्तिका का, विन्हें भारतीय बावकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 17) ज प्रयोधनार्थ अंतरिती द्यारा धकार अही ब्रियम का या या किया जाना चाहिए था, खिलाने में मृदिध्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य

कतः अरू. उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अन्मरण भौ, भौ, उक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भै अधीन, निम्नसिषित व्यक्तियों, सर्मात १(1) श्री केशव चन्द्र बासु

( ग्रन्त र कः )

(2) श्री अजित कुमार घोष ग्रीर अन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

**उक्त क्रम्मित्त के कर्जन के सम्ब**न्ध में कोई भी बा**क्षण** क्र-~

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तार्रीच के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्थितरायों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो औं अविध नाथ में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त कार्मिन्तयों में में किसी स्थितर द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में त्रकासन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति इंबाए क्यांहस्ताक्षरी के वास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्था किरण : ---- इसमं प्रयुक्त सन्धों जौर पद्यों का, जो उपन विधिनियम, के वश्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### धनुसूची

6.2528 काठा जमीन प्लाट नं० 3, ब्लाक नं० बी. ए० सेक्टर 1, नदीन साल्ट लेक सिटी, 24 परगना में ग्रंब स्थित है। इलील मं०—श्वार० ए० कलकत्ता का 1985 का ग्राई० 12464

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

दिनाँक: 17-4-86

प्रक्य नार्षं . की . एन . एस . ------

# बावकर कीशनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के सभीत सूचता

#### भारत सरकार

# कार्थक्य, सहायक भायकर नायक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलक्सा, दिनांक 17 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० ए सी०-20/ श्रार- /कल/86-87:--अतः मुझे, शेख नाईमुद्दीन,

शायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाण् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 182 है तथा जो सी० प्राई० टी० स्कीम – VII एम० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णस्थ से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यात्रय प्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हूं और मूझे यह विद्वास करने का कारण हूं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के जिए तब पाधा चया दितफल, निम्नितियत उब्देश्य के उक्त अन्तरण किएत मं वास्तविक स्थ से कवित च्हारे किया च्या है है—

- (क) जन्तरण संहुर् किसी बाय की जबत, उक्त निमास के नभीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कभी करने वा उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के श्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

न्नतः वन, उच्त वीभीनयम् की भारा 269-च के अनुसरण वो, तो, सक्त अभिनियमं की भारा 269-च की जपभारा (1) को वभीतः, निम्नलिखितः काजियाची, बर्धादे एक्क 1. श्री हीरा लाल ग्रागरवाल

(मन्तरक)

2. मैपर्स भावाल न्नादरसा।

(मन्तरिती)

को यह स्वता चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विद्र कार्यवाहियां सुक करता हुं।

### बक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बासोप ह---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी बन्य विक्त व्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पाव विवित्त में किए वा तकोंगे।

रपम्बीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### **१ नुसूची**

6 कृग 6 छटांक 33 वर्गे फुट जमीन प्लाट नं० 182, सी० श्राई० टो० िहन त० VII एम, थाना मानिकनला, कलकत्ता में उपस्थित है।

दलील संख्या ग्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का **प्रार्ह** 11644।

> शेख नाईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II, कलकत्ता

तारीख: 17-4-1986

प्ररूप बाई.डी.एन.एस.-----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (। नरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 भ्राप्रैल 1986

निर्देश सं० ए० सी०-21/ध्रार-II/कल/86-87:--अतः मुझे, नाईशुद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' महा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सकत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 103 है तथा जो हेम बन्द नस्कर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यान्य सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख

को पूर्वोक्त सम्परित के उष्पत बाजार कूल्य से कम के दश्यमान क्रिक्स के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उष्पत बाज़ार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्र की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जौर/या
- (अ) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए।

अतः अबं उम्भ विभिन्यमं की धारा 209-ग के अन्सरण में, में, खबत अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारार (1) अध्यक्त, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मैसर्स सोभना कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

😕 श्री सन्तोष कुमार टिक्नेवाला।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भाष अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करें सारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्स में हितबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकरें।

स्पच्चीक रणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

1248 बर्ग फुट प्लाट नं० 2 का ग्रधिमक्त 1/3 अंश 103, हेम चन्द लस्कर ोड थाना बेलियघाट, कलक्सा 10 में ग्रबस्थित है

सक्षम प्राधिकारी के पास 5-8-1985 तारीख में रजिस्द्री हुआ।

रजिस्ट्री का ऋमिक संख्या 1985-86 का 561

शेख नाईमृद्दीन समक्ष प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज - कलकत्ता

तारीख : 17-4-1986

प्रकृष बाइं.टी.एन.एस-=----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्कार

# कार्याषय, तहायक जायकर आयुक्त (निर्दालक)

श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 भ्रप्रैल 1986

निर्वेश सं० ए० सी०— $II/\pi$ गर— $II/\pi$ ल $/86-87-\pi$ प्रत: मुक्षे, शेख नाईमुद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000./- रह. में अधिक हैं

और जिसकी संख्या 103 है, तथा जो हेम चन्द नरहर रोड में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कर ने विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1907 ता 16) के अधीन, तारीख 5-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एंस दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया अथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मं वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की बायत, बायकर विभिन्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ब्यौर/या
- (च) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सादिया के लिए;

बतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मैसर्स सोभाना कन्स्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी टिग्रेवाला।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन क लए कार्यवाहियां करता हो।

#### सक्त सम्पत्ति के अर्फ्ज के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (कां) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिश की अविधि, दो भी अविधि बाद मों समान्त हांग्री हो, की भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्तिश्च द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितत्रद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पाध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमां प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### **अम्सूची**

1248 वर्ग फुट प्लाट नं० 2 का स्रविभक्त 1/3 अंश 103, हेम चन्द्र नस्कर रोड, थाता-बेलियाघाटा, कलकत्ता- 10 में स्रवस्थित है।

सक्षम प्राधिकारी के पान 5-8-1985 तारीख में रजिस्ट्री हम्रा।

रजिस्ट्री का क्रमिक संख्या 1985-86 हुम्रा 58।

शेख नाईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी

सहायक स्रायकर सायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

नारीख: 17-4-1986

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

#### शारत बहुकार

# कार्यातम, सहायक नायकर वायुक्त (दिर्द्धिक)

ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 भ्रप्रेल 1986

निदोश सं० ए० सी०-23/ग्रार- /कल/86-87:--ग्रतः मुझे, गेख नाईमृद्दीन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 103 है, तथा जो हेम चन्द नस्कर रोड में स्थित है (और इससे उपाबज श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारों में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिजियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-8-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्वमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इनके दृश्यमान प्रतिकल् से, एसे दृश्वमान प्रतिकल का पश्च हुं वितय न प्रतिक है पार अग्नर प्रतिक्ति शेष प्रवासिक का प्रतिक्ति के विश्व के विश्व के विश्व नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक ले दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुधिथा के लिए; बीड़/मा
- (का) एंसी किसी आम या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, भिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया जैवा भा वा किया आभा चाहिए था, क्रियाने में समिया के सिए; और/वा

अक्षः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. मैसर्स सोभना कन्स्ट्रक्शन को०।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सन्तो कुमार टिक्नेवाला ग्रापने नाबालक पुत्र श्रमित कुमार टिक्नेवाला के लिये (भन्तरिती)

को यह त्यमा बारी करके पूर्वोक्त कम्पीत के वर्षन के किए कार्यवाहियां सूक करता हो।

अन्ध बन्धीत के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोर है-

- (क) दक्ष सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन की अनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी समित नाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ वे के किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इब शूचना के त्राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के विद्य-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रमुक्त वस्तों बीट पदो का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षेणा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

# अनुसूची

1248 वर्ग फुट प्लाट नं० 2 का श्रविभक्त 1/3 अंश 103, हेम चन्द्र नस्कररोड, थाना बेलियाघाटा, कलकत्ता-10 में अवस्थित है।

सक्षम प्राधिकारी के पास 5-8-85 तारीख में रजिस्ट्री हुमा।

रजिस्ट्री का क्रमिक संख्या 1985-86 का 571

शेख नाईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 17-4-1986

प्ररूप आह. टी. एन. एस.----

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की यहरा 269-म (1) के विभीन सूचना

#### कर्यात् स्रकार

# कार्यालय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 भ्रप्रैल 1986

सं० ए नी ०-24/ब्रार-II/कल/86-87:--यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की भारा 269-ख के 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उषित आजार मृज्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

और जिनकी संख्या 103 है तथा जो हेम चन्द्र लस्कर रोड में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं), रजिट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5-8-1985।

को पृथोंकत संपरित को उपिन बाबार मृत्य से कम के ग्रथमान शितफान को निष्ण अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का फारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उपित बाबार बुन्स, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक् कन, निम्शनित्तित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निस्तित में बास्त-विक रूप में कथिन नहीं किया गया है धन्न

- (क्र) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी बाब का किसी क्षत्र वा बन्ध जास्तिकों की, जिन्हों भारतीय बायकार जीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत बिविनयम, या अन्तर बिविनयम, या अन्तर बिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जस्तिरती क्षारा प्रकट नहीं किया थया था या किएए जाना नाहिए था, जिल्ला में स्वितिमा के लिए

लतः जब, उक्त जीवनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की प्रधारा (१) के अधीर, निम्निर्जिक व्यक्तियों अधीर १--- 1. म सर्स सोभना वान्स्ट्रवशन कोग्रा०।

(श्रन्तरक)

2. श्री भन्तोष कुमार टिक्नेवाला और श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिकत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी बालोप 🕮

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की शारीख है 45 दिन की जबिभ या दल्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके है।

स्थाकांकारणः --- इसमें प्रयुक्त करवां और पदां का, को इसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में विषय भूमा है।

#### अनुसूची

1248 वर्ग फुट प्लाट 103, हेम चन्द्र नस्कररोड, थाना बेलियाबाटा, कल एसा-10 में भ्रवस्थित है। प्लाट नं० 2 मक्षम प्राधिकारी के पास 5-8-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुम्रा।

रजिस्ट्री का क्रमांक संख्या-1985-86 का 56, 57, 58।

णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्∎II, कलकत्ता

धारीख: 17-4-1986

अक्ष बाइ". डी. एग. एस. जनगणनामा

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सङ्ग्यक आयकर जामुक्त (विरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज-, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 श्रप्रैल 1986

सं ० ए० सी ०-25/ग्रार--II/कल/86-87:---यतः मुझे, शेख नईम्हीन,

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 4 है तथा जो क्लाईड रो, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, तारीख 1-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्र) अंतरण से हुई जिसी बाय की बाबत, उपत अधि-विधिनियंत्र के अधीन क्राए दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे वचने में सविधः ही विष्णः;
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनयम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया प्रश धा या किया जाना चाहिए छ। किया में मुक्तिक के लिए; और/या

असा अब, रक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) स्थे आक्षीर निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--- .. श्री नन्त कुमार जुलजुनवाला ।

(भ्रन्तरक)

3. श्री लोक नाथ सराफ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्षत के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

#### उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यख्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उस्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा है।

# वर्ष्य

1568 वर्ग फुट प्लाट का साथ नोकर म्रावास और गाड़ी रखने का स्थान 4, क्लाइड रो, कलकत्ता में भ्रवस्थित है। प्लाट नं० 201।

मक्षम प्राधिकारी के पाम 1-8-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ। रिजस्ट्री का ऋमांक संख्या 1985-86 का 54।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॉज-II, कलकक्ता

तारीख: 17-4-1986

मोहर 🗄

प्रक्य नाइ. टी. एन . एस . -----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

सर्वायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 श्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 भ्रप्नेल 1986

सं० ए० सी०-26/श्रार-11/कल/86-87:--यतः मुझे शेख नद्दमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 4 है, तथा जो क्लाइड रोड कलकत्ता स्थित है और इससे उपाबद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की नहीं ही और म्भेटे यह विद्वास करने का कारण ही

कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिविक स्प से कथित महीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---11—86GI/86 1. श्री शिव कुमार जुनजुनवाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती गिना देवी जुनजुनवाला और भ्रन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, ज्ये भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृक्ष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्पूची

2035 वर्ग फुट ण्लाट का साथ नोकर श्रा**वास और** गाड़ी रखने का स्थान 3, क्लाइड रोड, कलकत्ता में श्रवस्थित है ज्लाट नं० 204 ।

सक्षम प्राधिकारी के पास 1-8-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ। रजिस्ट्री का क्रमांक संख्या 85-86 का 53।

> शेख नईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II कलकत्ता

तारीख: 17-4-1986

प्रकृष शाद् . टर्ने . एम . एस . -----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाहा 269-व (1) के स्पीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 भ्रप्रैल 1986

सं० ए सी-27/न्नार-II/कल/86-87:--यतः मुक्ते, शेख नईमुद्दीन,

थायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके थश्यात 'उक्त अभिनियम' सद्धा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विसका उपित वाकार मूक्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी मंख्या 8 है तथा जो राजा सनतोस रोड स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारों ख 30-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उण्यत बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विद्यास करूने का कारण है कि स्थाप्चेंध्य सम्मत्ति का उपित श्राजार पृल्य उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का क्ष्म्बह प्रतिकृत से अधिक है और वन्तरक (अध्यादकों) और अन्त-रिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब वादा पदा प्रतिकृत निक्तिसिक्त तद्वेद्य से उसक अन्तर्ण जिल्हित में पास्तिक रूप से कवित मही किया वदा है के

- (क) अन्तर्भ मं दूर्व किसी अस की शावत उक्त विभिन्निक्त के क्यीन कर योगे के अन्तर्क के शावित्य में क्यी अन्तर्ने या उनसे युक्त में स्वित्या के जिल्हा की की
- (क) एंबी किसी नाम या भन वा नत्म आस्तियों का, शिन्ह भारतीय लाध-कर लिधानयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता विभिन्यम, वा अवन्त्र स्विनियम, वा अवन्त्र स्विनियम जेतिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था. खियाने में सुविशा के विद्या

भतः तव, उक्त अभिनियम काँ भारा 269-न में अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्नेलिखिक व्यक्तियाँ, अर्थात ध--- 1. श्री रेनकस कमारसियाल लि०।

(भ्रम्तरकः)

 मैसर्म तुलसियान महादेयोलाल चेरिटेबल ट्रस्ट। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उपत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में महेर्द ही बाक्षेप 2--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामांस से 30 दिन की वर्षीय, को भी वर्षीय वाद वे समस्य होती हो, के बीतर प्रवृत्विक अभिनतसों में में किसी व्यक्ति इवाराह
- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के जीतर अक्ट स्थायर कम्पीत्र में दिवस्थ किसी सभ्य स्थानित द्वारा भूभाईस्तास्त्री के वाश रेशसिंत में किस वा बकोंने ।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यिम के अध्यार 20-क में यथा परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में रिया क्या है।

# अनुसूची

2510 वर्ग फुट प्लाट 8, राजा सन्तोश, कलकत्ता-27 में श्रवस्थित प्लाट नं० 3 मि, सक्षम प्राधिकारी श्रर्जन रेंज III में 30-8-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ रजिस्ट्री का कमिक संख्या 1296।

> शेख नाईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- कलकत्ता

# स्त्रम् सर्ग® होत् स्त्र_थ स्ट्रान्स

# वायक्क वृह्णितम्बः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन क्षना

#### HIGH CEPTS

# कार्याजय है वहारक सारकार सार्वत (विद्वारिक्ष)

श्चर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, विनाक 17 श्वप्रैल, 1986 सं० ए सी-28/श्वार-^{II}/कल/86-87 — यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इत्तर्ने इत्तर्मे परमात् 'अस्य अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-यू के नधीन वस्त्रम् प्राधिकारी को, नह रिश्रमात करने का कारण हैं कि स्थानर हम्पत्ति, विक्रमा विषय बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या 8 है, तथा जो राजा सन्तोश रोड में स्थित है मौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर, पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 30-8-1985

को पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्व श्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के के जिए;

अतः अअ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के मधीन, निकासिका स्थानिकामी, अर्थात् क्ष्म 1 रेनकस कमारसियाल लि०।

(अन्तरक)

2 श्री राजेन्द्र कुमार हिम्मत सिकाश्रीर श्रन्य। (अन्तरिती)

क्षार्थ क्षार्थ । जारी कारचे प्यानिक बंदिए के सूर्यन के जिल्ह कार्यनाहियां करका होते।

# उन्त बंपरिष्ठ के भवन के बंबंध में कोई भी बाक्षेद ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक हे 45 दिन की अवधि या तत्स्वस्वन्धी व्यक्तियाँ पर शूचना की साबील से 30 दिन की अवधि, वो भी क्षिण वाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिस्त में में के किसी व्यक्ति स्वाद्ध;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिविकास, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होया, को उस क्ष्याय में विधा पका

#### अनुसुची

2510 वर्ग फुंट प्लाट 8, राजा सन्तोग रोड, कलकसा-27 में अवस्थित है। प्लाट नं० 4 सि

सक्षम प्राधिकारी ग्रर्जन रेंज III में 30-8-85 तारीख में रजिस्ट्री हुमा। रजिस्ट्री का ऋगांक संख्या 1297।

> शेख नईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 17~4-1986

मोहर 🔞

प्रकथ **आई**ं टी. **ए**न्. एत_ं-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ को अधीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्याजनः, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देशण)

श्चर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 श्चर्पैल, 1986 सं० ए सी-29/श्चार०-II/कल/86-87 ---यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित्र बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 8 है तथा जो राजा सन्तोण रोड स्थित है। ग्रीर इससे उपाबक अनुसुची में ग्रीर, पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान शिद्ध कंतिरत की गई है और मुक्ते यह विकास कर्क का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में इप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ िकसी आय की बाबत, उक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचमें में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सूर्विभा के विवृह्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन किम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1 श्री रेनकस कमारसियल लि॰

(अन्तरक)

2 मैंसर्स शंकर लाल सर्राफ चेरिटेबल ट्रस्ट।

(अन्सरिती)

की मह भूचना चाराँ करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे किंद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए का सकोंगे।

स्थाबिक्ण:---इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याम में विया गया हैं।

अनुसुची

2510 वर्ग पुट प्लाट 8, राजा सन्तोश रोड, कलकत्ता 27 में ग्रवस्थित है। प्लाट नं०-2 सि ।

सक्षम प्राधिकारी ग्रर्जन रेंज-III में 30-8-85 तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुगा। रजिस्ट्री का ऋमिक संख्या 1298।

> शे**क नईमुद्दीन** सक्षम प्राधिकारी

नहायक आयक्र आ**युक्त (निरीक्षण**)

प्रर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 17-4-1986

प्ररूप आर्थे टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 श्रप्रैल, 1986 सं० ए सी--30/ग्रार--II/कल/86--87⁺----यतः मुझे, मेख न ईमुद्दीन,

बायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इक्सें इक्कें प्रचात् 'उक्त विभिन्नमं सहा गया हों), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

श्रीर जिसकी संख्या 655 हैं तथा जो टालिगन्ज सारकुरुलार रोड स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुकुची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय श्रार ए कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

कतः अव, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- 1 सुद्रिव रंजन चटर्जी धीर ध्रन्य

(श्रन्तरक)

2 श्री सारवान चल श्रपाट्रमेंटस प्रा० लि०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप ६--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिक्ष या तत्संबंधी अविकासों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी स्थिकत बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

8.69 कठा जमीन का साथ मकान 655, टालिगंण सारकुलार रोष्ठ, कलकत्ता में भ्रवस्थित है।

दलील संख्या श्रीर० ए कलकत्ता का 1985 का श्राई० 12504।

> शेख नईमुद्दीन, उजक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 17-4-1986

#### प्रकार कार्यान क्षीज पुषान एक स्थान व्यवस्था

# नामकार निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1), के वधीय सूत्रका

#### THE THE

कार्यात्रय, बहायक भाषकर बापूक्त (निद्धीयक) श्रजैन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 27 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० सी० ए० 45/86-87/एस श्राई 1207--यत:, मुझे, शेख नईमृहीन,

कासकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्स, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 72 है, तथा जो पाक स्ट्रीट,, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मक्षम प्राधिकारी (संब्धां श्राव की ) में श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण प्रधि नियम, 1908 (1908 का 16) में के श्रधीन, तारीख 2 श्रगस्त, 1986

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकास के सिए बन्तिरत की गई है कि बूक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि बकापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकाल से एसे क्ष्यमान प्रतिकाल के पन्तह प्रतिकाल से अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकों) बीड सन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के जिस्काय गणा गया प्रतिकाल, विश्वासिक बहुदोक्त के स्वत्यस अन्तर्भ जिल्ला यो बास्तिक क्ष्य से क्षित्व बहुदोक्त के स्वत्यस अन्तर्भ

- (क) बन्तरण संहृद्दं किश्री मान की शक्त है। स्वत्य की अधीन कर वाने के बन्तरक से बाबित्य में क्यों करते था उससे अधीन का क्यों क्यों के जिस्हें में क्यों करते था उससे अधीन का क्यों क्यों के जिस्हें में क्यों करते था
- (का) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों की बिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियतः, १०२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रजीवनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ब्वा वा वा किया जाना वा, जियाने में स्तिवा के बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री यश बधन पोद्दार ट्रस्ट, ईश्वरी प्रसाद पोद्दार केमिली ट्रस्ट एवं पोद्दार अविकितियरी ट्रस्ट

(अन्तरक)

2. किदार सन्स इंडस्ट्रीज प्राई वेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

### बन्ध सम्मत्ति के अर्जन के सक्तम के खोड़ी भी बालेंग ह

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को अरिस वें 45 दिन की सर्वाध या तत्संकंशी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की व्यवधि, जो भी अवधि बाद यें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य स्थावत बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा जुकीं ।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमं अयुक्त शब्दां और पदों का, वो जबह वीधीनयम, के सध्याय 20-क में परिभाषित क्षेत्र, बहुत वर्ष होंगा जो उस वध्याय में दिवा क्या हैं।

# **मन्**स्**च**ि

72 पार्क स्ट्रीट ; कलकत्ता में ग्रवस्थित मकान का दूसरा तल्ला में 2404 वर्ग फीट श्रायतन का स्पेस नं० 2 ई जो सक्षम प्राधिकारी (महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सीरियल नं०सी० ए० 45 ूके भ्रनुसार 2-8-85 में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंम रेंज-2, कलकता

तारीख: 27-4-1986

# श्रकल बाह्यंत्र टी. एक ु एस . ०००० ०००० काथकर विभिन्निक, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से वधीन वृषका

#### RIEG RESID

# 'कार्याच्य , सञ्जाबक बागकर बाबुबत (निर्दृशिक्र)

ग्रर्जंन रेंज-1, कलकसा कलकत्ता, दिनाँक 27 श्रप्रैल 1986 निर्द्रेश सं० सी०ए० 46/86-87/एस एल 1208——यतः, मुझे, शख नई मुद्दीन,

आपकार विभिन्नम्, 1961 (1961 का 43) (जिले इसने इसके परभात् 'उनतः अभिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00000/-क. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 26-बी है, तथा जो केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ग्रमुस्ची में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी सक्षमा श्राध की जोन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 2 ग्रमस्त 1985

की पूर्वोंक संपत्ति के सचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मूझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और मंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्दोश्य से उसत बंतरण मिचित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया नवा है देन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिविक्य के बधीन कर दोने के बन्तरक उ बाधित्य में कमी करने या उससे वचने में सुन्तिका में जिए; बाड/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जल्क मिनियम, या अव कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रयष्ट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए या, कियाने में मृत्तिशा विस्तृ

बतः कव, उस्त विभिनियम की भारा 269-ग की वनुसरक में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीग, निम्निविशः व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--

- श्री तन्त खण्डेलवान, शाँति देवी खण्डलवाल, मास्टर विवेक खण्डलेवाल एवं श्रीमती गोमनि द बाई खण्डेलवाल (अन्तरक)
- 2. मिस रीतिका फैन हारा सुरेन्द्र कुमार जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृति के स्वीन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जानेप र—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील हो 30 दिन की अवधि, को और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट राजिक को को से समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट
- (व) इस राज्यात क राजवत्र मं प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिकिट में किस जा सकोंगे।

स्वाच्यक्तिरणः — इसमें प्रगुक्त कब्दों और पदों का, जो सबके जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया प्रशा हैं:

# अनुसूची

26-बी केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता से अवस्थित मकान का चौथा तल्ला में प्लाट नं०सी जो पाक्षम प्राधिकारी (महायक ग्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता में पास सीरियल नं०सी० ए० 46 के ग्रनुसार 2-8-85 तारीख में रजिस्ट्र हुआ।

> शख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, कलकत्ता•16

तारीख: 27-4-1986

अस्य बाडी.टी.एन.एस.,-----

# वायकर अभिगित्रमा, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वतर

#### भारत सरकार

# कार्यांशय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, फलकत्ता

कलकत्ता; विनौक 17 श्रप्रैल 1986

निर्वेश सं० सी० ए० 47/86-87/एस एल 1209--यतः, मुझे, शख नर्धमृहीन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० 18-ए है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, स० ग्रा० ग्रा० नि०), ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2 ग्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान ग्रीसफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि संभापनोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफाल, निम्नितिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नित को नास्तिक रूप से कास्तिक के सामा गया है :---

- (क) बलारक वे हुई किली बाब की वाबत, उक्त विधिनियम में नवीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उसने बचाने में सुविधा दामित्व के सिए; नौर/वा
- (व) ऐसी किसी बाव वा किसी धन वा अस्य आस्तिवीं की जिन्हों भारतीय आय-केर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार के मित्रिया वी काए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस ध्यक्तियों अर्थात् :---- (1) मैसर्म मुजन विनियोग लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो हेम तता जैंन, विनिता जैंन एवं बिमला जैन (अन्तरिती)

को बह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के जिल् कार्यपाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र एनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए भा नकींगे

स्पञ्जीकरण (:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिशादिक हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

18-ए पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का 5वाँ तरुला में फ्लैट नं० 5-के का ऊपर का छत का खिवभक्त हिस्सा जो सक्षम प्राधिकारी, तहाय ह श्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1 के पास सीरियल नं० सी० ए० 47 के श्रनुसार 2-8-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुद्दीन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) िर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

**तारीख: 17-4-198**6

यक्ष अव्हें , हो , हन , एस , -------

न्मन्यार घरीपनिकार, 1961 (1961 का 43) की शास 269-म (1) के मनीन स्थान

#### भारत सङ्ख्यार

# कार्यासय, तहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिक)

म्रर्जन रेंज-2 कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 27 भ्रप्रैल 1986

ब्रावक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिचे इसमें 269-क के अभीन क्वाम प्राधिकारी की, वह निस्मात करने का अप्रण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 35/2 है तथा जो जवाहरताल नेहरू रोड, कलकत्ता-12 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्णस्प से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी (सं०श्रा०शा०नी०) ग्रर्जन रेंज-2 कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-8-1985

नां प्लॉक्त सम्मित ने उचित नावार मूल्य से नान ने स्वयमान प्रित्यक ने सिए अन्तरित की नई है स्टेंट मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि सभाप्नोंनत सम्मित का उचित कारण मूल्य उसके स्थानन प्रतिपत्त से, एसे स्थानन प्रतिपत्त का एन्द्रह प्रतिकृत स्थान है और बंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (बंत्रितियाँ) के बीच एसे जंतरक के जिए स्थ मूला क्या प्रतिपत्त, निकासिता उन्होंन से स्वत बंदरक स्थान में वास्त्रिक स्थ से कांगत नहीं जिया गया है:---

- (क) बन्दार्थ से हुई फिसीं शाय की शब्त, बक्त बीभिनियन के सभीन कर दोनें के बन्तरफ के अधित्य भी कामी काने या उससे अवसे में स्विधा के लिए बीर/या
- (क) एची कियी बाव वा कियी धन वा बन्य आस्तियों को, विक्री भारतीय कालकर विविविद्या, 1922 (1922 का 11) वा उपका अधिविद्या, या धन-कर विविविद्या, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतीरती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की निष्

अतः अवः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ग्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्धम्यः

12-86\I/86

- (1) गुमित्रा देवी कावरा, दिनेश का**बरा, महेश** ाबरा ललिता काबरा एवं ममना काबरा। (अन्तरक)
- (2) रतिलान मानेह।

(अन्सरिती)

को वह त्यना जारी करने प्वॉक्त संपरित के वर्षन के लिए .फार्यनाश्चिम करता हूं।

**उक्त** सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की ताबीन से 30 दिन की अवधि, को भी अपधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूवींक्य का मिलदा के से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना जे राजपण मों प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को द्वितंबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोइस्ताक्षरी को वार्च लिसीक्त को निग्र जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त क्षम्यों बीर पर्यों का, जी क्षम्य भीभीनयम के क्षम्याद 20-क में परिभाविद्य ही, वहीं वर्ष होगा को उस सभ्याय में दिया एश ही।

# **मन्**त्रची

35/2 जवाहरलाल नेहरू रोड, कलकत्ता में श्रब स्थित मजान कैलाण बिल्डींग का फ्लेट नं० 20-'इ' जो सक्षम प्राधिकारी (महायक श्रायक्षर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रैंज कलकत्ता के पास सिरियल नं० मि०ए० 48 के श्रनुसार 2-8-85 में रिजिस्ट्री हुशा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2 कलकत्ता 54, रफीश्रहमद किदबाई रोड़, कलकत्ता-16

तारीख: 27-4-1986

प्ररूप आहें,टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज-2, कलवत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 अप्रैल 1986

निदेश सं० सी०ए० 49/1986-87/1211--- श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमे इत्तरके परचात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का **कारण है कि** स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर विसकी पंज 35/2 है तथा जो जवाहरताल नेहरू रोड, कल उत्ता में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबढ श्रनुसूची में स्नौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिकस्ट्री र्क्ता अधिकारी के कार्यातय पक्षम प्राधि ारी (प०म्रा०म्रानी०) म्रर्जन रेंत्र-2 कल हत्ता में, रिनस्ट्री हरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 9-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के अध्यमान पतिफल को लिए अल्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचिस नाजार बुन्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त वरिपनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (च) एखी किसी अगय या किसी भन मा अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय अवकर अधिनियम,, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कै प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था., क्रियाने 🖻 बुविभा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के गर्भोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधौत:---

(1) श्री ग्रासानदास पि० पंजाबी।

(2) श्री महेन्द्र हरिदास पोपट एवं दिनेण हरिदास पोपट ।

(अन्तरिती)

को बहु बुचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन के सिक् कार्यव्यक्तियां करता हुं।

उक्त कम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेत् ड—

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ध्चन। की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों भें से किसी स्थिक्त ध्वारा;
- (क्य) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद तिचित में किए वा सकेंगे।

स्पेष्ट**िकरणः -- इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विधा मया 🗗 ।

35/2, जवाहरलाल नेहरू रोड, कलकत्ता में भ्रब स्थित मकान कैलाश बिल्डींग का 26वां तल्ला में फ्लैंट नं० 26मी जो सक्षम प्राधियारी (सहायक भ्रायवार भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी०ए० 49 के श्रनुसार 9-8-85 में रजिस्ट्री हन्ना ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) म्रर्जन रेंज-2, कल bत्ता

तारीख 27-4-1986

नईमुद्दीन,

# प्रकृष बाह्", टी. एवं. एकं.------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुवन

भारत संस्कार

# कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रजैन रेंज-2, कलकप्ता कलकप्ता दिनांक 27 अप्रैल 1986 निदेश सं० सी० ए० 50/86-87/1212—ग्रत: मुझे, शेख

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके एइसात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2 है तथा जो श्रुकेड लेन कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर, दूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी संक्षां आंकित में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 9-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मून्य से कम के स्थामन मितफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वंतरितियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता का, विश्वासित उद्योग विका क्लाइन मिलाब में बाला-देशक कम से कवित मधी किया पदा है कम्ला

- (क) बज़्दरण हो हुई विकास का बावक अवस स्थिन विवाद के भूषीय कर दोने के बजारक के दावित्य में कृती करने या उत्तरी मचने में स्विधा के खिने स्वीर मार्/
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर जीधनियन, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्यक्षतार्थ करविती ब्वारा प्रकट नहीं किया पना था वा किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुनिया है जिस्हें;

नतः क्य, उक्त विभिन्निय की भारा 269-ग से, वन्दरण थॅं, में, उक्त विभिन्निय की धारा 269-च की उपभारा (1) के वसीय, जिल्लामिक व्यक्तियों, वर्ष्यं कल्ल (1) श्रजन्ता केंडिट कार्पीरेशन।

(अन्तरक)

(2) रत्नालय ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन की शिह्य कार्यवाहियां करता हुं।

# व नदः सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपक में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों तर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, बो बी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के मीसर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बबुध किसी जन्म व्यक्ति इवारा, जधोहस्ताकारी के गास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त हरूरों और पर्धों का, को अवस जिभिनियम के अध्याय 20 क को परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिवा गया है।

# अनुसुची

2 क्रुकेड लेन, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का ग्राउन्ड फ्लोर में श्रवस्थित 494 वर्ग फीट ग्रायतन का स्पेस ने ई-6 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सिरियल ने० सी'०ए० 50 के ग्रनुसार 9-8-85 तारीख में रजिस्ट्र हुआ।

> शेख नईमृदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 27-4-1986

प्ररूप बार्ड. सी. एन, एस.,-----

# भागकर व्यिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में वभीन सुभाग

भारत सरकार

# कार्यसम्, सञ्जयक नायकर नायुक्त (निर्देशाण)

म्रार्जन रेंज-2 कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 27 म्राप्रैल 1986

निवेश सं० मी०ए०/51/86-87/1113---- प्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बायकर विधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बभीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्तिं, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 7 है तथा जो अंमावः स्ट्रीट, वलवत्ता 27 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुमूची में श्रीर, पूर्णा रूप से विणित है), रिजस्ट्री उत्ती ग्रिधिवारी के वार्यालय सक्षम श्रीधिवारी (संवशावशावनींव) में रिवर्स्ट्रीवारण

अधिनियम, ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 24-8-1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण हैं कि यथा पूर्वेक्त संपर्ति का उचित नावार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एति क्यमान प्रतिफल सं, एति क्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिक्षत सं अधिक ही और जंतरिक (जंतरिका) को सार जंतरिकी (जंतरितिया) के बीच एसे जन्मरूप के जिए तम पामा गया प्रतिफल, निक्तिसिक्त उद्वेश्य से उसत जन्मरण निवित में नास्तविक रूप सं कियत महीं किया प्राप्त प्रसाप की क्रिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में क्सी करने या उत्तरों वक्से में सूविका के बिक्ट और/वा
- (स) ऐसी किसी नाम मा किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आध्यकर नौधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा ककर नहीं किया कमा भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए:

बत: बब, उक्त बीभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त बीभिनियम की भारा 269-च की अपभारा (1) के बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) बैजनाथ सराविंग स्मृति निधि।

(अन्तरक)

(2) इन्डिग्रेटेड शिपिंग ए.नेईसी प्राईवेट लिमिटेड । (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वेक्ति सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिमा करका हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

# अनुसूची

7, कंगांक स्ट्रीट, जनसत्ता-27 में प्रवस्थित मकान प्राजिमगंत्र हाउम का 4वां नरुना में व्रवस्थित ग्राफिस क्वांक नं० 6 जो मक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी०ए० 52 के श्रनुसार 24-8-85 में रिजस्ट्री हुग्रा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 27-4-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 27 श्रप्नेष 1986 निदेश सं० सी०ए०/64/86-87/1214---प्रतः मुझे, शेख नु**र्द्दम्**द्दीन,

नामकर गिधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000∕- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 8 है तथा जो सदर स्ट्रीट, ाल त्या में। स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर, पूर्णस्प से वर्णित है), रिजिट्टीकर्ची अधिवारी के वार्यित्य मक्षम प्राधिवारी (सञ्ज्ञाञ्ज्ञाञ्जीञ) अर्जन रेज-2, कल या में, रिजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908(1908 वा 16) के ग्रिथीन, तारीख 22-8-1985

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्थ था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अवः अवत अभिनियम की भारा २६९-ग के अनुस्रम में, में, उत्त अधिनियम की धारा २६९-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभीत् :---

(1) श्रीमती उर्मिला मूल चांदानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवन्ती जाववानी।

(अन्तरिसी)

न्ध्रं यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपात्ति के अर्जन के संबंध मी कोई भी बाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भो अवधि बाद में समाधा होती हों, को भीतर प्रवास स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) धरा सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की हारीस की 45 दिन के भीतर स्वत स्थायर भी कि का निराधक किया अक्षा का का किया का सकीयों।

स्पष्टीधारण. — इसमें प्रयुक्त गार्वों और पर्यों का, जो अक्त अधिनियम, की अध्यक्ष (१०) ३१ मा ५० स्थापित है, वहीं अर्थ होता जो उस अध्यक्ष में दिया गया है।

#### मन्स्ची

8, सदर स्ट्रीट, जनाज्या में श्रवस्थित मकान का एक तत्त्रा में श्रवस्थित फ्लेट डी-2 जो मक्षम प्राधिकारी (सहायक शायकर श्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंब-2, कलवत्ता के पाम सिरियल नं० सी०ए 54 के श्रनुसार 22-8-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमूदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, कलकक्ता

सारीख 20-4-1986 मोहर :

# प्रकर् बर्क्क की हर एक .-----

# नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### शारत बरकार

# कार्यासय, सहायक भायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 27 मार्च 1986

निदेश सं० सी०ए०/ 55/86-87/1215—अतः मुझे, शेख नद्दम् दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ए कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 9/2 है तथा जो लोबर राउडन स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (भौर इससे उपाबढ अनुसूची में भौर, पूर्ण रुप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यात्रय सक्षम श्रधिकारी (मि० ग्रा० ग्रा० नी०) ग्रर्जन रेंज-2, कलकता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 23-8-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बाला- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधः के लिए: ौर/या
- (क्) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा सा किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविभा को ज़िए;

कक्षः वय, जन्नतं निभिनियमं कौ भारा 269-गं कौ ननुसरण कों, मीं, जन्नतं निभिनियमं की भारा 269-मं की उपसारा (1) वे नभीन, निभनिवित स्थितनों, नभीतं ह— (1) श्री जे०के० साह, श्रीमती मीरा देवी साह, प्रकास साह एवं संभय साह।

(अन्सरक)

(2) श्री साविती देवी भुनभुनवाला।

(अन्तरिती)

को यह तृषना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन को सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को संबंध में कोई भी बाक्षेप 🌫--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीक से 30 दिन की सर्वीभ, वो भी सर्वीभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याव 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसुषी

9/2. लोवर रावडन स्ट्रीट, 'माल मेनसन' कलकत्ता में प्रवस्थित सन्दत्ति जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायहर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास मिरियल नं० सी०ए० 55 के ग्रनुसार 23-8-85 नारीख में रजिस्ट्री हुग्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2 कलकत्ता

तारीख: 27-4-1986

प्ररूप बार्च , टी., एन., प्रस्तु, =====

# नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

थारा 269-ध (1) के बधीन सृचना

#### भारत तरकार

# कार्याध्य, बहायक वायकर वायुक्त (विद्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, कलक्ता

कलकत्ता; दिनांक 27 मार्च 1986 निदेश सं० सी०ए०/58/86-87/1216—ग्रतः मुझे, शेख नईमूद्दीन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 72 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलवस्ता में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रुप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा स्रधिवारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी (सञ्झाञ्झाञ्चीञ) स्रर्जन रेज-2, वलकस्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के स्रधीन, तारीख 30-8-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित को गई है और म्भे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके इत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) बौर अंतरिता (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल कन पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के लिए तय गया गया प्रतिफल कन निम्मीसिवत उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तिविक कप से कथित नहीं किया क्या है :---

- (क) जन्म एक में हुई किसी आभ की वावत, उकत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्व में सभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बॉर/वा
- (च) होती किसी जाब या किसी धन या जन्य कास्तिय। की, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ जनसरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविष्ध। अंगिस्ट;

कतः वय, उत्तर वीयनियय की पाडा 269-त की अव्यक्तप्र वे, मी, उत्तर अधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के अधीय, निम्नसिवित व्यक्तियों क्र वर्षात् ह्र— (1) चित्रकूट प्रपार्टीज लिमिटेड।

(भ्रन्तरकः)

(2) मिनी ईन्टरनेशनल लिभिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ६ 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्य व्यक्तियों में में किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकोंगे :

्पः होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# जन्**स्ची**

72 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का एक तल्ला में 3932 वर्ग फिट ग्रायतल का स्पेस नं० 2ए जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर ग्रायक्त निरी—क्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सि० ए 58 के ग्रन्सार 30-8-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईम्द्रीन सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, कलकत्ता

सारीख: 27-4-1986

# प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायुकर मायुक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेंज, कलफत्ता कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च 1986

निदेश सं० सी०ए०/59/86-87/1217--ग्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनको सं० 8/2 ए है हो। हो बौरंगीलेन, यलकत्ता में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद अनुमुची में श्रीर पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी (सञ्चाञ्चाञ्चीञ्), अर्जन रेंज-2, जलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रीम, नारीख 30-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान लिए मन्तिरत की गइ है कें विश्वास करन यह का कारण कि यक्षा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके सन्यमान प्रतिफल सं, ए सं उरयमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है नौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया क्रतिफल, निम्नलिखित अवद्रवेग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काशित नहीं किया गया 🗗 🖫 🗕

- (म्प) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी आय गा किसी भन या अन्य आस्तियों को, फिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाल अन्ति ति ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया गाना चाहिए था, छिपाने में मृण्डिधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण भें, से जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर जिस्तिविद्यत व्यक्तियों, वर्षात् ध— (1) अयन्त प्रपालनि

(अन्तरक)

(2) कुमारी मास्टर अलोक ग्रागरवाल (पिक्षा श्रीनिवास दास शागरवाल एवं माना उमा श्रागर— वाल)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन दे दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति के रास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्र्य

8/2ए चोरंगी लेन, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान चौरंगी एपार्टमेन्ट्स में 676 वर्ग फिट श्रायतन का एक पताट तथा जमीन का श्रविभक्त हिस्सा जो सक्षम प्राधि-कारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 कलकत्ता के पास सिरियल नंश सी०ए० 59 के अनुसार 30-8-85 तारीख में रिजस्ट्री हुशा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2‡ कलकत्ता

नारीख: 27-4-1986

# मक्त्यः लाह्नः द्वीः एनः एक -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचमा

#### मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

यात्रीत जैंज-४, तला ल्ला फलफ्ला, दिनौंक ४४ सप्रीय 1986

निदेश सं ० मी ० ए ० 60/86-87// (218--- ग्रन: मुझे, शेख नई मुद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमा इसके टब्चात् 'उच्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उत्तिम बाजार गल्य 1.00,000/- रा. सं अधिक है

क्रॉप जिनको सं 8 है तथा जो सदर स्ट्रोट, क्राइना में स्थित है (ब्राए इन्से जावद अनुनुत्ते में ब्रीर पूर्ण का शिविषत है), प्राप्त्राइनी ब्रिधिकार के नर्यात्रक, अक्षम प्राधिकारों (सब्बाब्बावनों बर्जन रेंज-2, कलकता में, रजिस्ट्रीकरण ब्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रिधीन, नारीख 30-8-1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य म कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दृश्यमान प्रतिफल से , एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्निविखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संक्ष्मण किसी आयं की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीर पर जीने के अन्तरक के दायित्व मी किसी करने के उक्त प्रकार में सृजिक के लिए; और/याः
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम (1922 (1922 को 11) या उक्त आवित्रयम सा शनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अक्षण नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, कियान में स्थिश बे लिए:

त्रतः अव उक्षतः अभिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण मंं, मंं: उक्त प्रथिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) रं प्रथीतः निम्निलिलित व्यक्तियों: अधितः —— 13—86 GL/86 (1) सन्द्रल हाउलिंग कारपारेशन।

(ध्रान्तरक)

(2) शेन सेलर प्रीपंत्रिय एण बिल्डर्स (प्रा०) विसिटेड।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना आरी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ज्यार्टरियां करता हा ।

#### उथत संपत्ति के अर्थन क संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी क्याधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ध्यक्तियों के स किस्सी व्यक्ति व्यक्ति
- (थ) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख़ लें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभांहस्ताक्षरी के पार-व्यक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उत्तर जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अन्त होगा जो उस कथ्याय में किया गमा है।

#### यन्भू**ची**

8, सदर स्ट्रीट. कलाग्सा में प्रविध्यत मकान का एक तल्ला में 858 वर्ग फिट धार है। त प्लाट नंब 2वी जो सक्षम प्राधिकारी (पहाया आयाकर प्रायुक्त निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, कलाक्ता के पात निरियल नंब मीब्एब 60 के ब्रह्मार 30-8-85 तारंख में रिक्टिट्ट हुआ।

> येख न**ईमु**द्दोन सक्ष्म **प्राधिकारी** महायक श्रायकर प्राप्**क्त (निरीक्ष्ण)** श्रार्वेत रेग-उ, क्लक्ता

नारोख: 27**~**4~1986

# प्रकप आई. ही. एन. एस. ------

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीय रेंज-2, त्रजनन्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 ग्रग्रैल 1986

निवेश स० मोराज्य 62/86→87/1219¬→अतः मुझे, लेख नईम्हान,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें स्थिक पदचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- क मं अधिक है

म्रीर शिसकी मं० 8 है तथा जो सदर म्हीट, कत्रकत्ता में स्थित है (प्रीर इससे उपावद प्रमुक्ती में म्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिक्ट्रिकर्त्ती म्रिश्चित्तरी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी (सब्माब्याब्तीब) म्रजीत रेंज-2, कत्रकृता में, रिक्ट्रिक्टण म्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन, तारीख 30→8-1985

की पूर्विवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान कितफल को लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि सवापूर्वेक्त मम्पत्ति का उचित बाजार जाय, उमके प्रथमान प्रतिकास म. ताम १८,५६ जोतन्त्र का प्रमुद्ध प्रथमान प्रतिकास म. ताम १८,५६ जोतन्त्र का प्रमुद्ध प्रियम् से में विक्र है बार बंतरिक (बंतरिका) बार बंतरिती (बंतरितियाँ) के तील एम्से केतरण के तिस् त्य प्रथा प्रयाप्तिक काल निम्नितियों उद्देश से उक्त बंतरण निश्चित में बास्तिविक क्ष्य से डीधन नहीं किया नवा है के

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के निष्ण और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपित्यां को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रणोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अवः स्वतः स्वतः सिनियमं की भाग २६०-गं को वनसम्बा भाः, भाः, रक्त अभिनियमं की धारा २६९-घं की स्पर्धार (1) को अधीन, निम्नलिबित त्यक्तियों अर्थातः —— (1) सेन्द्रल हाउन्ति कारपोरेणन ।

(अस्त्रक)

(2) रोलनेलर प्रोमोटर्स एन्ड बिल्डर्स (प्रा०) लिमि-टेड ।

(धन्तरिती)

को यह स्वन। जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए नामनाहियां करता हो।

# उक्त अध्यस्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाश्रेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशम की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों मों किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार जिल्ला में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

8 दिर स्ट्रीट, जन ६ता में श्रवस्थित महान हा 3 परला में 549 वर्ग फिट श्रायतन का प्लाट नं० उसी जी क्षिम पांध गरी (महायह श्रायकर श्रायुक्त निर्शक्षण) श्राप्तन रेंग-2 कलकता के पाम भिरिया नं० सो० ए० 62 के श्रनुभार 30-8-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुद्दील लक्षम प्राधिकारी गहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रोज-2, कलकता

वारीख : 🥫 🕒 1-1986

प्ररूप बार्च, टी. पन. प्रच. ----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण)

श्रजैन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँच 27 श्रप्रैल 1986

निदेश मं सी बार्व 69/86-87/12 20--श्रतः मुझे, शेख नईम्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एर-एन एडन अधिनियम यह गण हो), की पान 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का आरण है कि स्थायर सम्पति, जिसका स्वित जाजार अस्त 1,00,000/- रा. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० 7/2ए है तथा जो इ०यु०एन० अभ्र चारी स्ट्रीट, कल इसा में स्थित है (ग्रीर इसम उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य से विश्वत है), र्राजस्ट्राकची ग्रिधकारी के कार्यालय करकता में. र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख 8-8-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उभके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप सं किथत नहीं किया गया है है—

- (क) कल्तरण संहुद्धं किसी बाय की बाखता, उक्तः विधित्यम की बधीब कर दोने को सल्तरक को दायित्व भी कनी करणे या उत्तरों बधने में मृतिधा को लिए: और/या
- (श) एंगी किसी आप था किसी धन वा सन्य आस्तिवाँ को जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया राज्य किहा काम बाहिए था, खिपाने में स्विधा बी लिए।

बंदः बंब, जनत अभिनियम की भारा 269-व की अवतरण वें. में, जनत अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) भारी इन्टर प्राइजेग।

(ग्रन्दरका)

(2) महेन्द्र चाखाना ।

(अन्ति नित्र)

का यह स्थान भारी करके प्रविस सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में क्योर्ड भी अक्षप

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील भे 30 दि की त्रविध, जो भी जदिश दाद में समाप्त होते और के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दवध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित भी किए वा सकींगे।

ल्यक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पूर्वां का, थां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मया हुँ।

### अनुसूची

7/2ए ई०यू०एन० श्रद्धाचारी स्ट्रोट, कलकत्ता में प्रवस्थित सकान का उत्तर भाग में ती तरा तरला का प्लाट नं ६०बो० जो कलकत्ता र्राजस्ट्रेणन प्राफित में डीड नं० 1-23896 पा के श्रनुतार 8-8-85 त्रसिख में रिजस्ट्री हुआ।

> शेख नईसुद्दीन स्टाम प्राधिकारी हायक ग्रापकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, कल हत्ता

वाभेष : 27-4**-198**0

महिर:

प्ररूप बाहु . टी. एव. एव. ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-2, कलकसा कलकत्ता, दिनांक 27 श्रप्रैल 1986

निदेश म० टो॰ ग्रार० 191/86-87/1221 → प्रतः मुझे, भोख नईमहीन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का भारत हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100.000/- छ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० 7/2ए है तथा जो इ०यू० एन ब्रह्मचारी स्ट्रीट, एप इत्ता-27 में थ्या है (श्रीर इनसे उगाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण राजि वार्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्याजय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख 8-8-1985

को प्यांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वार फैरने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार भृष्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गए। प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित भें बास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण तं हुई किसी बाय की गवत, उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व मो अभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए;
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रमः, अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित, व्यक्तियों, अधीत ह— (1) पारी एन्टरप्राइजेन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीप्रशाश चौखानी।

(अन्तरिती)

को ग्रह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थंत के संबंध में कोई बाखोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया गया है।

# वनसूची

7/2ए, डी॰्यू॰एन॰ ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का उत्तर भाग में तिनरा तत्त्वा का स्वाट नं॰ 3वी का प्रविभवत एक निट्यूई हिम्सा जें। कलकत्ता रिजस्ट्रेशन आफिय में बीड नं॰ 1-23805 पी के अनुसार 8-8-85 तारीख में रिजस्ट्रिं। हुआ।

> शेख नईमुद्दोन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रिंग-2, कलकत्ता

तारीख: 27-4-1986

माहर:

भारूप बार्च . दी . एवं . एस . ------

बायकर अभिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारः 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### नारत बरकार

# कार्यासय, शहायक जायकार जायुक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन ^{किंज}-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनां 27 ग्रप्रैल 1986

निदेश सं० टो०श्चार० 192/ 86-87/1222~—श्चतः मुझे, शिंख नईम्हिन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास कार्न का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

ग्रार जिसकी सं० 7/2ए है तथा जो डी॰सू॰एन॰ ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलक्ता-27 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विभिन्न है), रिजस्ट्रीक्ती प्रधिकारी के कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 8-8-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अर्थ का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए एक जाया गया प्रतिफल, विस्तिवित उद्देष्ट स स्वत्त अन्तरण लिखत से वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है अन्तरित

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त गांधीनथा के नमान कर दोनेक अन्धरूक को बाबित्व में कनी करने या उत्तसे बचने में सुविधा और जिक्द; कोर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियां को बिन्हें धारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः रव, उक्त विभिन्नम कौ भारा 269-य के वनुसरण में, में, उक्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्लिसिंकत व्यक्तियों, वर्धात् :---- (1) पारी एन्टरप्राईजेप।

(अन्तरक)

(2) कृष्णा चौखानी।

(अन्तरिती)

ना नइ सुपना जारी करके पूर्वों कर कन्यत्ति के धर्चन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीम सें 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त करिनमों में हो किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच हैं

  4.5 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुं। अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गग हैं।

#### अनुसुची

7/2ए डी॰यू॰एन॰ बद्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का उत्तर भाग में तोन तल्ला का प्लाट नं अबो का ऋविसका एक तिहाई हिस्पा जो कलकत्ता रिजस्ट्रेशन आफिस में डोड न॰ 1-2268 के अनुसार 8-8-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

णेख नईमुहिन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीच : 27-4-1986

# प्रकल भार्द . ट्री. एन . एस . - - - ----

# कायकर जिथितियम , 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ग (1) के क्यीन स्थना

#### भारत खहकार

कार्यात्रयः, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 17 अप्रैल 1986

निर्देश सं० टी०ग्रा ए० 2.07/8 5-86/1523----ग्रनः मुझे , शेख नर्दमहिन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 1,00,000/- रा से अधिक है

श्रौर जिमकी सं० 3ए है तथा जो लाउडन स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रौर, पूर्ण रूप े बिणत है), रिजिट्टीकर्मा पिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण पिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधोन, तारीख 26-8-1985।

का पृथितम सम्परित क उत्तित बाजार मृत्य सं कम के श्रथमान अतिफल के निष् अन्तरित की गर्ब है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उत्तित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एने दश्यमान प्रतिफल का पत्झ अतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीद एस कान्तरण क निष् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिक्ति उद्योदय से उक्त अन्तरण निम्नतिका के बारतिक रूप से किया गया है :—

- हैंक) सम्तरण सं हुक्का किसी भाग की सम्बद्ध, उपत समितियम की असी। कर दीने की अन्तरक की प्राथरण मों कभी करने पर उसम बचन की श्रीपास की लिए सार्थित
- (क) एसी फिसी नाव मा किसी पन या अन्य वास्तिकी कर्ता, जिन्हों भारतीय त्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाप-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए का क्रियान जे सिविधा के जिल्हा

कक्ष: अब, उन्जल अधिनियम की कारा 269-म की अनुसर्थ वी, मी, उक्त अधिनियम की नारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निस्तिसिक व्यक्तिकी विधार :---

- (1) पुरवासा निरमान उद्योग प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्नरक)
- (2) श्री मुर्गजन मेन।

(अन्तरितो)

(3) श्रन्तरफ।

(बहुब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का यह स्वाना जारी कारक पृथिक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

क्यत सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी अनुस्राप :- ल

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर नम्पन्ति में हित-बक्भ किसी नम्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पात्र निवित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लाट सं० 3ए(एन) ज्ञां फ्लोर, 3ए, लाउडन स्ट्रीट, कलंकत्ता दलील नं० 12432, तारीख 26-8-85।

शेख नइसुद्दीन पक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख : 17-4-1986

माहर:

# प्रकप आई.टी.एग.एस.-----

----- (1) जैवला प्रसाद श्रार्य ।

(भ्रन्तरक)

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

(३) एनिंग्ड हार्जाम प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रार्थन रेंग-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1986

निदेण मं० ए०मी०-8/एक्यु/श्रार-IV/कल/ 8%-87---श्रतः मुझे, णेख नइमुद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० है, जो राजारहाट में स्थित है (श्रीर इसरें उपाबद्ध अनुसूत्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्री-वर्ता ग्रीधशारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रिजिस्ट्री-. करण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 8 श्राम्त

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मृल्य में कम के दृश्यमाप्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एमें दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्था में किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क\ अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ल) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर जिम्मीजित व्यक्तियों अर्थात् :--- का यह स्वाग जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजेन के किए अर्थवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के गंबंध में आहे भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्थान्द्रीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसची

जमीन नं० 63 डें०, पता-भौजा-तेघड़िया, थाना-राजारहाट, जिला-परगना, दलिल सं० 1985 का 1168का

> णेख नद्दमुई(न रक्षम प्रगिद्य तरी सहायर आवरण आयुक्त (निर्दाक्षण) प्रजीत रेज-4, कलकत्ता

तारोख : 16-4-1986

भोहर

#### वक्षण बार्ड .टी .एन ध्रम ......

मामकर अभिनियम, 1951 (1961 का 43) का पास 269-थ (1) के मधीम भूचना

#### मार्त सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊं

लखनऊ, दिनौंक 8 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या 130/37ईई/ एक्सू०/--श्रतः, मुझे, विनोद कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1967 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्बाल, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाए 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आहम है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार शृंख्य 1.00.000/- का से अधिक हैं

श्रीर िंशकी सं० फ्लेट तं ।। श्रणोक मार्ग, लखनक में स्थित है (श्रीर इशके उपाबढ़ श्रनुसूचे में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिका्री के वार्यालय में श्रजेंत क्षेत्र, लखनक, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 9 श्रगस्त 1985

को पूर्विकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दश्यमान प्रतिकत के लिए अस्करित की गई है और मूझे यह निक्वास करने का कारण है मि. अवायुवालित संपत्ति का उणित जाजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिकाण में, एसे क्यमान प्रतिकाल का पेक्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तरितमों) के बीच एसे बनायन के सिए तब पाया नवा प्रतिक्तिक किया निम्नित्तिस्ति उद्देष्ट्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिवक रूप मं किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बावत, सक्त विधिनियम से अभीन कर दोने के जन्तरण से दासित्य में कभी करने या उत्तरी सबसे में सुक्रिया के बिए; बॉर/का
- लों किसी जाय वा किसी वन या बम्ब जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व जस्वितियों श्वारा प्रकर नहीं किर्यम्या भाषा किया जाना वाविष्य था, हिस्स्य प्रमाण के सिम्हें प्रविभा के सिम्हें

भारा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिसयों, अर्थात् :---- (1) लूइक कल्स्ट्रक्शन एण्ड इन्जोनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० द्वारा डायरेक्टर।

(प्रस्तरक)

(2) श्रो एग० एन० ऋपूर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाभ्रोप:--

- (क) इस स्चना के राजपंत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध श तत्सम्बन्धी अविक्सवा २२ ध्वना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध शांद मों सभाष्य होती हों, के भीतर पृत्रांक स्थानितकों में से किसी व्यक्तित वशारा;
- (थ) इस सूचना के राज्यपण में प्रकाशन की तारीच छं 45 विन के भातर उक्त स्थावर सम्भारत में हितबब्ध किसी बन्य न्यन्ति ब्वारा अभोइस्ताक्षणी के पास सिवित में किस था छन्तें ने।

लकाकरणः -- हराजे प्रवृक्षः सन्धां करि पथ्ये का, को सक्त अधिवृक्षिकः, को कृष्णासः 20-क को परिभाषितः ही, बही अर्थ होगा को संस कृष्णायं के दिया क्या ही।

# अनुसभी

पलेट नं 11 मन्टों स्टोरी बिल्डिंग के तृतीय तल पर जोकि वितय प्लेन के नाम से हैं। पैमाईसी 630 वर्ग-फिट स्थित 11, अशोध मार्ग लखनऊ/करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 143 पर दिनाँक 9-8-1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चूका है।

> विनोद कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारांख : 8-4·1986

मेहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काशीलवः, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 2 श्रप्रैल 1986

जायकर भी भी नयम , 1961 (1961 का 43) (जिस हमें इसके परचात् 'उक्त जिभिनयम' कहा गया है, की भारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 3 है तथा जो 11, श्रणोंक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में बिजित है), श्रर्जन रेंज, लखनऊ में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनाँक 9-8-

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच, एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्मनिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आक्कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः वन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिसित व्यक्तियों, अर्थात :--14-86 GI/86

(1) क्युक कराट्रकशन स्रौर इन्जीनियरिंग सम्पर्ना प्रा० लि० लखनऊ द्वारा डायरेक्टर।

(अन्तरह)

(2) श्रारमन फाइनैन्य लखनऊ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करकं पृत्रोंक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्वपाहियां करता हु।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यकिन में में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा सभे हस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्याद्वीकरणः--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में ९रिभाषिकः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में निया गमा है।

# वम्त्यी

फ्लेट नं० 3 थई फ्लोर (3), मल्टी स्टोरी बिल्डिंग में जोकि "बिनय प्लेन" के नाम से मगहूर है, पैमाईशी 630 वर्ग-फिट स्थित 11, अशोक मार्ग, लखनऊ/करारनामा जोकि श्वर्जन क्षेत्र कम नंबग 144 पर दिनाँक 9-8-1985 को सक्षय प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जो चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, लक्षाऊ

तारीख: 2~4-1986

# त्रक्ष बार्ड .टी. एन .एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यामय, सहायक मायकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ; विनांक 8 ग्रप्रैल 1986

निदेश सं० जी०श्राई०श्रार० संख्या 132/37-ईई/ए क्यू० --श्रतः मुझे, विनोद कुमार,

बावकर जिथिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे द्वां के द्वां के प्रचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूम्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लेट नं० 4 है तथा जो 11, श्रशोक मार्ग लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंग, लखनऊ, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 9-8-1985।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दरगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से,

एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से खबत अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में मृजिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भर या अन्य आस्तियां को, जिन्हुं भारतीय आयकर भीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गन्त भा या निया बाना चाहिए भा, सिरान में स्विधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) कुद्दक कन्स्ट्रक्शन एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि०, लखनऊ, द्वारा डायरेक्टर।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर गिरीभ गुलाठी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत संपत्ति को अर्जन को संबंध में काहि भी आक्षेप रू--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, पर भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस म्चना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शक्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लेट नं० 4 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के तृतीय तल पर जोकि बिनय प्लेस के नाम से हैं। पैमाईसी 371 वर्ग फिट स्थित 11, अशोक मार्ग, लखनऊ करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 145 पर दिनाँक 9-8-1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ हारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-4-1986

मोष्ठर :

## प्रकृत कार्य । हो । हुन् । प्रकृतनाम्बरम्

बायकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बभीन सुमना

#### सार्क सरकार

## कार्याज्य , सहायक जायकार कार्यच्य (विश्वीकाक)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निदेण सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या 133/37-ईई/ एक्यू०--भ्रत:, मुझे, विनोद कुमार,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे एसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लेट नं 10 है तथा जो 11, ग्रशीक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम 1861 के ग्रिधीन दिनांक 9-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वा से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिक्ष (अंतरिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) वन्दरण से हुद किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्दरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आदि/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) कुद्दक कन्सद्रक्शन एण्ड द्दन्जीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० लखनऊ द्वारा डायरेक्टर।

(घन्तरक)

(2) श्री दीपक रस्तोगी।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना पारी करके प्वानिश संपरित के अर्थन के बिए कार्यनाहियां कारता हों।

वनत् बस्मरित के वर्धन के सम्बन्ध में कार्द भी बाध्येप्य-

- (क) इस स्पना के राज्यन में प्रकारन की तार्रीय वें
  45 जिने की ज्योज या तरक्ष्मणी व्यक्तियों प्र स्पना की तामील से 30 दिन की नविधा, को भी करीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कह व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के शीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकृष किसी बन्य अमित स्वारा वशोहस्ताशाड़ी से वास जिल्हा में निष्णु का सकों ने ।

स्मध्दीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

फ्लैट नं० 10 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के प्रथम तल पर जोकि विनय प्लेम के नाम से हैं। पैमाईसी 370 वर्ग फिट स्थिन 11, प्रशोक मार्ग लखनऊ, करारनामा जोकि प्रजेन क्षेत्र क्रम संख्या 146 पर दिनांक 9-8-1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

कतक अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 8-4-1986

## प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्याचन, शहानक जानकर जानूनत (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या 134/37-ईई/ एक्यू०- -श्रतः, मुझे, बिनोद कुमार,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इसमें इसमें इसमें दश्यात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 263-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट है तथा जो 11, श्रणोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इनमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजन क्षेत्र लखनऊ भारतीय श्रायकर श्रधितियम 1961 के श्रधीन दिनाँक 9-8-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुलें कर संपर्शन का उपित अपाय मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल के रूड्ड प्रतिकृत से विधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्या गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देष्य से उक्त बन्यरण के लिए तर स्था गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देष्य से उक्त बन्यरण के लिए तर स्था गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देष्य से उक्त बन्यरण के लिए तर स्था गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अभीत कर द'ने के अन्तरक औं दासिस्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा से निए; और/सा
- (य) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जानकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्ति अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का जाना जानिहए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

 अतः सव, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-न कै बनुसरच तो, भी, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-च की उपधारा (1) क विधीन, जिल्ला कित व्यक्तियों, वर्षात :---- (1) कुइक कन्स्ट्रक्शन एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी प्राठ लिं लखनऊ द्वारा डायरेक्टर।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 श्रोमती सुनीता सेठ 2 श्री एस के खन्ना

(अन्तरिसी)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध के कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रावपत्र में अकावन की सारीय वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमें पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीसर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेर हिल्बांक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा जभोहस्ताक्ररी के गांध लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, को अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभः विद्या हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा हैं।

### वन्स्ची

फ्लैंट नं 1 मल्टो स्टोरी बिल्डिंग के द्वितीय तल पर जोकि विनय प्लेन के नाम से हैं। पैमाईसी 660 वर्ग फिट स्थित 11 अशोक मार्ग, लखनऊ करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 147 पर दिनांक 9-8-1985 को सक्षम प्राधिकारों, लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8−4−1986

## श्रक्ष आहे. टी. एन. एवं. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 श्रश्रैल 1986

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या 135/37-ईई/ए० क्यू०-- श्रतः, मुझे, विनोद कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसफे परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको संख्या प्लैंट नं० 305 है तथा जो 11, श्रमोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूचो में भौर पूर्ण रूप से विणित है), र्जिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रर्जन क्षेत्र, भारतीय ग्रायकर श्रीध-नियम 1961 के श्रधीन दिनौंक 9-8-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित भाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुन्हे यह विश्वास करने खरने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित वाचार मूल्य, उपने खरयमान प्रतिफल से, एसे खरयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है जोड़ वंतर्क (वंतरकों) और बंतिरती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बंतरण निख्य में वास्तविक क्य से अधिस मही किया गया है :--

- (कः) जन्तरण संहुर्द किसी शाय की बावत, उनक विधिनयस को सभीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कभी करमें या उससे श्रमने में सुविधा को विष्: नोर्/सा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वर्षः कथ, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षें, सी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस स्थितकरों, अधीत क्र~च

- (1) कुइक कन्स्ट्रेक्णन एण्ड इन्जोनियरिंग कम्मनो प्रा० लि० लखनऊ, द्वारा डायरेक्टर। (धन्तरक)
- (2) 1. क्षी एप०के० खन्ना,
  - 2 श्रोमती नीरा खन्ना,
  - 3. कु० शहमीना खन्ना।

(अन्तरिती)

करें यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध के कोई भी बाधांच :---

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकावन की तारीय हैं
  45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी स्थितवारों पद
  स्वान की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी
  सर्गि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका
  अधिकारों में से किसी स्थित बुनारा;
- (त) इस सूचना को राज्यम में प्रकावन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सब्ध जिस्सी बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के शास निर्मास में किए वा सकतें।

स्परक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त वश्वों और पत्नों का, वो अवत अभिनियम दे अध्याद 20 क में वीरआविष है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में विमागमा है।

## अनुस्**ची**

पसैट नं 305 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के थर्ड फ्लौर पर (तृतीय तल) जोकि विनय प्लेस के नाम से है। पैमाईसी 371 वर्ग फिट स्थित 11, अशोक मार्ग लखनऊ करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 148 पर दिनौंक 9-5-85 को सम्मम प्राधिकारो लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जो चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनॉक: 8**–**4--19**8**6

## त्रकम बाह्री, दी. एन . एक . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4/3) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### साउत चडका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लखनऊ

षखनऊ, दिनौंक 8 मार्च 1986

निवेश सं० जी०ग्राई०ग्रार० संख्या 136/37-ईई/ए क्यू०—-श्रतः, मुझे, विनोद कुमार, क्यक्**र क्रिनियम, 1**961 (1961 **का 43) किसे इ**सम

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लैट नं० 306, 307 है तथा जो 11, श्रमोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय में भ्रजन क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनौंक 9-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सो, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तिक कम से क्षित नहीं कि बा गया है ——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कभी करमें वा उससे वचने में सुविधा क्षे निष्ठ; अरि/या
- (क) ऐसी किसी काय था किसी भन या कत्य आरित्यां को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छियाने ने सुधिभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) कुइक कन्तद्रक्षणन एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० द्वारा धायरेक्टर।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर शिशिर मल्होत्रा।

(प्रन्तरिती)

करे यह सूचना आही करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्भन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

## अनुसुची

पलैट नं० 306, 307 मस्टी स्टोरी बिल्डिंग तृतीय तल पर जोकि विनयप्लेस के नाम से है। पैमाईसी 660 वर्ग फिट स्थित 11, ग्रंशोक मार्ग लखनऊ करारनामा जो कि ग्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 149 पर दिनांक 9-4-1985 सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, लखनऊ

**सारीख: 8-4-1986** 

मोहर ६

## प्रकल नार्वः, ठी_ळ एवळ एवळ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) वै वंभीन स्वाना

#### बाइड स्ट्रन्स

## कार्यालय, सङ्गयक जायकर जायुक्त (जिरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 8 ग्रप्रैल 1986

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या 137/37ईई/ एक्यू०—श्रतः मुझे, विनोद कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9 है तथा जो 11, श्रशोक मार्ग लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजेंन रेंज, लखनऊ, भारतीय श्रायकर श्रधि-नियम 1961 के श्रधीन दिनौंक 9-8-1985

को पूर्वोंकत सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के क्रयमान वितिकत के सिए जन्तिरित की गई है जार मुक्ते यह विक्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उशके क्रयमान प्रतिकत सं, एसे क्रयमान प्रतिकत का प्रस्त का प्रस्त का प्रतिकत का प्रस्त का प्रतिकत का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बर्भग विस्तिनिक्कत स्थानिता, अर्थात हुन्स

- (1) कुद्दक वन्स्ट्रेनगन एण्ड इन्जीनियरिंग वस्पनी प्रा० लि० लखनऊ, द्वारा डायरेक्टर।
  - (अन्तरक)

(2) श्रीमती व्रिपट नरपुरी।

(भ्रन्तरिती)

च्चे वह बुचना चारी करके पृद्योंक्य सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओब ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अयिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित विध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स विभिनियम के बध्याय 23-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

पजैट नं० 9 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के तृतीय तल पर जोकि विनय प्लेस के नाम से हैं। पैमाईसी 371 वर्ग फिट स्थित 11, श्रकोश मार्ग लखनक करारनामा जो कि श्रजन रेंज कम संख्या 150 पर दिनाँक 9-8-85 को सक्षम प्राधिकारी लखनक द्वारा पंजी के दिया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-4-1986

में हरः

## प्रकृप बाइं.टी.एव.एस, -----

बायकर वाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### बारत त्रकात्र

## कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ दिनाँवः 8 श्चर्येल 1986

निदेश सं० जी० म्राई० भ्रार० संख्या 138/37-ईई/ एक्यू०----मून:, मुझे, विनोद कुमार,

बायकार किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसल अपिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार भूल्य 1.60,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 210 है तथा जो 11, श्रशीक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), रिनस्ट्री वर्त श्रधिकारी के कार्याजय श्रजंत रेंज, लखनऊ भारतीय श्रायहर श्रधि -नियम 1961 के श्रधीन तारीख 9-8-1985

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1023 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिला:

अन्तः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधाराश् (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) कुइक कन्म्ट्रकशन एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० लखनऊ, द्वारा डायरेक्टर।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 डा० ए० के० कपूर 2 डा० म्रो० पी० कपूर।

(म्रन्तरिती)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिष् लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितककृष किसी अन्य प्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

#### अनुसूची

पलेट नं० 210 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के द्वितीय सल पर जो कि विनय प्लेस के नाम से हैं। पैमाईसी 370 वर्ग फिट स्थित, 11 ग्रशोक मार्ग, लखनऊ करारनामा जोकि ग्रर्जन रेंज, कम संख्या 151 पर दिनांक 9-8-85 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-4-1986

प्ररूप बाह्र'. टी. एत. एत. एन. ----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या 139/37-ईई/एक्यू०---ग्रतः, मुझे, विनोद कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1 है तथा जो 11, ग्रशोक मार्ग लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज, लखनऊ, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक 9-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के जिए तय पाया मवा प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित व वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है

- (क) जन्तरण वं हुई किसी याय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें इशियत्थ में कामी करत या उसमें अचले हो तिन्स के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी जाय या किसी यन या अन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय जाय-का अधिनियम, 1922 (1922 का ) ।। या उस्ते क्ष्मिक्रम या पनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने भी सजिका के लिया

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिष्ति व्यक्तिनों, अर्थात् :--15—86/GI/86

(1) कुइ हा हन्स्ट्रक्शन एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि०, लखनऊ, द्वारा डायरेक्टर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषमा ग्रग्रवाल।

(ग्रन्तरिती)

को थह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों बार पद्यों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा भवा ही।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के तृतीय तल पर जोिक विनय प्लेस के नाम से है पैमाईसी 550 वर्ग फिट स्थित 11, अशोक मार्ग, लखनऊ, करारनामा जोिक अर्जन क्षेत्र कम संख्या 152 पर दिनांक 9-8-1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा च्का है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-4-1986

प्ररूप आहूर टी. एन. एस. ------

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 श्रप्रैल 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या 140/37-ईई/ए० एक्यू०--श्रतः, मुझे, विनोद कुमार,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की थारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 2 है नथा जो 11 श्रशोक मार्ग लखनऊ में स्थित है (श्रीप इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनिस्ट्रीकर्ता श्रिक्ष होरी के नायतिय में श्रार्जन रेंग, लखनऊ, भारतीय श्रायकर श्रिक्षितियम 1961 के श्रिक्षीन दिनांक 9~8-1985

को पूर्वोक्स भम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के खरमान अतिफल के लिए कत्सरित की वह है और मूझे यह विश्वास करा के करा के स्थाप्तिकत सम्पत्ति का उचित भाजार भूष्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत क अभिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के अंच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर्त, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुद्धा अन्यूनशान एण्ड इन्जीनियरिंग अम्पनी प्रा० लि॰ लखनऊ, द्वारा डायरेक्टर।

(भ्रन्तरक)

((2) 1. श्री जे० सी० ढल 2. श्रीमती चांद ढल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 यिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षकिरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

पर्लंट नं० 2 मल्टी स्टोरी जिल्हिंग के द्वीतीय तल पर जो कि विनय प्लेस के नाम से हैं। पैमाईसी 688 वर्ग फिट स्थित 11, श्रशोक मार्ग लखनऊ के करारनामा जोकि श्रजन रेंज कम संख्या 153 पर दिनांक 9-8-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखलऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद जुमार सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ल**ख**नऊ

तारीष : 8-4-1986

प्रकेष नार्षाः ही , एन . वृक्ष .- - > ----

## नायकर वृधितियन, 1961 (1961 व्या 43) वर्षी पार्च 269-म (1) की वर्षीय स्वाता

#### THE REAL PROPERTY.

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, लखनऊ

लखलक दिनांक 8 ग्रेप्रैल 1986

निदेश सं० जी० भ्राई० म्रार० संख्या 141/37-ईई/ए० न्यु०--मत:, मुझे, विनोध कुमार,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले क्सर्ने इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धास 269-व के व्याप सक्षत्र प्राथिकारों को यह विकास करने का आए हैं कि स्थानर सम्पत्ति , विकास विकास वाकार मुख्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5 है तथा जो 11 भशोक मार्ग, लखलक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजैन क्षेत्र, लखनक, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 9-8-85

की पूर्वीकत तन्तित के उचित बाजार मूक्त है कम के अपनाल अतिकाश के लिए अन्तिरित की नहीं है वॉर मुळे यह विशंधास कारते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीत्त का अविश्व आधार कुछ, उक्ष के अपमान अतिकात से, एवं अपमान विकास का बनाइ अविकास के विचास ही और अध्यास (अध्यास) वीस बन्तिरिती (जन्तिरितियों) र बीच एवं अध्यास से किए तब बाबा गया प्रतिकास, निम्मिलिक सञ्चाकत से अपन अध्यास निश्चित में वास्तिका रूप से साथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्द्र किसी बाध की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीक कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; बार्रियाः
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जीयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अभिनियम, वा भन-कर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) के हमोजनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा अन्तर,

र्थत: क्य, उन्ते विभिन्न की वारा 269-य के व्यक्तर में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुइक कन्स्ट्रकणन एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० लखलऊ द्वारा शायरेक्टर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सभीना किदवई।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

क्का स्थापि से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासीप :---

- (क) इव त्वरा के राजवन में प्रकाशन की सहरीय है 45 दिन की बनीय में तत्त्रकारणी व्यक्तिकों कर सूच्या की ताजील से 30 दिन की नगीय, जी औ नगीय नाव में समान्त होती हो, से भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्तिया हुनाहा;
- (ज) इस सूचना के राषप्त्र में प्रकाशन की तारीं जा के 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध किती बन्ध व्यक्ति वृद्याय व बोहस्तोकरी के पास सिक्षित में किए वा सकीं वे।

स्थळाकरणः --- इसमें प्रगुक्त कर्वों बीर वंदों का, की वेंदेश अधिनवन के बच्चाय 20-क में परिश्रीविक ही, यही अर्थ होगा वी वंदा बच्चाय में विकेश गया ही।

#### अनुस्ची

पलट नं० 5 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग जो दितीय तल पर जोकि "विनय प्लय" के नाम से हैं। पैमाइसी 370 वर्ग फिट स्थित 11, श्रणोक मार्ग, लखलऊ करारनामा जोकि ग्रजंन क्षेत्र कम संख्या 154 पर दिनांक 9-8-85 को सक्षम प्राधिकारी लखलऊ द्वारा पंजीकृत किया जा भुका है।

> विनोव कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) भर्जम रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-4-1986

मोह्र :

प्रस्प बार्ड. टी. रव. एव. -----

बायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ .

लखनऊ, दिनाँक 8 ग्रप्रैल 1986

निर्देश सं० जी०म्राई०म्रार०सं० 142/37-ईई/एक्यू----म्रतः मैं, विनोद कुमार,

बायकर विधितियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त विधितियन' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्ष्म ए कारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थालर स्थिति, जिसका उपित वाकार बच्च 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 8 है तथा जो 11, ग्रशोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय में ग्रर्जन रेंज, लखनऊ, भारतीय ग्रायकर ग्रिध-नियम 1961 के ग्रधीन दिनाँक 9-8-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के द्यवनान मितिफन के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वनास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके द्यमान प्रतिफन से, ऐसे द्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफन, निम्नीनिवित उद्देश्य से उक्त क्लरण सिवित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण हे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त निषित्वत के स्थीन कर देने के बंतरक के नियत में कमी करने या उससे न्यन में सुविधा के सिष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य आस्त्रियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1921 (1922 का 11) या उक्त शिक्षितियम, अप्राप्त-कार अधिनियम, 1957 (1917 का 11 प्रविज्ञान केतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म या वा किया बाना बाहिए था, डिपान में सुविधः के सिद्धः

बत: शेव, उल्ल वॉधिवियम की धारा 269-ग के बनुसरण वे, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) वै वधीन निम्मिकिल्ड व्यक्तिस्टें, वधीस है— (1) कुइक कन्सट्रक्शन एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० लखनऊ, द्वारा डायरेक्टर।

(ग्रन्तरक)

(2) कु० मोनिका बोय।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना बा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति</u> के वर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीय तं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास नियत में दिये वा सकतें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक् विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो सम अध्याय के जिल्हा क्या है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 8 मल्टी स्टोरो बिल्डिंग के तृतीय तल पर जोकि "विनय प्लेस" के नाम से है। पैमाईसी 350 वर्ग-फिट स्थित 11, अशोक मार्ग लखनऊ करारनामा जोकि अर्जन रेंज, क्रम संख्या 155 पर दिनाँक 9-8-85 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, **लखन**ऊ

तारीख: 8-4-1986

प्रकार **बाद**े हो , एन_ः एव_ः क्रकारन

नाथकर निर्मातियम, 1961 (1961 का 43) की प्रस्ता 269-म (1) वं ग्रेपीय सूचना

#### PULL BETTE

## कार्यभव, सङ्गायक वास्त्रक वाष्ट्रक (रिवाहीकच) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 8 श्रपं ल 1986 निदेश सं० जी०आई०मार० संख्या 143(ए)/37ईई/ एक्यू—श्रतः मुक्षे, विनोद कुमार,

नायकर विधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इंग्रेज परवात् 'उचत विधिनयम' बड़ा गया ही, की वारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार वृष्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसको संख्या फ्लैट नं० 4 है तथा जो 11, श्रमोक मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रार्जन रेंग, लखनऊ, भारतीय आगकर श्रीधिनियम 1961 के श्रीम दिनाँक 9-8-1985

को पूर्वोक्त सम्बद्धि को खींचत बाधार ब्रुष्य से कम के करवान प्रतिकास के सिए संसरित को नहीं हैं और मुक्ते यह विस्ताध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि को उचित बाधार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिकात में, एसे एसे एसे प्रतिकाल का बन्द्र्य प्रतिकात से जिथक हैं नौर संशं क (में ,रका) और संतरिकी (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण को सिए हम पामा गया बना प्रतिकास निम्नीकेखित स्वृद्धिय से उनत संतरण विश्वित में सास्विक कम से सीचक नहीं किया गुला है कि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अधित् ु— (1) मुद्दक कन्सद्रकशन एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि॰ लखनक द्वारा डामरेक्टर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के ज्या कार्यवाहियां करता हूं।

तका सम्मति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाकाप-

- (क) इस ब्यान के राजपण में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की जनित्र या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्थान की तार्योल से 30 दिन की अविध्य लों भी अविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्धीकरण: ----इसमें प्रमुक्त सन्तों और नथों का, जो उक्त कथिनियम के हैं याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष है ना को उस अध्याय में विया नया ही।

#### अनुसूची

पलैंट नं० 4 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के प्रथम तल पर जोकि विनय प्लेस के नाम से हैं। पैमाईसी 390 वर्ग-फिट 1 स्थित 11, अशोक मार्ग लखनऊ, करारनामा जोकि प्रजेन क्षेत्र क्रम संख्या 156 पर दिनौंक 9-8-85 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, ल**ब**नऊ

नारीख : 8- 4-1986

## धक्ष आयुं अ कौ । एर ३ एक _{राज्यसम्बद्धान}

# आधकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अधीन स्थान

#### HITE STAFF

## कार्याजय , तहायक भागकर बायुक्त (दिन्द्विक)

भर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ दिनॉक 8 भर्पेल 1986

निदेश सं० जी०श्राई०श्रार० संख्या 143(वी)/37ईई/ एक्यू--श्रतः मुझे, बिनाद कुमार,

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये व विधिक है

भौर जिनको संख्या फ्लैंट नं० 5 है तथा जो 11 अशोक मार्ग, लखनऊ 6 में स्थित है (श्रीर उपम उनेवद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), र्जिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय प्रजित रेज लखनऊ, भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के श्रीम दिनाँक 9-8-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उभित बाजार मृत्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए बन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तद्र प्रतिशत से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरक बन्तरक लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उज्वेदिय से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, असत अधिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी लाग या किसी थन वा अस्थ आस्तियाँ की जिन्ही भारतीय जासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुजिधा से किया विश्वर से किया विश्वर से किया विश्वर से किया विश्वर से किया जाना चाहिए था, कियाने में सुजिधा से किया

बत्त: अब, उक्त विधिनियम की भाग 269-ग के वनुसरण वो, मी, उक्त विधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) के वधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों वर्धात :---- (1) कुइ । कराद्रकान एण्ड एरजीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० लखनऊ द्वारा डायरेक्टर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कीर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

बक्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वालंग :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भेर जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्हुफ कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, बौ उच्छ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा बो उस अध्याय में दिश गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 5 मर्ल्टा स्टोरी बिल्डिंग के प्रथम तल पर जोकि विनय प्लेस के नाम से हैं। पैमाईसी 370 वर्ग फिट स्थित 11, अशोक मार्ग लखनऊ/करारनामा जोकि अर्जन रेंज, क्रम संख्या 156 पर दिनाँक 9-8-85 को सक्षम प्राधिकारों लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, ल**ब**नऊ

तारीख: 8-4-1986

मोहर ः

अरूप बार्ड दी एन एस : =======

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की नभीन सुमना

#### मारव सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर बायक्त (निर्दाक्तिण)

अर्जन रॉज, लखनऊ लखनऊ, दिनौंक ४ श्रप्रौंल 1986 निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० मंख्या 143(जी) /37ईई/ एक्य०--श्रतः मझे, विनोंद कुमार.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से बधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्रनैट नं० 6 है नथा जो 11, श्रशोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूर्यों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्रीकर्ता शिक्षनारी वे कार्यालय अर्जन रेंगे, लखनऊ, भारतीय श्रायकर श्रिवियम 1961 के श्रक्षीन दिनाँक 9-8-1985

की प्रविक्त सम्मत्ति में जीवत नावार मृस्य से कम के करवेश मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह मिववास करने का कारण है कि यथापृत्रीकत सम्मत्ति का उचित नाजार प्रया, उसके क्यमान प्रतिफल का गन्तक प्रतिफल का गन्तक प्रतिफल का गन्तक प्रतिफल का गन्तक प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीव एसे जन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उप्देश्य से उक्त जन्तरण निम्नसिवित उप्देश्य से उक्त जन्तरण निम्नसिवत में बास्नविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त निध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- अं एसी किसी नाय वा किसी भन वा भन्य वाहिस्तार्थों अले, जिल्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अभिनियम, धा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सर्विका वै शिखा.

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ भी उपधारा (1) के अधी निम्निविक्त व्यक्तियों, अधित (1) कुद्क प्रत्यदृष्ट्यान एण्ड इन्जीतियरिंग कम्पनी प्रा॰ चिठ व्यवस्क, द्वारा व्यायरेक्टर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के किए आर्थनाहियां शुरू करता हूं।

#### ब नव संपत्ति के क्यान के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की श.रीच सं 45 दिन की नविभ या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 विन को भीतर अक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभाहरताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

भ्यव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया वया हैं।

#### अनुज्यी

गलैंट नं० 6 गल्टी स्टोरी बिलिंडग के प्रथम तल पर, जोकि विनय प्लन के नाम स है। पैभाईसी 435 वर्ग-फिट स्थित 11, प्रशोक मार्ग, लखनऊ करारनामा जोकि प्रर्जन रेंज, कम संख्या 156 पर दिनाँक 9-8-85 की सक्षम प्राधिकारी लखनऊ ब्राग पंजीकृत किया जा खुका है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, ल**ख**नऊ

**मार्रिख : 8- 4-198**6

प्रस्प नार्षं. टी. एव. एथं.....

कायकर जीपीनवज्ञ, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-थ (1) के नधीन वृथन्।

#### नाइत चहुन्स

## भार्याचय , बहायक वायकर वायुक्त (विरोधक)

প্রর্জন ই^জ, লঞ্জনক লঞ্জনক, বিনাঁক 9 প্রমীল 1986

निवेश सं० जी० माई० म्रार० संख्या 143(डी)/37-ईई/ एक्यू० -ग्रतः मुझे, विनोद कुमार,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित चित्रका अचित वाधार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिमकी संख्या फ्लैंट नं० 7 है तथा जो 11 स्रशोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रन्,सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में श्रर्जन रेंज, लखनऊ, भारतीय भायकर श्रिधि-नियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 9-8-1985

को पूर्वेक्सि संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षण के लिए जन्तरित की गई हैं जीर मुक्ते वह विस्तास कारण को लिए जन्तरित की गई हैं जीर मुक्ते वह विस्तास कारण को कारण हैं कि यथापूर्वोक्स संपित का उपित वाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिकात से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरित (असीरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्रल निम्निलिखित उच्चेष्य से उस्त जन्तरण लिखित में वास्तविक लप में किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया व्यथ या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को उपधारा (1) के सभीन निम्नतिचित्र व्यक्ति किसीय ■ (1) कुद्दक कन्तदूरकान एण्ड इन्जोनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० द्वारा डायरेक्टर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुरेन्द्र कौर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्मत्ति के गर्पन के संबंध में कोई मी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है -45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी व्यक्तियाँ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त किसीकत में भिष्ठ वा तकोंगे।

स्वक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो जनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, है, वहीं अर्थ होगा जो उस तक्ष्याय में विदाः वका है।

## भनुस्ची

फ्लैट नं० 7 मल्टी स्टोरो बिल्डिंग के प्रथम तल पर जोकि बिनय प्लेस के नाम से हैं। पैमाईसी 274 बर्ग-फिट स्थित 11, श्रगोरु मार्ग, लखनऊ करारनामा जोकि श्रर्जन रेंग कम संख्या 156 पर दिनौंक 9-8-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-4-1986

प्र**रूप आह**ै<u>्टों एन एस :</u>=====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन बुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, तक्षयक बावकर बाबुक्त (विद्रक्तिक)

श्रर्जंन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 8 अप्रैल 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० ग्रार० सं० 143(ई)/37-ई ई/ ए० सी० क्यू०~~यन:, मुझे, विनोद कुमार,

नायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० फ्नैट नं ० 8 है, तथा जो 11, भ्रशोक माग, लखनउ में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी हे कार्यालय, श्रर्जन क्षम्र लखनऊ, भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1961 के भ्रधीन, दिनौंक 4 भ्रगस्त, 1985

की पूर्वोका संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान दिवस्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धश्यमान प्रतिफाल से एसे एसे दश्यमान प्रतिफाल का सन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दारती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब सावा नवा प्रतिफाल, निम्नतिबित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है मन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है मन्तर

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्याने में स्विधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन वा बन्य जास्तिवों का, जिन्ह भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खिपाने में सुविधा के लिए; और/या

- कुइक कन्स्ट्रक्णन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० द्वारा डायरेक्टर।
  - (भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मुरेन्द्र कौर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वॉक्त संपत्ति की वर्षक के किय कार्यवाहियां करता

## उक्त संपत्ति के वर्षन संबंध में कोई भी बार्बंध 🛶

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (प) इत सूचना के राज्यम में प्रकावन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इंशारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए वा सकतें।

न्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रवृक्त शन्यों और पवा का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसची

पर्लंट नं० 8 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग प्रथम तल पर जोकि विनय प्लेस के नाम से हैं। स्थित श्रणोक मार्ग लखनऊ, पैमाइणी 376 वर्ग फीट करारनामा जोकि श्रजेंन क्षेत्र क्रं० मं० 156 पर दिनाँ है 9-8-85 की सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृट किया जा चुका हैं।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, लखनऊ

नारीखा: 8-4-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 8 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० जी० माई० मार० सं० 143 (एफ)/47-ईई/ एक्यु०--यतः, मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9 है, तथा जो 11, श्रशोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शर्जन रेंज, लखनऊ, भारतीय श्रीयकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रधीन, तारीख 9 श्रगस्त, 1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- कुइक कन्स्ट्रल्शन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० लखनऊ द्वारा डायरेक्टर।
  - (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मुरेन्द्र कौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 9 मल्टी स्टोरी विल्डिंग प्रथम तल पर जोकि "विनय प्लेव" के नाम से हैं । पैसाइकी 370 वर्ग फीट स्थित 11, अशोक मार्ग, लखनऊ करारनामा जोकि धर्जन क्षत्र कं० सं० 156 पर दिनौंक 9-8-85 की सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है ।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**ख**नक

तारीख : 8-4-1986

प्ररूप बाइँ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

भागसिरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 8 ग्राप्रैल 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० 144/37-ई ई/इक्वी०--यतः, मुझे, विनोद कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 है, नथा जो 11, श्रशोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजीन रेंज, लखनऊ में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख 9 श्रगस्त, 1986 ।

की पूर्व कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितका के लिए कन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे उत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निक्निशिदित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिदित में शास्त्रिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, धनक निवस को सधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए? और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियक की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित स्पित्वसों , अर्जात् ६──  कुइक कन्स्ट्रक्शन एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० लखनऊ द्वारा डायरेक्टर।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स मोटर सेल्स लि०, लखनऊ।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के आर्थन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तियों में से फिसी क्यंक्ति इतार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 3 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के ग्राउंड फलोर पर जोकि वितय प्लेम के नाम से हैं । पैमाइणी 3550 अर्ग-फीट स्थित 11, श्रक्षोक मार्ग, लखनऊ, करारनामा जोकि श्रजैंन रेंज क. सं० 157 पर दिनाँक 9-8-85 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है ।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-4-1986

मोहर 🔞

## वक्त वार्षः, हो, प्रयुक्त प्रस_{्यानसम्ब}

## वासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाउप 269-व (1) वे वचीन व्यवा

## कार्याजय, सङ्गामक भागकर भागुक्त (निर्देशक)

भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 श्रप्रैल 1986 निर्वेष सं० जी० श्राई० श्रार० सं० 145/37-ई ई/इक्वी०~-यतः, मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पदवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 है, तथा जो 11, श्र शोक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इनसे उनाबद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोक्ती श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजन रेंज, लखनऊ, भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के श्रधीन, तारीख, 9 श्रमस्त, 1985

को व्यक्तित सम्मत्ति के अचित वाचार नृस्त से कन के स्वयान प्रतिफल के सिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का करण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित वे वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बामत अवस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शासित्य में कभी करने या उत्तर्न क्याने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) घ्रेसी किसी बाय वा किसी धन वा बम्ब बास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, वा धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अवाजनाथ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने वें सविभा श्री विद्यु;

 कुइक कन्स्ट्रक्शन और इंजोनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० लखनऊ, द्वारा डायरेक्टर।

(म्रन्तरक)

2. श्री देश दीपक चोपड़ा।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां बुक् करता हुई .i.

ज्यव जम्मीता के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क) इस ब्रावन के रायुष्य में श्रक्तवन की वाडीय में 48 विन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण हम्म इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विया नया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 1 मल्टी स्टोरी विल्डिंग में फर्स्ट फिलोर पर
"जोकि विनय प्लेप के नाम से मशहूर हैं । पैमाइशो 680 वर्गक फीट स्थित 11, प्रशोक मार्ग लखनऊ करारनामा जोकि प्रजैन क्षेत्र लखनऊ में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारादिनौक 9-8-85 को प्रजैन रेंज क० सं० 158 पर पंजोकृत किया जा चुका है।

> श्रीमतीं यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 2-4-1986

मोहरः

अतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, शब्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए—

## प्रकृष बार्च , हो , एव , पृष्ठ , ,,,,,,,,,,,,,,,,,

## बायकेषु बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के बंधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यात्तम, सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण)

प्रजनरज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निदण सं० जी० आई० आर० सं० 146/37-ई ई/एक्यू०- -यत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 4 हैं तथा जो 11 अशांक मार्ग, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभित्त हैं) रिजस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कार्याध्य शर्जन रेज लखनऊ भारत्य श्रायकर श्रीविध्यम 1961 के श्रीधन, तारीख

9 प्रगस्तः 1985

स्त्री पृथंकित सम्मत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त को गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पृवंकित सम्मत्ति का उपित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिप्रत से, एसे दश्यमान प्रतिप्रत के पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और नंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिप्रत, निम्निलिखत उद्देषम से उक्त नंतरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है 5—

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय की बाबरा, सक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्दरक के वायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बॉट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 धा 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा सौ सिद्ध;

भतक भव, उक्त अभिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरणी में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 कुइक कल्प्ट्रक्शन और इंजानियरिंग कम्पनी प्रा० लि० लखनऊ द्वारा डायरेक्टर।

(भ्रन्तरक)

2. सरदार कलजात सिंह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपर्शित को मर्जन को संबंध में कोई भी काश्रोप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक थे 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों १२ स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के 'राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भातर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवकुभ किसी कन्य व्यक्ति इतारा वधोहस्ताक्षरी के गढ़ लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों नीर पदों का, कें उक्त निधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्यी

फ्लैट नं० 4 मल्टो स्टोरी बिल्डिंग के सेकन्ड फ्लोर पर जोिक विनय प्लेस के नाम से मणहर हैं पैमाइमा 390 वर्ग फोट स्थित 11 ग्रमोक मार्ग लखनऊ। करारनामा जोिक ब्रर्जन रेंज क्र० सं० 159 पर दिनांक 9-8-85 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारापंजीकृत किया जा चुका है।

> श्रोमतो यू० कान्जी लल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) प्रार्जन रेंज, लखनऊ⊾

तारोख : 2-4-1986

षोहर:

## इस्य ब्राष्ट्रं टीउ एव्⊴ प्रख्यानकारक

# नाथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन स्थान

#### RIED BERNS

## कार्यासन, बद्धानक नावकर मान्तव (रिद्धीकार)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 अप्रैल 1986

तिर्देश सं ० जी० श्राई० श्रार० सं० 147/37-ई ई/इक्वी०--यत: मुझे, विनंद कुमार

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (मिधे इसमें इसके पश्चाक्ष 'उन्तर अभिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार भ्रव 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 2 है तथा जो 11 ध्रणोक मार्ग लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ध्रन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारों के कार्यालय ध्रर्भन रेंज लखनऊ भारतीय ध्रायकर ध्रधिनियम 1961 के ध्रधीन सारोख 9 ध्रगस्त 1985

का पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के अवजान प्रित्तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे कह विस्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्मत्ति का कारण स्वातिकस की एंडे अवस्थान शितकस की पंडह प्रतिसत से अधिक है जीर जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तिणती (अन्तिरितियों) के बीच एंडे जन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी आय की वासत, उनक जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्सरक को दायित्व में कमी करने का उन्नसे बचने में सुविधा के सिए; जार/बा
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या बन्य शास्तियों की धिन्हें भारतीय शासकर श्रीधितियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त श्रीधितयम, धा धन-कर श्रीधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया बचा वा वा किया जाना आहिए वा क्याने में सुविधा के विद्या [8]

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269- म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- म की उपयारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 कुइक कन्स्ट्रक्शन एण्ड इंजोनिधींरग कम्पनी प्रा० लि० लखनऊ द्वारा डायरेक्टर

(भ्रन्तरक)

- 1. (1) श्री श्रानन्द कुमार श्रग्नवाल
  - (2) श्रो मनोज कुमार अग्रवाल
  - ं(3) श्री राजेश कुमार श्रग्रचाल
  - (4) श्रो विशाल कुमार ध्रप्रवाल
  - 5) श्री विनीत कुमार श्रग्रवाल

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनिभ दा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रभ सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी वनिभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तियाँ व्यक्तियाँ से किसी विकास व्यक्तियाँ से किसी विकास व
- (थ) इत सुकता के राजपण के प्रकावन की तार्रीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें दित-बद्ध किंसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवाडीं।

#### अमुसुची

फ्लैंट नं० 2 मल्टो स्टोरी बिल्डिंग के ग्राउन्ड फ्लोर पर जो कि विनय प्लेस के नाम से हैं । पैमाईशी 900 वर्ग फीट स्थित 11 श्रशोक मांगे लखनऊ । करारनामा जो कि अर्जन रेंज ऋ० सं० 160 पर दिनांक 9-8-85 को सक्षम प्राधिकारो सखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है ।

> िषनीय कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-4-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुचना

#### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रजैन रेंज, लखनऊ

ाखन**ऊ; दिनांक 2 प्रप्रैल** 1986

निर्देश सं० जी० ध्राई० ग्रार० सं० 148/37-ई ई/इम्बी०-यत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य
1,00,000/- रा. से अधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8 है तथा जो 11, ग्रमोक मार्ग;

आर जिसका स० पलट न० 8 ह तथा जो 11, प्रशाक माग; लखनक में स्थित हैं (और इससे उपाद्यद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिवस्ट्रावाती अधिकारों के कार्यालय प्रजिन रेंज लखनक में भारतीय आयकर निधिनयम, 1961 के प्रधीन, तारीख 9 श्रास्तः 1895

की पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीर स्थायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्तरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर जिस्तिखित व्यक्तियों, अधित् ह—  कुइक वल्स्ट्रकशन और इंजीनियरिंग कम्पनो प्रा० लि० लखनक द्वारा डायरेक्टर।

(भन्सरक)

- 2. (1) श्रीमती धन्नो देवी
  - (2) श्रीमती धनीता प्रग्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सदान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समन्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति नृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम को अध्याद 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगर जो उस अध्याय में विका गया है।

#### अनसची

पलैटनं ० 8 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के दितीय तल पर जोिक "चिनय प्लेस" के नाम से मणहूर है पैमाइणी 370 वर्ग फीट स्थित 11, श्रशोक मार्ग, लखनक करारनामा जोिक श्रजन रेंज में सक्षम प्राधिकारी लखनक कर सं ० 161 पर दिनांक 9-8-85 को पंजीकृत किया जा चुका है

श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा: 2-4-1986

9 अगस्त 1985,

## प्र**क्ष बार्ड**्डो<u>.</u>पुन .पुस<u>्.</u>:-------

## नावकर निर्मानथम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक नायकर वाय्क्त (किरीक्क)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ दिनांक 8 श्रंप्रैल 1986

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० 149/37-ई ई/इक्वी०/ --यत: मुझे, विनोद कुमार

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- रु. से बिधिक हैं और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10 हैं, तथा जो 11 अगोक मार्ग, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कायलिय अर्जन रेंज, लखनऊ भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुंड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

लतः जन, उक्त निधनियम की भारा 269-ए के नमूसरण में, मैं, उक्त कमिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 कुइक कन्स्ट्रक्शन एउड इंजीनियरिंग कम्पनी प्रा० लि० ल बनक, द्वारा डायरेक्टर ।

(भ्रन्तरक)

- 1 (1) मैं० जन० एम०एन० राषत
  - (2) श्रीमती कमला रावत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयिक्तयों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों था, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा भी उक्त अध्याय में विशा गया है।

#### अनुसूची

पलैटनं । 10 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के तृतीय तल पर जोिक विनय प्लेस के नाम से हैं । पैमाइणी 371 वर्ग फीट स्थित 11, प्रशोक मार्ग लखनऊ करार नामा जोिक प्रर्जन रेंज कर्ंसं 162 पी दिनांक 9-8-85 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुना है ।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-4-1986

## प्रका बार्ष्ट हो पुरा पुरा कार्य कार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 ग्रप्रैल, 1986

सं० जी० धाई० ग्रार० संख्या ए 196/ए न्यू:--यत: मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाटनं 6 है तथा जे प्रेमिसेज नं ० 7, तिलक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावश्व ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वांगत है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्याजय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम , 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 19-8-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के के लिए;

अतः अखः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 17—86GI/86 1. श्रीमती लीला सेठ

(भन्तरक)

- 1 श्री ग्रमरीश ग्रस्थाना
- 2 श्री सजय ग्रस्थाना
- 3 श्री चिरन्तन ग्रस्थाना
- 4 श्री राजेश ग्रस्थाना
- 5 श्रीमती श्याम किशोरी

(ग्रन्सरिती)

3. विकेता

(बहु व्यक्ति जिसके म्रिधिकोग में सम्पत्ति है:

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्स उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुजुनी

भूमि प्ताट नं० 6, प्रैमाईसी 1500 वर्गमीटर स्थित प्रेमिसेन नं० 7, तितक मार्ग डालीबाग कोठी ल**खनऊ श्रीर** सन्पत्ति का सन्पूर्ण विवरण जे कि सेलटीड में वर्णित है।

> विनेद कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज लखनऊ

लारीख: 10-4-1986

प्रारूप आई.ट्री.एन.एस.-----

## नायकरं विधिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यास्य, सहायक बायकर जायक्स (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 ग्राप्रैल, 1986 सं० जी० ग्राप्र्य प्रार० संख्या वी-94/ए क्यू---यत: मुझे, विनोद कुमार,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'पक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम कनौसी, तहसील व जिला लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विनांक ग्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान अतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का नगरण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसकी दृष्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिकल का चंद्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरका अतिफल का चंद्र प्रतिकता से अधिक है और अंतरका जिए तम पामा गया इतिकल, निम्नतिकत उद्देश्य ने उकत अंतरण विविद्य में वास्त्रीक रूप में अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) जन्मरण में हुई किसी जान की बावज़; सकत विधिनयद के ज्योग कर दोने के बंदरक के दायित्य ने कवी करने वा उससे वचने में सुविधा के किए; वरि/वा
- (थें) एसी किसी नाय ना किसी धन वा नम्य जासिसों कों, जिल्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के विभीन, निम्निचित्रक व्यक्तियों, अर्थात् ह—-

1. डा० हसन सादिक।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स विशय प्रताप नगर सहकारी श्रावास समिति लि० लखनऊ ।

(ग्रन्सरिती)

3. विक्रोसा ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी कारके पृथीक्त सम्परित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

## कवत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) अस स्वान के राजध्य में अकाशन की तारीं से 45 विन की वनिष सा तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर स्वान की तामीं से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध वाद में समाप्त होती कृते, के भीतर पूर्वों कर अविधार में के किया कर दिन होता है
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में दित- वर्ष किसी अन्य स्थानर स्थानर संपरित के पास जिल्हा में किए सा क्योंने।

श्याक्ष्मीकरण:---इशमें प्रमुक्त सन्दों और वर्षों का, सो अवस समिनिका के सम्बाद 20-क में विरक्षायित हैं, वहीं सर्थ होता को उस नभ्याय में विसा भशा है।

#### अनुसूची

भूमि पैमाईसी 7,33,292 वर्ग फिट स्थित ग्राम कनौसी, परगता, तहसील व जिला लखनऊ ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेनडीड व फार्म 37 जी में वर्णित है (फार्म 37 जी नं० 10745)।

विनोद कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-4-1986

## 

#### भारत सरकार

## कार्यात्वय, सहायक मायकर मानुक्त (निरास्त्रण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक: 2 ग्रप्नैल 1986 - ग्राह्म-1/37हिंगि/2649/85-86:--ग्रह

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/7649/85-86:--अत: मुक्षे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मून्य 1.00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 48, जो, गुलिस्थान, क्यू गुलिस्थान को-श्रांप हाउसिंग सोसायटी लि० 13, कारमायकेल रोड, बक्बई 26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, ब बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1985।,

कां प्योंक्त सम्पत्ति के उपित गाजार मृस्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिवात सं अधिक हैं गौर अंतरक (अंतरिकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्प सं कथित नहीं किया गया हैं ——

- (फ) अन्तरण से हुइ किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाग्रित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए: औड़/बा
- (ज) श्रुती फिर्दा आय या फिली भन या जन्य वास्तियों भंदे, फिर्द भारतीय वायकर सिंधितयम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधितियम, या नगकर राभितियम, या नगकर राभितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रताकतम्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का भा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा उ किए:

अतः अव, उथत जांभीनयम की भारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त जिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीस्थित व्यक्तिमें, वर्षात क्--- श्री ग्रंशोक कुमार ग्रार० पुरोहित।

(क्रन्तरस्क)

2. श्रीमती स्था एस० खैतान।

(अन्तरिसी)

भर्य यह सूचना चारी क्युको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को विष्यु कार्यवाहियां करता 🛍:

## उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी अपिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, चो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतन्त पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस्त में किए जा सकींग।

स्यध्दीक्षरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दी बीर पर्दो का, बो उचल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ झोगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

#### **नम्स्**ची

पलैट नं० 38, जो, गृलिस्थान, न्यू गुलिस्थान को-ग्राप हार्टीमंग सोमायटी लि०, 13, कारमायकेल रोड, बम्बई- 26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई—1/37ईई/7197/४८~ 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार **श्रह्भद,** सक्षम प्राधि**कारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज्₌**ा, बम्बई**

दनांक: 2-4-1986

मोहरः

## प्रस्य नाइं ुटी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० भई-1/37ईई/7604/85-86:---- प्रतः मुझे, निसार भहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेस तं० 204, जो, 2री मंजिल, मरीन चैं-वर्स, 43, त्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विश्वत है), श्रीर जिसका करारनामा आत्रकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तिरीख 9-8-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के गंग्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरकों) बीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उब्द नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उन्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती ललिता बेनीलाल उनाइकट।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नारायण प्रसाद जाजोडिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोंक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त किंपिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हर्कें, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मनुसूची

कार्यात्रय प्रिमायसेस नं० 204, जो, 2री मंजिल, मरीन चैंन्बर्स, 43, न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थिस है। प्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-1/37ईई/7148/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I बम्ब**ई** 

दिनांक: 2-4-1986

मोहर ।

वक्य बाह्^र् टी_ल पुन_् एस्*तु*ल्ल्ल्ल्ल्ल

नावकर विधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीत सुमना

#### भारत संस्काद

कार्यातय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1986

निवेश सं० ग्राई०-1/37-ईई/5758/85-86---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृश्य और जिसकी सं० पलैट नं० 21 है, जो 5वीं मंजिल, कृष्ण कुंज, जी रोड, प्लाट नं० 94, मरीन ड्राइव, बम्बई—2 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 16-8-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यान इतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यान प्रतिकत से, एसे द्रश्यान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया जवा प्रतिकत, निम्नलिखित उद्रिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जनतरच से हुइ किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की जन्यरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; बीद़/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिन्यम, या भनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना बाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री मनोहर लाल के० छात्रीया, श्रीमती मीनाक्षी एम० छात्रीया श्रीरमनोंहरलाल कर्म चन्द

(श्रन्सरक)

2 श्री राजेन्द्र प्रसाद ग्रगरवाल।

(ग्रन्तिरती)

को यह सुवना बारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाचन की तारीख वे 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तात्रीज से 30 दिन की व्यक्ति। को धी जनभि वाद में सवाप्त होती हो, को धीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों।
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकादन की शारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकेंगे।

स्त्रव्यक्तिरणः-श्तर्मे प्रमुक्त सन्दों और पदों का, को उपस् विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होया को उस सभ्यात में दिया गया है।

## **मन्त्र्या**

प्लोट नं० 21, जो, 5वीं मंजिल, कृष्णा कुंज, जी रोड, प्लाट नं० 94, मरीन ड्राइव, बग्बई~2 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि ले प्रई-1/37ईई/7185/85-86 ग्रौरजी सप्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1985 को रजिस्टर्ट जिया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

बतः का, उक्त अधिनियम की धारा 269-म भी अनुब्रम मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

दिनांक: 2-4-1986

म हरः

प्ररूप भाई. टी. एन. एत.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### सारत सरकार

## कार्यांनय, तहायक नायकर भायका (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I अम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अप्रल 1985

निर्देश सं॰ अई-1/37ईई/7533/85-86---ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बावका ड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उपत अधिनियम' कहा नया हैं), की बादा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थाव करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेस नं० 419/ए, जो, 4थी मंजिल, प्रसाद चेन्बर्स, स्वदेशो मिल्स कम्पाउण्ड, बम्बर्स 4 में स्थित है, '(भ्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधि नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बर्स स्थिस सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्रयमाल भ्रांतफल के लिए अन्तिग्र की गई अंध्रथ मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके ध्रयमान प्रति-फल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्मितिखत उन्देश्य के उच्य बन्तरण कि बिए तय पासा गया प्रतिफल निम्मितिखत उन्देश्य के उच्य बन्तरण कि बित में सास्तिबक रूप से कि भार नहीं किया गया है हि

- (क) सम्बद्ध से हुई किती साथ की सायक, अस्ट अधिनियम के अधीन कर देने के अस्टरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्; कीट्र/या
- (क) ए'सी किसी आप या किसी भन या का आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रवोचनार्थ कर्नाड्डिसी द्वाडा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रोमती ईश्वरी बाई टिकमदास।

(प्रन्तरक)

2. श्री एम० नूर मोहमद।

- .. **,** . **g** . ..**,** . . .

(ग्रन्तरिती)

श्री पुष्पेंदर कुमार ए भ्रोन्मेन।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां भूक करता हुं।

जनस संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनार;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्व सिक्षित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्धं अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उन्हें अध्याप की जिल्ला गया हैं।

#### वनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 419/ए, जो, 4थी मंजिल, प्रसाद चेम्बर्स, स्वदेशी मिल्स क-पाउण्ड, बम्बई-4 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्राई-1/37ईई/7082/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1985 को रिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बग्बई

दिनांक: 2-4-1986

## म्**क्ष् वाद<u>ं.डो.एव.एक</u> अस्तर**स्वतनसम्बद्ध

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### TIST SERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज—ा, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 भ्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/7598/85-86:—म्बत: मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (चिस्ते ध्वने इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलेट नं० 6, जो, तल माला, गुलिस्थान 13, कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम. 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्री है, तारीख 9-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, असके स्थ्यमान प्रतिकत्त औ, एसे स्थ्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) से बीच एसे अंतरण से लिए तय पासा भया प्रतिकत, निम्नितिबत उद्देशन से उक्त बन्तरण लिखित में बास्यविक स्प से किथा नहीं किया गया है —

- (भः) जन्तरण में शुद्ध किसी भाग की शावत, उक्त अधिनियंत्र, को धंभीत कर दोने में सम्परक में दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा में सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य अपस्तियों कर्ता, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धन-कर अधिनियम, १७५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों ध्वारा प्रकट नहीं किया मया था था किया जाना काहिए वा, जियाने में स्विका के दिए:

स्तः अत्र, अव्यः अधिनियम की पाड 269- व व वनुष्य त में अन्य अधिनियम को भारा 269- व की उपभारा (1) के अधिन, "तक्नीलिकित व्यक्तियों, क्षार्त :---

1. श्रीमती हसनारा एम० श्रालम।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुभाष श्रार० खन्ना।

(ग्रन्तरिती)

की यह श्वामा धारी करके पूर्वोक्त हम्पत्ति के मूर्वन् के सिंध् कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हु।

उपत इंप्रीत के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बालेंच ---

- (क) इस स्वाग के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिए की प्रवृत्ति या तरक्षणणीं व्यक्तियों दर क्यान की तासीस से 30 दिन की बद्दीय, को भी वंदीय बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में भी किसी स्पादित द्वारा?
- (व) इस भूषना के राज्यन के प्रकाशन की सार्यांक के 45 किए के प्रतिए उनत स्वाव्य कम्पातित के हित्यकृष् दिख्यी अन्य ज्ञातिक द्वारा म्योहस्ताकड़ी के शक्ष जिल्ला के कियु का स्वीचे ।

स्वच्यीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को अक्त वृद्धिनिवस्, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, थी उस अध्याय में विदा सभा हैं।

## अमुसूची

पलेट नं० 7, जो, तल माला, गुलिस्थान, 13, कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि क सं० भ्रई-1/37ईई/7142/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 9-8-1985 के रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 1, बम्बई

दिनांक: 2-4-1986

## इक्ष आ<u>र्च टी..ए</u>न..<u>ए</u>च...-----

नायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज (1) के नभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ूरेंज-I बम्बई

बम् ई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निवेश सं० ग्रई-1/37ईई/7567/85-86:—ग्रव: मुझे, निसार ग्रहमद,

कायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त किंभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं भो, तल माला, में फ्लोग्नर को-श्रोप हाउसिंग सोसायटी लिं कारमायकेल रोड, बस्बई 26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 7-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दृह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबल रूप से कथित नहीं किया गया है 2—

- (क) अंतरण से हुन्दं किसी बाय की बावत्, उक्त अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अंतरक के क्रिअत्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के निष्;

भतः शव, अक्त विभिन्नव की भारा 269-ग के वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रामतो रुप्तमणी एल० सजनानी।

(ग्रन्सरक)

श्री देवेन्द्र डी० शहा श्रीऱ
 श्रीमती सुगुन डी० शहा।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई श्री नामीप 🖽 🗕

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः—इसमें प्रमुक्त कन्दों और पदों का, को उक्त व्याप्तित्वम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह*, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा ह* ॥

#### भग्यूकी

पत्रैंद नं० 4, जो तलमाला, में पलोग्नर को-ग्रोप हार्जीसम सोतायटी, कारमायकेस रोड, बम्बई-26 मैं स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-1/37ईई/7114/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-8-1985 को रजिस्टई किया स्था है।

निसार ग्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्-I, बम्ब $\epsilon$ 

दिनांक: 2-4-1986

## **इस्त्र आहें, टी. एव. एव**ं प्र

## नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वर्षीन स्वना

शास्त्र अस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-2, मद्रास

बम्बई, दिनौंक 2 श्रप्रैल 1986

निर्दोण सं० श्रर्ध-1/37ईई/7757/85- 86--श्रतः मुझे, निसार अहमद,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण हैं कि स्भावर सम्मणि, जिसका उचित साधार मृक्य, 00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 62, जो, 6ठी मंजिल, विनस प्रपार्टमेंटस, ग्रल्टामाउण्ट रोड, अम्बई-26 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 17~8-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति को लिक्त कालार मन्य से कम को दृष्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिञ्ञत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, विश्व प्रयोजनार्थ अधिनियम, विश्व प्रकार वहीं किया गया था या किया जाना स्थान स्थान स्थान के लिए;

1. श्री संजय सी० मुन्शी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरेश ग्रष्टवानी।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के बिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्मन को संबंध में कोड़ी भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अपिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मुखना की मामीन से 30 लिन भी अपिश, जो भी अपिश को मामीन से मामिल लोती हों, के भीतर पुर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी अपिकर कुलावा:
- (स) इस स्पना के राजपण माँ १ जान की जागीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थान गर्मिस माँ हितबस्थ दिशी अन्य मिला इवारा मिलेह्साइनी के पाप स्थित माँ किए भा सकी ।

स्वक्रिकरण:---इसमें प्रयुक्त बच्दों और वद्यों का, जो जक्द जोचनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, ब्रह्मी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

## वनुसूची

फ्लैट नं० 62, जो, 6ठीं मंजिल, विनस श्रपार्टमेंट, ग्रस्टामाउण्ट रोष, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई- 1/37ईई/7299/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 27-8-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> तिपार श्रह्मद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंगे~1, बम्बई

दिनाँक: 2-4-1986

## प्रकल नाइ .टी. एन . एस , -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

क्षायलिय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रिजैन रेंज 1; वस्बई
वस्बई, दिनाँक 7 श्रिप्रैल 1986
निर्वेश सं० श्रई-1/37ईई/7759/85-86--श्रतः सुझे,
निसार श्रहमद,

वानकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्गे इसर्जे परभात् 'उन्नत निभिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-भ के अभीन सक्षत्र प्राधिकारों की, इह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका त्रित बाजार म्स्ल

1,00.000/- एउ. से बिधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या अपार्टमेंट नं 4, जो, 3री संजिल,
शेठना इमारत, 55, क्योंना रोड, बस्वई-2 में स्थित है
(शौर इससे उपाबढ़ सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रो विणित है), और जिसका करारनामा आयगर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 27-8-1985 को वृबंक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्क से कम के कम्मान मित्रक के सिए बसारित की गई है और मुझे यह विकास कर ने का कारण है कि यथापूर्वेवत सम्पत्ति का उचित वाजार नृत्व, उसके ध्वयान प्रतिकत से एमें दब्यमान प्रतिकत के विषय समार अस्ति करारण के बिद्ध वय वाचा प्रतिकत से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरकार) जोर कक्षिति (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के बिद्ध वय वाचा प्रताकत, निय्निविकत उस्ववेध्य से उक्त अन्तरण विविद्ध में बामाधिक रूप से क्षित नहीं विका गया है क्ष्या

- (क) बन्तरण ये हूप किसी बाय की बावत सकत विश्व रिवम के वधीन कर दोने के शंतरक के दार्थित्य म कभी कार्म या उससे अवने में मिलका के लिखा बीकां/का
- (ण) एखें किसी बाब वा किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय अस्थार व्यक्तियास, १०४० (1922 का 11) वा उन्हें अधिनियम, १०४० कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गता था या किया जाना चाहिए था, हिप्पाने में मृविधा के सिए;

सराः भव, उन्त सीधिनियम की भारा 269-ग से अनुसरक वी, मी, उन्त सीधिनियम की धारा 269-श की तणधारा रें। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गंगा बाई पहीलाज।

(म्रन्तरक)

पता देवतटाईन इण्डिस्ट्रिज प्राहोट लि०।

(अन्तरिती)

3. श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस ब्रूथना के राजवन को प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अहिथ का तत्यम्बन्धी अनितामों पर सुजन को जानीय से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद को समाप्त होती हो, ये शैविड व्योक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वात्ता;
- (अ) इक भूषना के रायमत में प्रकाशन की बार्टेन्ट से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित-क्युश किशी बन्य व्यक्ति दुवारा बधोहस्ताक्षरी के पांड चिश्वकृत में किश्वा कर्ष्वता

#### **अन्**स्ची

अपार्टमेंट नं० 4, जो, 3री मंजिल, शेठना इमारत, 55, क्विन्त रोष्ट, बम्बई-2 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि क मं० श्रई-1/37ईई/7301/8 5~ 86 श्रीर जो लक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनौंक 25-8-1985 को रॉजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, पड़ायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 1; बस्बई

दिनांक: 7-4-1986

प्रकप भाषां है हो , एक, एक, ----

बायकर बाधिनियुम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन मुचना

#### शारक सरकार

कार्यासय, सक्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंजं⊸1, बम्बई

बम्बई, दिनीक 2 अप्रेत, 1986

निर्देण सं० ^{कु}प्रई- 1/3 गईई/7 693/85~86~ -श्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने प्रकार हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य ,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रार जिनका संख्या कार्यालय नं० 618, जो, 6ठी मंजिल, प्रमाद चेम्बर्स, स्वदेशो निल कम्पाउण्ड, टाटा रोड नं० 2, श्रापेरा हाउम, बम्बई-4 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपात्रद्ध श्रनुसूचो में श्रार पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रस्जिट्टी है, तारीख 21-8-1985

को पृत्रांकित सम्पत्ति को उपित माजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित का गई है आर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि अधायुनाक्त सम्पत्ति का उपित आजार मृत्य जिसके रहयभान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरको) और बन्ती (ती (बंतरितियाँ) के बीच एसे जेंग्रूरण के लिए त्य पाया क्या प्रतिकृत , निम्मलिकित उद्वास्य से उन्त अन्तर्व सिक्ति वे सास्त्रीक स्प से कृष्टित नहीं किया भवा है के—

- (क) अन्तर्ण संहुदं किसी अपन की वास्त्र, उन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के वास्तिय में कती करने या उसते वपने में सुविधा को तिए; वीडि/या
- (श), एसी किसी नाय वा किसी भन या बन्य नास्तियां को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नाधिनियम, या भनकर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नाथ जन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियान में सुविधा के निए?

अतः भवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में,, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर्य निमासिक स्थानिकारों,, अधीर क्षेत्रन 1. मैंसर्स एम० श्रार० एक्सपोर्टस्।

(भ्रन्तरकः)

2. मैसर्स ग्रार० राजेश एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके **प्रधिभोग** में सम्पत्ति है)।

भी यह सूबन। बार्था करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्पन के किए कार्यपाहियां करता हो।

उक्त सम्भात के अर्थन के संबंध में कांक् भी बाक्षेप ए----

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बचीन मा तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तानील से 30 दिन की बचीन, जो भी जबीन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताफीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी कन्य व्यक्ति इवारा जभाहस्ताक्षरी के पास निभिन्न में किए ता सकोंगे ।

स्वध्योकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों जौर पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया मया है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 618, जो, 6ठी मंजिल, प्रसाद चेम्बर्स, स्रोपिरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37ईई/7237/85~ 86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 21~7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **प्रहमद,** सक्षम प्राधिका**री** सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण**)** श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 2-4-1986

## प्रकप **वाह**्टी. एवं प्रस्तानन-जनवाड

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 अप्रैल 1986

निर्दोश सं० श्रई- 1/37ईई/7556/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिवरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आरे अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बीस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाग्रत, उक्त जिभिनियम के जभीत कर दोने के अन्तरक के इ.किस्ट्री करों इस्सेय इसके अक्कार में दुर्ज्यक के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अम, उञ्चल अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उचल अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्।

1. श्रीमती पेरीन नरीमन डी हंसीटीया।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विरेश पी० कोटारी।

(ग्रन्त रिती)

सा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अञ्जन को संबंध में कोई भी बाक्षीप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा है
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गना है।

## अनुस्ची

फ्लैंट नं० 61, जो 63ो मंजिल, सायनारा, 17 कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

ग्रनुसूर्वः जैमा कि सं० ग्रई-1/37ईई/7104/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 6-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निनार भ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी; सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनौंक: 7-4-1986

प्रकृष् अर्थः हो . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निद्रीक्षण)

भ्रजीत रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 भ्रप्रैल 1986

निर्देश सं० श्रई- 1/37ईई/7785/85- 86-- श्रन: मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें इसके परनात् 'उकत अधिनियम' कहा यया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से बिधक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 12 है, जो, नबरे श्रपार्टमेंटस् को-श्रापि हाउसिंग सोसायटी लि, स्कीम नं 6, सायन माट्ंगा इस्टेंट, सायन, बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ति में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-8-1935

को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रक्षमान प्रतिकत को लिए अन्तरित की गई है और मूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वितित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान परिष्क न , ज़िले रश्यमान परिष्क मित्रिती (ब्लिरितियाँ) के भील ज़िले लिस्टक में विष्कृत के विष्कृतियाँ) के भील ज़िले लिस्टक में विष्कृत में विषक मित्रिती के भील ज़िले लिस्टक में विषक मित्रिती के भील ज़िले के मित्रिती के मित्र

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाणित्न में कमी करने या उसमें अचने से स्वीवधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां स्त्रे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, या भनकर अधिनियंत्र, या भनकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था. छिपाने में सृविधं के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री भगवान दास एल० रिझवानी।

(भ्रन्तरक)

अप्रताम पि० नुराखिया, श्रोमतो कमलाबेन वि० तुराखिया ग्रीर श्रीमतो कल्पना पो० तुराखिया।

(ग्रन्तरिती)

3 ग्रन्तरिनियों

(बहु व्यक्ति, जिसके **प्रधिभोग** में सम्पत्ति है)।

मत्रे यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप 🚁

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर अबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यापत द्वारा, अधाहस्ताक्षरी की गात्र किसित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रथुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहाँ अथ हांगा की उस अध्याय में दिया गयर है।

### अन्सूची

फ्लैट नं ० 12, जो, 5वीं मंजिल, नवरे अपार्टमेंटस्, को। आप० हार्डींग मोत्मायटो लि०, स्कीम नं० 5, सायन माटुंगा इस्टेट सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुपूचा जैमा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/7325/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 28-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **ध्रहमव** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 7-4-1986

मोहर 🖫

प्रकप्त सार्थ, श्रीत एक, एक, लल्ला व

बावकर विभिन्यमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### धारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षक) ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 ग्रप्रैल 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/7697/85-86--ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या पलैंट नं० 8, जो, 3री यंजिल, ग्रपूर्व इमारत, श्री हिन्द को-ग्राप० हाउँ ति सोतायटी लि०, 23, डंकन कॉजिंवे रोड, सायन चुनाभट्टी बम्बई-22 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 21-8-1985

- (क), अन्तर्पण संहुई किसी वाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के साधित्य वी कभी करने या उससे बचने में कृषिया के लिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी साथ या किसी अन या अन्य अतिस्तयों को. जिन्हें भारतीय साथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता इत्तर अन्तर नहीं किया गया था विभाग जाना चाहिए था छिपान मा सुविधा के नियु;

बतः अब , उक्त बर्धिनियम की धारा 269-म के बन्तरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

 श्री दाली चन्द एफ० गाँधी भ्रौर श्रीमती चम्पा डी० गाँधी।

(ग्रन्तरक)

 श्री तरूण डी शाहा,
 श्रीमती निलनी ए शाहा ग्रौर ग्रश्विन डी शाहा।

(ग्रन्तारती)

को यह सूचना बा<u>री कुरुर्व पूर्वोत्रत सम्मत्ति के वर्धन के दिसए</u> धार्यनाहियां क<u>ुरुता ह</u>ंक्श

## जनत सम्पृतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाबन की दारीय है. 45 दिन की अविध या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से २० दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रिंक के 45 दिन के भीर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्काक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण : इरपे प्रमुक्त शुक्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 को परिभीषित हैं वहीं कुर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्षा हैं।

#### अनुसूची

प्लेट नं० 8, जो, 3री मंजिल, अपूर्व इमारत, श्री हिन्द को-आप० हार्जीसंग सोसाइटी, प्लाट नं० 11, 23 डंकन कॉजवे रोड, सायन (चुनाभट्टी), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई- 1/37ईई/7240/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 21-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन १रेंज- 1, बम्बई

दिनाँक: 7-4-1986

# 88 48 . C. W. W.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाच 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# फार्यानव, बहुवक बावकर नाव्यत (निरीक्षण)

म्राजिन रेंज 1; बम्बई बम्बई, दिनाँक 2 म्राप्रैल 1986

निर्देश सं० ग्रई- 1/37ईई/7668/85-86—-ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया है"), की पाद 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विध्यास कारने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, चित्रका खीचत बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से बिधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 91, जो, 9वी मंजिल, ग्रोसि-यानिक ग्रपार्टमेंट्स, डा० राजाबली पटेल रोड, ग्राफ भुला-भाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 22-8-1985

को पूर्वोक्त सम्बन्ति के डिपत वाजार मूक्त के कल के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्थामान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिकात है अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) भीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ब्लारण विचित में वास्तिवक रूप से किथल नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, अवस बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दियत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी वाय या किसी धन वा अस्य आन्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, १०२२ (1922 का 11) वा जनत अधिनियम का वाम-कर विधिनियम, १९५७ (1927 पा २१) के प्रवोदानार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट गङ्गों दिल्ला उपल का वा बाना चाहिए था, किया के किस:

बतः अब, संवत बिधिनियम की धारा 269-ग की अन्वरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री अशोह हुपार हुगर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीसतः अपूर्वेत एतः भामरा।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरण

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूत्रमा आरी करड़ी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन वी लिए कार्यवाहियां करता हो।

## अन्त संपत्ति के खर्म की संबंध में कोई भी साधीप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 दिन की भन्नीय सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जन्मीय दाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासिक प्रविक्तियों में से नेकाली कारिल्य सवारा:
  - (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन दो भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसंसत में किए जा सकतें।

न्यस्तीयरणः - इसमाँ प्रयुक्त भवा और वर्षों का, को अवस अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिाणित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिका सवा है।

#### arra di

पलैट नं० 91, जो, 93ी मंजिल, श्रोसियानिक श्रपार्ट-मेंट, डा राज(बली पो० रोड, श्राफ भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/7273/85-85 और जो एअस शाबिकारो, वस्वई द्वारा दिनाँक 22-8-1985 को एविएउई किया गया है।

निसार **ग्रहमद** स**क्षम प्राधिकरी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 1, बम्बई

दिनाँक: 2-4-1986

प्रयास कार्षे. टी एसं, प्राप ------

अग्रकार भाषानियम, 1981 (1961 का 43) कीं

अर्रल मरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 2 ग्रप्रैल 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/7673/85-86--श्रतः मुझे, निसारं श्रहमद,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रधात 'जनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका स्थित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहन से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 27, जो, 62ी मंजिल, हनुमान शरन को-श्राप० हाउमिंग सोनायटी लि०, 87-87ए, बोमणजी पेटीट रोड, बम्पई-26 में स्थित है (श्रीर इपसे उपावत श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वणित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 को श्रारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित तक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्टी है, तारोख 19-8 1985

करे पूर्विक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उक्के द्रश्यमान पातक ते से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रशिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक क्ष से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- हैंक) एंसी किसी जाय या किली धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किस नया या का किया जाना चाहिये था, किएलों के

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम क्ष्में धारा 269-घ की उपभ्ग्या (1) के अधीन, निम्निसिय स्विस्त्यों, अर्थात ।

1. श्री चन्द्रा बेन एन० तलरेजा।

(अन्त रक)

 सुधाबेन कें श्रामा,
 काँचनलाल एम० श्रामा श्रीर ज्योति के श्रामा।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)।

को यह सुचना राष्ट्री करके प्रवासत संस्थीत के नार्धन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपर्श के अर्थन के सबध में कीई भी माक्षेप :---

- (फ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाधन की बारीय के 45 विन की अविधि का एत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस मूभना के राजभित्र में प्रकाशन की तार्षिक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्थित में किए जा सकेंगे।

स्थळतीकरच :--- इसमें प्रतुक्त प्रव्यों और पद्यों का, जा उच्क शिक्षियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही ही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ॥

## अनुसूची

फ्लैट नं० 27, जो, 65ी मंजिल, हनुमान शरन को-फ्राप० हाउमिंग मोसाटी, लि०, 87-87 ए, बोमणजी पेंटीट रोड, बम्बई 26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैला कि क सं० श्रई $\sim 1/37$ ईई $/7216/85\sim$  86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक  $19\sim8\sim$  1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 1, बम्बई

दिनाँक: 2-4-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जंन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 श्रप्रं ल 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/7529/85-86-- श्रतः मुझे, निसार श्रहभद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या पलट नं० 204 बी, जो, सूर्य प्रपार्टमेंट बी, भूलाभाई देसाई, रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की,

धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-8-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
19—86G1/86

1. श्री कांत गुप्ता.

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी शेरू ए० सूरदास

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैंट नं० 204 बी जो, सूर्यं श्रपार्टमेंट बी, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क सं श्राई-1/37ईई/7081/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक <math>2-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार महमद. मक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रोज-1ेबस्मई

दिनांक: 2-4-1986

# प्रकार बार्च , कींड हुम् इन्हरू = a a man

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुधाना

#### HENT THEFT

# कार्याजन, बहायक वायकर बाव्यस (विरोक्षण)

म्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1986

निबेश सं० मई- 1/37ईई/7527/85-86:--मत: मुझे, निसार महमद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पलैट तं० 1 जो 13 वीं मांजल, की इमारत, स्कायस ऋषर भुलाभाई देसाई रोड बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप विणित है) और जिसका करारतामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1985

को पूर्वोक्त संपहित के खिला बाधार बृष्य से कम के दश्याम पितफान के सिए अन्तारत की गई है और मुखे यह विश्वास करन का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाधार बृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्तह बित्रक से क्षिक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे बन्तरण के तिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्निनिक्त उद्देश से अन्त बन्तरण विविद्य के वास्तिक स्थ भे कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरम से हुइं किसी आय की याखन, उपक मीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दावित्व में कारी करने वा उत्तरे वथने में सुविधा के सिए; ब्रीडि/बा
- (श) देशी किसी बाग था किसी धन या बल्प कास्तिकों की जिन्हें भारतीय जामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1,957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए भा, निर्मान में स्राज्य वे शिक्ष

मन: अन, उक्त विधिनियम की धारा 269-म में अनुसर्घ मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. कुमारी शेरू ए० सूरदास

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती पूर्णिमा एस० ग्रगरवाल और शरद सी० ग्रगरवाल।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष् कार्यनाहियां करता हूं .i

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखीप 🏻 🖚

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिंध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीसर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए। सा
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, वधोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए वा सकोंगे।

स्मच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त वच्यों कीं प्रयों का, जो वक्यों भाभागियम, के वभ्याप 20-क में परिभाषित हैं, यहीं वर्ष मांगा को उस्र वर्ष्याय में दियां गया है।

## **अनुसूची**

फ्लैंट नं० 1 जो 13 वीं मंजिल बी इमारत स्काय-स्क्रपी, सिंध वर्ज को-श्राप हार्जीसंग सोक्षायटी लि० भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-37 में स्थित है।

अनुमूची जैगा कि क सं० प्रई-1/37ईई/7079/85-86 और जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-1-8 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज 1, **ब**म्बई

दिनांक: 2-4-1986

मोहर ः

# क्ष्मप् कार्च , डॉ., एव., एस.,------

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वामा

#### BIST TENT

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 1 अम्बई

बम्बई, दिनांक 2 श्रप्रल 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/7716/85-86--श्रतः, मुझे, निसार घहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बौत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लेट जो 2री मंजिल पर सागर लिया 38 भुलाभाई वेसाई रोड बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से ब्राणित है) और जिसका पूर्ण करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22-8-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- कि) बन्तहरू से हुई किसी नाम की बायक समस् ग्रीभिनियस की अभीत आहु योगे के बल्हरता के बामित में सभी गारने पा उत्तर गिरम में श्रीकश्च के निस्तु माँद/बा
- कि होती कि सी जान वा कि सी धन या अपन नास्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या फिना एका चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिन्हः।

अक्षः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वै वर्धान, निस्निसिवद व्यक्तियों, समीत के  श्राणा वी० हरलालका गौतम हरलालका और मनिष हरलालका।

(भ्रन्तरक)

- निर्मला पी० गांधी प्रतापराय एस गांधी नेहा निखिल गांधी और भावेश पी० गांधी ।
- 3. अन्तरितीयों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तज्यित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त तंपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी नालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नूर सूचना की तानील से 30 दिन की बनिध, को भी जनिध बाद वें सनाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त भवित्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पार विखित में किए जा सकेंगे।

## वर्ष्ष

फ्लेट 2री मंजिल पर, जो, सागर जिला 38 भूलाघाई देसाई रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुभूची जंसा कि ऋ० सं० अई-I/37ईई/7259/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-०985 को रजिस्टर्ड, किया गया है।

> निसार ग्रहम्द् सक्षम प्राधिकण्री सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-रें बम्बई

धिनांक: 2-4-1986

# प्रकृतः वाक्ष[्]्रही_य एव<u>ः</u> एवः ...------

# नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) अधी भाष 269-ड (1) में सभीन सूचना

#### Print Street

कार्यांतय, सङ्घयक नावकर जानुकत (निर्देशक) ग्रर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/7595/85-86-ग्रत:, मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर निर्माणन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें शरपाय 'उपस मिथियम' कहा गुना ही, की भारा 269-य से मेथीन सक्षम श्रीधकारी को कह विस्ताप करने का कारण ही कि स्थावन तम्मीक, विस्ताम हिल्लिक वाचार भूत्य 1,00,000/- रु. से निर्मिक ही

भौर जिसकी संख्या पलेट नं 104, जो, होरमुझद म्रपार्टमेंट, 131, श्रागस्ट कांती भाग, बगबई 36 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9-8-1985

को पूर्वोक्स सम्मित के उत्तित वासार मुक्त से कन के कारवाध हिक्स में किए संसरित को नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वास कर्ड़ का करण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मित का उत्तित बाबार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकान से, एके स्थमान प्रविक्त का नक्त अपिक है और कन्तरक (बन्तरकों) और संसरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तस पाया गया प्रतिकान, निम्मितियत उत्तिस से उक्त बन्तरण मिण्डि से वास्तिक कम से किथत मही किया गया है —

- [क्यू निष्यरम् से हृदं क्रिकी बान् को बान्यः अन्य विश्वित्रम् से क्यीन् कर् बने से मृत्युक्त से बावित्य में क्रमी कर्य वा उत्तवे वसने में बनिया के विद्; नीय/वा
- (थ) ऐसी फिली नाव का फिली क्ल का काय जास्तियों का, जिल्हों भारतीय कावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ वन्तरिती वृक्षा प्रकट नहीं किया गया था वा फिला मांचा चाहिए था, किया में कृषिधा से किए;

अतः जन, उन्त निर्धानयम् सी धारा 269-ग से बन्दरन वो, न', उन्त अधिनिर्धनं की भारा 269-म सी उपधारा (1) में नधीनः निस्तनिर्धितं न्यान्तियों, मधीत् थुं~ं  श्रीमती मेहरू केकी गांधी और कुमारी केटी केकी गांधी।

(अन्तरक)

 श्रीमती प्रतिभा श्रार० श्रीमल ग्रौर रिखब चंद जी० श्रीमल

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रंतरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करकं पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल्ल कार्ववाहियां सूक करका हूं।

बक्स बल्लीस के क्वेंन के संबंध में कोई भी मान्ने हु---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवीं या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वह स्वान की तामील से 30 दिन की ववींथ, जो भी नवींथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से हैंकबी व्यक्ति ब्राह्म;
- (क) इस बुक्ता के सामप्त में प्रकाशन की तारींक के 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर स्थापित में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा, अभोहस्ताक्षरी के वाक्ष निर्देश में किए का स्कृति।

स्पम्बीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विभिन्नियम, भी अभ्याय 20 क में परिभाषित इं, वहीं वर्ष होगा को उस सम्भाव में विका वक्त हैं।

#### अमुस्ची

पलोट नं० 104, जो, होरमुझव ग्रपार्टमेंटस, 131, ग्रागस्ट कांती मार्च, बम्बई 36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क सं० भ्रई-1/37ईई/7154/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> निसार ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज I, बम्बई

दिनांक: 24-3-1986

# प्रकृत नार्व हो पुरुष्ठ प्रकृत ------

जायकर जीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुजना

#### माइक पद्रकार

# कार्याक्षयः, सहायक जायकर जायूक्त (निर्देशक)

धर्जन रॅज़ा-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 श्रप्रैल 1986 निर्देश सं० शई-1/37ईई/7657/85~86--अतः, मुझे, निसार शहमद,

नायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 101 और 102 जो, 2 गाड़ी पार्कींग की खुली जगह, रेड रोझ अपार्ट्र मेंटस पोखनाथाला स्ट्रीट घरलो; बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 को धारा 269 के, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1985

को पूर्वोबक् सम्मरित सं उचित बाबार मूम्य सं कत सी सम्मताप शिक्का से निष् बस्हरित की गई है और मुक्ते यह विक्थास

करने का कारण है कि वभावनींका सम्मरित का उचित वाजार कृत्य, उसके करवमान प्रतिकत से, एते क्ष्ममान प्रतिकत का कृत्य प्रतिकत से निभक है और बंदरक (बंदरका), बौट बंदरिकी (बन्दरिक्ति) के बीच देखें अन्तर्भ के बिए तब पावा क्या प्रतिकत, निम्नितिकत उद्दोस्य से क्षस्त बन्दरक निवित में अस्तिका कृत से समित पादी क्षिक क्षा है क्ष्म-

- (क) मन्तरण वे हुई किती बाय की बाबद उक्द अधि-श्रिक्त को ब्योज कर देन को ब्याउक को वाश्रिक को केनी करणे वा वचने बज्जों में बृतिया को जिए ब्रिट/वा
- विक्री किसी नाव या किसी भन या अस्य आस्तियों के हैं., किसी नाव या किसी भन या अस्य आस्तियों के हैं., किसी आइसीय नावकर विभिन्निय ता भन (1922 का 11) या उनका अभिन्तिय ता भन कर वृश्वित्यम् , 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ ने किसी क्या आसिए का किसी में कृतिया ना वा किसी असी आसिए का किसी में कृतिया के किसी

नतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 259-ग के बन्सरण मो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, निन्न्तिचित्र स्मृतिहर्यों, अभृति क्र— 1 में सर्स जोगाना इन्वस्टमेंटस् ।

(अन्तरक)

2. श्री मंगी लाख टा॰ जोगानी और श्री सुरेश टा॰ जोगानी।

(श्रम्तिरती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाही अरता हूं।

# क्का सम्मीता में वर्षप् भे सम्बन्ध में कांद्र' भी नाक्षेप् 🚈

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की स्वत्य ना तत्वस्थानी स्वित्यों पूर स्वता की तानील से 30 विन की स्वत्य, को भी क्वीप नाम में श्रमान होती हो, से औत्ता प्रोंबक स्वत्यों में से किसी स्वतित प्रवासन
- (व) इस बूचना के राजपन में प्रकाशक की शारीय है 45 दिन के शीरह उक्स स्थापर संपक्ति में हित-क्षुप किसी शृज व्यक्ति दुवाडा मधोहस्ताकडी के गाद (सिवित में किस या क्ष्मेंने।

श्यक्यक्रियम् इत्या प्रमुक्त प्रका और पर्या का, यो उन्छ अविद्वेतसम् से मुख्यस् 20-क से परिशासिक् हैं, यही वर्ष होना को यस स्थान् से विशा भवा हैं⊞

## अनुसूची

फ्लेट नं० 101 और 102 जो, 2 गाड़ी पाकिंग की जगह, रेड रोझ ग्रपटमेंटस पोचखानवाला स्ट्रीट वरली बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रद्ध- 1/3% है | 7203 | 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 16-8-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण)ः अर्जन रेंज I, बस्बई

विनांक: 10-4-1986

मोहर 🖈

शरमकर वाधिनियस, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

# कार्यास्त्र , बहायक सायकर बाय्क्त (विर्देशक)

श्रर्जन रेंज । वम्ब**ई** बम्ब**ई, दिनां**क 14 श्रप्रैल 1986 निदेश सं० श्र**ई-**1/37ईई/7517/85-86---थ्रतः मुझे, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणाट् 'जन्त बीधिनियम' कहा गया हैं), भी भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, प्रदु विश्वकार करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिन्ना जीवन याभार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पलट नं० 40 और गरेजनं 23 जो इसारत हिगिरी को जाप हार्गिंग मोसायटो लि० पदम टेकरी, नेजर रोड बम्बई में स्पित हैं (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से प्रजित हैं) और जिसका करारनामा श्रीयकार ग्रिपिन्यम 1961 को धारा 269 की ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क कार्यालय में रजिस्हों हैं तारील 2-8-1985

को पूर्वेचित संपत्ति को अभित बाजार मूल्य से कम को क्यमान बित्रका को लिए अर्तारह की गई है शिर गुनी गई विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्तिकत संपत्ति कर अभित बाजार एक्य. स्थाब क्यमान प्रतिपक्ष को एक्स क्यमान प्रतिपक्ष को पच्छा प्रतिपत्ति अपित अनित्रक की किए स्थाप्ति कि बीच एसे बन्तरण को लिए स्थाप्ति पार्था नया प्रतिपत्ति को बीच एसे बन्तरण को लिए स्थाप्ति पार्था नया प्रतिपत्ति कि निम्नलिकित उद्योग्य से अन्त अन्तरण । लिकत से बास्तिक कप से किया नया है किया स्थाप्तिक कप से किया नया है किया स्थाप्तिक कप से किया नवी है किया स्थापति के क्या से किया स्थापति कर्या से क्या स्थापति है किया स्थापति क्या स्थापत

- (का) व्यक्त एक से मुन्त किक्की शुक्त की अध्यक्ष, राक्त्र स्वीधिवायक के अधील १०० को ते अवस्था के शासिक में काली कारते था अधार राजा में सुविध्या के लिए सींद्र/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, 1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, ग्राप्त कर परिभिन्न का 27 के प्राप्त कर अस्टिंग कर दूरी किया बया वा किया जाना चाहिए था छिपाने में अधिका के निष्

क्याः जब, अक्त अभिनियम को भारा 269-ग के अनुसरक भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उक्षारा (t) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- 1. श्री गिरवारी दाम सेपादास राजानी।

(जनसंदकः)

2 श्री लक्ष्मण भाई राधवानः।

(ब्रन्सरिती)

को वृह तृषका चारी करके पृश्वीकत सम्मृतिस के नर्चन के बिए कार्यवाधियां कुरु करता हुं।

उजल सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई श्री बाकोप ८---

- (क) इस सूचया के राज्यन में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन की सर्वीच या तत्त्वस्थानी स्पनित्यों पर
  सूच्या की तासीस से 30 दिन की सर्वीच, को भी
  स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचन
  स्विध्यों में है किसी स्वीच्य प्रवास,
- (क) इस सूथना के राजपण में श्वाधन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए वा सकेंगे।

स्वयत्तिकरणः ---- इतमं प्रमृत्यत् काको जीर नवी जा वो सवत विधिनियमं, को अध्याय 20-क में परिभाषितः ह^क, वहते अर्थ होगा वो उस्र अध्याय में दिया स्वा है

#### अनुसूची

पलट नं 46 और गरेज नं 23 जो, इमारत हिम गिरि को जाप हाउसिंग सोपायटी लिं प्रवम टेकरी पेडर रोड बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० आई-1/37ईई/7069/85-85 और जो नक्षप अविकास बम्बई द्वारा विनांक 2-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंग १ बस्बई

दिनांक: 14-4-1986

## भ्रम्म**ा शाह**े होते । हाम समा न म स सन्तर

# भाष्यपु वृष्टित्यम्, 1961 (1951 का 43) की भारा 269-म (1) के संभीन सुवना

#### TIME STATE

श्रावित्य, सहायक मायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज 1 वस्वर्द

बम्बद्धः दिनांक । अप्रैल । 986

ित्वेंश सं० अर्ध- 1/3 7र्ध $\hat{\xi}_1$  7 7 0 1/85- 831- - श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात 'उक्त अभिनयम' कहा गया है), की भन्धे 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट तं० 2 जो 65ी मंजिल ए थिंग तेड्मी टेरेम को याप हाउमिंग सोसायटी हा धम्बेडकर रोड, बम्बई-14 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अन्तृत्वी में और पूर्ण रूप से चिंगत हैं) और जिसता करारतामा आयकर अधिनियम 1951 का धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं तरिख 21-8-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उियत बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शित्फन निम्निवित्त उन्हरेस से उक्तः वन्तरण विवित्त में गान्वीक कर ने जीवन नहीं किया वया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा औ सिंग्र; बार/कः
- (ख) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अधन्य अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, वा धन्-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के नयोजनार्थ सन्दर्शिय व्याध प्रकट नहीं किया वर्षा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए।

बतः वय उक्त विभिनियम की भारा 269-म की बनुबरण को, की, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को जभीन, निक्कीनखित व्यक्तियों, वर्षात् क्र— श्रीमती अशोदाबाई देवजा सोना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वर्षा के० महना।

(भन्सरिती)

को बहु सुधना जारी ऋरके वृत्रीकत सञ्चान के वृत्रीन के निष् भणवाहियां कारता हुए।

बक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मामोग :----

- (क) इस भूषता के रावपत्र में प्रकान की तारीच है 45 दिए की जविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पूर सूपना की तामील से 30 दिन की जविथ, जो भी अविष बोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करियाओं में सु किसी क्योक्त बवाल;
- (व) इस स्कान के राज्यक में अकाशन की तारीब वें 45 दिन के शीवर एक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवृष्ध किसी बन्य स्थिक क्वारा मधोहस्तावरी के शक्ष विकित में किए जा सकोगें।

रबब्दीकरण .---इसमें प्रयुक्त अध्याय वर्ग का, को उक्त अध्याय के अध्याय 20-क में पहिशाबित हैं, वहीं कर्थ होगा की उस अध्याय में विद्या गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 2 जो 65 मंजिल ए-विंग तेहमी टेरेस को श्राप हाउसिंग सो सपटी छा० शम्बेडनार रोष्ठ, बम्बर्शा 4 में स्थित है।

श्रनुसूनी जैसा कि क० श्रई-1/37ईई/7244/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई बारा दिनांक 21-8-1985 को प्रास्टर्श िया गया है।

> निसार **श्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक यायगर श्रायुक्त (निरा**क्षण)** यर्जन रज-1 बस्ब**ई**

दिनांक: 10-4-19**8**6

## प्रकृष काइ . टी . एन . एस . ------

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रें ज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1986 निर्देश सं० प्रई 1/37ईई,7742,85-86 -- अतः मुझे निसार प्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- उ. से अधिक हैं

और जिसको संख्या फ्लैट नं० 401 ए, जो मार्कर मन्यान 4थी मंजिल 623 दादर माटुंगा स्टेट फाइव्ड गाईन्स माटुंगा बम्बई 14 में स्थित हैं (और इससे उपाबड धनुसूचों में और पूर्ण रूप से बण्ति हैं) और जिसका करारनामा धायकर धिंधिनरम 1961 को धारा 269 के ख के धधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26-8-1985 5

को प्रान्त कन्यति के अस्त वाकार मृत्य ने क्य के व्यवस्त प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और म्हो यह विश्वास करने का कारण है कि व्यवस्तिक कन्यति का असित वाकार क्ष्य का कारण है कि व्यवस्तिक कन्यति का असित वाकार क्ष्य हिसकों क्ष्य का प्रतिकत का प्रवृद्ध प्रतिकत से प्रतिकत से प्रतिकत से प्रतिकत से प्रतिकत से मिन क्ष्य कारण के किए तब प्राया कन्य विश्वस्त के बीच एसे वाकारण के किए तब प्राया कन्य विश्वस्त के वाकारण के किए तब प्राया कन्य विश्वस्त के वाकारण करने के किए तब से कारण वाकारण करने के का वाकारण वाकारण करने का वाकारण वाकारण करने का वाकारण वाकारण करने का वाकारण करने

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के [सए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को फिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के निष्:

संत: कव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

 कुमारी विना डो० घालानी (उर्फ श्रीमती बिना एस० छेडा)

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स सुपर इंजीनियर्स।

(,धन्तरिती)

3. श्रन्सरिती

(वह व्यक्तिः जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4. श्रन्धरक

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उन्दर्भ संपत्ति को अज्जैन को संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में बकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीतरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 401 ए जो मार्क मैशन 4थीं मंजिल 623 दादर माटुगा इस्टेट फाइब्ड गार्डन्स माटुंगा बम्बई 14 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि क सं० श्रई 1/37ईई,7284/85 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी पहारक प्रायकर प्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजन रोंज-1 बस्बई

दिनांक: 10-4-1986

तो**हर**ः

# प्रका नाहै ही पुन एक ,------

भावकर ब्रिंगिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीत त्वता

#### नामा राज्यार

## कार्याचन, तहायक वानकर नामुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रॉज-4, बस्बई

बम्बई दिनांक 10 श्रप्रैल 1986 निर्देण सं० श्रई-1/37ईई/7812/85 86।--श्रत: मुझे निसार प्रहमद

असकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसके परभाव 'उनक अधिनियम' अझा गया हैं), को भारा 269-श के अधीन तक्षण प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्रलैट नं० 704 जो 7वी मंजिल गैरेन नं 5 उद्यान दर्णन इमारत सयानी रोड प्रभादेवी वम्बई-25 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारतामा आय-कर अधिनियम 1 61 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 30-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के छ्यमान श्रीसफस के जिए ज़म्लरित की गई ही जौर मुक्ते यह विज्ञान करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाबार मृश्य उसके दियमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के किए तब बाबा गमा प्रतिक्क का निम्नसिवित उक्केंच्य से अच्य अन्तरण विश्वक में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण से हुन्दै किसी जाम की, बाभत, उक्त रुधिनियप के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा को निस्; और/का
- (का) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या कन्फर अधिनियस, या कन्फर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या ना किया आना वाहिए था, छिपाने से सुविधा के सिक्ट;

अतः अरः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण तें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखित व्यक्तिकों, वर्षातः :--- 20---86 GI/86

1. मैसर्स फेरानो डेव्हलोपर्स।

(अन्तरक)

 श्रो षा० विजयकुमार वामण साउद और श्रोमतो हिराबाई वामण साउद।

(अन्तरिती)

का वह सूचना नार्थी करणे पूर्वोक्त संयक्ति से सर्वन के जिल्ला कार्यशाहियां शुक्त करता हुं।

अवता संपत्ति को मर्जन को संबंध का कांचा भी शास्त्रेय :---

- (क) इत स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील ते 30 दिन की जवधि, जो भी जनधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ भागितयों में से किसी स्थानित इनक्छ;
- (व) इस स्वाम के राजधन में प्रकासन की तारीवा के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितकपृथ किती अन्य स्थावत द्वारा व्याहित्तावारी के पास विवित में कियु वा संकेंगे।

रुराष्ट्रीकरण:---दसमें प्रयुक्त सच्चों वॉर वर्षे का, की समस् सिंधिनियम, को सध्याय 20-क में वरिशादित इं', वहीं कर्यं होगा जो जब सध्याय में दिया गया ह"।

# वनसूची

पलैट नं० 704 जो। 7वी मंजिल और गैरज नं० 8 उद्धान दर्णन इमारत सथानी रोष्ठ प्रभादेवी बम्बई 25 में स्थित है अनुसूची जैसा कि क सं० धई-1/37ईई/7350/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **महमव** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजन रेज- । **बस्बई** 

दिनांक: 10-4-1986

# प्रकल मार्च, ही ध्वः प्रवः -----

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) की अभीत सचना

#### भारत सरकार

# कारांशय, तहायक जायकर जान्यत (निर्याजन)

श्राजैन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनौंक 10 श्रप्रैल 1986 निर्दोश सं० श्रई-1/37-ईई/7661/85-86:--यतः, मुझे, निसार श्रहमद,

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 6, जो. हीपलब्सी इमारत, फ्लाट नं० 1286, बी-श्रंश, टीं० पी० एस० 4, बस्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1861 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-8-1985

को वृजींक्स सम्पत्ति को उभित बाबार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित को गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसको दृष्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह्र रितिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अलिएित्यों) के जीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा अतिकल, निम्मिनित उद्वेष्य से सकत बन्तरण जिल्डि से सारविक कम में कथित नहीं किया गया है कन्तर

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य अगस्तियाँ का िजन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था भा या िकम अपन- माहिए था, िछपारे में सिका औ शिक्ट:

भंतः भृत, उनत निभिनियम की भारा 269-ग की, बनुसरक वी, भी, उनत निभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) की सभीगः, "नम्नलिखिन व्यक्तिसम्" सभीत 1: श्री भास्कर रघुनाथ निरोड़ी।

(श्रन्तरक)

2. श्री संद्रीप भास्कर भिसे ऽ

(भन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(बहु ध्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

### ब कत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कांडे भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीब से 30 विन की अनिध, जो भी वबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, कहीं अर्थ होगा अरे उस अध्याय में दिया कवा है।

## **प्रनुसूची**

फ्लैंट नं० 6, जो, इमारत द्रीपलक्ष्मी, 3री मंजिल, प्राटनं० 1286, बी-श्रंश, टी० पी० एस० 4-बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धई-1/37-ईई/7206/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 16-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनाँक: 10-4-1986

# MANN MINT . ET . HA . THE . ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ध्यर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 10 ध्यप्रैल 1986 निर्देश सं० ध्यई—1/37-ईई/7792/85-86--यतः मुझे, निसार धहमद,

बायकर मिंपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके दहवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

म्रोर जिमको संख्या फ्लैंट नं० 705, जो, 7वीं मंजिल, पार्किंग नं० 5, उद्यान दर्शन इमारत, स्थानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है) श्रौर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 29 श्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित नाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिपाल के लिए कन्तिरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मृत्ति का उचित वाचार मृत्य, सचले सम्मान प्रतिपाल से एंसे सम्मान प्रतिपाल का मृत्य , तिस्ति संविध्य है और वंतरक (वंतरकों) नीर वंतरिती (वंतिशितयों) से बीध एसे बन्तरक से विश् तन नावा नवा प्रति-प्रस् प्रिकासिक स्वयंद्य से स्था संतरक विश्वत वे वाक्तिक कर से कथित नहीं किया नवा है स्न--

- (का) अन्तरण : हुई फिट्डी श्राम की बामक उन्द्र किया नियम के अधीय कार की के अंदरक की बायिएया में कामी कारना मा उसके बचने में सुविधा के लिए क्यांगांका
- ल्ले ज्ञंबी नेकवी काम या फिसी पर वा कम नारित्यों को, चिन्हें बारतीय शायकर वीपीनवन, 1922 (1922 का ११) या वनत वीपीनवन, को धन-बार वीपीनवन, 1957 (1957 का 27) वी श्वोचनार्थ ज्ञारिती त्वारा प्रकट नहीं किया ग्वा या किया बावा चाहिए वा, क्रियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ४—— 1. मैसर्स फेरानी डैक्हलोपर्स।

(भ्रन्तरक)

2. डा० वामण विनायक लाउद।

(भ्रन्तरिती)

की यह भूषमा आहो करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षम के किए कार्यनाहिया शुरू करता हुं ।

## क्षमत संपरित के वर्जन के संबंध में कोई जी जासीय ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अच्य व्याज ख्यारा अपहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पटणोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैट नं० 705, 7वी मंजिल, श्रौर पार्किंग नं० 5, उद्यान दर्शन इमारत, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कल्सल्श्रई -1/37-ईई/7332/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 29-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,बम्बर्ध

दिनाँक: 10-4-1986

## प्राप्ति नाइ ्य टी. एवं. एकं. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन स्चना

#### शारत चरकार

# कार्यालय, बङ्गायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 24 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/7587/85-86--यतः मुझे, प् निसार श्रहमद,

बायकर लिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 104, जो, होरमुझदा श्रपार्ट-मेंट, 131, श्रागस्ट कांती मार्ग, बम्बई -36 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की श्रारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 8-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित गाजार मृत्य सं कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे प्रसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है द्व--

- (क) जल्दरण वं हुई किवी बाद की बावत, उक्त विविवन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के विष्युः वरि/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरश कें, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः——  श्रीमती में हरू केकी गाँधी श्रौर कुमारी कटी केकी गाँधी।

(म्रन्तरक)

3. श्रीमती प्रतिभा ग्रार० श्रीमतल ग्रौर श्री रिखबचन्द जी० श्रीमल।

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियों करता हो।

## जनत सन्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# नन्त्र्यी

प्लैंट नं० 104, जो, होरमुझदा श्रपार्टमेंट, 131, श्रागस्ट कांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई - 1/37-ईई/7061-बी/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंह्व 8-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रोज-1, अम्बई

दिनाँक: 24-3-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 वस्बर्द बम्बर्द, दिनौक 14 श्वप्रैल 1986

निर्वेशसं० श्रई-1/37-ईई/7625/85-86--यतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या हुकान नं 3, जो, तल माला, महालक्ष्मी कर्माध्यल प्रिमायसेन को प्रापं सोसायटो लिं , 23, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इनमें उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रार जिनका करार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 को धारा 260 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिणस्ट्री है, तारीख 14-8-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी थन था अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिषत व्यक्तियों, अर्थात् --- 1. मेहताब सोहराब मोब्रा।

(भ्रन्तरक)

बरेली वेष्ण प्राईवेट लिभिटेड।

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

## जम्स्ची

दुकान नं० 3, जो, तत माला, जिल्हा सी० ए न० नं० 4/834, श्रीर 830, मलकार एष्ड खंबाला हिल डिन्जिन, महालक्ष्मी कमिश्रयन प्रिमायसेन को-ब्राप सोतायटो लि०, 23 भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुक्चो जैसा कि ऋ० सं० श्रई- 1/37-ईई/7171/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 14-8-1985 को रगिस्टर्ड किया गया है।

> निपार म्रहमद, ाक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

दिनाँक: 14-4-1986

ास्य बाह[्]् हो. स्म . एव . ----

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) कं मधीन स्थना

#### बारत बरकार

## कावनिय, बहायक बायकर बायकत (निर्देशन)

अर्जन रंज-।, बम्बई बम्बर्ड, दिनांक 10 अप्रैल 1986 निदर्भे सं. अई-1/37-ईई/7781/85-86--

यतः, मुझे, निसार अहमद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 47, जो, 3री मंजिल, मेरी लैन्ड को-आप. हाउसिंग सोसायटी लि., वरली सिफेस, बम्बई-18 में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख को अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-

लय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-8-1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अलगरित की गई ही जी? ससे यह विश्वास करने का कारण हूँ कि यक्षण्योंक्त मार्याल का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान अभिकास मा, एक उपकान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (मंतरितियों) के बीच एक अन्तरम के लिए तक पादः पका प्रतिकतः, विक्वितिवित उत्योग वं उन्त अन्तरण विवित् में बारसीयक कम स अभिन्न नहीं किया यहा है :---

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के जिए; बीप्/पा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो जिन्हां भारतीय वायकर बांधीनयम, 1922 र्द 922 का 11) या उत्त अधिनियम, या पत कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राउल गोम्स और श्रीमती मरीया गोम्स। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कियान कुमार जी० कपूर और श्रीमती श्राशा किशन कुमार कपूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगहियां करता है।

उक्त सम्योत्त के बर्चन के सम्बन्ध में कार्ड भी बार्क्स :-

- (क) इन्ह स्वता के राजरत में प्रकाशन की तारीन न 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अवांध गट ने समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्ट 国(4) 147 A 17 (377) 1 形成的 数数数。
- (ह) इस सुभला में राजपन में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त रचारर नामाति में हितनबुध किसी एक अरिक्त इंटरा सभावस्ताकरों के गास मिषित से निका का मुकेंचे।

लब्दीकरण :--इसमें रम्बत शब्दों और पर्यों का, वो उद्या अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## अनुस्ची

फ्लैट नं० 47, जो, 3री मंजिल, मेरी लैन्ड को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वरली सिफ़्रेस बम्बई-18 में स्थित

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० ग्रई-1/37ईई/7321/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-4-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

श्वार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 स्रप्नेल, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/7536/85-86 --यत मुझे निसार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त द्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- राज्य के द्रिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 14, जो, प्लाट नं० 90, गितांजली इमारत, बडावा, वम्बई-31 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आगकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित यक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्टी है, नारीख 2-8-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गुला से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जीमिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन का अन्य अस्तियों का का का आस्तियों का का 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उन्ने अस्तियम, विकास का का वासिए था, लियान में सूनिध के का या का जाना चाहिए था, लियान में सूनिध के काए।

जतः कवः उक्त अधिनियमं की धारा २६०-म को अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीर नियनिस्ति व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्री गजानन वामण मुंडले।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनोज जी० भुटा और श्रीमती वर्षा एम० भुटा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

र क्ल संगति को अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अस्य त्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिमित्त में किए जा नकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित उती अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया । या मया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 14, जो, प्लाट नं० 90, गितांजली इमारत, वडाला बम्बई-31 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/7085/85-86 और जो सअम प्रापिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 2-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद जक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई

दिनांक: 10-4-1986

मोहरः

# इच्या सार्' टी. एन. एव

# बाब्सर कीर्पनियम् 1961 (1961 का 43) की भाग १९६९-म (1) को समीम स्थान

#### कारल सरकार

## कार्यक्र । प्रकासक कामकार बाल्यन (विरोधान)

ग्रर्जन रेंज-1 वस्वई वम्बई, दिनांक 14 ग्रप्रैल 1986

निर्देश मं० यई-1/37-ईई/7528/85-86 — यतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिमियम . 136. (१६६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हूं), की धारा 269-क के अधीन रक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण तै कि व्याद्य सम्योतः जिल्लाका प्रचित्त वाजार मृत्य 1,00 300/- र से अधिक है

और जिपकी संख्या फ्लैंट नं० 72, जो, 7वीं मंजिल, उवेंशी इमारत 66, नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इमसे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप ते विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीर बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-8-1985

- (क) बन्तरक ले हुए किसी बाब की बाबत, उक्त विश्वियम के अधीन खर दोने के बन्तरक की वर्णपत्य में कमी स्टरने या उनके बचने में ब्रिजिश
- ि।) एकी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों काः, जिन्हें भारतीय असकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) का उन्तर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से उत्ता का अस्ति का अस्ति द्वारा प्रकार नहीं किया सदा था मा का का किया वामा नाहिए था, जिन्हों गुविशा के निय;

बतः बन्न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के नमुसरम कें प्रकत अधिनियम की धारा 269-च की लग्ग्या (1) (1) श्री प्रणॉत शिवानंद शाहा।

(ग्रन्तरक)

- (2) महाराष्ट्र हायब्रीड शिडसू कम्पनी लिमिटेड। (अन्तरिती)
- (5) श्री बी० ग्रार० बारवाले।

(वह व्यक्ति जिसके **ग्रधिभोग** र सम्मान्त्र है)।

में सम्पत्ति है)।

(4) श्री बी॰ ग्रार॰ बारवाले।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में
ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह गम्यत्ति में हितबद्ध है)

की यह स्वत्र बारी कारक व्यक्तित मवित्त के वर्बन वे निष् कार्यवाहिया अरहा हो।

# उत्तर कमिति है अर्थन है मुख्यमा में कोई भी साकेर्:--

कि इस सुमान के राजवक में प्रकाशन की तारीय हैं अंगिया है। गर्भायाण सकामानी व्यक्तियों पर सम्बद्ध की ताजील से १० दिन की जवित्र को भी स्वित्र को सम्बद्ध में समाप्त होती हो, के मीठर पूर्वों कर स्वित्र स्वाप्त में हो किसी स्वतित्व दुवारत;

(क) इस समना के राजमत्र में अकाशन की तारीब से 45 दिन में भीतर जलत स्थानर संपत्ति में हितनब्ध किसी अन्य स्थावत इवारा, वधोहस्याक्षरी के पास निकार में किस वा स्थावते।

स्पच्चीकरण: — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

# धन्स्भी

फ्लैंट नं० 73 जो, 7वीं मंत्रित, उर्वणी इमारत, 66, नेपियतसी रोड, वम्बई-6 में स्थित है।

यनुत्र्ची जैसा कि क मं० यई-1/37-ईई/7080/85-86 और जो तथन बाधिहारी, तम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमद**् सक्षम प्राधिकारीः पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

হিনাক: 14-4-1986

मोहरः

प्रस्प आहा. टी. एन. एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

> श्रर्जन रेंज+1 बम्बई बम्बई, विनांक 15 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7486/85-86--यतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. में जिभक है

और जिसकी संख्या फ्लट नं० 7, जो 3री मंजिल, इमारत नं० 4, नवजीवन को-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, लिग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-8-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंदाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिमिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्टरक के दास्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्यः शास्तिधी को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्लिप्टे में सुविधा के लिए।

नतः नन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 262-च की उप्धारार (1) के अधीन.. निम्निलिखत स्यक्तियों, अर्थात ----21—86 GI/86 (1.) श्रीमती सतवन्त कौर खालसा और श्री सुजान सिंह बी० खालसा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती से ती लाल एच० पारेख, श्रीमती मंजुला एस० पारेख, श्री जितेग एस० पारेख और श्री निनल एस० पारेख।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्चन के ेलिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीसर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आ सकोंगे।

स्वक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पर्दों का, वो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

#### मन्स्ची

फ्लैंट नं० 7, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 4, नवजीवन को-ग्राप० हाउभिंग संसायटी लि०, लॉमेंग्टन रोड, श्रम्बई-8 में स्थित है।

प्रनुसूची जना कि कर संर मई-1/37-ईई/7040/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, श्रम्बई द्वारा दिनिक 1-8-1985 को रिक्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 15-4-1986

मोह्ररः

प्रस्प आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 मप्रैल 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/7588/85-86:—यतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बावार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेस जो 1ली मंजिल पर रोहीत चेम्बर्स प्रिमायसेस को-म्राप० सोसायटी लि०, घोगा स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं, और जिसका करार-नामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के म्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 9-8-1985।

कां पृथोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इत्यक्षान प्रतिफक्ष के लिए बन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पृथोंक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके इत्यक्षान प्रतिफल से, ऐसे इत्यक्षान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं जौर अंतरक (जंतरकाँ) और जंतरिती (अंतरित्तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तिबक रूप से क्रियंत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय कां, बाबता, उक्त जिभिनियम को अभीन कर दोने को जन्तरक को दामित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा को शिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के स्वार

जत: अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलीमत व्यक्तियों, वर्षातृ हुन्न (1) मसर्स एक्सप्रेस स्टेशनरी सर्विस।

(अन्सरक)

- (2) मैंसर्स रोहीत पल्प एण्ड पेपर मिरुस लिमिटेड। (अन्तरिती)
- 3. ग्रन्तरकों

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्थन के निष् कार्यवाहियां सूक करता हुं।

## उन्त सम्पत्ति को वर्षम को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की बामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जो सकोंगे।

त्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हतेगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

कार्यालय प्रिमायसेस जो 1ली मंजिल पर, रोहीत चेंबर्स प्रिमायसेस को-ब्रॉप० सोसायटी लिमिटेड घोगा स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कम सं० म्राई-1/37ईई/7135/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 9-8-1985 को रिजस्टई किया गया है।

निसार महमय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 14-4-1986

# प्रकार बार्ष के ही व बर्ग हुए वर्ष क्षान्त्र नामान्यक

# बाधकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बधीन ब्लंपा

#### वारत परकार

# कार्याजन, बहायक नामकर नान्त्रत (निरीक्तम)

प्रजीन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 धप्रैल 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/7621/85-86:--यतः मुझे, निसार श्रहमद

भावकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देशकें इसके प्रकात् 'उक्त जीधीनयम' क्या पता ही, की पाड़ 269-व के जधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विस्तास करने का कारण है कि स्वावर सम्बद्धित, दिवका संवित्त वाचाद मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लंट नं 151 बी जो, खुशनुमा को-प्राप व हार्जस्य सोसायटी लिं , 29 ए, एन ० एक ० उद्दानी कर मार्ग, बम्बई – 26 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनु-सूची में और पूर्ण रूप से विधित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 12-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंबरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय किया गया प्रतिफल, विम्नितियत उद्दृष्टिय से स्वत बंतरण किया गया प्रतिफल, विम्नितियत उद्दृष्टिय से स्वत बंतरण किया गया प्रतिफल, विम्नितियत उद्दृष्टिय से स्वत बंतरण किया वर्ष वास्तियत स्व है किया नहीं विकास नवा है क्ष्म

- (क) बनारण वं धूर्य किसी बाज की वावत, उनते विधियन के अवीद कार दोने में जनारक के स्वित्य में क्रमी करने वा उससे वचने में स्विधा के विद्युः और/वा
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या नत्य वास्तियों को चिन्हें भारतीय जायकार विधिनयंथ, 1922 (1922 का 11) वा अन्त विधिनयंथ, या धर-कर विधिनयंथ, या धर-कर विधिनयंथ, या धर-कर विधिनयंथ, या धर-कर विधिनयंथ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के विद्या

बत: बब, उपत अधिनियम की धारा 269-न की बम्बरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्निवित्ति व्यक्तियों. अधीत् :--- (1) कुमारी भिलीं सदारंगानी।

(ग्रन्तरक)

(2) रिचर्डसन हिन्दुस्तान लिमिटेड।

(श्रम्तरिती)

(3) रिचर्डसन हिन्दुस्तान लिमिटेड।

(श्रष्ट व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुकता जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के हाचचन में प्रकाशन की ताहीं है के 45 दिन की अविध या तत्त्वंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- [क] इन्द्र ब्रुपा के क्राज्यम् के प्रकारण की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितथद्वथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाव लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो स्थर अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिन् भाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### वन्स्ची

फ्लैंट नं० 151 बी, जो, खुशनुमा को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 29 एन० एल० डहामीकर मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं श्रई-1/37ईई/7166/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 15-4-1986

# हरू अहं . यो स्व. सुव .-----

# शायकर विभिनियम, 1941 (1961 क 43) की भारत

## नारव दरण्ड

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, विनांक 14 अप्रैल, 1986

निर्देश सं॰ अई-1/37ईई/7596/85-86:--अत: मुझे, निसार श्रहमद,

धायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. ते अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि और इमारत ग्राडवाणी घेम्बर्स जो, सर पी० एम० रोड, फोर्ट, बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1985

को प्वॉक्त सम्मित के जीवत वाकार मृत्य से कम के असमान प्रीत्तफल को सिए अंतरित की गई हैं और मृत्ये वह विस्वात कारने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपर्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके सम्मान प्रतिफल के, ऐसे असमान प्रतिफल का पेब्रह प्रतिकत से अधिक है और मन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीसिक समुबंदिय से उस्त मन्तरण जिस्ति में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई कि.ती जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्व में कनी करने वा उससं बचने में सृविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी वज वा सस्य आस्तियाँ को, जिन्ही अरहतीय वायकार विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त विभिन्नियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, स्थिमने में सुविधा से तिथ;

जतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के के, अक्त जीधनियम की भारा-269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री जे० बी० भ्रडवानी एण्ड कम्पनी प्राइट लिटिंड (भ्रन्तरफ)
- 2. कमानवाला हाउसिंग डेवलपमेंट फाइने स कम्पनी लि (श्रन्तरिती)
- 3 भाड़्त।

(वह व्यक्ति, जिसके **प्रधिभोग** में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कार्च भी आक्षेप ;----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तादीब से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बगुत ची

भूमि अर इमारत, "ग्रहवानी चेम्बर्स, जो, सर० पी० एम० रोड, फोर्ट, बम्बई-2 में स्थित है।

भ्रनुसूची मार्ज कि क सं० भ्रई-1/37ईई/7144-ए/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनाक 9-8 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--1, **बम्बई**

दिनांक: 14-4-1986

पुरुष बार्च . ही . एवं . एवं . --------

बावकार विविद्यंत, 1961 (1964 का 43) की पाछ 269-व (1) के नवीन व्यवा

#### 

कार्कनय , सहायक जामक इ जानुका (निर्देशका) प्रजीन रेंज,-1, वस्त्रह

बम्बई, दिनांक 14 श्रप्र ल, 1986

निर्वोश सं० ग्रई-1/37ईई/7796/85-86:---यतः मुझे, निसार श्रष्टमथ,

बाकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें दिस्से परनात 'उस्त निर्मानयम' कहा गया है), की भाष 269 स ने निर्मान सम्मित्र निर्मान को, यह दिस्सान करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका निर्मात नाजार मूल्य 1,00,000/— रु० से अधिक है और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 5 सी, जो, 5वीं मंजिल, समरसेट प्लास को-श्राप हार्जिसग सोसायटी लि०, 61—डी भुल।भाई देसाई रोड, बम्बई—26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, के अधीन श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-8-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाकार बृत्व से कम के क्यामाय इतिकास के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते गई विश्वाच कारने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाकार बृद्ध संस्कृत क्षेत्रवाद प्रसिक्त के, एक क्ष्यान प्रतिक्रम का बृद्ध प्रतिकृत से अधिक है और बन्दरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के जिए पत्र पाना गता प्रतिकृता, निम्नितिका उद्योगन से उच्च क्ष्यरण की किला को संस्त्विक रूप से क्षित नहीं किया प्रसा है अन्त

- (क) बन्तरण से धुर्च किसी बार की शवक, जनत अभिभित्रम के बधीन कर दोने के बन्तरक वी अधिताल में कनी करने वा उत्तर्ध न्याने में सुनिधा के शिए, बॉड्र/या
- (क) बूंबी कियों नाम था किसी अन या अन्य वास्तिह्यों को, जिन्हों भारतीय अन्य अन्य अनिवास, 1922 (1922 का 11) ना उन्ता अधिनियस, या वनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती ब्वार प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा की सिक्ष:

ब्बः थ्यः, अवत विधित्तव की वारा 269-व की वनुबूत्य थें, में, उनत विधितियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के व्यक्ति, निम्नमिक्ति व्यक्तियों वर्षात् ॥—  डा० प्रमीन तैयबजी और श्रीमती प्रजीस मोहसिन तैयबजी ।

(ग्रन्सरक)

2. मैसर्स मर्म्याटर लाईन्स लिमिटेड ।

(भन्तरिती)

कर्त वह बुधना जादी करके पृत्रांक्य वंदरित के वर्षन के जिल् कार्यगाहिमां सुक करमा को।

क्रमत क्रम्मति के सर्वन के संबंध में कार्ड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राज्यपत्र में मकाधन की तारीख वं 4.5 दिन की नवींच मेर तत्त्वस्वरणी व्यक्तियों देत सूचना की तामील से 30 दिन की नविच, यो भी अविच नाव में तनाप्त होती हो, को भीतर पर्धोक्त स्वविकत्यों में से किसी स्ववित ब्वारा,
- (च) इस तुचमा ने राजवन में प्रकाशन की तारीक हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित में हितबूध किसी बन्य व्यक्तिः वृंवारा, वर्षोहस्ताकारी के वास सिवित में किस वा तकोंगे।

न्यक्षीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदां का, जो अवस विभिन्नसम्बद्धाः 20 क में परिशासित ही, नहीं कर्ष होता के उस भाग में दिना गया ही।

#### अमृज्जी

फ्लट तं० 5-सी, जो, 5वी मंजिल, दि समरसेट प्लास को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लि०, 61 श्री, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

स्ननुसूची ज़ैसाकि कि सं धाई०-1/73-ईई/7355/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-8-1985 की रजिस्टई किया गया र।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जुन रेंज-1,बम्बई

दिनांक: 14-4-1986

प्रक्य शाह⁴. टी. **एव**. **एव**. अञ्चलकार

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बस्बई बस्बई, दिनॉक 10 श्चर्येल, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/7823/85-86:—ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० ए-131, जो, 13वीं मंजिल, विनार इमारत, सी०एम० नं० 336, ग्रीर 506, दादर नायगाँव डिविजन, ग्रार० किडवाई रोड, उगाँडा पेट्रोल पम्प के पास, बडाला, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 30-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पंति को जीवत बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण हैं कि बजापूर्वकों सम्मित्त का जीवत बाबार मूल्य. उसके ध्रयमान प्रतिफक्त से, एसे व्यथमान प्रतिपक्त का पंत्रह प्रतिशत सं अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती (बंदिहिसियों) के बीव एसे बदर्ब के बिए ध्रव बाबा नवा प्रतिक प्रवाहितियों) के बीव एसे बदर्ब के बिए ध्रव बाबा नवा प्रतिक कर से किया वहाँ किया बना है किया

- (क) बन्दारण थं हुइं क्रिप्ती बाव की वावत , डक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में क्ष्मी कर्षने या उससे ब्यने में सूबिय. के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवड़ अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में ध्रिका के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. भैंसर्स दिनेश चन्द्र विजयकुमार।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती चंचल वि गहा।

(ग्रन्तरिती)

को का कार्या आही करूने पूर्वोक्त कुन्दित्व के वर्षक के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## वयद बन्दरित के बर्चन के बन्दर्भ में कोई ही बार्क्य--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए वा सकारी।

स्थादिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों शीर पद्यों का, वां अवक कीधनियम के अध्याय 20-क में परिमाणिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया त्या हैं।

## अनुसुची

फ्लैंट नं० ए-131, जो, 13 वीं मंजिल, चिनार इमारत सी० एस० नं० 336 और 506, दादर नायगाँव डिविजन ग्रार० किदवाई रोड, उगाँडा पेट्रोल पम्प के पास, बडाला, बम्बई में स्थित है

भ्रनुसूची जैसा कि क सं० भ्रई-1/37ईई/7360/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 30-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भागुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज ~1, बम्ह्याई

दिनांक: 10-4-1986

प्रस्य बार्च. टी. एत. एत. -----

# आयकर विभिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अभीन क्वना

### भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 श्रप्रैल 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/7789/85→86:→-यतः मुझे, निसार श्रहमव,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृस्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 34, जो विजय विला कोश्रीप हाउसिंग सोसायटी लि०, वरली सिफेस, बम्बई-25 में
स्थित है (श्रीर इसमे उपात्रद्ध प्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से
विजन है) , श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-8-85
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरक में हुई किड़ी काथ की वाक्त, उपव अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शावित्व में कवी करने वा उत्तते वचने में सुनिधा क निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्सिनों का, चिन्हों भारतीय बायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या भानकर अधिनियम, उ.957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नशः अस, उक्त निभिनियम की भारा 269-न के अनुसरम में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— 1. श्री चन्द्रागैत वि० भहा।

('श्रन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र वि० सहा।

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक

(बह् डयक्ति, जिसके **प्रधिभोग** में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति को अर्थन को संबंध यो कारही भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थिकतवाँ ६६ सूचना की ताबील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी पारिस वसारा;
- (क) इत सूचना के शाक्षपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संगत्ति में हितबवध किसी अन्य स्थित क्थारा अधोहस्ताक्षरी के पान निक्षित में किए जा सकतें।

ल्ब्यक्रीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त बायकर विभिन्नियम के कथ्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिशा सवा है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 34, जो, विजय विला को-श्राप हाउसिंग सोमायटी लिं०, वरली सिफेम, बम्बई-25 में स्थित है। श्रनुसूची जैमा कि के मं० श्रई-1/37ईई/7329/85-

86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाँक 29-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **ग्रहमद,** भक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षणा,) श्रर्जन रेंज-1, बम्ब**र्ध**

दिन**ाँ**क: 10-4-1986

प्ररूप भाई .टी. एन .एस . -----

आयकर ऑधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्यक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 1 बम्बई बम्बई, दिनौक 10 भग्रैल 1986

निदेश सं० **गर्र**-1/37**र्र्ड्|7**683/85-86--मतः मुझे, निसार **मह**मद,

वायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उथल विभिन्नियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के व्यक्ति सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 3, जो, 4थीं मंजिल, इमारत
नं 2, पी एम बी प्रमादमेंटस बी जी खेर रोड,
वरली नाका, बम्बई में स्थित हैं ('ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख
के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रिजस्ट्री है, तारीख 20-8-1985

को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/यां
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. ं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (१) प्रधीन निम्निजिबित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- 1. श्री पी० एस० बी० कन्स्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड । (ग्रन्त्रक)
- 2. श्रीमती उमा लाम्बा।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन को तारींथ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में सनाप्त होती हो, के भौतर पृथींक स्थितियों में से किसी स्थीक्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 विन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्ट विष् किसी जन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वेकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों जा, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिखा गया है।

#### अन्स्ची

प्लैट नं० 3, जो, 4थीं मंजिल इमारत नं० 2, पी० एस० बी श्रपार्टमेंटस, बी० जी० खेर रोइ, वरली नाका, बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क सं० भ्रई-1/37ईई/7227/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 20-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **श्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ब**म्बई**

दिनौंक: 10-4-1985

# **ध्यम बार्स** हो । एक हुए । सन्ध्रम

# शायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) ली भारा 269-म (1) से संभीत कृष्टा

#### शास्त्र संस्कार

# कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (विरक्षिक)

मर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 सप्रैल 1985

निर्वेश सं० अई-1/37ईई/7487/85-86:--भतः मुझे, निसार महमव,

आयकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें पश्चात् 'उक्त अभिनियमा कहा गया है), की भारा 269-ख के निर्मित सभाम प्राधिकारी लो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- फ बे अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3, जो, तल माला, इमारत
नं० 2, पी० एस० बी, भ्रपार्टमेंटस, बी० जी० खेर रोड,
वरली नाका, बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा
भायकर भिधिनियम, 1061 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है,
तारीख 1-8-1085

को प्रॉक्त सम्मित की शिक्त बाधार मृत्य से कम को स्वयंता प्रितिक स को लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये वह विकास करने का कारण है कि वणाम्बॉक्त सम्मित का उपिश बाधार मृत्य, उसके क्रमान प्रतिफल से एसे क्रमान प्रतिफल का उत्तरह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकार्) और बन्तरियी (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को शिष् सम्मित्य विकास मिन्तरण को शिष् सम्मित्र का प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रमित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण चे हुई किसी बाब की बाबयें। बनव शिंधिनयम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा चे लिए। शिंध/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को चिन्हीं भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उट मं अधिनियम, वा चय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा चै किए:

नतः भयः उपत निधितियन की भारा 269-न कै जनुसर्थ में, मैं, उस्त निधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नभीन, निम्नसिचित्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

22 -- 86GI/86

- 1. पी० एस० बी० कन्स्ट्रम्मान कम्पनी सि०। (ग्रन्सरक)
- 2. मास्टर चेतन के० मेहता, कुमारी बी० के० मेहता, कुमारी के० एस० मेहता श्रौर मास्टर पी० वाय मेहता।

(भ्रन्तरिती)

क्यों यह तृचना चारी करकों पूर्व क्ता सभ्यत्ति के अर्चन के विष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

## हका समस्ति ने कर्षन में संबंध में कोई भी भारत ह—

- (क) इस सुचला के राज्यन को जकावन की तारींच से 45 दिन की जनभिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की सामीं से 30 दिन की व्यक्ति, यो भी जयिश बाद रं सनाप्त होती हो, के भीतह पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगाड़ा;
- (व) इस त्वान के समयत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के औतर उक्ट स्थावर सम्मतित में हितवहुभ किसी अन्य स्थावत व्यारा अभोहस्ताक्षरी के वात किक में किसे का तकती।

रणकीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्वे का, जो उक्त समितियम, के सभ्याय 20 के में परिभावित हाँ, नहीं सभी होगा, जो उन्ह सभ्यान में दिया गया हो।

#### मगसर्ची

फ्लैट नं 3, जो, तल माला, इमारत नं 2, पी एस ब बी अपार्टमेंटस, बी जी और रोड, बरली नाका, बम्बई में स्थित है

भ्रनुसूची जैसा कि क सं० मई- 1/37ईई/7041/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 1-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **अहमय,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 10-4-1986

## THE RIE . E. . AND MY SHIPPERSONS AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE PART

# बावकर बर्धिनेयम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-भ (1) जी मधीर नुसन्।

#### भारत सरकार

कार्याक्य, सङ्घायक जानकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेज-1, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 7 धप्रैल. 1986

निर्डेंश सं० मई-1/37ईई/7492/85-86:--- मतः मुझे, निसार महमद,

आयमार किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकात, 'उन्त मिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार सूक्ष्य । 20.000/- राज्य से अधिक है

ग्रौर जिनको संख्या फ्लैंट नं० 403 जो, 4थी मंजिल, मंगल कुंज ए, 2, माउण्ट प्लेझट रोड, बस्बई-6 में स्थित है (ग्रौर इपसे उपाबद्ध अनुसूची है ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की घारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-8-1985

को पर्योक्त संचित्त के जिया बाबार मृत्य में कम के इस्त्रज्ञाल किए में जिया अर्थित की गई है और मुझे यह विश्वास राज की कारण है । यथायबॉक्त संपत्ति का उचित बाबार बृज्य, उसके क्रयमान प्रतिकत्त से देवे क्रयमान प्रतिकत का प्र

- (क) मन्तरण वं हुन् किथी यात्र कर्त वाचन्न, क्रका मणितम्ब के मणीन कर देने की सन्तरक के राजिस्य में क्यी करने या क्याचे स्वयं के सुनिका वे क्रिक्ष; म्हिस्ट्री
- (क) एसी किसी बाब वा किसी थर वा अभ्य बाहितका को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जायकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान्ना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनयम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उच्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीखित व्यक्ति के क्लील :— श्री जवेर चन्द के० किमसी भौर
 श्री राजेन्द्र के० विकमसी

(मन्तरक)

 श्री हसमुखलाल ग्रार० ग्रहा श्रीर श्रीमती जिनवाला एच० ग्रहा।

(श्रन्तरिती)

स्त्रे यह ज्वना बारी करने पूर्वीच्छ क्रम्प्रीट्ड के बर्जन के किन् कार्यवाहियां शुरू करता है।

इनक क्रम्परिक के सर्वान में कुल्यान में कोई ही गांधीए हन्त

- (क) इस ब्यावः भी राजपण माँ प्रथमकर की शारोब सं 45 विष की नविष वा त्राव्यमन्थी व्यक्तियों वह न्या की शाबील के 30 विश की नविष, मो और भविष वाद में कमान्य होती हो, भी शीराह वृत्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याद्धा;
- (क) इस बुजना के समयन में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स्वकृष्ट किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए या धकेंगे।

लच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वों का, जो उपत विभिन्नियम के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उत्तर संध्यान में दिना गया है।

## अगुल्की

पर्लैट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, मंगल कुंज-ए' 2, माउण्ट प्लेसट रोड, बम्बई 6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/7045/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 2~8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनौंक: 7-4-1986

नोहर:

प्ररूप धाईं.टी.एन.एस.-------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 14 भर्मल, 1986

सं॰ मई- 2/37ईई/23317/85-86:---मतः मुझे, प्रणात राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 202, गेरेज नं० 4, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनृसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिसका करारनामा ध्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है. तारीख 2→8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आयकी वाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारार (1) के अधीन, निज्नीजियत व्यक्तियों, अधीत क्ष्मि 1. मैसर्स डीलाइट एन्टरप्राइसेस।

(भन्तरक)

2 श्रीमती हसीना जी० मर्चन्ट

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्सूची

पलैंट नं० 202, गैरेज, नं० 4, जो सी० टी० एस० नं० डीमोंटी पार्क रोड, बान्द्रा, बस्बई 400050 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/23317/85~ 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विनौक 2~8~ 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बाई

तारीख: 14-4-1986

मोहर 🚯

# बार बार्ड की पुन् पुन् विकास कराय

# शायम्ब्य वर्षितिम्ब्यं, 1961 (1961 मा 43) म्ही भारत 269-म् (1) में स्थीन स्वामा

#### 

# कार्यानक, शहरक बावकर वाबुक्त (निर्देशक)

भ्रजीन रेंज-2, सम्बर्द सम्बर्द, विनौंक 14 भ्रप्रैल, 1986

सं० ऋई-2/37ईई/23344/85-86:⊶-अत मुझे, प्रशाँत राय,

कामकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इ.समें इसके पश्चमत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व को कबीन सक्तम प्राधिकारी को यहविद्यास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से जिथक हैं

भीर जिसकी संख्या फ्लैट, छठवीं मंजिल, निवाना सोसायटी, बाखा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिमका करारनामा भायकर प्रधिनियम की घारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई म रजिस्ट्री है, तारीख 2-8-1985

को नुर्विभव बस्परिय के उपका बाकार मूक्य के कर के करवान शिवकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनों का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके रूपमान प्रतिपत्त से, ऐसे क्यमान प्रतिपत्त का पत्तह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और पत्तह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और पत्तह पत्ति (बन्दरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के शिए तथ पत्ति पत्ता प्रतिपत्त , निस्तिवित स्व्यविक से दक्त अस्करण् विचित में वास्तविक क्य में क्षिया नहीं किया गया है ——

- (क्र) बलाइक जो हुई कियों बात क्री बातता, बलता स्थित विकास के समीन करा क्षेत्र से बनाएक के बादितक भी क्रमी कारमें वा बचने बचने में स्विधा के किए; स्मेह/जा
- (क) एती किसी जाम या किसी भन मा जन्म आस्तिमों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविका से सिक्:

क्षकं वर्षः स्वतः विशिधनम् की भारा 269-त से सन्सहस्य वैंः, में उत्तर विभिन्नियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के व्यक्तिः, निक्नलिकित स्वीक्तमों, वर्षात् ह—— 1. मैसर्स सी० नारायन एण्ड को०

(भ्रन्तरका

- श्रीमती उथा बला श्रौर श्रीमती उमा बला (भ्रन्तरिती)
- 4. निवाना को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति भी अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

## श्यक श्रम्भीत्व से स्पूर्व में श्रम्भान में कोर्र श्री बार्बश्ध⇒

- (क) इंड ब्यूबना कें हाजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें
  45 दिन की सर्वीच ना तत्त्रध्मरथी व्यक्तियों पर
  चूचना की ठामीस से 30 दिन की जब्धि, को थी
  जबिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वाना का राज्यन में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्मरित में द्वित-बद्ध किसी जन्म स्मनित द्वारा अभाहत्ताकारी के पास सिवित में किए आ सकों ने।

स्वक्ष्मीकरण्:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिज्ञाचिक हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्यास में दिया जुना हैं।

## वनस्ची

प्लैट कुजो० छठवीं मंजिल, निवाना को० ग्रापस हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पाली हील रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० मई- 2/37ईई/23344/85-86 भौरप्जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 2-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. सम्बद्ध

दिनौंक: 14-4-1986

मोहर 🖫

प्रस्व आहें.टी.ध्रन.ध्रुस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनाँक 14 धप्रैल, 1986

सं ० म्रई- 2/37ईई/23364/85-86:---मतः मुझे_, प्रशांत

राय, नायकर निधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ में न्यीन स्काम प्राभिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजाड मृज्य 1.,00,000/- रहा से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या पलैट नं० 17, जीलाइट भ्रपार्टमेंट, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय कर श्रिधिनियम की धारा 269 क; ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्द्री है, तारीख 2-8-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, इसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्षदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः। अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्तरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्रीमती शाँता एलेक्स ग्रीर श्री श्रेलेक्स जेकोब (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एस० डब्ल्यू० वकील श्रीर की जी० ए० वकील

(प्रन्तिरती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोगों में सम्पत्ति है) त

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

## क्चल सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति इवाय अभोहस्ताक्षरी के पांच निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयक्त कव्यों और पर्यों का, को अवस अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया नवा है।

## नगुष्धी

पलैट नं० 17, जो, नमवी मंजिल, डिलाइट अपार्टमेंट, पेरी कोस रोड, बान्द्रा, बस्बई 400050 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/23364/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई ब्रारा दिनौंक 2-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष) श्रर्जन रेंज−2, बम्बई

दिनौंक: 14-4-1986

मोहार 🖫

प्ररूप बार्च ु टाँ ू एन ु एस अन्यतान्यवान

जायकर विधितियक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीत सुचना

## भारत ब्रुक्ति

कार्यासयः, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन ऐंज 2, बस्ब**६** बस्ब**६**, दिनांक 14 धर्प्रेल 1986

सं ॰ श्रही 2/37हेई/23585/85-86।--मतः मुझे, प्रशांक राय.

नागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 203 मीना श्रपार्टमेंट बान्द्रा बम्बई-50 में त्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से घाँणत हैं) और जिसका करारनाना श्राय-कर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कायीलय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2-8-1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के करवजान प्रतिफल के सिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश से उच्च अन्तर्ण किवित बें बास्तिक कम से कांग्रिक नहीं पिता वस है हम्म

- (क) अन्तक्षण के सूर्य कियाँ नाम की बायतः, अन्य विधिनियम के अभीग केंद्र दोने की अन्तरक में वादित्य में कभी करने ना उत्तसे सम्ने में सुनिधा के निष्; वीर्√ना
- (क) एंसी किसी आवे वा किसी अने वा अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 कि 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था सम्बद्धिया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया की सिंह।

जतः थन, उनत जीभीनयम की भारा 269-ण कं जनूतरण में, में, उनत जिमिनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निम्मलिकिस व्यक्तियों, जभीत ह— 1 श्रीमतो शली धर्नेस्ट :

(भन्तरक)

2 श्रीमती नीलोफर श्रवाहीम श्रीमती सोफी प्रवाहोम और श्री श्रहनद श्रवाहीस (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाल निचित में किए वा सकोंगे।

त्वस्वीकरणः २--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# धनसूची

फ्लैट न ० 203 जो मीना प्रपार्टमेंट 82 हील रोड बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि कम सं० श्रई—2/37ईई/23385/85—86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-4-1986

## क्षा कार्य स्ट की हुन् हुन् अस्तान

# नायकड विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के बचीन क्षूच्या शास्त्र बस्कार

# कार्यक्रम, सहस्यक कृतकर संस्कृत (निर्धिकन)

प्रर्जन रेंज - 2; बम्ब**ई** 

बम्बर्स, विनांक 14 श्रप्रैल 1986

सं० **भई-2 37ईई 2**3620 85- 85- - श्रतः मुक्षे, प्रणीत राम

जायकर जिमिन्सम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की आर 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका अचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसका संख्या सर्वे नं० 210 बी (पार्ट) जूहू लेन ग्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं तारोख 9-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिकास के सिए अंतरित की नई है बार मुक्ते यह विक्थास करने का कारण है कि संबाध्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, स्तको क्ष्यमान प्रतिकास से, एसे क्ष्यमान प्रतिकास के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक ही जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितिसों) के सीच ऐसे अंतरण के लिए तस पासा समा प्रतिकास, निम्मीकिचित उद्योग्य से उक्त अंत्रण किंदिन में बास्तविका कप से किंपत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण ते हुई किती बाय की बाबत, उक्त नियमियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (व) देती किसी बाय या किसी धन या बन्व वास्तिवां को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जर उच्च राधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खात्रा चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है— श्रीमतो अंगुमतो भाईदास जारीकाला और विपिन भाईदास जारीकाला, श्रीमती लीना विपिन जारीकाला श्रनोश विपिन जारीकाला।

(श्रन्तरक)

2 श्रीमती लीना विपिन जारीणाला।

(प्रन्तरितो)

3 श्रीमती ए० बी० जारीवाला बी० बी० जारीवाला श्रीमती लीना बी० जारीवाला और भाई दास जारीवाला फैमिली ट्रस्ट के पास (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना पारी करको पृथेंकत सम्पत्ति के वर्णन की तिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उथत संपत्ति के अर्थन के संबंध वे कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीका के 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का किसी में से किसी क्योंक्श खुवारा;
- (क) इस न्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हितत्रव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात -सिविस्त में किए का सकों ने ।

स्वाचित्रणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ विधित्रयम, के वध्याय 20-क में परिभाषित ही, मही वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिया यस ही ।

### वनुस्त्री

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 210 बी (पार्ट) 49 सी डी० बर्फी वाला मार्ग जूह लेन ग्रम्धेरो (प०) बम्बई- 400058 है।

श्रनुसूचो जैसा कि क सं० श्रई-2-37ईई/23620/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा विनांक 9-8-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज 2 बस्बई,

दिनांक: 14-4-1986

राय,

# अक्य अस्त्रे ही प्रा पुर्व : -----

# नायकर निभिन्नय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

#### MILE ECHIC

# क्रमानव, सहावक बावकर बावका (निर्धालक)

श्रजेंन रेंज -2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 श्रप्रैल 1986 सं० शई 2-37ईई/23636/85 86- श्रत: मुझे, प्रणोत ,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद जिस्त अधिनियम कहा पता ही), की पारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों की वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका स्थित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. ते अभिक ही

और जिसको संख्या फ्लैट भ्राठवीं मंजिल, चान्द केरेस, बान्द्रा बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम का धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारोख 9-8-1986

को प्वांकित सम्पत्ति के अधित बाधार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिपक्ष के लिए अस्तरित की पद जार गृज वह विकास करने का कारण है कि स्वाप्वॉक्त सम्पत्ति का उधित बाधार बृज्य, उसके क्यमान प्रतिपत्त से एंचे क्यामान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्दरण वे हुई कियाँ बाद की वावक_ा क्वर मर्गिनियम के वर्गीय कर दोने की बन्दरण की सर्वियम की क्वरी करने वा क्वरों नज़ने में सुविधा के रिजय; और/बा
- (क) देशों किसी आप वा किसी थय वा बच्च आस्तियों को, चिन्हों नारतीय नाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ अन्तरिती ह्यारा प्रकट कहीं किया नया था था किसा बाना चाहिए जा, किसाने जें सुविधा को विहा;

जतः जव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनुसरण कों, कों, उज्त अधिनियम की भारा 269-म की अपधारां (1) को अभीन, निम्निज्ञित्तत स्वितियों, अर्थात् :--- । ओटरस कन्स्ट्रक्शन को०।

(श्रन्तर्क)

श्री शब्बोरलो क० हेमानो और श्रीमती तहेरा एस० हेमानी

(अन्तरिती)

3

(बह व्यक्ति जिसके र्याधभोग में सम्पत्ति है)।

4 एडगर जोर्ज परेरा।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

कां वह स्थान बारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यमाहियां चुरू करता हूं।

उन्त तुम्पत्ति के नर्जन के तंत्रीय में कहि मीं नाजीय है---

- (%) इस स्वाम के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाम की तासील से 30 दिन की वविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवासा;
- (ब) इस स्थान के रायपत्र में प्रकारन की वारीय है 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के गत्र जिस्ति में किए वा सकेने।

स्वकात्मः -- इत्तरं प्रयुक्त वन्तं वरि पदां का, वा उवक श्रीपक निवनं वी वन्तावं 20-कं में परिधाल्यि हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं !!

### अनुसूची

फ्लैट जो० ब्राठवीं मंजिल चान्य तेरेस 118 सेन्ट एन्ड्रंब्जही रोड बान्सा बम्बई में स्थित है ।

धनुसूनी जैसा कि क सं० ध्रई/2/37ईई/23636/85 86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> प्रशांत राज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2 बम्बई

दिनांक: 14-4-1986

## प्रकार वार्र . टी . एम . एम . ------------

कांवकंट नाँभनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के नभीन स्थना

#### भारत संस्कार

कार्यात्रयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरामा)

श्चर्जन रेंज 2, बस्ब**ई** बस्ब**ई** 9 दिनांक 14 अप्रैल 1986 सं० श्र**ई**-2/37ई/ई23667/85-86:---ग्रस मुझे प्रणांत

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सण्पीत्त, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 7 हायलेन्ड सोसायटी बान्द्र। बन्धई 50 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूनी में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम का धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रा है तारीख़ 9-8-1985 को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वर्ध्य से उक्त अन्तरण विकित में प्रस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है "---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-अन्य जीवितयम, 1922 (1922 का 11) या नकत जीवितयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चारित था कियाने जें विकास की सिर्मा

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मीं, मीं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्निसियन व्यक्तियों. अर्थात :----23---86GI/86

- 1 मैसर्स ठाकुर कन्सट्रक्शनस
- (अन्तरक)
- 2. नेशनल ओरगेनिक केमिकल इण्डर्ट्यल लिमिटेड। (अन्तरिती)
- 3. ग्रन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है.

4.

(बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहरूताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उन्त तन्तरित के नर्पन के संबंध में कोई' भी वासोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के जभ्याय 20-क में परिभाष्टिए ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

### अन्स्ची

फ्लैट नं० 7 जो हायलेन्ड को ग्राप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड 3 पाली हाल रोड बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई 2/37ईई/23667/85 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बस्बई

तारीख: 14-4-1986

प्ररूप आर्घे.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

बम्बई, दिनांक 14 धप्रैल 1986

निर्देश सं० प्रई-- 2/37ईई/23817/85--86:---प्रतः मुझे, प्रणात राय,

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गना हैं)., की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्रशिकारी को सह विकास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उजित बाबार मृस्य 1,09,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 401, बान्द्रा, स्रोलार, बान्द्रा (प०), बम्बई → 50 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16 — 8 — 1985 ।

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मुख्य को कम को दश्यमान शितफास को जिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वजापूर्वोक्त संपरित का अचित बाजार बृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफास से, ऐसे दश्यमान प्रतिफास का बृज्य प्रतिकत से विश्वक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतिरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तम पाना गया प्रति-क्य निम्मितियां उन्होंना से दश्य बन्तरम् विश्वित में बान्तियक स्था से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण संहुद्दं किसी अध्य की बाबत, उक्त विभिन्निक के बधीन कर दनें के बन्तरक के वादित्य में कनी करने या उससे अपन में सुविधा के विद्शुक्षार/वा
- (ण) एंसी किसी नाय था किसी भन या नत्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के श्वीक्रेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

बतः बवः, उक्त जभिनियमं इति भारा 269-त को जबुबरण में, में, उक्त जभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (15 के अभीन, निस्तिविक्त व्यक्तिसों, अधिक 1. श्री भायको पींटो लोको ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राल गोमस घौर श्रीमती मारीया गोमस । (धन्तरिती)

को यह बुचना वादी करके पूर्णेक्त सम्बद्धित के नर्जन के सि। कार्यनाहिमां करता हो।

उपत समिति के नवीन के संबंध ने कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस ब्रुचना के राजपन में प्रकादन की तारीय हं 15 दिन की अवसीय या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर तृचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, यो भी त्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकः। व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इब क्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्वभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकते।

क्याक्रीकरण: — इतनें प्रयुक्त सन्यों और पदों का जो अपक विधित्रका, के कथ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्थ होगा जो जस कथ्याय में दिका ववा है।

#### अन्स्ची

फ्लैट नं∘ 401, जो, चौथी मंजिल, बान्त्रा, घोलार को-ध्रोप हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, सेन्ट सेबेस्टीयन रोड, बान्त्रा (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/23817/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 16-8-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 14-4-1986

प्रक्ष आर्थ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 14 अप्रैल 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/23905/85-86:--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

गौर जिसकी संख्या पलैंट नं० 223 (पार्ट), 224, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ग्रन्पूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसकी करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 19-8-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित काजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से एसे द्रश्यमान प्रतिकल का नंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतक्कों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंशरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अभीन कर दोने के बंबरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

करा करा, उसरा अभिनियम, की भारा 269-न की बन्दरस्थें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्वक्तियों, जर्भात्  $\mathbf{k}$ —

 कुमारी मारी थेरेण नेनजीस मीर ृशीमती क्लेन्डा मारीया ट्रेडवे।

(भन्तरक)

2. बेन विले कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेइ।

(मन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध हो कोई भी बाओप १०००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

### अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं 223 (पार्ट) 224, 30 सेन्ट, केन्ड्रीब्स, रोड, बान्द्रा, बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-2/37ईई/23905/85→ 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 19-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज~ 2, बम्बई

दिनाँक: 14-4-1986

### प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 14 भ्रप्रौल, 1986

निर्देण सं॰ माई-2/37ईई/23908/85-86--म्रतः मुझे, प्रशीत राय.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'अक्त अभिनियम' कहा जवा हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुं. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या हाउम नं० 33 ग्रीर 33 ख, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है,तारीख 19-8-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसि**सित व्यक्तियों, अर्थात्:---** शीमती बेरीयल एल० रोड्रीग्स, श्रीमती यूवीन जे० रोजारीयों, श्रीमती लोर्ना ई० फर्नान्डीस श्रीर श्रीमती फांसीस एम० फर्नान्डीस।

(भ्रन्तरक)

2. मैं सर्स कोजीहोय बिल्डर्स।

(प्रन्तरिती)

3 श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके **भ्रधिभोग** में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

हाउस नं० 33, और 33 ए, जो पार्क व्हीयू माउट हाउस, प्लाट नं० 95, सेन्ट एन्ड्रीब्ह्स, रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/23908/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 19-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणाँत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **सम्बर्ध**

दिनौंक: 14-4-1986

मोहरः

अस्य नाइं ु दी ु एग् , क्या-----

बावकर बीचीनवन, 1961 (1961 का 43) की भाका 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्याचा, सहायक आयक्तर काजूनव (निक्शियण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 14 श्रप्रेल 1985

सं० म्राई-2/37ईई/23929/85-86: $\rightarrow$ -प्रत: मुझे, प्रशाँत राय.

नामकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इतके पश्चात् 'उनते निधिनियम' नहा गवा हैं), की भारा 269-व के नधीन तक्षत्र प्रधिकारों को, वह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर तस्त्रीत, जिसका उजित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. ते निधक हैं

भौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 52, निकाना भ्रपार्टमेंट, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 22-8-1985।

को पूर्वोक्त तल्यींत के उचित बाजार मृत्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे वह विवसास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त तल्यींत का उचित बाजार मृत्य, उत्तके अध्यमान प्रतिकान से एसे अध्यमान प्रतिकान का पंत्र अध्यमान प्रतिकान से एसे अध्यमान प्रतिकान का पंत्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अजारितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिकाल निक्नीविधित उज्योग्य से उच्च अन्तरण कि लिए ते किया गया प्रतिकाल निक्नीविधित उज्योग्य से उच्च अन्तरण कि किया के विधास में वास्तियक रूप से अधिक नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की दावत, उक्त निवस के अभीन कर दोने को बल्तरक के दायित्व में अभी अपने या उसते दचने में तुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्टानम, उन्त नीर्धीनमम को भारा 269-म के अनुसर्ग में, में', उन्त नीर्भीनमम की भारा 269-म की उपधारा (1) की मधीन⊾ निम्मीनीयन व्यक्तिकों, बर्मास प्रमान 1. श्रीमती सुशीला हीरो भावनानी

(प्रन्तरक)

2. श्री मोहन एम० श्राहूणा भीर श्रीमती सोभा श्रह्णा।

(ग्रन्तरिती)

को बहुत्चना जारी करके प्रजित तत्वित के अर्जन के लिए जार्वपाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषना की तानीस से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति पुषास;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में त्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किती करू व्यक्ति कुषारा अभोहस्ताक्षरी की पाल किकिट में किए जा सकेंगे।

### अनुसूची

पर्लंट नं० 52, जो निवाना प्रपार्टमेंट, पाली हिल रोड; बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/23929/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाँक 22-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14-4-198 <del>6</del>

į.,

प्रकार साम . दी . एन . एव . ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-ए (1) के वधीन सुधना

### नारत प्रत्यार

कार्यासक, सहायक जावकर काय्यत (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाँक 14 अप्रैल 1986

सं० प्रई-2/37ईई/24111/8 5-8 6--ग्रतः मुझे, प्रशाँत य,

शायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269 के बेथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 1,00,000 /- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मर्वें नं 63, प्लांट नं 1, बान्ता, बम्बई में स्थित है (श्रीर इममें अपायद अनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिन्ता उरारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 है, खें के बशीन नक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 26-8-1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के स्थमाब शित्कत के निए संतरित की गई है और एक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का प्राथम शिक्त को पत्दह शिवकत से बिपक है और अन्तरक (अल्डाको) और बन्तरित (अन्तरित सो करने अन्तरक) और बन्तरित (अन्तरित सो बिक ए से बन्तरित (अन्तरिका) को सम्परित किया पत्ति (अन्तरित सो बन्तरित से बिपक है और अन्तरक (अल्डाको) और बन्तरित (अन्तरित सो बन्तरित से बिपक है और अन्तरक (अल्डाको) और बन्तरित (अन्तरित सो बन्तरित से बिपक है और अन्तरक अन्तरक (अल्डाको) को बीच प्रोध कन्तरित से बिपक से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक का सिकत से बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है कन्तरक का से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक से बिपक से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक से बिपक से बिपक नहीं किया गया है कन्तरक से बिपक स

- (क) बनारण ने हुई दिल्ली खाब की नावान, स्थय श्रीधिनियम के बधीन कर इसे के अन्तरक के शायित्य वो कभी असमें या असूस बार्ध में क्षीविभा के जिए; वीद्र/मा
- (बा) प्रेसी किसी जाव या किसी भने वा जन्य जासिसाँ का जिम्ही भारतीय अध्य-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उन्त लोभिनियम, या धन-कर जिभिनियम, या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) वे अधीजनार्थ जन्तिरिती द्वार प्रकट नृहीं किया गया था या किया भागा थाहिए या, जिभीन मा स्वावधा जे जिहा;

वश्यः वयः, उपत वीधीनवशं की शास 269-ग के अनुसरम में, में: उपत अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसिया व्यक्तिकों स्थापि क्रमान 1. श्री सरवार सींग पृथी भौर भ्रन्य

(ग्रन्सरक)

2. मैसर्स राजा इस्टेट्स

(ग्रन्तरिती)

3. मन्तरक

(वह व्यष्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकालन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार नभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंचे ।

स्वच्यीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्धों और पड़ों का, वा उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासिस हैं, वहीं अर्थ होगा थीं उस अध्याय में विया भवा हैं।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 63, प्लॉप्ट नं० 1, एच० नं० 1 (पार्ट), बान्द्रा, बस्बई है।

धनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/24111/85-86 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 26-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

तारीख: 14-4-1986

मोहर 🖫

## अक्टर कार्यं , दी , द्वा . एव . -----

बाय्कर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वका

#### भारत तरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** 

बम्बई, दिनांक 14 श्रप्रेंल, 1986

सं० अई-2/37ईई/24129/8 5-8 6:--- श्रत: मुझे, प्रशाँत राय,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 ∕- रत. से अपधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या मर्वे नं० 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा भायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के भ्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 26-8-

अर्थ पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस्त बाबार मुख्य से कम के व्ययमान प्रतिकत से लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने 🐃 कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाचार मृज्य, उसके रुक्यमान प्रतिफल रूपमान प्रतिकाल के पण्डाह प्रतिकार से अधिक हैं भीर जंतरक (संतरकाँ) बीप बंतरिती (शंतरित्याँ) के नीन एसे जन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत, निकासिकत प्रकृतकेय से जनत अन्तरण मिकित में बास्टविक रूप से कथित अहीं किया गया 🕊 🖫 —

- (क) वन्तरूप संहुई किसी काव की वाबस्, बक्त अधिनियम के अभीन अर दोने के बस्तर्ध के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के विष्; बोर/वा
- (थ) ऐसी किसी बाद वा किसी धन वा अन्य आस्तिवी को, जिन्ही भारतीय अाय-कर क्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत विकित्वन, वा भनकार सीधाँनयम, 1957 (1957 का 27) नो प्रयोजनार्थं अन्तरिती युवारा प्रकट गहीं किया गया भागाकिया जाना चाहिए भा, क्रियाने में स्विधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) फे अभीन भैनम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:----

श्रीमतो इन्दिरा भूपेन्द्र शाह ।

(ग्रन्तरक)

2. मैं सर्स हं नहवानी होतिडम प्राइवेट लिमिटेड। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सक्यांता के अर्जन के विष कार्यवादियां करता हुं।

क्कित संपत्ति के कवन के संबंध में काई भी बाक्कीप :---

- (का) इस सुखनाक राज्यपत्र के प्रकाशन की **तारीज स** 45 दिए भी अविभिन्ना सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पनाको सामील सं 30 विन की अवधि, आरंभी अमिषि भाव मा अभाष्य हाती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तिका जे वे किसी व्यक्ति ब्वास;
- (स) इस मण्या के प्राथन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के जैतर सकत स्थावर मंपत्ति में हितवहूथ िकाः र अधिक कृषामा अधिक्रम्ताक्षरी **के पास** चित्रिक १००० राज्य व्यक्तीयो।

स्माक्क विकारणा:—— इसकः अयुक्तः काव्यां आरि पर्या का, या उक्तः निभित्यमः, के अभ्याम २०-क में परिभाषित **ह**ै, रखी सर्थ द्वीगा जी उस **मध्यान में दिया** नवा ड्र*े‼

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिएका पर्वे० नं० 41 (पार्ट), प्लॉट नं० एफ 46, एफ 47, एफ०-48 श्रोशिवरा, बम्बई है।

श्रन्भूची जैंगा कि क सं० अई-2/37ईई/24129/85-8 6 ग्रीर जो सक्षम पाबि जारी, वण्यई हारा दिनाँक 26-8-198 5 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय. सक्षम प्राधिकारी, गहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

दिनौंक: 14-4-1986

राय.

______

## प्रथम् कार्यः हर्षः स्थः व्यक्तानानाना

बावकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### धाउन चुडका

कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीसण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौक 14 भन्नेल, 1986

सं॰ मई-2/37ईई/24130/85-86:—म्ब्रत मुझे, प्रशांत

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'ठक्य निधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ज के नंधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परिता, जिसका जीवत वाचार मृख्य

1,00,000/- फ. से निधक है

मौर जिसकी संख्या सर्वे नं० 41 (पार्ट), मोशिवरा, मन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है (घौर इससे उपावद प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 26-8-1985

को पृथा कित सम्मत्ति को समित बाबार मृत्य से कम को स्वसमान प्रतिफ सं को निष् अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्मति का उचित बाजार मृत्य, असको स्वसमान प्रतिफ सं, एसे स्वस्मान प्रतिफ स का पन्छ प्रतिकृत से अभिक है बौर अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (बंतीरितियाँ) के बीच एसे बंतरम के सिए तय पासा गया प्रतिफ सं, निम्मिसिस अध्योव से उच्य बन्तर सिंग्डित में बास्त्रविक रूप से किया नहीं किया नवा है है—

- (क) श्राच्याल वं श्रुष्ट कियी नाम की नामत, उनत विभिन्नियम के व्योग कर वाने के बन्तातक के दायित्व में कमी करने वा उत्तर्ध क्यमे में श्रीविधा के मिए;
  अधि था
- व) ऐसी किसी अंथ या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयं-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्यदित्ये ब्वारा प्रकट वहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

बंदाः वयः, अन्त वर्षमिनयमं की भारा 269-वं के बन्तरणं वे, में, उन्त विभिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—

- श्री रसीकलाल के० शाह श्रीर महेन्द्र श्रार० शाह । (ग्रन्तरक)
- 2. मैं मर्स हंसडवानी होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेंड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष् ह—

- (क) इस रचना में उप्रयुक्त में प्रकारक् की तार्डीय से 46 दिन की अवृद्धि वा बरण्यक्षी व्यक्तियों दूर बूचना की तामील से 30 दिन की नगीय, यो भी नगीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा?
- (क) तस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

त्यच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों आदि वदों का जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में देवस नदा हैं॥

### THE REAL PROPERTY.

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 41 (पार्ट), प्लोट नं० एफ० 28, एफ-55, एफ-56 श्रोशिवरा, बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/24130/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 26-8-1985 को रिजस्टिं किया गया है।

प्रणाँत राय, गक्षमप्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, क्षम्बई

तारीख: 14-4-1986

मोहरः

## प्रकल कार्य : टी. एम : एवः ५ ५ - ----

# बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वना

# महात रहकार

कार्यासन्, सहायक नायकार नायुक्त (निरुक्तिण) धर्णन रेंज-2, बम्बर्द

बम्बई, दिनौंक 14 धप्रैल, 1986

निर्देश सं० मई-2/37ईई/24131/85-86:--अतः मुझे, प्रशांत राय,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिलें इसमें इसके पेश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के जभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निक्वास करने का कारण है कि स्थानर तम्मित्ता, जिलका उजित गाणार मूल्य 1,00,000/- रू. व जिथ्छ हैं श्रीर जिलका उजित गाणार मूल्य 1,00,000/- रू. व जिथ्छ हैं श्रीर जिलका उजित गाणार मूल्य 1,00,000/- रू. व जिथ्छ हैं श्रीर जिलका उजित गाणार मूल्य गीर जिलकी संख्या सर्वे नं० 41 (पार्ट), घोशायरा, भन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित हैं), भीर जिलका करारनामा आय-कर भ्रधिनियम, की धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधि-कारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, सारीख 26-8-1985

क्ये पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए जन्तिरत की गर्द है जीर मूओ वह विश्वास करने का कारण है कि वभनपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल का नन्द्रकुप्रतिचत से अधिक है बौर बन्तरक (जन्तरकों) और जन्त-रिकी (जन्तरितिकों) के बीच एते जन्तरण के लिए तब वाया गवा प्रतिकल, निम्नोलिकित उत्परिय से उक्त अन्तरण निविक में बास्तिक रूप ते कथित नहीं किया गया है:——

- (क) विच्यारण के क्ष्यूद्र किया भाग करी वावक-, रुप्तय विभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (व) एची किन्नी नाय वा किसी धन ना जन्त नारितवाँ को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत नाधिनियम, वा धनकर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोव-नाध नन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा वा किना वाना वाहिए था, कियाने के बुक्तिया के निए।

अंदश जब्, जन्म क्षिनियम की घारा 269-म् के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की जयभारा (1) में भर्भन , निम्निक्षिण व्यक्तिको हामांच् क्ष-24—86GI/86 1. श्री भूपेन्द्र रसीकलाख शाह ग्रीर भ्रम्य

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स हंसडवानी होस्डिंग प्राइवेष्ट लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करने पूर्वोक्त तज्यक्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उन्नत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बालेंग ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबवृव किसी अन्य व्यक्ति वृवास अभोह्स्ताक्षरी के पास लिवित में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो अवस्य अभिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिवा गया है।

### नम्स्नी

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 41 (पाट), प्लोट नं० एफ० 49, 50 ,51 श्रोशिवरा, बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/24131/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 26-8-1985 को रिजस्टडं किया गया है।

> प्रणौत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्बई

दिनौंक: 14-4-1986

प्ररूप आर्ड्,टी.एन.एस._----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व (1) के ब्योन व्यन**ा

### **बारक क्षेत्रकात**

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 श्चर्येल 1986 निर्देश सं० श्चर्र-2/37ईई/24123/85-86:---श्चतः मुझे, प्रशांत राय,

बावकर बिश्तिनमा, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उनत विश्तिनमा' नदा वा है), की शास 269-स के वशीन संसम शांशिकारी को., यह विश्वत करने का कारण है कि स्थानर संपर्ति विस्तक उचित समाह कुन्य ;

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

पौर जिसकी संख्या यूनिट नं 201, 202, 233, 234,
एच विल्डिंग, श्रंसा इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, श्रन्धेरी (पु), बम्बई72 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रौर पूर्ण
रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा शायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 30-8-1985
को प्राांचत सम्यत्ति के जीवत बाबार मून्य से कन के स्वमान
विषय के निष् बन्दरित की वहाँ है, बीर मुखे यह विकास
करने का बारण है कि बचाप्नोंकत वंगतित का जीवत् वादार
पूर्ण, वसके सन्ताव श्रीतकत वं एसे स्वयान शतिकत का पंदा
शतिकत से विषय है और बंतरक (अंतरका) बार वंतरिती
(बन्दरितवा) से बीच एचे बन्दरण के निष् वन पाना दवा
शिक्तक, विन्तिविद्य स्वयंक्ष वहीं किया पदा है है—

- (क) सम्बद्ध वे हुई किवी बाद की बावत उक्त अधिक जिन्दा के क्वीद कर पोने के बाक्टरक के दाजिला हो कभी करने वा उक्को वक्षने में वृत्तिभा के जिल्ला; बीए/वा
- (व) एवी किसी नाण वा किसी वन या अन्य बास्सियों की, चिन्दुं भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 वर्ष 11) वा अप बीधनियम या धनकार वीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनाओं कन्तरिती कुवाब बेक्ट कहीं किसा प्रया था था किस्त बेक्ट कहीं किसा प्रया के सिद्दुः

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त बीधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीनक निस्नानियस व्यक्तिकारों, स्थाहि ड—— 1. मैंसर्स ग्रंसा बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स भास्कर सीनथेटिक मिल्स।

(अन्तरिती)

को कह सूथना बारी कारने पृत्तीकत सम्मत्ति व वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त क्यरित के वर्षय के क्याप में कोई भी शास्त्र ह---

- कि इस प्रभा के राज्यन में प्रकारण की तारीय के 45 विश्व की संबंधि वा तत्वंत्रंथी व्यक्तियों पर नृज्या की तामील से 30 विश्व की संबंधि, को भी संबंधि वाद में समान्य होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाहा;
- (ख) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के वास विकास में किए वा सकेंगे।

स्पछ्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, को उस बच्याय में दिया गर्य है।

### अनुसूची

यूनिट नं० 201, 202, 233, 234, जो एच बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, श्रंता इण्डस्ट्रिल, इस्टेट, साकी बिहार रोड, साकी नाका, श्रन्थेरी (पु), बम्बई 400072 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/24143/85 कि श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 30-8-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

सारीखाः 14-4-1986

प्रकल मार्ड . बी . एन . एवं ५०००००वर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के बधीन सूचना

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 श्रप्रेल 1986

निदेश सं० ग्राई--2/37ईई/24164/85--86ः----ग्रतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मुख्य रह. 1,00,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लॅट नं ० ए 43, सीमा श्रपार्टमेंट, बान्द्रा, वम्बई 50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 30-8-1985 को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान श्रिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृहो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जमके श्रयमान प्रतिफल से दृशे स्रयमान प्रतिफल के पंक्र श्रीसवत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्हरितियों) के बीच एंड अन्तरण को लिए तय पाया गंवा श्रीहफल निम्नसिवत उच्चंदर से उक्त कन्तरण कि लिए तम पाया गंवा श्रीहफल निम्नसिवित उच्चंदर से उक्त कन्तरण कि लिए तम पाया गंवा श्रीहफल निम्नसिवित उच्चंदर से उक्त कन्तरण कि लिए तम पाया गंवा

- (क) अभ्यारण से शुद्ध किसी बाक की सम्बद्ध, उनत नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) होती किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा वी किहा

अक्षः अत्र, अन्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुतरण जी, जी, समत अधिनियम की धारा 269-न की उपभास (1) के नधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभीत्:--- 1. श्रीमतो इस्थर ग्रजाहोम।

(श्रन्तरक)

 एन्थोनी जूलीयन डी० सील्या श्रीर पेट्रीसोया मेरी डी सील्या।

(भन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके **ग्र**धिभोग में सम्पत्ति है)।

भी यह तुमना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उसत सम्पत्ति के नर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ::----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 36 दिन की अविधि, जो भी अविधि आदि में स्योप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसा क्यक्ति दुशरा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मं त्रकाशन की तारीस सं 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य कित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तरणः — इसमें प्रश्यंत शत्थां और पदों का, जो उक्त श्रांधनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं!

### अनुसूची

फ्लॅट नं ० ए-43, जो, सीमा श्रार्टमेंट, बूलोक रोड, बेंड स्टेंड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रतुल्वी जैंग कि ऋसं० श्रई-2/37ईई/24164/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनौंक 30-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रगांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंजे⊸2, बम्बई

दिनाँक: 14-4-1986

प्रकप बाई.टी.एन.एस.----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को सभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सह्यायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, बिर्नाक 14 अप्रैंल, 1986
सं० शई-2/37ईई/24200/ड5-86:--अतः मुझे, प्रशांत
राय,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

पौर जिसकी संख्या फ्लैट नं । ,सुरबाला, बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित हैं (शौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है, श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधि- नियम की धारा 269 क, खंके प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 30-8-1986 को पूर्वाक्स संपित के उचित बाजार मूस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एोसे क्ष्यमान प्रतिफल का पेन्द्र प्रतिकार से अभिक है और अंतरिक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल नियमिश्वत उद्योग्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) णेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनाथ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुजिधा को लिए।

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अस्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों; अर्थात् :---

- 1. श्रीमती गीता तुलसी दास बनवारी। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती पुष्पा किशन चन्द रहेजा श्रीर
   श्री श्रशोक किशन चन्द रहेजा।
   (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में दित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्त्ची

फ्लैंट न'० 1, सूरवाला, 287, एस०वी० रोड, बान्द्रा, बम्बई $\sim$ 400050 में स्थित है।

भ्रनुस्की जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/24200/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 30-8-1985 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारी**ख**: 14-4-1986

### त्रुक्त् नार्ड[्] द**ो । ए**न*्*युक्त्_{र=====}

बावकर वांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यात्तम, सहायक जायकार जाग्यतः (निर्दाक्षण)

भ्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 14 ग्रग्रैल, 1986

सं ० प्रई-2/37ईई/24287/85-86:-- प्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी संख्या शांप नं० 12, 13, वर्टेक्स विकास बी भ्रान्धेरी (पू०), बम्बई → 69 में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), म्रीर जिसका करार-नामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, सारीख 30-8-1985

को प्थंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्लार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर्ण कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी शन्य या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भवकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

बतः बन, उपत विधिनियमं की भारा 269-व के अनुभरणं में, में, उकतं अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, नियनचित्रित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. मैसर्स विशाल उद्योग

(भ्रन्तरक)

श्री शाह किशोर कुमार कुवरजी श्रीर
 श्री शाह गौतीलाल कुवरजी

(मन्तरितो)

## को वह सूचना छारी अरखे पूर्वोक्त कन्नीस में अर्थन के जिए कार्यगाहिमां करता शुं।

उक्त बंपित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी विध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद् अ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास हिरिकत में किए जा सकोंगे।

स्यध्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

## कुरूची

शाप नं० 12 ग्रीर 13, जो तल मंजिल, वर्टेंक्स विकास बी, भ्रन्धेरी कुर्ला रोड, भ्रन्धेरी (पु), वम्बई-400069 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/24287/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय; सक्षम प्राधिकारो, सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, सम्बर्फ

दिनांक: 14~4~1986

मोहर 🕫

# **१क्ष्य वाह्र क्षेत्र स्व ्या** प्राप्त वाह्य वा

वावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा भारा 269-च (1) के बंधीन संज्ञना

#### ALEG SERVE

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजन रेज-2 बस्बर्ध

बम्बई, विनांक 14 भन्नेल 1986

निर्देश सं० अर्थ 27,37ईई,23341,85 86:--- श्रतः मुझे, प्रशांत राय

भायकर जिनित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इत्तमें इत्तमें प्रथमत् 'उन्त विधिनयम' अहा गया हैं), की वारा 269-व के जभीन दक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का धारण हैं कि स्थापर सम्मति, विवक्ता उचित नावार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

और जिसक संख्या केणजा प्लाट नं० सी० 5 ई० ब्लाक बाल्द्रा (पु) बम्बई 51 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम को धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रो है तारीख 2-8-1986

को पूर्वेकित सपित्य के जीवत बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रिपिक्स के निष् बन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारच है कि स्थाप्त्रेंकत संपत्ति का जीवत बाबाउ मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रस से एसे दृश्यमान प्रतिक्रस के एसे दृश्यमान प्रतिक्रस के गंग्रह प्रतिक्रत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतियितियों) के सीच एसे बंतरण के निष् एयं पाया चया शृक्षिक किमारित के इंडिक्स किमारित के सामारित के सामार

- (क) बश्वरण से हुई किसी नाम की बायत_ा उपत विश्वसम्बद्धी संदीय कर दोने के बस्तरक के दादित्व में क्रमी करने वा संदर्ध वजने में बृष्टिभा के सिंह: शरि/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य कास्तियों को चिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाबा वाहिए वा, जियाने में सुनिधा के निए;

अराः वय, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के नवुसरण, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधादा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नथित् :—

- 1. माधवा यूनाइटेंड होटलस (इन्टरनेणनल) लिमिटेड (प्रन्सरक)
- मसस ग्रपट्रोन इल्डिया लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त बस्मीत के अर्थन के खिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाक्षेप छ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को जी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारींच वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वर्ष किसी मन्य व्यक्ति व्यास, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए चा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त जिम्मियम, के अध्याय 20-क में परभावित है, वहीं लिर्घ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

केशवा बिल्डिंग का तल माला जो प्लाट सो० 5 ई ब्लाक. बान्द्रा कुली कर्माशयल काम्पलेक्स बान्द्रा (पु) बम्बई 400051 में स्थित है।

श्रनुसूचो जसा कि क सं० श्रई 2,37ईई,23341/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

दिनांक। 14- 4- 1986 मोहर:

## **इक्न बार्**ं द्रौ_य पुन*् पुन*्य <del>क्रायान्य व्य</del>

भागकर मिर्मिन्छ 1961 (1961 का 43) की गाब 269-म (1) के नमीन स्मृता

#### भारत सरकार

भाषांसय, सहायक माचकर नायुक्त (निरीक्रण) श्रजैन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० प्रई- 2/37ईई/23473/84-86-- मत मुक्ते, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित वाकार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या शाप नं० 3 मेघदूत सोसायटो खार बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ध्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मूँ रजिस्ट्री है, तारोख 5-8-1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान श्रीतफल के निष् अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से एसे छ्रयमान प्रतिफल का ग्रिष्ठ प्रतिकृत से बाधक है और अंतरक (असरका) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निष्ठ तय पाया गया प्रति-क्त, निम्नशिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिवित में वास्त-विक रूप से कथित मुद्दी किया गया है

- [क्क) अन्तरण से इन्हाँ किसी बाद की बादत उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कमी भारते वा उससे वचने में सुविधा के लिए; वर्षिट/या
- (क) एसी किसी जान ना किसी भन ना अस्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर सीभीनयम, 1922 (1922 को 11) या उसत अभिनियम, या भन-कर विभिन्यम, या भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया नवा ना या किया नाना चाहिए ना, छिपाने में ब्विभा के सिक्;

बत बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-न **से जन्यरक** ﴿, में इक्त विधिनियम की धारा 269-वं **की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धा**र**:—  श्रो एच० श्रार० बल्जा और श्री किशोर चाँद मनाकवाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती लैंना शौंका लालानी

(भ्रन्तिरती)

3. श्रन्धरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिपोग में सम्पत्ति है)।

को कह सूचना बादी करके पृक्षीनय सम्पृतिस के वर्षन के प्रियुष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### अबद कर्नात् के वर्षन् के बुक्त में कोई श्री वाबीर्ध-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी अन्व व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाक निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा का उस क्ष्याय में दिया गया है।

### **श्र**न्यूची

णाप नं० 3, जो तल माला, मंजिल, मेघदूत, को श्राप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लिकिंग रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० शई-2/37ईई/23473/84-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-4-1980

मोहर ।

## प्रस्य आईं.टी.एन.एस.------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारतं नरकार

## कार्यासन, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2 वस्वडी

बम्बई, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/24079/85-86--अत मुझे, प्रशांत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गवा हु"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 447 448 74 जी बान्ता (प०) बम्बई-50 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख

26-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है जीड बन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्नितियां अबुवियं से अन्तर अंतरण विचित्त में वास्तिक स्थ से कवित महीं किया ववा है क

- (क) वंतप्रण से हुई किसी बाब की वाबल्त क्ष्म किसीनवम के लभीन कर दोने के बन्तरक के दासिक्त में अभी कारने या उससे नकते ही स्विधा के लिए; ,बाह, 'या
- (र) एसी किसी बाब वा किसी धंत वा अन्य वास्तिकी वर्ते, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विमा के रिक्यः

कतन अब उनता विधित्तवन की भाष २६०-ग के वनुसरण ने, ने, उनते विधितवम की भारा 269-म की उपभारा (1) से संभीत, तिस्तिविधित व्यक्तियों, वर्धात :---

- 1. श्री लक्ष्मी कांस नारायन दास और श्रन्य (श्रन्तरक)
- 2. महेरजी के० मिस्त्री

(भन्तरिती)

3 भाड़ोसी

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह सूचना चार्टी कहरके पूर्वीक्स संपरितः के अर्थन में निय् कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की नविध, को भी नविध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दवारा:
- (च) इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन का तारांच स 45 यिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्च न्यक्ति बुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकी।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों बाँद पर्यों का, को उक्त बाँचनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को जम बध्याय में दिया क्वा है।

### घमुसूची

जमीत का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 447, 448, 64 डी, एन० डी० मार्ग बान्द्रा (प०) बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईईई/24079/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 26-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारोः सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेज-2 बम्बई

दिनांक: 14-4-1986

मोहरः

प्रकृष आहें.टी. इस. एस : -----

भायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

#### गाल रहता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रोज- 2 वम्बर्ष

बम्बई दिनांक 14 अप्रैल 1986

निर्देण सं० श्रई- 2/3 7ईई/24290/85- 861-- श्रत मुझे, प्रणांत राथ,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके पद्मात् 'तकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास कारने का कारण हैं। कि स्थावर सम्बन्धि, दिलका अभिन अभिन सन्य 1,00,000/- रह. से अभिक हैं

और जिसको संख्या मी० टो० सर्वे नं० 109 कोंडोनिटा विलेज श्रन्थेरी (पु), वस्वई में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप ते बागत हैं), और जिसका बरारनामा श्राथकर श्रिधिनियम की धारा 269 के ख के श्रिथीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं। नारीख 30-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितं बाजार मूल्य से इस के इस्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अरने का कारण है कि वभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित नामार मूल्य, इसकं सम्पत्न प्रतिफल है, एसे अयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितयां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) यन्तद्रभ से हुव किसी बाय की वायक, उन्स विधिनियम से बधीम कर योगे के वंसरक के एतिस्ता की कभी नारने या उससे यदने या साविता र १९२० और १४
- (वा) एसी फिसी बाब या फिसी धन था कथा कास्तियों का, किए भारतीय कारकार कांधीनणय, 1922 (1622 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा मकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था छिपाने में सुविधा ने लिए;

1. श्रा मकपूद जहर दाव

(ग्रन्तरक)

2 शिवलाल रहनावार और प्रेम एच० लाल**वानी** (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना चारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त संपरित के कवंग के सम्माभ में काई भी वासप:---

- (क) इस न्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, श्रो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेकिं व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

हमध्योकपणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अभिनयम की अध्याय 20-क में परिशाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया। गुमा है।

### वनुस्यी

जमीन का हिस्सा सी टी सर्वे नं 109 राम कृष्णा रोड णिबसेना श्राफिम के पास कोंडा विटा विलेज श्रन्धेरी (पु) बम्बई है।

श्रनुमूची जैसा कि क सं० शई-2/37ईई/24290/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिलाक 30-8-1985 को रजिस्टर्ड निया गया **है**।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारः गहायक ग्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2, बम्बई

नारीख: 14-4-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्~2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 श्रप्रैल, 1986

निर्देण सं० श्रई-2/37ईई/23430/85-86:—-प्रनः मुझे प्रणांत राथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 6/बी, पर्ल क्वीन मोसायटी, सान्ताकुज, (प०), बम्बई--54 में स्थित है (और इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधितियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 2-8-1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूला, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्ननिसित् व्यक्तियों, अर्थात :-- 1. श्रीमती लभ् बेन चन्द्रभाई पारमार

(अन्तरक)

2. श्री म्रजित रसीकलाल संघवी और श्रीमती मालीनी म्रजित संघवी

(अन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लंट नं० 6 बी, जो, तीसरी मंजिल, पर्ल क्वीन को-ग्राप हार्जीसग सोक्षायटी लिमिटेड, नार्थ एक्त्यू रोड, सान्ताक्रुज, (प०), बम्बई 400054 म स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि ऋम सं० आई-2/37ईई/22340/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख : 14-4-1986

_____

प्रका बाह्", टी. इन . एव------

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-म (1) के अभीन कुधना

#### भारत चहुन्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/23558/85-86:-- श्रतः मुझे प्रशांत राव,

बावकर विपितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे द्वायों इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के विभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावह चम्मीत, विसका उपित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 2, पार्ली स्नेह मिलन, विले पार्ले (प०), बम्बई – 56 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1985।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिति उच्चेक्त से उक्त बन्तरण सिवित में नास्तिविक इस के किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाब या किसी भन वा जम्ब जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए जा, जिपाने में सुरुष्धा को जिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण कैं, कैं, खक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निकाबित व्यक्तियों, जर्मात् ध--

1. श्री स्वरूप नन्द किशोर भट।

(अन्तरक)

 श्री जितेन्द्र गुलाबराय मेहता और श्रीमती तपी बाई गुलाबराय मेहता

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ब्यान के राष्ट्रपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की वर्गीय या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की वर्गीय, यो भी सर्वीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इब ब्रावना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के शीसर उक्त स्थावर सन्पत्ति में दिस- वंद्रभ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोद्द्रसाक्षरी के पास सिविस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इतमं प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याद 20-क में परिश्राधित है, नहीं अर्थ होगा, को उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 2, जो पहली मंजिल, पार्ली स्नेह मिलन कोड श्राप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भगत सिंह रोड, बिले पार्ले (प०), बम्बई 400056 में स्थित है।

प्रनुसूची जैंशा कि करु संरु ग्रई-2/37ईई/23558/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राव, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक: 14-4-1986

प्रकम बाह्र, टी. एन. एस. -----

1. श्रीमती अयेशा असाद सिद्धीक

(अन्तरक)

2 मंश्रमं स्पार्टन इलीक्ट्रीकल्स

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में नधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज~2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/23664/85-86:-- श्रतः मुझे; प्रशांत राय,

*बायकर ब*िधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- इ. के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलट नं० 201. गजदार प्रपार्टमेंट, सान्ताऋष (प०), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध ग्रनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, **ब**म्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 9-8-1985

की पर्वोक्त सभ्यति के उचित वाबार मूल्य ने कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्ते यह विश्वास **करने का कारण है कि यथाप्**र्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का र्गब्ह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) जार अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त **मन्तरण निर्विद्य** में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरम से हुए किसी माथ की वाबस, सक्त अधिनियम के अधील कर दोने के अन्तर्क की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में द्विचा ओ चिए: बीस/य.
- (क) एंसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तिओं की जिन्ही भारतीय बाव-कार विधिनिवस्य 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर वर्षिपुनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ववा भा मा किया छत्या प्रशिष्ट था, क्रियाने में त्तिभा के विद्

**कतः स्व**, अक्त अभिनियम, की भारा 269-ग को अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🕸 अभीन, निम्नीसर्वित व्यक्तियों, वर्षीत् 🕬 🗝

को यह बुक्ता जारी कड़को पूर्वोक्त सम्परित को ध्वान की लिए कार्यवाहियां कारता हा 🏗

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की नवींच ना शत्सम्बन्धी नावित्वों सूचना की तामील से 38 दिन की बनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुना कर न्धन्तियों में से किसी म्वन्ति दुवारा;
- (क) यद सूच्या के हार्युग में प्रकारन की तारीं सु क्ष 45 दिन की भीतर उक्त स्थावह सम्पत्ति में हित्रवर्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरो के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- कममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उनस मिपिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं मही नर्ग होना यो उस वध्याद में दिया ल्या है।

#### नग्स्यी

फ्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, जगदार ग्रपार्टमेंट, जुह तारा रोड, बम्बई-400053 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि क्रम सं० श्रई-2/37ईई/23664/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-4-1986

प्रसम् बार्च, दर्ग , एव , प्राच्यान्याय्य

मायकार विचित्रियन, 1961 (1961 ध्यः 43) क्यी भारा 269 च (1) के मधीन कुपता

अरु मुख्कार

कार्यालय, शहायक वानकर वायुनत (विरोधान)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 14 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/23835/85-86:--ग्रतः मुझे, प्रणांत राव,

बायकार बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पर्यात् (जिस्त अधिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-ल के नधीन कारम प्राधिकारी को यह विश्वाक करने का कारण है कि स्थावर भंदति, जिसका उचित बाबार मून्ध 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी गंख्या फ्लैंट नं ं 4 सी, बालमोरल, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिस्त्वा करारनामा आयकर प्रिवित्यम, की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यानम, बम्बई में गिजरूदी है, नारीख 16-8-1985 के प्रबंधन सम्मौति के उपाय भाषार म्स्य से कम से प्रथमाम प्रांतक्त के स्थापित की नई है और नृत्ते यह विकास करने का कारण है कि वचापुरोक्त संस्थीत का उपित बाजर मृत्य, जसके क्यावान प्रतिक्त से, एसे अवसाम विषय का पंत्र प्रतिकत से नौपक है और बंदारकों) को उपाय प्रतिकत से विषय के विषय के विषय से विषय से विषय से विषय से विषय से विषय में विषय

- (a) अण्डारण से हुन्दी किन्दी साम सी साथक, संकर्ष अधिनियम की अधीन कार योग को अन्तरक की दाविका मी कमी कारते या जन्म बचने में सुविधा की जिल्हा मी का
- एसी किया अगय था किसी अभ या सन्य सास्तियों की, जिन्हें बारतीय भायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति सिभिन्यम, या धन-ऊर सिभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के असोजनार्थ रन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यों सुविधा की किया

धत: तब, उन्हा विभिनितम की नारा 200-न मा नन्तरण भी, भी, उन्हा जीवनिवस की नारा 269-न की उपनारा (1) वे वधीन विकासिक स्वीत्सकी, मन्त्रीस प्र---  श्री एम० टी० गुरसहनी और श्री श्याम जी सूजन।

(अन्सरक)

 श्रीमती पूरीन के० कामा और श्री फीराज के० कामा

(अन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्यायाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मां कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 ितन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित मों किए आ सक्तरी।

स्थानिकरण : ---- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का., को उनक्र भीभिनियम को नध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

फ्लैंट नं ० 4 सी, जो श्रीथी मंजिल बालमारेल सेफीर को-ग्राप हाउसिंग सीसायटी लिमिटेड, माउन्ट मेरी रोड, बान्द्रा, बस्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंभा कि फ्रम सं० ग्रई-2/37ईई/23835/85-86 और जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहावक स्रावकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जंग रेंजं⊢2, बम्बई

नारीख: 14-4-1986

## प्रकृत बार्षाः टी, प्रा. प्रान्तवन्त्रवन्त्रवन्त्रव

जाभकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सुखना

#### भारत सरकार

क्रयांलय, सहायक आयकर जायुक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 ग्रप्नेल, 1986 सं० श्रर्ड-2/37ईई/23954/85-86 — श्रत: मुझे, प्रशांत राय,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 3, लक्ष्मी निवास, विले पालें (प०), बम्बई-56 सें स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 22-8-1985

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से क्रम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृस्य, उसके दृष्टयमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टयमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिति उष्टृष्टिय से उन्तर अन्तरण कि सिंवत में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निष्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति अधिक्तयों, अर्थात् :—— श्रीमती पूननीमाबेन किरीतकुमार दबे

(ग्रन्तरक)

2. श्री बलवन्त भाई कॉती लाल पटेल, श्री गौरंगभाई के० महादेवीया श्री ग्राशुतोष भाई के० महादेवीया श्रीमती उषीला जी० गौरंगग्रौर श्रीमती मीरा ग्राशुतोष महावेवीया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्थन को थिए कार्यनाह्यां सूक्त करता हूं।

## उनत सम्पत्ति के अर्जन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंशार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित.⁴ क्यूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त जब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्स्ची

पलैट नं० 4 जो पहली पंजिल. लक्ष्मी निवास, बजाज रोड, विले पार्ले (प०), बम्बई-400056 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० छई-2/37ईई/23954/85 -86 ग्रीर जो सक्षय प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 22-7-1985 का रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशॉत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनाँक : 24-4-1986

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) को अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 11 श्चर्पेल 1986 सं० श्चर्ड-2/37ईई/24103/85-86:--- ग्रत मुझे, प्रणांत राग,

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके पश्चात् 'उन्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्तात करने का कारण हैं कि स्वावर सन्पत्ति, विसका उचित वांचार मूच्य 1,00,000/- क. से विभिन्न हैं

1,00,000/- क. स नाधक हैं

श्रीरिजिसकी संख्या फ्लैंट नं० 51 स्वर्णा सानाक्ष्ण, (प०),
बन्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर
श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रिजिट्टी है, तारीख 26-8-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाखार मूच्य से कम के दण्यभान
श्रीतफल के लिए संतरित की गई है और मुभी यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित क्षवार
मूच्या, उसके दण्यमान श्रीतफल से, ऐसे दण्यभान श्रीतफल हो
गंद्रह प्रतिशत से जिधक है और नंतरक (गंतरका) बार बंत-रिती (श्रंतरितया) के बीच ऐसे गंतरण की लिए तय पाया प्रया
गतिक क्य से कथित गड़ाँ किया गया है है---

- (क) अभ्याद्भ दं हुई किसी बाग की बान्ता अवस्त कर विकास के बचीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी कान ना किसी पन ना कल नास्तिनों को, चिन्हों भारतीय नान-कर निर्मियन, 1922 (1922 का 11) या उनके निर्मियन, या धन-कर समितियम, या धन-कर समितियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोगनार्थ सम्बद्धिती इनारा प्रकट नहीं किया गया ना ना किया बाना चाहिए ना, कियाने में सुनिधा स्विधा में स्थित;

विशेष क्षत्रकः, उपने वीविषयमं की पारा 269-म के वन्तरण में, में, उस्त विभिन्यमं की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री भ्रम्बास के हकीम

(श्रन्सपक)

2 श्री कोल वीभद्रा सिंह

। प्रश्ने रिती )

3. श्रन्तिंगती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करका हैं।

### बक्द सम्बद्धि के वर्षन के दंबंध ने कोई भी बालेप ह-

- शुंक) इस सूचना के राधपण में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जनकि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराः
- (क) इस ब्रूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी क्ष्म व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए वा सकते।

स्वक्षीकरणः --- इसमें प्रमुक्त सन्यों और पदों का को उनक विभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हीं,। यहीं तर्य होंगा, को उस अभ्याय में दिशा नवा ही।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 51, जो पांचवीं मंजिल, म्वणि चेपेल क्षेत्र सान्ताऋज, (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्ररुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-2/37ईई/24103/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 26-8-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधि हारी, सहायक श्राप्तकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राप्तिन रोज-२, बग्बई

दिनांक: 11-4-1986

मोहरः

## प्रकृप बार्ष : दी : एस : , इत : -----

## जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की आप्त ?69-म् (1) वे अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेजि--2, बस्बई बग्बई, दिनांक 11 श्रमेल 1986 सं० ग्रई--2/37ईई/24110/85--86:---श्रत: मुझे प्रशांत राय,

नायकर मीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रकार 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षप्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

ष्ट्रीर जिसकी संख्या पलैट नं० 104, जुड़ बीच हैवन 2, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध शनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क. ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजिन्द्री है, तारीख 26-8-1985

को पूर्वे चित तैपरित के उमित बाबाइ अन्य से कम के दिवसान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित हो गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सस्मति का उमित बाबार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिपत्न से, एमे व्हयमान प्रतिपत्न से, एमे व्हयमान प्रतिपत्न का पन्त्रह प्रतिवृत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना प्रतिपत्न निम्नितिवत उद्देश्य से उनत अम्तरण निवित को वास्तविक क्य से किथात नहीं पाया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्स जिभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक की दासिरण में कभी करने या उससे अभने भें सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी कियी आय या किसी पन या अन्य जास्तियों की, जिल्हों भ रतीय व य-कार अधिनियंत्र, १९२२ (1922 का 11) या उनत अधिनियंत्र, या अन-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरी ब्यारा प्रकट नहीं किया भया था या जिल्हा आता जातिए या, किया व स्वित्र विकास विवास विवास

शतः शव, उक्त निधिनियमं की भारा 269-ग के अनुहरण भें, में, उक्त निधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के निधनिया विकास की भारा 269-म 1. श्री जी० डी० राव श्रीर श्रीमती निर्मला डी० राव

(अन्तरक)

 श्रीमती पृष्पा भाग चन्दका भ्रौर श्री भ्रोम प्रकाश झ्नझ्नवाला

(भ्रन्तरिती)

को यह स्यान बारी करके पूर्वाक्त सम्प्रील के कर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस धूमना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीश भी 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर इस्ता की तामील से 30 दिन की संविधि, सो भी संविध में समाप्त होती हो, के भीतर स्वॉक्श ध्यक्तिया। में रें किसी क्यकित दुवारा:
- (क) इत स्थान के हाथ्यत्र में प्रकाशन की तारी वृधे 45 दिन के शीत्र उक्त स्थावर संख्याता में दिलवद्ध किसी जन्म स्थानत द्वार, जभोहस्ताक्षरी के पाड निक्ति में किए का सकेंगे:

स्थलकीक रण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों आहे पदों का, जो सकत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी शर्भ होंगा को स्म अध्याम में दिसा सवा है।

#### मन्स्ची

फ्लैट नं० 104, जो,जुह बीच हेवन 2 को० आप० हाउिस्ग सोसापटी लिमिटेड, जुहू तारा रोड, जुहू बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा वि: क० सं० अई-2/37ईई/24110/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांव: 26-8-1985 का एजिस्टई वियागया है।

> प्रणांत राय, सक्षम प्राधिवारी, महाया श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, अध्वर्ष

**नारीख:** 11−4-1986

THE PERSON AND PROPERTY OF THE PERSON OF THE

मक्य आई.टी.एन.एस.-----

जायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 श्रप्रैल 1986

सं॰ श्र हि-2/37 होई/24152/85-86:-- अतः मुझे, प्रशांत राय,

नाएकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 6, जोशी ग्रपाटमेंट, सन्सः श्रुंज (फ्), बम्बई 54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावत ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), भौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिम्ट्री है, सारीख 29-8-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई और मुझे यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तब पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्त में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है ड़—

- (कां) जन्तरण के शृध किसी भाग की बाबत, उक्त, अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के कायित्य में कमी करने या उसते बचने में स्वीवधा के सिए: और/या
- (क्र) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जल, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री मोहनलाल लालजी पटेल घौर
 श्री लक्ष्मन लालजी पटेल ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नन्द लाल डी० छन्नीया श्रीर श्रीमती जैयन्ती एन० छन्नीया

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट्ठ- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक करण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

लैट नं० 6, जो, दूसरी मंजिल, जोली श्रपार्टमेंट, को० ग्राप० हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, सरस्वती रोड, सान्ताकुज (प०), बम्बई-400054 में न्यित है।

मनुसुची जैसा भि कम सं० ग्रई-2/37ईई/24152/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-8-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रसांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 11-4-1986

मोहर 👙

26-86GI/86

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

बावकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

#### शारत धरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 11 अप्रैल 1986

निर्वेश सं० ऋई-2/37ईई/24240/85-86:-- अतः मुझे, प्रशांत राय,

सायकार निधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. चित्रका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिन्नो संख्या पर्नैट नं० 15 कैलाश द्वीप, विले पार्ले (न०), बम्बई-56 में ल्या है ग्रौर इसने उनाबद्ध प्रनुसूचों में ग्रौर पूर्ग रून से विनित्त है). ग्रौर जिल्ला करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 29-8-1985

की प्योंक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्याबाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का ब्ल्य प्रतिकत से अधिक है बौर अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बौच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- हुँकों सम्बद्ध ने हुन्दें सिक्षी साथ की साथत उनका निविध्यम में सबीच क्यू दोने में श्रन्तरक हैं क्यिया में क्यी कहने या उनके स्वयं में सुविधा में निम्; क्युं/ना
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकंर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बंदः बंद, उक्त श्रीभीनयम श्री पारा 269-१ को अनुब्रश्य है, भी, उक्त अभिनिवन की धारा 269-म की उपवास (१) के अभीन, मिन्निसिबिक व्यक्तियों, वर्षात् :----

1. श्रीमती रसीक कान्ता भालचन्द्र भट

(भ्रन्तरक)

 श्री रमन लाल चिसन लाल गाह ग्रीर श्री रशमी कान्त रमन लाल शाह

(भ्रन्तरिती)

को बह सुकता बारीं करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए उत्तरंत्राहियां करता हैं।

उक्त प्रकारिक के अर्थन के सम्मन्य में कोर्स नी नाकौप ः--

- (क) इब स्था के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी स्पित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

फ्लैट नं॰ 15 जो तीसरी मंजिल कैशाल दीप को प्राप हार्जीसम सोमायटी, लिमिटेड, बजाज रोड, विर्ले पार्ले (प॰), बम्बई-400056 में स्थित है।

मनुस्ची जैता कि क सं० म्रई-5/37ईई/24240/85→ 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनॉंक 29-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुकुत (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौक: 11-4-1986

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.------

नश्यक्तर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाय 269-व (1) के वभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दांक्क)

भ्रजीत रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 11 भ्रप्नेल 1986

निर्वेश सं० मई- 2/37ईई/24284/85-86:→-म्रतः मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इत्यां इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उर्जित बाजार मूक्य 1,00,000/- रहे से मधिक हूँ

स्रौर जित्रको संख्या पर्नैट नं० 5, इमारत नं० 1, स्टारस्ये कालोनी जुहू,, बम्बई-40 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करार नामा स्रायकर प्रधिनियम, की धारा 260 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 30-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृश्व, उसके अध्यमन प्रतिफल है, एसं अध्याम प्रविक्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्वों) के बीच हो बंतर्ज के जिए वह रायण प्रवा अधिकक, विश्वितिक उन्नरेष के बंतर्ज वंतर्ज विश्वित में शास्त्रिक रूप से कथित मुहाँ किया यथा हैं है==

- (क) अंकरण संसूत्र जिल्ली याथ की नायका, सक्द कॉफ्टिनवन के नवीन कर वाने के ननारक के दायित्व वांकनी करने या उक्क नक्षण वांक्टिन के जिए; क्षणिश्या
- (क) ऐसी किसी गाय या किसी धन या गन्य आस्सियों धनकर किशीनवंभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरियी बुधारा प्रकट नहीं किया को, विन्ही गारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वया वा वा किया प्रावा आहिए था कियाओं में सुविधा में निए,

जरत श्व, उपर धौभीनवम की भारा 269-न से बनुसरम में, में, उसर अभिभियम की भारा 269-म की अप्भाय (1) के अभीन, निक्निजिसित व्यक्तित्वों हो अभीत् अच्च 1. श्रीमती कुनुदी नी गामा रोय

(भ्रन्तरक)

2. वीम्को लिमिटे अ

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षय के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बुन्दरित के अर्थन के बन्दान्य में कोई भी बाह्येप अन्न

- (क) इव स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीच के .45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वाम की तासीन से 30 दिन की सविध, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्विधारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाल म नहस वहुष किसी बन्न व्यक्ति इवादा, अभोहस्ताकरी र वाह विकाद में किस वा सकते हैं।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्धां और पद्यों का, जो उक्त निधार निवम को अध्याय 20-क में परिभाग्ति हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो इमारत नं० 1 स्टारस्वे कालोनी, जुहु सारा रोड, बम्बई-400049 में स्थित है

भनुसूची जैसा कि क सं० भ्रई-2/37ईई/24284/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 30-8-1985 को रिजस्टडं किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीच : 11-4-1986

मोहर 🖰

## तकत् कार्य**्टी . एवं . एक** . -------

विकर वरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वर्धीन सुवना

#### प्रार्थ करकार

## भागीनव्, बहायक मानकर मानुका (गिर्याक्षक)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 अप्रैल, 1986

सं० श्रई-2/37ईई/21289/85-86:- अंतः मुझे, प्रशाँत राय,

जासकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 401, सागर प्लाट, जुहू, बम्बई 49 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 30-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्पन्नान प्रतिफल के निए अंतरित की पद है आरे मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके उत्पन्नाम प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का वन्छ प्रतिकत से बाधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के चिह्न तब पाया गया प्रविक्तन, जिल्लाशिक उत्वर्षण से उत्तर बंधका जिल्ला में बालाविक स्प से कांग्त नहीं किया गया है ।

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-कियम के मधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने मा उत्तर्ध क्यने में सुविधा के सिद्; संदि/सा
- (वा) ऐसी किसी बाब या किसी भन वा बल्य बास्तियाँ की चिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंकरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान वाहिए था, किया में स्विभा के लिए;

बीती: भीती, उपित निभित्तियम की भारा 269-ए की बनुसरण भी, भी, उपल की भीत्रयम की भारा 269-ए की उपभारण (६) वै अभीता, विकासिका व्यक्तियम, अध्यक्ति हु----  कप्तान रिवन्द्र सहायं भीर श्रीमती कल्पना सहाय

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रोशन जे० पंथाकी श्रीर कुमारी नीलूफर जे० पंथाकी

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायज्ञ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवव्धे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किक् वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिस्यः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, वो उक्त विध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितं है, वहीं अर्थ होना जो सस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 401, जो सागर सम्बाट ग्रीन फील्डस, ए० बी० नायर रोड, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/24289/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 30-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2,बम्बई

दिनौक । 14-4-1986

## शक्त संदर्भ स्टी_य स्तु यु एक्य -----

## नानकर न्यूजिनियलं, 1961 (1961 का 43) की पाद्य 269-न (1) के नपीन क्षमां

#### THE THE PERSON

## कार्यासय, तहायक मामकर मायुक्त (रिगरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 श्रप्रैल 1986

निर्दोश सं ० श्रई--2/37ईई/23302/85- 86:-- श्रत मुझे, प्रशांत राय,

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार, उक्त किथिनियम, कहा नवा है), की बाड़ा 269-क के कथीन सक्षम प्राप्तिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाव्यर मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पलैंट नं 23, सी, विंग, कन्याकुमारी बिल्डिंग, श्रन्धेरी, (पु.) बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिमका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-8-1985

को पूर्वोक्त कम्पत्ति को समित वाकार मृत्यू से कम के स्वमान प्रतिकत्त के लिए बन्तरित की नृष्ट है और मुम्हें यह विश्वाद क्षरते का कारण है कि मथापूर्वोक्त कम्पत्ति का उचित बाबार शृह्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपत्त से एसे कावमान प्रतिपत्त कम श्रम्ह प्रविचत से विभक्ष है और बंतरुक (अंतर्डकों) और बंतरिती (बन्तिरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गमा श्रीतप्रत्त, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण सिखित में शास्त्रिक क्ष से कथित महीं किया नवा है है—

- (क) निष्यरण वे हुई किसी बाव की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे सिक्; बीर/वा
- (क) एंडी किसी बाव वा किसी धन या अभ्य आस्तियों की जिम्हें आरतीय नामकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत निविद्यम 1922 क्न-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यमार्थ निविद्यम प्रकट नहीं किया नेवी था या किया जाना जाहिए था, जियाने में ब्रेटिया के जिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ कौ उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलियस व्यक्तियों, अथीत् ६——  श्री मफतलाल एम० कोठारी मौर श्री जयन्तीलाल एम० कोठारी

(ग्रन्तरक)

2. रघुनाथ चन्द लोघा

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सप्पत्ति है)।

को वह तुषना धारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के वर्षन से जिए सार्वनाहिमां सुक करशा हूं।

बक्त सम्पत्ति को नर्धन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की बनींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तासींच से 30 दिन की ब्रिय, जो भी क्लींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- हुँची हुच चूचना से राज्यम् में प्रकारम् की तारीस से 45 दिन के शीत्र उस्त स्थानर सम्पत्ति में हित-स्तुष् किसी सम्ब स्थानत द्वारा, स्थोइस्ताकारी के पास किसित में किए जा सकोने।

स्वक्षीकरण: ----इसमें प्रमुक्त सन्धी और पर्यो का, जो उनक किन-निवस के कथ्याव 20-क में परिकारित हैं, बहुरी अर्थ डाँगा, जो उस अध्याय में दिया नवश हैं।

### अनुसुची

फ्लैंड नं० 23, जो, सी विंग, कन्याकुमारी, विल्डिंग, एम० वी० रोड, श्रन्धेरी (पू), बम्बई 400069 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसा कि क सं० ग्रई- 2/37ईई/23302/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, वस्बर्ध

दिनौंक: 14-4-1986

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्याक्रम, सहायक अध्यक्तर जायक्त (निरीक्षम) श्रर्जन रें -2 बम्बई

बम्बई, विनांक 14 अप्रैल 1986

निर्देश सं० **अई**-2/37ईई/23417/85-86:--अस मुझे; प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

ग्रौरजिसकी संख्या फ्लैटनं० 10 ए जीवन जागृति बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बर्णित है) धौर जिसका करारनामा श्रायकर मधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2-8-1985 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभाके लिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को जभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, जर्थात :---

1. श्री जी० डी० जयवन्त

(ग्रन्सरक)

2. श्री एन० एल० हिंगोरानी भौर श्री एल० एन० सिगोरानी

(मन्तरिती)

3. अस्तरक

(वह ड्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हां।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्**चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख** से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-जिल है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम्स्ची

फ्लैट नं∘ 10 ए जो तीसरी मंजिल 57 ही इा० भ्रम्बेडकर रोड जीवन जागृति गो भ्राप० हाउसिंग सोसीयटी बान्द्रा बम्बई-400050 में स्थित है

म्ननसुची जैसा कि सं० -ई--2/37ईई/23417/85--86 मौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनौक 2-9-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

> प्रशति राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2.बम्बई

विनिक: 14-4-1986

मोहरः

प्रकथ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) को अधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्याचय, तहायक जायकर मायुक्त (निर्विक्षण)

प्रजीन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनौक 14 प्रप्रैल 1986 निर्देश सं० **घर-**2/37ईई/23427/85-86:-- **घ**ता मुझे प्रशांत राय

नायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्ख 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, विसका उन्नित सावार मृत्य 1,00,000/- रु ने निधक है

भीर जिसकी संख्या पलैट नं० 401 बी बिल्डिंग श्री श्रमृत सोसायटी। खार: बम्बई 52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याजय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 2-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित्त बाजार मूक्य से कन के स्वयमान शितफल के जिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिश्वत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के विष् तय गांवा नवा इतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित्त के वास्त्रविक स्प से किथत वहीं किया गया है कि---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी भाग की बावत, उपत विधिनयम के वधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उद्यस्त बचने में सुविधा के सिए; वरि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अभ्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विभा के लिए;

कतः कव, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण वे, में, डक्त अभिनियम की भाग 269-ग की उपभाग (1) के न्थीन, निम्मसिकित व्यक्तिकों सुप्रधीत् ड— 1. भीमती ग्रह्मा दत्ताकुमार सावन्त।

(भ्रन्तरक)

 श्री रेमोंड फ्रानसीस बोरोन्हा.
 श्रीमती यूसेनीया बोरोन्सा श्रौर लोरेटा नोरोन्हा।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सुचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उच्चत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्सूची

पलैट नं० 401, जो, इमारस बी, श्री धनृत को प्राप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 15, कास्टर रोड, बौडा खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क सं० भई-2/37ईई/23427/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 2-8-1985 को रजिस्टढें किया गया है।

> प्रशौत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज-2, बस्बई

दिनौंक \$ 14-4-1986 मोहरः

## प्रकपः नरहां , दौ , हुप् , पुद्ध ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बभीद स्वना

#### भारत परकाड

कार्यालय, सहायक आयंकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 14 भ्रप्रैल, 1986 निर्देश सं० -ई-2/37ईई/24085/85-86:--धत: मुझे, प्रशीत राय,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित वाचार नृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या माला नं० डी, बाजसन्स इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्रन्धेरी (पु), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, सारीख 26-8-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाबार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एते दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्मानिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक दिस के किया वहीं किया वा है किया

- [क] अन्यक्षण श्रं हुई क्रिकी बाब की बावका अक्षत मिनियम के अभीन कर योगे के बन्तरक के सावत्य के कथी करने या छससे अवने में कृषिणा के लिए; ब्रोड/बा
- (ण) ऐसी किसी नान या किसी धन या नान वास्तियों महे, जिन्हों भारतीय जाय-कर किशिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिशिनियम, बा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिरती द्यारा प्रकट नहीं कियर गहा था या विषया जाना जाहिए था, कियाने में प्रविधा में किया।

बर्बाः अव, उक्त जीधिनियत्र की धारा 269-ग की जनुसरक वी, मी, स्वतः जीधिनियम की धारा 269-म की स्थभारा (1) को अभीक्षार निस्मतिविक्त स्थितवत्री, सर्थाक्ष क्ष--- 1. श्री गोबिन्द लाल छोटालाल शाह

(भन्तरक)

2. मैसर्स कीयेटिव एन्टरप्राइसेस।

(भ्रन्तरिती)

3 प्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. अन्तरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में प्रश्रोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह कुषण पारी करने पूर्वोक्त कमिन ने सर्वत ने जिल्ल कार्यगाहियां करता हुई ।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाम के राज्यन में अकावन की तारीय के 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (व) इक्ष स्थान के रावपण में प्रकारण की तारीय से 45 वित के बीवर वक्ष स्थावर क्यारित में हितवपूर्व किसी स्था व्यक्ति पूर्वाच्य क्यारित में वाच विकास में किए का सकेंचे।

स्वक्षीकरण 2---इसमें प्रयुक्त क्षेत्रों भीर पवां का, जो उच्छ वीधीनवन, के वध्यायः 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्यान में विवा यक्ष ही।

### मनुसूची

माला नं० डी, जो तल मंजिल, बाजसन्स, इण्डस्ट्रियल, इस्टेंट, 40 चकाला रोड, श्रन्धेरी (9), बम्बई -400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/24085/85-. 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 26-8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनौक: 14-4-1986

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-धार्ग कि अधीन मुचना

#### भारत सरकार

## कार्यानय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 14 ग्रप्रैंल, 1986 निर्देण सं० ग्रई-2/37ईई/23475/85-86:--ग्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बंतरित को गई है और मू में यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एउं , उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एंगे उश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरित (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारदिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण तें हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण रो, मो, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) ले कोषा. िनम्बिलिक्ट आक्तियों, अर्थात् ड—— 27 -8601/8€ 1. श्री मताद्रीन सूरजमल वर्मा

(भ्रन्तरक)

2. मै पर्स झेवा डेवलपमेंटस।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्धित्त के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

### जबन मर्पात के बर्जन के संबंध भी कीई भी नाक्षेप हु-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन**सची**

जमीन का हिस्सा सी० टी० एस० नं० 33% 33911 से 339/10, 341 और 341/1से 342/24 कोलडोंगरी किलें पालें (प्) ग्रन्धेरी, बम्बई है

श्रनुसूची जैंपा कि क सं० श्रई- 2/37ईई/23475/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई में दिनांक 5-8-1985 को रजिस्टई किया गया है

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, वस्बई

दिनाँक :.14- 4- 1986

## प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रोज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 14 भ्रप्रील, 1986 निर्देश मं० थई- 2/37ईई/23507/85-86--ग्रनः मुझे, प्रणीन राष,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रहा से अधिक है

सौर जिसकी संख्या पलैंट तं ए-1, मध्रमीलन सोसायटी, खार, बस्बई-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), श्रीर जिपका करारतामा सायकर ग्रिधित्यम की धारा 269 क, ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिक्ट्री है, तारीख

8-8-1985

कां पूर्विक्त संपत्ति के लिचत बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान ित्रफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तिसयों, अर्थात् :---  ७० जो० एप० पेरहार श्रौर श्रोमती महेन्द्र कॉर पेरहार।

(अन्तरक)

- ·2. श्री अणो निल्ते श्रीर श्रीमती मालती पिल्ले।
- 3. प्रन्यस्ति।

(त्रह व्यक्ति जिलके म्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० ए-1, जो तल मंजिल, प्लाप्ट नं० 66, जी, मधूरमिलन को० ग्राप० हार्जामग सोभायटी लिमिटेंड, 14-बी खार, बम्बई-400052 में स्थिन है

अनुमूची जैसा क सं० अर्ध-2/37ईई/23507/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 8-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणाँत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंजें⊶2, बम्बई

दिनाँक: 14·4~1986

मोहरः

प्ररूप आर्ष.टी.एन.एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 14 अप्रैल, 1986

सं० ग्रई-2/37ईई/23619/85-86----ग्रन मुझे, प्रणाँत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रथाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

त्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० 13, ग्लेक्सो ग्रपार्टमेंट, बान्द्रा, विम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपान्नद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण का ने विणित है), श्रौर जिसका गरारनामा श्राय-कर ग्रिधित्यम की धारा 269 के, ख के श्रधील सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 9-8-1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की नच्च है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत में अधिक है और मंतरक (जंतरका) और मंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योध्य से उच्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

पंसी किसी भाव या किसी धन या कथा बास्तियां की, चिन्हें भारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अवकर अधिनियम, या अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीचनार्क अकरिती क्वार जकट नहीं किया गया भा या किथा जाना भारिए था, जिन्मों के सुविधा के निए;

अत: अब, उपत अभिन्यिक की धारा 269-ए के अनमरण में, में, उबत अधिनियम का धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अथित्ः--- 1. थीमती युजानी एमं० डिमाजा।

(भ्रन्तरकः)

श्री मनसूर हुसैन दलाल ।

(ग्रन्निर्ता)

अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारो करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश, की तारील से
45 दिन का अवर्धि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जा उथक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

## अन्मूची

फ्लैंट नं 11. जो चौथो मंजिल, ग्लेक्सी अवार्टमेंट को श्राप हाउपित सोसायटी लिमिटेड, 111, बी० जे० रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है

स्रनुसूची जैसा कि कार्स अर्ह-2/37ईई/23619/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 9-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रकांत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण शर्जन रेंज- 2, बम्बई

दनांक: 14~4~1986

## प्रथम बाही, ही. एक प्रश्न स्वयं

## कामकार क्रिपेनियमं, 1961 (1961 का 43) भी भाषा 269-म (1) के मधीस सुमना

#### बाइक उद्युक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 श्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० अई--्र/37ईई/23638/85-86→-श्रतः मुक्षे, प्रशाँत राय,

शानकर विशिष्टियम, 1961 (1961 का 43) (विष्ठे इसने इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, ओ कि भास 269-य के अधीन सम्राम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृन्य 1,00,000/- रु. में अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या तर्वे नंत 77, गुंडवली विलेण, अन्धेरी (पू) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इ.स. उपाबद्ध अनुसूर्व? में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), योग जिसका करारतामा आपकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 9-8-1985

को पूर्वाक्त सम्मति के उपित बाबार मूक्य से कम के बक्यमार शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह क्विनास करन का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र पतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंकरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीभित्रम के सभीन कर दोने के अम्सरक भ करियत्व में कमी करने या उसके बजने में स्वीवधः य. तिपः; गौर/या
- (छ) एंडी किसी माम या किसी थन था अच्च वारिसवां विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाध-वार्थ केस्टिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना लाहिए वा क्यियाने में सुविधा के सिए;

बर्दा क्षत्र, उक्त विधिनियम् की धारा 269-व की वन्तरण थं, मं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1) है वर्धीय, निक्तिविक्त व्यक्तियमी समार्ग स्थान 1. मैसर्स थी गणेश डेवलीपम।

(भ्रन्तरक)

मैनर्स स्टीलकोट बिल्डर्स।

(भ्रन्तरिती)

श्री बी बेतगागीन श्रीर
 श्री फान्सीम बूगारी

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह स्वना जार। करके प्रक्रित ग्रंग्यं के अर्थर के रिष्

### उक्त सन्पत्ति के वर्जन के संबंध में कांग्रें भी बार्श्य है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्स्थ वर्जव्याों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत सम्पत्ति में हिस्साद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास के किस कर किसा कर सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में क्रिका गया है।

### अन्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 192- 192/1, में 18, सर्वें. नं० 77, हिस्सा नं० 2, गुंडवली विलेज, अन्धेरी (पु), बम्बई में है

श्रनुसूची जैपा कि कर्म० श्रई-2/37ईई/23638/85-86 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनाँ ए 9- 8- 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय, नक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंजेंेंेंेंेंेंेंें न्2, बम्मई

विनाँक : 14-4-1986

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

## नामकाए मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ए (१) से ब्योन श्रूमना

भारत सरकार

## क्षांस्त्रिक, सहायक जावकर भावका (निरीक्षण)

ध्रजंत रेंज 2 बम्बई बम्बई दिनांक 14 अप्रैल 1986

निर्देश मे ० ग्रई 2/37ईई/23775/85-861 श्रत: मुझे प्रणांत राय

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग्र 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपक्ति विश्वका उचित बाबार मृत्य 1, 20,000/- रह. से अधिक हु

और जिसकी संख्या फ्लेट नं जो-1 एक्कोटिय गोगायटी लाए बम्बई 52 में शित है। और इससे जाबड़ तनुपूर्वा ैमें और पूर्ण रूप ने वर्णित **है औ**र जिसका करारतामा धायकर प्रीधितियम का धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय बम्बई में रजिस्ट्री है ताराख 16 -8--1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उच्चित बाजार शृक्ष्य से कम के कायमध्य प्रतिकृत के लिए बन्दरित की गुर्द हैं और मुक्ते बहु विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पन्ति का उपित जासार गस्य. उसके ध्रममान प्रतिकल से, एक्टि ध्रममान प्रतिक्रम का पंत्रह प्रतिकृत से प्रिक्त हैं और कातरक (अन्तरकों) और जेतरिती प्रक्रितिया) के बीच एंक्षे ब तरका के सिए तम रावा गया प्रति-काम निम्नसिवित उद्देश्य थे उ**न्त अन्तरण** सिमित में शस्त∞ बिक्त रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (ः) अन्तरण सं दुर्घ कियी बाग की बाबता, उक्त.
  यीपनिवम के अभीन कर वाने के अन्तर्क के बाजित्व में कारी करने या उसके अवने में सुविधा ें लिए; मंद्रि∕या
- (क) एंसी किसी अप या किसी धन या अन्य जारिसचर को, जिन्हें भारतीय बायकर विभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में तुनिया के किए:

**बत: ब**च, ज**क्त लीधिनियम की धारा १**69-ग छे। जनसम्ब , मैं, उबत अधिनियम की धारा 260-थ की उपधारा (1) के अधीन, निःनलिखित व्यक्तियों, वर्धात् 🥌 🚈

 श्रीमती भरी पांगाजन और श्री पीटर हेनरा फरनोनडीस

(ग्रन्तरक)

2 था मोती राम पी० चावला, श्रोमती जो० एम० चापता और श्री दिपक एम० चावला

(श्रन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (ब) इस सुचना का राजपत्र में प्रकालन की तारीख से 45 विंद की नवींच या शस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर बुचना को सामीस से 30 दिन की नविष, यो भी अवस्थि बाद के सभापत होती हो, के भीतर पूर्वीकर अविश्वनां में सं किसी म्योक्स बुधारतः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवास संभाष्ट्रताकारी के पास लिक्टिमें किए वासकों मे।

स्थण्डोकरण:--इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याग ?0-क में परिशाणित हैं, है, वहीं अर्थ क्षीगा, जो उस जब्दाय में दिया

#### मन्स्ची

पर्गेट नं० जो⊸। जो तल मंजिल एक्झोटिक को० श्राप हाउसिंग सोसायटी लिभिटेड प्लाट न० 515/516 सतरवा रोड खार बभ्वई 400052 में स्थित है।

धनमूचा जैसा कि क सं० य**ई 2/37ईई/237**75/85-86 और जो तल माला सक्षम प्राधिकारो, बम्बई ढारा दिलांक 16-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणान राध सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-4-1986

## प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के जधीन स्वक

#### भारत सरकार

## कार्याक्षयः, सहायक आवश्वर आवृत्रतः (निहासम्)

अर्जन रेंज- 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 प्रप्रैल, 1986

निर्देश सं० अई--2/37ईई/23933/85--86।--अत: मुझ, प्रशांत राय

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य २69-च के अधीन सक्षम अधिकारी को यह बिस्वास करने के कारण हैं कि स्न्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसको मंख्या फ्लैंट नं० 901. ओणन स्हीय, खार, बम्बई 62 में स्थित है और इसने उजाबद कन्यूर्चा में और पूर्ण का ने विणित है, और जिसका करारजामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 के, ख के अधान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारी 22-8-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्पमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जायार मूल्य, उसके इस्पमान प्रतिफल से, एसे इस्पमान प्रतिफल का प्रदूह प्रतिफल से अविक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और पंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय. गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धिय से उक्त अन्तरण कि कित में यास्तिकल, निम्नलिखित उद्धिय से उक्त अन्तरण कि कित में यास्तिकल, निम्नलिखित उद्धिय से उक्त अन्तरण कि कित में यास्तिकल, निम्नलिखित उद्धिय से उक्त अन्तरण कि कित में यास्तिकल, निम्नलिखित उद्धिय से उक्त अन्तरण कि कित में यास्तिकल, निम्नलिखित उद्धिय से उक्त अन्तरण कि कित में यास्तिकल क्षेत्र पर कियत नहीं किया गगर है :----

- (क) अन्तरफ स हाकू प्रथमा अप को बावसा, अका अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व मों कमी करते या उत्तरी बचने मों सुविजा को नित्तर, और/भा
- (ह) एसी किसी आप या किसी थन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या अन्त अधिनियम, या अन्त अधिनियम, या अन्त अधिनियम, वा अन्त अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के अधिनियम, 1957 (विजया अधिनियम अन्ति द्वारा अक्षय नहीं किया अधा वा किया थाना वाहिए वा, जिपाने में सूर्यिभा के विदः

कतः वाष, उक्त अधिनियम की भारा १६७-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. कैखाशीव असपेंडीचर आंशतारी

(भ्रन्तरक)

 श्रशोक राधाकण्णन और श्रीमतो कांचन ए लूल्ला

(श्रन्तरिती)

अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचगा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वागः;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- सद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## वन्स्या

फ्लैट नं० 901 जो नवमी मांजल ओशन ब्हीयुबिटिंडग डेक्कन को शाप हाउसिंग सोसायटी युनियन पार्क दांडा खार बम्बर्ष 4000052 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि क सं० ध्रई-2/37ईई/23933/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढ़ारा दिनांक 22-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रगांत राध सक्ष्म प्राप्तिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-2 बम्बई

दिनांनः: 14-4-1986

मोहरा

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

து <u>நாகு நடித்து நாகு அரசு கார்க்க அரசு கார்க்கும். நாகு நாகு நாகு கார்க்க கார்க்கான முற்றுக்கு நோகைகள</u>் படித்து ந

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-2 वस्वर्ध

वस्बई दिनांक 14 श्रप्रैल 1986

निर्देश मं० प्रई- 2/37ईई/23937/85- 86:--ध्रत: मुझे, प्रशांत राथ

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात उसत अधिनियम कहा गया है). की धारा 269-ए के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मुला 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट न० 202 बान्द्रा जोय प्रीमायस्म बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित हैं (और इसमें ल्पाबड़ श्रमृभुक्ती और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करायनामा श्राय-कर श्रीधित्यम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय वम्बई में रिजिस्ट्री है तारीक 22-8-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकत के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्भित्त का उचित बाजार मूल्य, असके द्रश्यमान प्रतिकास से, एसे द्रश्यमान प्रतिकास का पन्ताह प्रशिक्तात से निश्विक है और अंतरिक (अंगरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रतिकास का किन निश्वित स्वादित स्वादित का अस्तरण रिवितिया थे अस्तर की किन कर के किया वहाँ किना पना है किन

- (क) जनसरण से गुर्फ किसी जान की धायल . ७४५ जीवित्यम के जपीन कर कोने से अन्तरक के साहितक भी कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; छोषा 'अ'
- (क) इंसी किसी आय वा । किसी भन था अन्य आहित्यों की, विकट भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 15) या उक्त अधिनियम, या प्रश्वकर अधिनियम, या प्रश्वकर अधिनियम, 1.957 (1957 का 27) के ज्याबनार्थ अन्यदिसी द्वारा धकट बहुद किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः **अवः, उक्तः अधिनियमः की धारा 269-भ के अनुसरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अहिम, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधितः :— श्री जे० टी० पीन्होंरा और
 श्रीभती क्लेरा पीन्होंरो

(प्रनारक)

2 श्रोमतो कुलसुम एस० मीलानी और श्रीमतो फरीबा एम० मीलानी।

(अन्तरिती)

3 ধনপ্রিন্ট

(बह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्मत्ति है)।

को यह सुखना शारी करके प्रशिक्त गश्यक्ति के पर्जन के लिए कार्यवाधियां करता हो।

जन्म राज्यारित के अर्थन के सम्बन्ध में काहि भी आक्रोप ह-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की समिन, जो भी सर्वाध साद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट क्ष्मीकृत्यों में के किसी व्यक्ति सुकारा.
- (कः) धम कुचना के राज्यात्र में प्रकाशक की शारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी नन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी को पास जिला का किसी का किस का राक्षी !

स्पब्दिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उनक् अधिनियम को अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गय

# अनुसूची

फ्लैंट नं० 202 जो दूसरी ांणिल बान्द्रा जोय प्रीनय-, मेस को धाप सोसायटी लिमिटेड इकीसवी रोड बान्द्रा बम्बई-400050 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि के सं० शई-2/37ईई/23937/85-80 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिलांक 22-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज- 2 बम्बई

दिनांक: 14-4 1986

मोहर:

# जरूप साइ . टी , एन , एक . ----------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मधीन स्थानः

#### भारत करकार

# कार्यासय, सहानक जागकर शायुक्त (निरीक्सक)

अर्जन रेज-१ बम्बई

वस्बई, दिनांच 14 श्रप्रल 1986

प्रशांत राज

मत्यकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अभीत सक्षम प्राधिकारी की वह निष्वास कारते का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका अधित बाजार सस्य 1,00,000/- স. ল লিমিচ**র**'

ग्रीर जिसकी मं० पनौट नं० 12, स्मोकीहिल बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है (ग्रीरइससे उपाबद अनुपूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है और ज़िसका करारवामा। श्रायकर विधियम की धारा 269 क ख के प्रयोग नक्षम प्राधिकारों के कार्यानय वस्बई में र्राजस्दी है नाराः 23 8-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अन्ते का कारभ है कि सभापूर्विक्त संस्पत्ति को उचित आवार कर्त्या, जरूको अभ्यक्षान प्रतिपास सी, एके धावमान परिकाल भग पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एरेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नर्लिसित उद्देश्य से उत्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (थर) सम्बद्धन से हुन्द्रे विक्रमी माथ की शावत 🔑 संबद्ध भाषांचियत के एथीन कार जोने के मन्द्रपक के दारिए न्ते राजी शहरते कर अ**न्तर**े श**नमे** भी सर्वित्ता की शिक्षा, भ**रीहरू** रिक्रप
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो करे**. जिन्हें भारतीय वायकर अधि**नियस, 19⊰2 (1922 का 11) या उक्त भ भनियम क ¥न-कर अभिनियम, 1957 (1957 **का** 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा केलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) को अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः 🦫

1 श्रोमतो मैम्ना हसन चोगुले

(प्रन्तरक)

2 श्री गूरेज गीपाधन्द गया और श्रीमर्ता विख्वाला भूरेण गवा

(ग्रन्तरिती)

3 अन्तरिती

(बहु व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

का अधु सुच्यका जारी सहरको इसारिका सम्मरिता को सर्वाम को सिक् वार्यभाक्तियां कारता हो।

नकर सम्मरित के धर्मण के मध्यरभ में स्टोड की साधरेप:----

- इस स्वता के रायक्त के प्रकाशक की टार्टींब से 45 दिन की अक्षिया तस्संबंधी अयुक्रियों पर सच्चा. को राजील से 30 फिन की जनकि, यो भी नविध दान की महाक्ष्य हो है हा . की भाउन प्रशंकत श्योतिष्ठा है की शिक्षको नर्वा क्ल खुआर .
- (क) इक न्याम के राध्यक्ष में प्रकाइन की हारीचा से 4% किय के भीशर सक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-अद्भ किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, अभोहस्ताक्षरी से वाश्व किरियन मी कियो या हर्नों से।

स्वक्तीकरण:---असमें प्रसुकत करना और पनी का, वो उपन अधिनियम के अध्यान 20-क ने परिधापित हुए, क्ष्री करू हाशिए जो उस्थ ६ व्यास में विका

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 12, जो स्मोकी हिल, 44 पाली माला रोड, बान्द्रा बम्बई- 400050 में स्थित है।

श्रनमुची यैमा कि *क* मं० श्रई-2/37**ई**ई/23988/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारों अम्बई दारा दिलांक 23-8-1985 की पीजस्टर्ड किया गया है।

> प्रगात - राय सक्षम प्राधिकारा सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) यन्ति रेंज-2 वम्बई

दिनांक: 14 · 4 - 1986

महिर:

# अक्ष्य वार्ड_ा डी_{डी} प्र_क प्**य**ा ल--अल्ला

# नायकार नाधिनियम्,ः 1981 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) में नुपीन कुमना

#### ALLA AVERS

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 श्रप्रैल 1986

निर्देश सं० ग्रई- 2/37ईई/जो-3815/ग्रगस्त 85:-श्रतः मुझे प्रशासराय

आयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित ब्राजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिस्त संस्था प्लाट नं० 22 ए सर्वे नं० 111 डी (पार्ट) त्रिलेज श्राम्बीवली वीरा रोड अन्छेरी बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21-8-1985

को प्रवेशित सम्बद्धि के अधिकत बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत के लिए जंती रत की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारक है कि वधापुर्वेशित संपत्ति का अधित बाबार मृत्य, असके स्वयंभान प्रतिकत से, एसे स्वयंभान प्रतिकत का अन्त्रह् प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच एसे अन्तरक के किए तब पाका चना प्रतिकत, निम्निसिचित उद्दर्धिय से उस्त अन्तरका निर्मिच में बास्तिक रूप से कृष्यित नहीं किया बना है है---

- (क) अंतरण हो हुई जिसी बाय की नावल, उक्त अधि-शिवस में अधीन कर दोने के अन्तरक के नायिएन में कती करूने वा उच्छे बचने यें स्विधा के लिया; श्रीष्ट/मा
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (१९22 का 11) या उत्तर अभिनियम, भा भनकर अभिनियम, १९५७ (1957 का 27) क प्रशेषनार्थ अन्तरिती इवास प्रकट महीं किया गया या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निय:

ज्ञात: जब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निष्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 नेपलन वायर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स हिन्दुस्तान ब्राउन बोबेरी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग

में सम्पत्ति है)।

4 श्रन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरा जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध )

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के सिष् कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बासेप ८---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी बविध बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर वृत्तिका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्ष किसी क्ष्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शव विकास में किए वा सकोंचे।

# वन्युन्

अनुसूची जैसा कि कि विलेख सं० एस/3232/83, और जो उप रजिस्ट्रार अम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजेंन रेंज II बस्ब**र्**

तारीख: 14-4-1986

मोहर:

---86/OI/86

# प्रकृष जाहै .दी .हन . एव .-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1,96) का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत करकार

# कार्यालय, सहाधक लायकर आयुक्त (गिर्दाक्रक)

श्रजीन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँक 27 श्रप्रैल 1986 निर्देश सं० सी० ए० 44/86-87/एम एल 1206--यतः, **मुझे, शख नई**सुद्दीन,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया ही, की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर उपनित्त. जिसका उजित बाजार मूख्य 1.00.000/- का में अधिक ही

मीर जिसकी सं० 2 है, तथा जो मुकेड लेन, कलकत्ता में स्थित है (मोर इससे ज्याबद्ध क्रिज्यों में भी पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रविकारों के जार्यालय, ज्ञाम प्राधिकारों सं० भा० भा० भी०) श्रजैन रेंज-1, ज्ञाम किता में रिजस्ट्रीकरण श्रवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 2 ग्रगस्त, 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के रिवस बरजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तिम की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यमापकेरिय स्थाति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल को कारण है कि यमापकेरिय स्थाति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और वन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीत एसे बंतरण के सिए तम पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित ल्युबच्य से उबत अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या जरूसे क्याने में सुविधा के निष्; बार/बा
- (फ) एसी किसी गाम या किसी धन या करक वास्तिकों कर जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या लकत अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के विकार:

अतः प्राव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् —— 1. भ्रजन्ता केन्द्रिट कार्पोरेशन

(अन्तरक)

2. मजाण शिक्षतीत एण्ड सोमन फिल्मस

(अन्सरिती)

को यह स्वता वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्थला के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवल्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

त्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### 2000

2 फुकेड लेन, कलकत्ता में ग्रन्थवस्थित मकान का ग्राउन्ह फ्लोर में 702 वर्ग फिट ग्रायतन का स्पेत नं जि-3 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 कलकत्ता के पास सीरियल नं सी० ए० 44 के श्रनुसार 2-8-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीच : 27-4-1986

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi, the 25th April 1986

No. A.12023/2/83-Admn.II.—In continuation of this Commission's notification of even number dated the 5th February, 1986, the Chairman Union Public Service Commission, hereby appoints Snri K. Sundaram, Senior Personal Assistant (Grade 'B' of CSSS) in the other of Union Public Service Commission to the post of special Assistant to Chairman in the pay scale of ks. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 in the Commission's office on regular deputation terms for a further period from 1-4-86 to 14-2-83. The period of deputation is counted from the initial date of his appointment i.e. wef 15-2-1985.

2. The pay of Shri K. Sundaram as Special Assistant to Chairman will be regulated in accordance with the provisions of Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.1-(11)-E.III(B)/75 dated 7-11-1975 as amended from time to time.

No. A.32013/3/84-Admn.II.—in supersession of this office notification of even number dated 19-2-1986, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Jagdish Lal, Superintendent (DP) in the office of Union Public Service Commission, to the post of Assistant Controller (DP) (Group 'A' Gazetted) in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 in the Commission's office on ad-hoc basis wef 2-11-1985 to 30-4-1986 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri Jagdish Lal as Assistant Controller (DP) is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority in the grade.

No. A.32014/1/84-Admn.II.—In supersession of this office Notification of even number dated 24-2-1986, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R. C. Gupta, Investigator (DP) in the office of the Union Public Service Commission, as Superintendent (DP) in the Commission's office on ad hoc basis wef 22-11-1985 to 30-4-1986 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri R. C. Gupta as Superintendent (DP) is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority in the grade.

#### The 1st May 1986

No. A.38013/9/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri Gurbax Rai, a permanent Assistant and officiating Section Officer on regular basis in the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to retire from the Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th April, 1986 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Estss(A) dated the 24th November, 1973.

M. P. JAIN
Under Secy (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION (DEPARTMENT OF PERSONNEL TRAINING)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the

1986

No. 3/18/36-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Sardari Lal, Dy. Supdt. of Police an officer of the Rajasthan State Police to officiate as Dy. Supdt. of Police on deputation in CBI/Jaipur with effect from the afternoon of 17th April, 1986 until further orders.

#### The 6th May 1986

No. A/19015/16/84-AD.V.—On his repatriation from Special Investigation Team (MHA) Shri K. P. Singh, Dy. Supdt. of Police/CBI joined CBI in the same capacity on the forenoon of 21st April, 1986.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI New Delhi-3, the 5th May 1986

No. 3/22/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. Shekhar, IPS (RJ: 1957) as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector-General of Police, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 5th May, 1985 until further orders.

K. CHAKRAVARTHI Dy. Director (Admn.) CBI

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 6th May 1986

No. O.II-2142/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Bhola Chaudnary as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with elect from the forenoon of 21st March, 1986 till further orders.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Asstt. Director (Estt.)

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 2nd May 1986

No. E-16013(1)/2/85-Pers.I.—On appointment on deputation Shri P. K. Senapati, 193 (OR: 67) assumed charge of the post of Deputy Inspector General CISF Unit, HEC, Ranchi with effect from the forenoon of 10th April, 1986.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General/CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 31st March 1986

No. 13/15/85-Ad.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Tirath Dass, Deputy Director of Census Operations, in the office of the Registrar General, India, New Delhi, retired from Government Service with effect from the 31st March, 1986 (AN).

V. S. VERMA Registrar General, India

#### MINISTRY OF FINANCE

# (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 6th May 1986

No. 7(64)/1108.—In commutation to this Office Notification No. PD-3/6611 dated 12-11-1985, the ad-hoc appointment of Shri S. K. Anand, as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-1:18-40-1200 is extended for further period of Two months from 1-4-1986 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

## INDIAN AUDIT ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 7th May 1986

No. Admn.I/O.O. No. 44.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri R. L. Chopra, an officiating Audit Officer of this office will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st May, 1986. His date of birth is 28th May, 1928.

M. L. KHURANA Dy. Director of Audit (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I (A&E)

#### RAJASTHAN

Jaipur, the 5th May 1986

No. Admn. II/G. Notfn./85-87/35.—The Accountant General (A&E) Rajasthan, Jaipur is pleased to promote the following Selection Grade Section Officers of this office and to appoint them as officiating Accounts Officers with effect from the dates noted against each till further orders:—

#### S/Shri

- 1. Raj Bahadur Gupta, 25-4-1986 (AN).
- 2. Manohar Lal Nagia, 25-4-1986 (AN).

A. K. MAITRA Sr. Dy. Accountant General/Admn.

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT N.F. RAILWAY, MALIGAON

Guwahati-11, the 5th May 1985

No. Admn./5-16/79/35A/845.—Sri Arabinda Mazumdar an offg. Asstt. Audit Officer of the office of the Director of Audit, N.F. Rly, Maligaon is promoted to officiate, until further orders as an Audit Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 1st May, 1986.

N. G. MALLICK Director of Audit

# MINISTRY OF DEFENCE

DGOF HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FY. BOARD

Calcutta-700 001, the 7th May 1986

No. 5/86/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri Shyam Sundar Sharma, A.F. (Tech.), Vehicle Factory, Jabalpur as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 31-3-86 (FN) and post him at OEF Group HQrs., Kanpur-

S. DASGUPTA DDGOF/Admn. for Director General, Ordnance Factories

# MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th May 1986

No. A-19011(28)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri N. N. Subramanian, Chief Ore Dressing Officer has been promoted to officiate in the post of Director, (Ore Dressing) in the Indian Bureau of Mines wef the forenoon of 7th April, 1986.

P. P. WADHI Administrative Officer, for Controller General Indian Bureau of Mines

#### SURVEY OF INDIA

#### Dehra Dun the 7th May, 1986

No. C-35/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoc provisio na basis, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:—

Sl. No.	Name		No. & Date of Notification unde which appointed on ad-hoc pro- visional basis	unit/Office to which posted	Date of promotion
1	2		3	4	5
1. Shri	Jagdish Kumar	•	. Notification No. C-5395/707 dt.	No. 16 D.O. Map Publication Dte.	29-1-85
			24-7-1978.	Dehra Dun.	(F/N)
2. Shri	A.P. Semwal		. Notification No. C-5481/707 dt.	Map Publication Office Dehra Aun	11-2-85
			19-4-1979		(F/N/)
3. Shri	Z. Kerketta (ST)		. Notification No. C-5438/707 dt.	No. 75 Party (EC), Patna	11-2-85
			28-11-1978		(F/N)
4. Shri	Rajbir Singh		. Notification No. C-5836/707 dt.	No. 57 Party (NWC) Chandigarh,	11-2-85
			12-7-1982.		(F/N)
5. Shri	Vidya Dutt Kainth	ıola	Notification No. C-5859/707 dt.	No. 15 D.O. Map Publication Dte	29-4-85
			3-9-1982	Dehra Dun	(F/N)
6. Shri	D. P. Badoni		. Notification No. C-5481/707 dt.	M. R. I. O. Map Publication Dte.	23-1-86
	•		19-4-1979	Dehra Dun.	(F/N)
7. Shri	S. L. Khanna		. Notification No. C-5611/707 dt.	No. 83 Party (WC) Jaipur,	30-1-86
			25-3-1980		(F/N)
8. Shri	S.S. Rawat .		. Notification No. C-5878/707 dt.	Survey (Air) Dte. New Delhi.	20-1-86
			4-11-82.		(F/N)
9. Shri	Hari Prasad (SC)		. Notification No. C-54, 6/707 dt.	Boundary Cell (SGO),	11-2-86
			20-1-1979	New Delhi.	(F/N)
10. Shri	Jaswant Singh		. Notification No. C-6038/707 dt.	No. 16 D. O. Map Publication Dte.	29-1-85
			17-1-84	Dohra Dun,	(F/N)

1	2	3	4	5
11. Sh	ri Parshotam Dass .	. Notification No. C-5836/707 dt.	No. 90 Party (NC) Dehra Dun	26-4-85 (F/N)
12. Shr	ri Chander Singh .	Notification No. C-5859/707 dt. 3-9-82	No. 70 (Forest) Party (NC) Dehra Dun	25-2-85 F/N)
13. Shi	ri Shiv Nath Singh Panwar	Notification No. C-5836/707 dt, 12-7-82	M.R.I.O. (Map Publication Dtc.) Dehra Dun	11-2-85 (F/N)
14. Sh	ri Tilak Dass (SC)	. Notification No. C-5878/707 dt. 4-11-1982	No. 2 D. O. (N.C.) Dehra Dun	1-7-85 (F/N)
15. Sh	ri B. P. Paut .	Notification No. C-5859/707 dt. 3-9-82.	No. 16 D. O. M. P. Dehra Dun	11-2-85 F/N

No. C-37/70—The undermentioned officer who was appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoc provisional basis, is reverted to the post of Draftsman Division-I (Selection Grade) from the date as indicated against his name:—.

Sl. I	Name & Designation	No. & date of Notification under which appointed on ad-hoc provisional basis.	Unit/Office to which posted	Date of reversion
1	2	3	4	5
$\mathbf{D}_{\mathbf{r}}$	ri Sangram Oraon (ST) aftsman Division I Selection rade)	Notification No. C-5976/707 dt, 13-7-83.	No. 65 (T.C.M.) Party, Survey (Air), New Delhi,	17-1-86 (A/N)

No. C-38/707.—Shri Prem Singh Sandhu (SC) Surveyor Selection Grade, is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1200 with effect from 30-12-1985 (F/N) on regular basis and posted to No. 13 Drawing Office (NEC) Shillong.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

#### ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

#### New Delhi, the 8th May 1986

No. 11/4/86-M.—In exercise of the powers conferred under rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, Jagat Pati Joshi, Additional Director General, hereby direct that no fee shall be charged for entry to monuments at Rajagiri Hill, Gingee, South Arcot District, Tamil Nadu for a period of 10 days with effect from 12-5-86 to 21-5-86 (both days inclusive) on account of annual festival of Devi Kamalakanni Amman.

JAGAT PATI JOSHI Additional Director General

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

#### New Delhi, the 30th April 1986

No. A. 12026/3/86-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity bereby appoints Shri Bhaskar Nayar, a permanent Technical Assistant (Advertising) of this Directorate as Assistant Media Executive in the same organisation on purely ad-hoc and temporary basis for a period of three months with effect from the forenoon of 30th April, 1986, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

#### The 5th May 1986

No. A. 38013/1/86-Est.—On attaining the age of superannuation, Shri N. D. Khanna, a permanent Assistant in the CSS cadre of the Ministry of Information and Broadcasting and working as Supervisor in this Directorate on deputation basis, retired from Government service on the afternoon of 30th April, 1986.

Dy. Director (Admn.)

for Director of Advertising & Visual Publicity

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

#### New Delhi, the 5th May 1986

No. A-12024/6/85-Admn-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Surekha Oberoi to the post of Dental Surgeon in CGHS, Delhi with effect from the forenoon of 21st March, 1986 on an ad hoc basis until further orders.

P. K. GHAL Dy. Director Administration (C&B)

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 11th March 1986

No. Ref: 7(109)/85/Vig/702.—WHEREAS it was alleged that:

"Shri D. R. Namila Konda, Mali (A), Landescape & Cosmetic Maintenance Section who was granted 50 days Earned Leave from July 30, 1985 to September 17, 1985 has been overstaying the said leave unauthorisedly with effect from September 18, 1985, onwards.

By his aforesaid conduct, the said Shri Namila Konda has shown lack of devotion to duty and behaved in a manner unbecoming of a Government servant in contravention of sub-rule (1) (ii) & (1) (iii) of Rule 3 of the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964.",

AND WHEREAS the said Shri Namila Konda was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, vide memorandum No. 7(109)/85/Vig/79 dated January 9, 1986.

AND WHEREAS the envelopes containing the said memorandum sent to his local as well as home town

addresses by Registered A.D. post of the said Shri Namila Konda have been received back undelivered with the postal remarks "Not claimed" and 'addressee has gone abroad, hence returned respectively.

AND WHEREAS, as there was no information from the said Shri Namila Konda copies of the above said memorandum were once again sent to his earlier addresses by Registered A. D. post on January 31, 1986. However, they have also been received back undelivered with the postal remarks 'Not known'. 'Not claimed' and addressee has gone abroad, hence returned' respectively.

AND WHEREAS the said Shri Namila Konda has failed to keep this office informed of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Namila Konda continues to remain absent from duty without keeping this office informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965.

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-rule (2) of Rule 12 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, read with Department of Atomic Energy's Order No. 22(1)/68-Adm.il dated July 7, 1979, and Rule 19 (ii) of the said Rules, hereby removes the said Shri Namila Konda from service with immediate effect.

Shri Namila Konda is informed that an appeal against the above order lies with Head, Personnel Division, BARC, the Appellate Authority. The appeal, if any, should be submitted to the Appellate Authority within forty-five days from the date of receipt of this order.

H. V. AWATRAMANI Establishment Officer

## Bombay-400 085, the 8th May 1986

No. G/455/Est.II/1926.—Shri Yeshwant Purshottam Gharpure relinquished charge of the post of Assistant Personnel Officer on 31-3-86 AN consequent on superannuation.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 9th April 1986

No. DPS/2/1(3)/85-Adm/2080.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Prakash Motiram Ganvir, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant in B.A.R.C., Bombay, Department of Atomic Energy of officiate as an Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of March 27, 1986 until further orders.

No. DPS/2/1(3)/85-Adm/2092.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Smt. Sushma Shashikant Dalvi, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant in B.A.R.C., Bombay, Department of Atomic Energy to officiate as an Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of March 27, 1986 until further orders.

#### The 8th May 1986

No. DPS/2/1(26)/83-Adm./2433.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kalluparampil Narayana Pillai Sasidharan Nair a permanent Purchase Assistant to officiate as an Asstt. Purchase Officer on an ad-hoc basis from 15-04-1986 (FN) to 30-04-1986 (AN) and on a regular basis with effect from

01-05-1986 (FN) until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti-323303, the 25th March 1986

No. RAPS/Reci/2(18)/86-S/279.—The Chief Superintendent, Rajasthan Atomic Power Station hereby appoints Shri Vijai Kumar Saxena, as Hindi Officer in this Station in the grade of Rs. 650-960/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 23rd April 1986.

S. D. MEHTA Administrative Officer-II

## TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 29th April 1986

No. TAPS 1/34(1)/76-R(Vol.XV).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Shri P. M. Philip, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in a temporary capacity in the same Power Station with effect from the foremon of February 1, 1986, until further orders.

V. P. NAIK Administrative Officer-III

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th April 1986

No. A.19011/13/80-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri K. N. S. Krishnan, Deputy Director General stands retired from Government service with effect from 30th April, 1986 (AN).

J. C. GARG Joint Director of Administration

#### New Delhi-110 066, the 10th April 1986

No. A. 32014/3/84-EC( )—The Director General of Civil Aviation is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the following Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department for the period indicated against each:—

S. No.	Name	Period of ad-hoc appointment extended		
		(	From	То
s	/Shri	 	-···, <u></u>	
01.	P.S. Narayanan		25-02-85	27-01-86
02.	K. Velayudhan Π		27-02-85	27-01-86
03.	K. Muthukrishnan		03-05-85	27-01-86
04.	K. Volayudhan I		28-02-85	27-01-86
05.	S. K. Ghose .		25-03-85	31-03-86
06.	A.R. Goswami		01-03-85	31-03-86
07.	M.K. Dharmadhika ri		28-03-85	31-03-86
08.	P. Y. Khadikar		12-05-85	27-01-86
09,	J.B. Sonar .		01-03-85	27-01-86
10.	D.C Das .		27-03-85	31-03-86
11.	K. Narayanan .		03-03-85	27-01 <b>-</b> 86

1	2				3	4
	 !hri					~~ r- =- · ·
12.	K. Lawrance				28-03-85	31-03-86
13.			٠.	·.	28-02-85	27-01-86
14.					28-02-85	27-01-86
15.	R.P. Gainder	,		,	25-02-85	31-05-85
16.	S.K. Nanda				02-03-85	30-06-85
17.	P.S. Dholakia				26-03-85	30-06-85
18.	T.M. Sainudeon				01-03-85	30-06-85
19.	S. L. Nanda			•	01-03-85	31-03-86
20.	S.C. Sood I	•	-	•	03-03-85	27-01-86
21.	Kulwant Singh		•	•	01-06-85	30-06-85
22.	V.S. Malick	•	•	•	01-03-85	30-06-86 30-09-85
23. 24.	M. H. Aiyubi Jaswant Singh		•	•	01-03-85 28-05-85	31-03-86
25.	S. L. Bhide	•	•	•	28-03-85	31-03-86
26.	C. Arumugam	•	•		01-03-85	31-03-86
27.	L. K. Mittal		•	•	16-04-85	24-10-86
28.	I.C. Sethi		Ċ	Ċ	03-03-85	31-03-86
29.	H.R. Ranjan				02-03-85	27-01-86
30.	S.D. Kumar				01-03-85	27-01-86
31.	B.S. Parmar				01-03-85	27-01-86
32,	P.R. Anand				01-03-85	31-03-8 <i>6</i>
33.	S.C. Sood T				26-02-85	7-71-86
34.	S.K. Khauna		•	•	01-03-35	27-01-86
35.	Р. К.Кароог	•		•	24-92-85	27-01-86
36.		•	•	•	03-03-85	31-03-86
37.	M. P. Chauhan		•	•	30-11-85	27-01-86
38,	N.S. Miyan	•	i	•	01-03-85	27-01-86
39. 40.	J.N. Nag J.S. Deol	•	•	•	01-03-85 01-03-95	27-01-86 27-01-86
40. 41.	Nand Kishore	'	•	•	01-03-85	27-01-86
42.	P. K. Chanda	•	•	•	01-03-85	27-01-86
43.	S. K. Chanda			·	02-03-85	27-01-86
44.	Yaqub Khan				22-03-85	27-01-86
45.	M. K. Sengupta				01-03-85	24-10-85
46,	J.S. Saxena				03-03-85	27-01-86
47.	M. L. Kochar				<b>02-03-85</b>	31-03-86
48.	C.S. Saha				03-03-85	31-03-86
49.	S.R. Mitra	,	-		01-03-85	31-03-86
50.	A.N. Pachapure		-	•	04-07-85	31-03-86
51.	S. Karunakaran		•	•	27-02-85	31-03-86
52.	B. Pal ,	•	•	٠	01-03-85	24-10-85
53. 54.	M. L. Debnath G.S. Vidyarthi		•	•	29-03-85 02-03-85	31-03-86 31-03-86
55.	B.K. Mukherjee	•	•	•	27-03-85	31-03-86
56.	Swaminath		•		24-02-85	31-03-86
<b>5</b> 7.	R.K. Chandra		-		17-03-85	31-03-86
58.	Shital Singh		:	•	26-02-85	27-01-86
59.	Binayandra Dutta		Ċ		01-03-85	24-10-85
60.	K.S. Chugger		Ċ		01-03-85	31-03-86
61.	V.B. Taneja				27-02-85	31-03-86
62.	M.N. Joshi				01-03-85	31-03-86
63.	R.S. Pillai				01-03-85	31-03-86
<b>6</b> 4,			٠.		27-03-85	31-03-86
65.	Yashpal Singh		•		26-02-85	31-03-86
66.			٠	•	01-03-85	31-03-86
<b>6</b> 7.	G.M. Gadre		•	•	01-03-85	31-03-86
63,	M. L. Girdhar .		•	٠	28-02-85	31-03-86
69. 70.	S.C. Sawhney G.S. Dutta		•	•	26-02-85 26-03-85	31-03-86 31-03-86
70. 71.	R.N. Verma	•	٠	•	28-02-85	31-03-86
72.	R.K. Negi		•	•	01-03-85	31-03-86
73,	Kalyan Kumar Son	1	•	•	18-03-85	31-03-86

1	2				3	4
74.	Ashok Jolly				26-02-85	31-03-86
75,	P.S. Verma				01-03-85	27-01-86
76,	A.N. Singh				01-03-85	31-03-86
77.	S. K. Chanda				26-03-85	27-01-86
78.	Pallb Kanti Roy				27-03-85	31-03-86
79.	Naval Bhatnagar				28-02-85	31-03-86
80.	Bijoy Kumar Nan	di			01-03-85	31-03-86
81.	O. P. Saxena				01-03-85	31 <b>-</b> 03-8 <i>6</i>
82.	Ashok Kumar Sha	ırma			25-03-85	31-03-86
83.	J. K. Sarkar				28-02-85	31-03-86
84.	D.C. Kamble				14-03-85	31-03-86
85.	P. K Roy			•	28-02-85	31-03-86
86,	Ramesh Kumar		-		01-03-85	31-03-86
87.	T.K. Chowdhury				01-03-85	31 <i>-</i> 03-8 <i>6</i>
88.	B.K. Das				01-03-85	31-03-86
89.	J. M. Sarkar				01-03-85	31-03-86
90,	S.R. Biswas			•	01-03-85	31-03-86
91.	J.S. Rakhra				17-03-85	31-09-86
92.	N. Majumdar				30-10-85	31-03-86
93.	Inderjeet				27-03-85	31-03-86

02. The extension of the period of adhoc appointment of the above mentioned Assistant Technical Officers shall not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and the period of service rendered on adhoc basis shall neither count for seniority in the grade of Assistant Technical Officers nor for eligibity for promotion to the next higher grade.

#### The 28th April, 1986

No. A. 32013/3/82-EC(, )—The President is pleased to extend the period of adhoc appointment of the following officers in the grade of Senior Technical Officer in the Civil Auiation Department during the period indicated against each:—

SI.		Perio	bd
No. Name		From	То
S/Shrl	 	 <del></del>	
1. M. K. Verma		9-8-85	2-9-85
2. B.N. Chawla		 11-9-85	9-10-85
3. K. Ganesan		17-7-85	9-10-85
4. S.D. Bansal		1-7-84	9-10-85
5. M. L. Dhar		1-7-84	2-9-85
6. V. Subramanlan		1-7-84	2-9-85
7. Arjun Singh		8-8-85	31-3-86
8. M. L. Chakraborty		17-7-85	31-3-86

2. The extension of the period of adhoc appointment of the aforesaid officers in the grade of Senior Technical Officer will not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and the service rendered on adhoc basis would not count for the purpose of seniority in the grade or eligibility for promotion to the next higher grade.

No. A. 32013/6/84-EC(.)—The President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the following officers in the grade of Senior Communication Officer in the Civil Aviation Department during the period indicated against

each or till the post(s) are filled on regular basis, whichever is earlier:

Si. Name No.				Регі	od
Mo:					To
S/Shrì					
1. B.R. Sona				25-11-84	31-3-8
2. L.R. Singh				7-11-84	31-3-80
3. P.N.S. Kushwaha				24-3-85	31-3-8
4. Р. K. Jha				22-3-85	31-3-8
5. Jagmohan Jolly				29-4-85	31-3-8
6. D. P. Chohan				21-6-85	31-3-8
7. V.R. Srinivasan				14-3-85	31-3-8
8. S.S. Chowdhury				31-7-85	31-3-8
9. G.S. Vedi				20-3-85	30-11-8
10. K.C. Biswas				15-4-85	31-1-8
11. P.R. Nair				21-3-85	3-12-8
2. S. Krishnamurthy				9-4-85	31-10-8

2. The extension of the period of ad-hoc appointment of the aforesaid officers in the grade of Senior Communication Officer will not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and the service so rendered on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in the grad or foreligibility for promotion to the next higher grade.

No. A. 12025/1/85-EC(.)—The President is pleased to appoint the following officers in the Aeronautical Communi-

cation Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the date indicated against each and to post them at the station mentioned below:—

S1. Name & Designation No.		Date of taking over charge	Station of posting
1. Shri Pradeep Kumar Sriv	vastava,	21-11-85	ACS,
Technical Officer	,	(FN)	Madras
2. Shri R.K. Shukla,		30-10-85	ACS,
Communication Officer		(FN)	Bombay

## FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 5th May 1986

No. 16/443/85-Ests-I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Rajinder Kumar Thakur, as Research Officer (Other than Engineer and Statistical) at Sandal Research Centre, Bangalore under Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 29-1-86, in a temporary capacity, until further orders.

J. N. SAXENA
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

# OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Cochin-682031, the 26th December, 1984

Sub: —Estt. —Appointment, promotion, postings and transfers in the grade of Superintendent of Central Excise (Group 'B')—Ordered.

C. No. II/3/2/84 Estt. I.—The following Inspectors of Central Excise are promoted and appointed to officiate as Superintendent of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus admissible allowances, with effect from the date they assume charge of the higher post and until further orders.

S/Shri

- 1. D. Antony
- 2. E. Devarajan
- 3. M.D. Mathai

They may give an option as stated in the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms O. M. No. 1-3-79 Estt. P. I. dated 5th October 1981 (communicated in this office letter C. No. II/24/1/82 Estt. II dated 26-2-1982) within one month of the date of promotion, regarding the fixation of his pay. Option once exercised shall be final.

The following postings and transfers in the grade of Superintendent of Central Excise Group 'B' are also hereby ordered:

Sl. No.	Name ,	Place where working	Place to which posted.	Remarks
1	2	3	4	5
S/Sb	uri			
1. K. K	. Narayana Panicke	Supdt. (Tech.) Cannanore	Mayoor Range	Vice a vacancy
2. B. Al	odul Hameod	. Internal Audit Hqrs. Office	Supdt. (Tech.) Cannanore	Vice Sl. No. 1
3. K. R	adhakrishnan 🕟	. Custom House Calicut	S.G.P. Beypore	Vice Sl. No. 6.
4. L. I	Kalyanakrishnan	. Internal Audit Hors. Office	Custom House Calicut	Vice Sl. No. 3
5. D. A	antony (on promotic	on) Internal Audit Hqrs. Office	Internal Audit Hors, Office,	Vice Sl. No. 4
6. P. A	sokan	. S.G.P. Beypore	Oil Installation Range	Vice SI. No. 7,
7. E.C.	Divakaran .	Oil Installation Range, Ernakulam II Division.	Internal Audit Hqrs. Office.	Vice SI. No. 2
	, Mathai promotion)	. Internal Audit Hqrs. Office	Divisional Prev. Ernakulam I Division	Vice Sl. No. 9
	reedharan .	. Divisional Prev. Ernakulam I Divn.	Dy & IU Hqrs, Office	Vice a post re- diverted from Air Customs Trivan- drum.

1 2	~~~~	<u>.</u>	3	4	6
10. E. Devar	•		Kozhikode I Range	Cochin Range	Více a vacancy
11. K.J. Geo	rge .	•	Air Customs Trivandrum	Manjeri Range	Do.
12. T.K. Vas	udevan .	٠	Supdt. Cus. II Hqrs. Office	Supdt. COFEPOSA and Customs Review	
13. K,K.S. P.	anicker .		Supdt. Cus. I Hqrs. Office	Custom Policy Adjudication & Customs Prosecution.	

This order will take effect from 1-1-1985.

#### The 4th January 1985

#### OFFICE ORDER NO. 2/85

Sub:—Estt.—Agreement, promotion, postings and transfers in the grade of Superintendent of Central Excise (Group 'B') —Ordered—

No. II/3/2/84 Estt. I.—Shri V. Sivasankaran, Inspector of Central Excise (SG) Udyogamandal II Range is appointed to officiate as Superintendent of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the date he assumes charge of the higher post and until further orders.

He may give an option as stated in the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) O. M. No. 1/9/79 Estt. P. I. dated 5th October, 1981 (communicated in this office letter C. No. II/24/1/82-Estt. II dated 26-2-1982) within one month of the date of promotion, regarding the fixation of his pay. Option once exercised shall be final.

The following postings and transfers in the grade of Superintendent of Central Excise Group 'B' are also hereby ordered:

Sł. No.	Namo	Place where working	Place to which posted	Romarks
1	2	3	4	5
	Shri . Alexander	Munnar II Range	Supdt. Tech. I Hgrs. Offic	Vice al vacancy

1	2	3	4	4
	vasankaran Promotion)	Udyoga- mandal II Range	Munnar II Rango	Vice Sl. No. 1

Shri N. Alexander will hand over on Shri V. Sivasankaran's reporting to join Munnar and Shri V. Sivasankaran should be relieved on or before 11-1-1985.

#### The 18th January 1985

#### OFFICE ORDER NO. 13/85

Sub:—Estt. Appointment, promotion, postings and transfers in the grade of Superintendent of Central Excise (Group 'B')—Ordered—

C. No. II/3/2/84 Estt. I—Shri R. K. Ramosan, Inspector of Central Excise (SG), Headquarters Office is appointed to officiate as Superintendent of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the date he assumes charge of the higher post and until further orders.

He may give an option as stated in the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) O. M. No. 1/9/79 Estt. P. I. dated 5th October, 1981 (Communicated in this office letter C. No. II/24/1/82 Estt. II dated 26-2-1982) within one month of the date of promotion, regarding the fixation of his pay. Option once exercised shall be final.

He is posted as Superintendent (Vigilance) in Head quarters Office until further orders.

The 26th February, 1985

## OFFICE ORDER NO. 24/85

C. No. 11/3/2/35-Estt. I.—The following Inspectors of Central Excise are promoted and appointed to officiate as Superintendents of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-310-EB-35-380-40-1000-EB-40-1200/- plus admissible allowances, with effect from 1-3-1985 or the date they assume charge of the higher post, if later, and until further orders.

S/Shr

- 1. A. K. Aravindan
- 2, P. K. Joseph

They may exercise an option in terms of the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) O.M. No. 1/2/72-Estt. P. I. dated 5th October, 1981 (Communicated in this office letter C. No. II/24/1/82-Estt. II dated 26-2-1982) within one month of the date of promotion, regarding the fixation of his pay. Option once exercised shall be final.

29---86 GI/86

SĮ. No,	Name	Place where working	Place to which posted	Remarks
1	2	3	4	5
S/Sb	 nri			
	. Aravindan . promotin)	. Inspector D.R.I. Cannanore,	Supdt. (Prev.) Trichur Divn.	Vice a vacancy
2. H. V	enkatachalam	. Supdt. (Tech), Ernakulam-I Divn.	Superintendent, Trichur I Range	Do.
	. Joseph promotion)	. Divl. Office, Trivandrum.	Supdt: (Tech.) Ernakulam-I Divn.	Vice SI. No. 2.
4. K. K	rishnan Nambiar	. Supdt. S.I.U., Hgrs. Office	Supdt. (V.C.C.), Hqrs.	Vice a vacancy

# The 14th May 1985 ORDER NO. 87/85

Subject: - Estt. - Appointment, promotion, postings and transfer in the grade of Superintendent of Central Excise (Group 'B') - Ordered,

- C. No. II/3/2/85-Estt.I.—Shri S. Sivadasan, Inspector of Central Excise (SG) Headquarttrs Office is appointed to officiate as Superintendent of Central Excise (Group 'B') in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the date he assumes charge of the higher post and until further orders.
  - 2. He Jaswant Rai L86GI/86 Fresh 8x8x20 40-45 27-5-86
- 2. He may give an option as stated in the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) O.M. No. 1/9/79-Estt.P.1 dated 5-10-1981 (Communicated in this office letter C. No. II/24/1|82-Estt. II dated 26-2-82) within one month of the date of promotion, regarding the fixation of his pay. Option once exercised shall be final.
- 3. He is posted as Superintendent, Special Customs Preventive Unit, Kanhangad until further orders, vice Shri A. K. Aravindan since posted as Superintendent (O.S.D.) in Trichur Division, at Trichur. Shri A. K. Aravindan's posting in order No. 80/85 dated 3-5-85 is hereby cancelled.

The 27th June, 1985

#### OFFICE ORDER NO. 110/85

Subject: Estt. - Promotion, Postings and Transfers in the grade of Supdts. of C. Ex. (Group 'B') Ordered.

C. No. II/3/2/85 Estt—I—The following Inspectors of Central Excise are promoted and appointed to officiate as Supft. of C. Ex.(Gp 'B') in the scale of pay of Ra. 553-33-740-33-310-E9-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus admissible allowance, with effect from 1-7-1985 or the date from which they assume charge of the higher post, whichever is later, and until further orders:—

S/Shri

- 1. P. Radhakrishnan (No. III)
- 2. T.C. Rajadas
- 2. The following postings and transfers in the grade of Supdts of C. Ex. (Gp 'B') are also hereby ordered:-

S1. No.	Name	Place where working	Place to which Posted	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
<ol> <li>M.V. A</li> <li>A. Par</li> <li>T.C. R</li> </ol>	dhakrishnan (No II Abraham ameswaran Nair	. Trivandrum I Range Supdt (Tech) Trivandrum Division . Hqrs (Prev) Sundt (T ch) Ernakulam II	Trivandrum I Range Supdt (Tech) Trivandrum Division Palghat III Range (TCR Dn.) Tellicharry Range (Cannanore Dn) Chittoor Range (TCR Dn)	Vice S1 No. 2 Vice Sl. No. 3 Vice a vacancy Vice a vacancy Vice a vacancy
6. N. Ale	exander .	Division . Supdt (tech) Hqrs	Supdt (Tech) Ernakulam II Dn	Vice Sl. No. 5

3. The postings and transfers ordered in para 2 above will take effect from 1-7-1985 only.

The 24th July 1985

ORDER NO. 119/85

Sub: Estt-Appointment, promotion, postings and transfers in the grade of Supdt. of C.Ex. (Group 'B')—ordered.

C. No. 11/3/2/85 Estt-I.—Shri N. K. Ramanan. Inspector of C. Ex. (S.G.) Allepney. Range of Ernakulam-II Division is appointed to officiate as Supdt. of Central

Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40—1200/-, with effect from the date he assumes charge of the higher post and until further orders.

2. Shri N. K. Ramanan is posted as Supdt of Central Excise-II in the Alleppey Range until 31-7-85 and as Supdt. of Central Excise Alleppey Range with effect from 1-8-1985 vice Shri T. K. Vasu Pillai, Supdt. of Central Excise (Gp 'B') retiring on 31-7-1985.

# The 1st August 1985

#### **ORDER NO. 131/85**

- S 15ject: -Estt: -Appointment, Promotion, Postings and Transfers in the grade of Supdts, of Central Excise (Group 'B') Ordered.
- C. No. II/3/2/85 -Estt. I—Following Inspectors of Central Excise are promoted and appointed to officiate as Superintendents of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus admissible allowances, with effect from the date they assume charge of the higher post and until further orders:—
  - S/Shri
  - 1. T. Damodaran
  - 2. V. Harihara Subramania Iyer
  - 2. Following postings and transfers in the grade of Superintendents of Central Excise (Group 'B') are also hereby ordered:

SI. No.	Namo	Place where working	Place to which posted	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	Damodaran Larihara Subramania	Review Cell, Hqrs. Office Divl. Office, Trivandrum	Supdt. (Tech.), Ernakulam I Dn. Kundara Range	Vice a vacancy Vice Sl. No. 3
-	,	Under orders of transfer to Kundara Range	Internal Audit, Headquarters Office	Vice a vacancy

Orders posting Shri C.R. Bhaskaran to Kundara Range are cancelled.

The 2nd August 1985

#### **ORDER NO. 132/85**

Subject: -Batt. -Regularisation of Ad-hoc appointments/promotions in the grade of Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts—Ordered.

C. No. II/3/20/84-Estt. I.—The following officers who were earlier promoted on Ad-hoc basis as per this office order shown against each, are appointed on a regular basis to officiate in the grade of Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts (Group 'B') with effect from the date noted against each:

Sl. Name No.	Order No. & date in which promote on Ad-hoc basis	d Date of Ad-hoc promotion	Date of Regulari- sation
S/Shri  1. M.N. Govindan K  [Examiner, Hqrs.		22-6-84	1-8-85
2. K. K. Kosavan (So Assit, Chief Accou Officer No. II, Hqu	C), Do.	8-6-84	1-8-85
3. K.S. Ramachandre (Administrative Of Trivandrum Divisi	an Nair C. No. II/3/20/84-Estt. I dated 7-7-84 fficer,	11-7-84	1-8-85

^{2.} The officers are informed that they will be on probation for a period of two years and that they will not be considered for promotion unless they complete the probation period satisfactorily.

S. A. GOVINDARAJ, Collector

# Cochin-31, the 11th February 1986

#### **ORDER NO. 17/86**

Subject :- Estt.-Promotion, Postings and Transfers in the grade of Supdts, of Central Excise (Group 'B')-Ordered.

C. No. II/3/9/86-Estt. I --Following Inspector of Central Excise are promoted and appointed to officiate as Supdts. of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus admissible allowances, with effect from the date they assume charge of the higher post and until further orders:—

S1.	Name	
No.		
	<del></del>	
1.	Shri V. Vidyadharan	
2.	Shri E. Sachidanandan	

SI. Name No.	Place where working	Place to which posted	Remarks
S/Shri	***************************************		
I. V. Vidyadharan	Hqrs. (Audit) (on promotion) Hqrs. (Audit) (on promotion)	SCP Unit, Kasargod SCP Divn. Baliapatom Range (Cannanore Divn).	Vice Sl. No. 3 Vice a vacancy
B. K. Radhakrishnam Menon	SCP Unit, Kasargod (SCP Divn.)	Hqrs. (Audit)	Vice a vacancy

# The 17th February 1986

#### ORDER NO. 23/86

Sub: Estt—Promotion, Postings and Transfers in the grade of Supdis. of Central Excise (Group 'B')—Ordered.

C. No. II/3/9/86-Estt.I.—The following Inspectors of Cestral Excise are promoted and appointed to officiate as Supdts. of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus admissible allowances with effect from the date they assume charge of the higher post and until further orders:—

#### Sl. No.

- 1. Shri K. K. Sivaji (S.C.P. Unit, Calicut/SCP Divn.)
- 2. Shri R. Ajith Kumar (Hqrs. Office).

Name

Both the above officers are for the present posted to Trivandrum Air Port against the addl. post sanctioned under Government of India's order No. A 1109/43/85-Ad IV dated 24th January, 1986.

They are however informed that the posting to Air Port is purely temporary and on ad hoc basis till the list of Supdts. (Air Customs) to be posted to the Air Pool at

Trivandrum is finalised as per procedure prescribed in this regard and incumbents posted.

V. K. AGRAWAL Collector

# Cochin-682031, the 30th August 1985 ORDER NO. 148/85

Sub: Est. Appointment, promotion, postings and transfers in the grade of Superintendent of Central Excise (Group B')—Ordered.

- C. No. II/3/2/85 Estt. I.—Shri V. Mahadeva lyer, Inspector of Central Excise (S. G.) Divisional Office, Trivandrum is appointed to officiate as Superintendent of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the date he assumes charge of the higher post and until further orders.
- 2. Shri V. Mahadeva Iyer is posted temporarily as Superintendent of Central Excise, Trichur Range-III vice Shri V. Ananthakrishnan proceeded on 57 days Earned leave.

The 16th September 1985

#### ORDER NO. 160/85

Subject: Estt -- Promotion, Postings & Transfer in the grade of Supdt. of C. Ex. (Gp 'B')-ordered.

- C. No. II/3/2/85-Estt-I—Following Inspectors of Central Excise are promoted and appointed to officiate as Supdt. of C. Ex. (Gp '3') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus admissible allowances, with effect from the date they assume charge of the higher post, and until further orders:—
  - 1. Shri Ranjit Jacob Koshy
  - 2. Shri M. Gopalan
  - 2. Following postings and transfers in the grade of Supdts. of C. Ex. (Gp 'B') are hereby ordered. :-

SI. No.	Name	Place where working	Place to, which posted	Remarks
S/Sh . M. C	nri Chandrasekharan Nair	S.C.P. Dyn Calicut	Palghat-II Range	Vice A. Kesava Menon granted
I. T.N. 5. Ranji	aghavan Nambiar Gopalan it Jacob Koshy	HQRS (Prev) Supdt (T) Kozhikode Divisional Office HQRS (Prev) HQRS Office (on promotion) Trivandrum Air Customs (on promotion)	Supdt (T) S.C.P. Dvn Office Calicut HQRS (Prev) Supdt (T) Kozhikode Dvn HQRS (Prev) S.C.P. Unit Cannanore	leave. Vice SI, 1 Vice SI, 2 Vice SI, 3 Vice SI, 4 Vice Shri C. P. Bhaskaran
K. K. K	. Mathai .rishnan Nambiar amodaran .	Supdt (Prev) Ernakulam I Dvn Supdt VCC Hqrs Office Supdt (Tech) Ernakulam I Dvn	V.C.C. Sn HQRS Office Supdt (Tech) Ernakulam I Division Supdt (Prev) Ernakulam I Division	granted leave Vice Sl. 8 Vice Sl. 9 Vice Sl. 7

#### The 20th November 1985

#### ORDER NO. 189/85

Subject: - Estt -- Promotion, postings and transfers in the grade of Superintendent of Central Excise (Group 'B') -- Ordered.

C. No. II/3/2/85-Estt. I.—Following Inspectors of Central Excise are promoted and appointed to officiate as Superintendent of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus admissible allowances, with effect from the date they assume charge of the higher post, and until further orders:—

S/Shri

- 1. C.T. Zacharia
- 2. T.K. Sreenivasan
- 2. Following postings and transfers in the grade of Superintendent of Central Excise (Group 'B') are hereby ordered.

Sl. Name No.	Place where working	Place to which posted	Remarks
S/Shri			
1, C.T. Zacharia	Hqrs. Prov.	Ernakulam-II Range (Ernakulam-II Diyn.)	Vice a vacancy
2, T.K. Sreenivasan	Divl. Prev. Ernakulam-I Division	Angamally Range (Ernakulam-I Divn.)	Do.

## S NA_NICKAVASAGAM COLLECTOR

Calcutta, the 27th February 1986

Bhubaneswar, the 24th October 1985

No. II(39)5-ET-84/16158A.—The following officers of the Collectorate of Central Excise and Customs, Bhubaneswar were confirmed in the grade of Superintendent Group 'B' from the date mentioned against each.

- Sl. No., Name of officer and Date of confirmation S/Shri
  - 1. Janardan Purohit-5-11-83
  - 2. Anil Kumar Mohanty-23-11-83
  - 3. Suresh Kumar Behera-13-1-84.
  - Ardhendu Kishore Dutta—8-2-84.
  - 5, Nityanda Das-7-4-84.
  - 6. Bodhiram Acharya-30-8-84
  - 7. P. Laxminarayana-30-8-84
  - 8. Radha Mohan Paikray-6-10-84
  - 9. Krishna Ch. Beura-23-12-84
  - 10. Gangapani Behera-23-12-84
  - 11. B. C. Patnaik-7-2-85
  - 12. Mahendra Ch. Sahu-7-2-85
  - 13. Bairagi Charan Sahu-7-2-85
  - 14. Binoy Kumar Saha-10-12-84.

# The 21st April 1986

No. 1/Establishment/1986.—The following Gazetted officers of Collectorate of Central Excise and Customs, Bhubaneswar retired from Government Service on superannuation on the dates as mentioned against each:—

- 1. Shri S. N. Rao, Superintendent Group 'B'— 31-7-1985 (A.N.).
- Shri P. K. Roul, Superintendent Group 'B'—31-7-1985 (A.N.).

B. NANDA
Deputy Collector (P&E)
Central Excise and Customs

Subject:—Promotion, transfer and postings in the grade of Superintendent, Gr. 'B'

#### 1. PROMOTION

Name

Q1

Establishment Order No. 48/86—The following Inspectors of Central Excise in the combined cadres of Collectorates of Central Excise, Calcutta-I/II/Bolpur are hereby appointed provisionally on promotion to officiate in the grade of Superintendent of C. Ex. Gr. 'B' in the prescribed time scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under the rules w.e.f. the date they assume charge of the higher post (Supdt. C. Ex., Gr. 'B') at the place of their posting and until further orders:—

Existing posting

No.	Name		Existing posting
S/Sh	ri	·	
1. Kan	na! Kishore Roy		Export Refund, Cal-I
2. Saty	esh Ch. Moitra	٠.	Internal Audit, Cal-I
3. Deb	abrata Mukherjee		Principal Collector's
			Cell, Cal-1
4. Nris	ingha Kr. Biswas		Calcutta-II
5. Bhoj	raj Chakraborty		Calcutta-II
6. Sant	i Ranjan Dutta		Internal Audit, Cal-I
7. Kam	al Ranjan Bhattach	:rje	Calcutta-II
8. Prad	ipt Kr. Sengupta		Calcutta-II
9. Rabi	ndra Chandra Kar		Ca!cutta-∏

2. The above mentioned promtee officers are further warned that their appointment in Gr. 'B' posts are purely provisional and subject to revision/modification against the posts allotted to direct recruits and other officers to whom the Govt, may eventually decide to allocate the posts.

In other words the officer promoted provisionally will be brought to rosters along with direct recruits (when they become available) in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs Order No. 9/11/55/SRPS dated 22-12-59 and if they become surplus to the establishment at the time they will be reverted.

- 5. Their promotion will be subject to final outcome of the writ petition C.R. No. 8496 (W) of 1984 filed by Shri Gour Kr. Dey, Inspr. (S.G.) and in pursuance of the order in the contempt applications one post has continued to be kept vacant.
- 4. This promotion is also subject to the final outcome of the writ petition filed by Shri S.R. Dutta Sharma, Inspector and others on reservation matters.

#### II. TRANSFER AND POSTING

The following postings and transfers are hereby ordered with immediate effect fand until further orders:—

Sl. No.	Name of the Officer	Existing posting	Posting in in pro- motion/ transfer
	S/Shri		
-	Kamal Kishore Roy	ExportRefund Col-I Coll'te	Bolpur Coll'te
2. S	atyesh Ch.Moitra	Internal Audit Cal-I	
3. I	Debabrata Mukherjee	Principal Collector	Principal
		Coll, Cal-I	Collector
			Cell, Cal-I
4. N	risingha Kr. Biswas	Hdqrs. Audit Cal-II	Cal-II
			Coll'te.
5. B	hojraj Chakraborty	Serampore	Bolpur
			Coll'te
		Textile Dn.	
		Cal-II Coll'te	
		C 1-	
		Coll'te	
7. K	amal Ranjan	Howrah West Divn.	Do.
B	hattacherjee	Cal-II Coll'tc	
8. P	radip Kr. Sengupta	Barrackpore C. Ex.	Cal-∏
		Divn. Range-II, Cal-II	Coll'to
9. R	abindra Ch. Kar	Barrackpore	Bolpur
		C. Ex. Divn.	Coll'te
		Rango-I Cal-II	
10. D	). <b>K. R</b> oy	Bolpur Coll'te	Coll'te
			Appeal
			Unit,
			Cal-I
			Coli'te
11. S	.G. Dey	Bolpur Coll'te.	Cal-'B'
			Divn.
			Cal-I
			Coll't <b>e</b>
		(vice	
		transf Br.)	erred to Law
12 4	A.K. Ghosh	Durgapur Steel	al-II
14. 6	TIT. CHOSE	Dirgapur Steer Divn.	Coll'te
12 -	N Diames	• • •	
13. ł	t.N. Biswas	Durgapur C. Ex. Diva.	Cal-II Coll'to
14. N	loni Banerjee	HQ. Appeal Cal-I	Cal-'F'
		Cal-I	Divn.
			C -

The copy of the certificate of transfer of charge indicating the dates of assumption of charge of Superintendent C. Ex. Gr. 'B' by promotee/transferee may be forwarded to the Dy. Collector (P & E) C. Ex. Cal-I/II/Bolpur.

The promotee officers should exercise their options within one month from the date of promotion regarding fixation of pay on promotion in terms of Ministry of Home Affairs' O. M. No. F/7/1/80/Estt./Pt. 1 dated 26-9-81.

The Officers should be relieved immediately by local arrangement.

C. BHUNJANGASWAMY
Principal Collector
Customs & Central Excise East Zone,
Calcutta

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 6th May 1986

No. A-19012/1(42)/86-Estt.I.—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri J. M. Deshpandey Sr. P.A. (HM) to the post of EAD (HM) in the Scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity on ad hoc basis for a period of Six months w.e.f. 30-1-86 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The appointment of Shri J. M. Deshpandey in the grade of EAD (HM) is in the nature of purely local arrangement and will not confer on him any right to claim regular promotion or Seniority etc. in the higher grade.

No. A-19012/1(41)/86-Estt, I.—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri P. K. Guin, Sr. P.A. (HM) to the post of EAD (HM) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-EB-1200/- in na officiating capacity on ad hoc bsis for a period of Six months w.e.f. 27-1-86 (i.e. the date of his joining) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The appointment of Shri P. K. Guin in the grade of EAD (HM) is in the nature of purely local arrangement and will not confer on him any right to claim regular promotion or Seniority etc. in the higher grade.

S. MAHADEVA AYYAR
Under Secy.
Central Water Commission

#### New Delhi-110066, the 7th May 1986

No. A-19012/1150/85-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri G. C. Chakraborty, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 22-8-1985.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. Central Water Commission

# MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Dhupson Rubber Industries Private Limited, Raipur

Gwalior-474009, the 6th May 1986

No. 2488/PS/CP/402.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Dhupson Rubber Industries Private Limited, Raipur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

# INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 1st May 1986

No. F. 48-Ad.(AT)/1986.—Shri S. V. Narayanan, Personal Assistant to the President, Income-tax Appellate

Tribunal, Bombay is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ud hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the forenoon of 1st May, 1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President FORM ITNS (1) S

(1) Smt. Narbadi Devi Kanoria.

(Transferor)

(2) M/S. Explochem India Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No.2284/Acq.R-III/Cal|86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 105 situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at S.R.A., Cal., on 19-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid enceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be punde in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor measuring about 4085 aft. at premises No. 105, Southern Avenue, Calcutta. Registered before Sub Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 12165 dt, 19-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this netice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:

Date: 18-4-1986

Scal:

FORM ITNS ....

(1) Nilmony Banerice.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarmistha Mukherjee.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No.2285/Acp.R-III/Cal|86-87.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/1//IC situated at Anil Moitra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re registered *under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Competent Authority at S.R.A., Cal., on 7-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair nurket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) inclinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any microys or other agasts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if say, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same menaine as given to that Cherrier

THE SCHEDULE

Undivided 1|2 share in proportionate being one storeyed building together with 2 Cottah 12 Sq.fr. land at 6|1|IC, Anil Moitra Road, Cal-19. Registered before S.R.A. Cal., vide Deed No. 11625 dated 7-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-III, 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-4-1986

Seal:

30---86 GI/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Anil Madhab Paul.

(2) Smt. Lina Dey,

Transferor(s)

Transferee(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONAR OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No.2286/Acq.R-III|Cal|86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/... and bearing No. 41A situated at Charu Chandra Avenue, Calcutta

No. 41A situated at Charu Chandra Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule below) has been transferred and re registered *under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Competent Authority at S.R.A., Cal., on 16-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to balieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent o such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this petice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

609.13 Sq.ft. flat on the 1st floor at 41A, Charu Chandra Avenue, Calcutta-33, Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 12057 dated 16-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No.2287/Acq.R-III/Cal|86-87.—Whoreas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 4/4 situated at Fern Road, 24-Pargans

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Competent Authority at S.R.A., Cal., on 7-8-1985

at S.R.A., Cal., on 7-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1322 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the midact. I hereby initiate proceedings for the acquibition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely:—  Prabhas Chandra Banerjee, Gopal Chandra Banerjee, Pratul Chandra Banerjee, Subhas Chandra Banerjee, Jagdish Chandra Banerjee, Smt. Bani Chatterjee.

(Transferor)

(2) Ashutosh Mathur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeste or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 14/20th share in one storeyed structure together with land measuring about 3 Cottahs 15 Chittaks & 28 Sp.ft. at 4/4, Fern Road, 24-Pgs., Registered before S.R.A., Cal., vide Dced No. 11636 dated 7-8-1985

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquistion Range-III,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-4-1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Nirmalendu Basu.

(Transferor)

(2) Smt. Sandhyarani Das.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

that Chapter.

shall have the same meaning as given

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No.2288|Acp.R-III|Cal|86-87.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 28A situated at Bethune Row, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Competent Authority at S.R.A., Cal., on 21-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said tastrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Two storeyed and partly three storeyed building erected on a piece of land measuring about 3 Cottahs at 28A, Bethune Row, Calcutta. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. 12272 dated 21-8-85.

R. BHARDWA)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C o the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 18-4-1986

- (1) Samsen Developments Private Limited.
- (2) Smt. Kiran Nahata.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No.2289/Acq.R-III[Cal]86-87.---Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income iax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2|5 situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Competent Authority at I.A.C., Acq.R-III, Cal. on 14-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Incume-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said. Ast, or the Wesli 1957 (27 ef 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquismen of the said property esay be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that the unit being No. 8 on 7tth floor containing covered area of 2108 sft. including the bathrooms and Servant's quarters at 2/5, Sarat Bose Road, Calcutta registered before I.A.C., Acp.R-III|Calcutta vide 37EE/Acq.R-III|271 dt. 14-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquistion Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-4-1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Veekay Properties Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Joint Plant Committee.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No.2290|Acq.R-III|Cal/86-87.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/2 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

at I.A.C., Acq.R-III, Cal, on 14-8-1985

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentrate of any increase or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on he respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that unit No. 10E on the 10th floor measuring 1621.12 sq.ft. at 18/2, Gariahat Road, Calcutta registered before I.A.C. Acp.R-III, Calcutta vide 37EE|Acp.R-III/288 dt. 14-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDING
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18 4-1986

Scal:

FORM ITNS——

(1) Kanak Maitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Induben H. Sangani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No.2291 Acq.R-III Cal 86-87. Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act') have reason to belive that the immovable

As. 1.00,000/- and bearing
No. 3A situated at Madhab Chatterjee Street, Cal.-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more turn described in the Schedule annexed fereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Competent Authority at I.A.C., Acq.R-III, Cal, on 14-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

An undivided proportionate share of the building measuring 2 cottahs 5 Chittaks at premises No. 3A, Madhab Chatterjce Stree, Calcutta-20 registered before I.A.C. Acq. R-III,Cal vide 37EE[Acq.R-III]305 dt. 14-8-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be duclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M|s. Mogma Private Limited.

(Transferor)

(2) Mr. J. B. Vaswant.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No.2292|Acp.R-III|Cal|86-87.—Whreas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1962 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fat market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
22, situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Competent
Authority

at I.A.C., Acq.R-III, Cal, on 14-8-1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incidinting the reduction or evasion of the Boblity of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (if of 1922) or the said Act, or the Wealth-the Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Services 269D of the said Act, to the following persons namely:—.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A residential flat No. 33 on 3rd floor measuring 820 sq.ft. at 22, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutt. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal., vide 37EE Acq.R-III 261 dated 14-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDI:

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquistion Range-III,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-4-1986

(1) M/S Migma Privated Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|S. I.R. Technology Services Pvt. Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III Calcutta, the 18th April 1986

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Ref. No. 2293 Acq. R-III Cal 86-87.—Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 22 situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

I.A.C., Acq. R-III, Cal dated 14-8-85

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ex

## THE SCHEDULE

A regsidential flat No. 12 on 1st floor measuring 984 Sq. ft. at premises No. 22, Achitosh Chowdhury Avenue, Calcutta, Registered before I A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE[Acp. R-III]260 dated 14-8-85.

,b') facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-HI, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:— 31-86 GI/86

Date: 18-4-86.

(1) Mr. Sekhar Chandra Law.

(Transferor)

(2) M|S. Elite Commercial Pvt. Ltd.,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JII

Calcutta, the 18th April 1986

Ref No. 2294/Acp. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 29 situated at Ballyquinge Park, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Competent Authority

I.A.C., Acq. R-III, Cal. dated 20-8-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabel property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

15000 Sp. ft. floorwise plinth area at 29, Ballygunge Park, Cal., Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. 12221 dated 20-8-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquistion Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-4-1986

Scal:

(1) Sri Sachindra Narayan Singha.

(Transferor)

(2) Sri Pratap Roy P. Kothari.

(Transferc.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No. 2295 Acq. R-III, Cal/86-87.—Whereas, I, SIIAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of me Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lmmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 23/7 sittuated at Roy Street, Calcutta. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and re registered "under the Registration Act, 1908 (16 of 1708) in the office of the Registering Officer at

S.R.A., Cal under registration No. dated 28-8-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that partly two & partly three sttoreyed brick built messuage land measuring 2 Cottahs 8 Chittaks at 23/7, Roy Street, Calcutta Registered before S.R.A., vide Deed No. I-12455 datted 28-8-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-4-1986

(1) Bestlay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/S. Deep Chand Lohariwala & Sons.

(Transferce)

#### AIGHT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III

(b) by any other person interested in the said immovable

in that Chapter.

Calcutta, the 18th April 1986

Ref No. 2296/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under section

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, haing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. - and bearing No. 52A situate at Sambhu Nath Pandit Street, Cal.,

No. 52A situate at Sambhu Nath Pandit Street, Cal., (and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq. R-III, Cal., under registration No. dated-14-8-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any issues trising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

cation of this notice in the Official Gazette.

property, within 45 days from the date of the publi-

THE SCHEDULE

Flat No. 5D on the 5th floor consisting of an area of 988 Sft. at 52A, Sambhu Nath Pandit Street, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III, 262 dated 14-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN 1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

<u> ५</u>६म :

(1) Bestlay Housing Corporation.

Transferor(s)

(2) Sri Om Prakash Kyal,

Transferec(s)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No. 2297/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 52A situated at Sambhunath Pandit Street, Calcutta-20. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered "under the Registration Act, 1908 (16 of 1708) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq. R-III Cal. under registration No. dated 14-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4B on the 4th floor at 52A, Sambhunath Pandit Street, Calcutta-20 consising of an area of 976 Sft. registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/257 dt. 14-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

# 19714

#### FORM ITNS-

(1) Smt. Rini Ghosh.

(Transferor)

(2) Sri Mihir Kanti Bhowmik. Smt. Papiya Bhowmik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III

Madras-600 006, the 18th April 1986

Ref No. 2298/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. situated at Arakpur, P.S. Jadavpur. Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1708) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq. R-III, Cal., under registration No. dated-14-8-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that one storeyed brick built messuage tenement land and dwelling house together with piece or parcel of land containing an area of 3 Cottahs at Mouza Arakpur, J. L. No. 39 P.S. Jadavpur, Dist. 24, Parganas. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EF./Acq. R-III/308 dated 14-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

Scal

#### FORM ITNS———

(1) Smt. Radha Rani Sen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mukti Bhattacharjee.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III

Calcutta. the 18th April 1986

Ref No. 2299/Acq. R-III/Cal/86-87.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9|8C/1 situated at Moore Avenue, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Alipore under registration No. 6850 dated 9-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 2 Cottahs 10 Chittaks 7 sft at premises No. 9/8C/1, Moore Avenue, Calcutta registered before S.R. Alipore vide deed No. 6850 dt. 9-**8-**85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-4-1986

(1) Bestlay Housing Corporattion.

(Transferor) (Transferee)

(2) M/S. Deep Chand Lohariwala & Sons.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 18th April 1986

Ref No. 2300/Acq. R-III/Cal/86-87.--Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1 00.000/2 and bearing

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 52A situated att Sambhunath Pandit Street, Cal., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq. R-III Cal., under registration No. dated 14-8-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers Fad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 5A on the 5th floor at 52A, Sambhunath Pandit Street, Calcutta, being 1349 Sp. ft Registered before I.A.C. R-III, Cal., vide 37EE/Acp. R-III/263 dated 14-8-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-4-1985 Scal:

(1) Bestlay Housing Corporation.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) 1. Sanjeev Lohia, 2. Rajeev Lohia.

(Titansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No. 2301/Acq.R-III/Cal/86-87.— Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52A Sambhunath Pandit Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin: Officer at I. A. C., Acq Calcutta on 14-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, his respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilizating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said ract, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—86 GI/86

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period captron lates:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION:—The terms and expressions used Lorein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5C on the 5th floor consisting of an area of 1314 sq. ft. at 52A. Sambhurath Paudit Street, Calcutta-20. Registered before J. A. C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/251 dated 14-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 18-4-1986

Scal:

on 14-8-1985

FORM ITNS

(1) Bestlay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Sri Yash Dev Mulchand Punjabi.

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No. 2302/Acq.R-III/Cal/86-87.— Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 1.00.0007, and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52A, situated at Sambhunath Pandit Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeries officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair murket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitaing we reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising into she transfer;
- iv) facilitating the concealment of any income or any concerns or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transletes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of met 3/457 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Morestiel property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 2690 of the and Act, to the follow-MP WESTERS, BARROTT :---

(a) by any of the storesard persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 20 Act shall have the same meaning as given in that Chart.i.

#### THE SCHEDULP

Flat No. 1D on the 1st floor consisting of an area of 988 sq. ft. at 52A, Sambhu Nath Pandit St., Calcutta-20 registered before I. A. C., Acq. R-III/Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/261A dt. 14-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 18-4-1986

Scal:

(1) Smt. Ila Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Javanti Hazra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No. 2303/Acq.k-IiI/Cal/86-87.— Whereas 1, SHAIKII NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

114A Bakul Bagan Road, Calcutta-25
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register n. Officer at

S. R. A., Calcutta on 13-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeful. exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaze te or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which was received a price later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storied building erected on a piece of land measuring about 2 cottahs 6 chittaks 10 sft. at 114A, Bakul Bagan Road, Calcutta registered before S. R. A., Calcutta vide deed No. 11879 dt. 13-8-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 18-4-1986

(1) Bestlay Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Sri Ram Singh Choudhary.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA** 

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No. 2304/Acq.R-III/Cal/86-87.-Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the interpoable property, having a fair market value execeding Rs. 1,00,000/- and bearing

52A Sambhunath Pandit Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office of the Registering

Officer at I. A. C., Acq. R-111, Calcutta Calcutta on 14-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instamment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1959);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proseedings for the acquisition of the aronesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the second Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A on the second floor consisting of an area of 1349 sft. at 52A, Sambhu Nath Pandit Street, Calcutta-20 registered before I. A. C., Acq. Range-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/255 dt. 14-8-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 18-4-1986

FORM INS -----(1) M/s Madgul Udyog and M/s Ballygunge Estates.

Smt. Sushila Ben K. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Binani & others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2305/Acq. R-III/Cal/86-87.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 20, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acq. R III, Calcutta on 14-8-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

a) tachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the a respect of say income arising from the transfer; Lud Itt

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2D having an area of 2286 sft, in the building at premises No. 20, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19 registered before JAC, Acq. R-IIIm Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/301 dated 14-8-85.

b) lacintating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 1600 of the Sand Act, to the following cersons, namely '---

Date: 18-4-1986

(1) Mr. Purshottam Dass Goel,

(Transferor)

(2) Mrs. Neetu Dhandhania.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2306/Acq.R-11I/Car, 86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 52D, situated at Bailygunge Carathar Read, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. R-III, Calcutta on 14-8-1985, for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preparent as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facelitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2C. at 52D, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19 registered before I.A.C., Acquisition Rauge-III, Oalcutta vide 37EE/Acq.R-III/303 dated 14-8-1985.

SHAJKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

(1) Bestlay Housing Cororation.

(Transferor)

(2) Sri Rajendra Prasad Tibrewal. Srimati Manju Tibrewal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Rcf. No. 2307/Acq.R-IJI/Cal/86-87.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 52A situated at Sambhunath Pandit Street,

Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. R-III, Calculta on 14-8-1985, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid cheeve that the lair market value of the property as aforesaid cheeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sail instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffiy the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of th caforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Girecte.

EXPLANATSON: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3C on third floor consisting of an area of 1314 sft, at 52A, Sambhunath Pandit Street, Calcutta-20 registered before IAC, Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/256 doted 14-8-1985,

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely :-

Date: 18-4-1986

(1) Besday Housing Corporation.

(Transferor)

(2) Sri Rajesh Kumar Kyal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2308/Acq. R-III/Cal/86-87.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 52A situated at Sambhunath Pandit St., Calcuita, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC, Acq. R-III, Calcutta on 14-8-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4C on the fourth floor consisting of an area of 1314 sft. at 52A, Sambhunath Pandit Street, Calcutta-20 registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/Cal/258 dated 14-8-1985.

SHAIKH NAIM(IDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

grand a <del>managai</del>re del la corta dos la colo

FORM ITNS

L EL TENGE TO TA (1) Smt. Bimala Bala Nag Choudhury.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Sri Probodh Kumar Sarkar, Debjit Sarkor.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2309/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster reserved to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 14/B situated at Mohendra Bose Lane, Calcutta-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.A., Calcutta on 26-8-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Grantte of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storied building having on area 3 cottahs being premises No. 14/10, Mohendra Bose Lane. Calcutta-4, registered before S.R.A., Calcutta vide deed No. 12416 dated 26-8-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---33-86 GI/85

Date: 18-4-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Lilawati Devi Ganeriwala. Ramgopal Ganeriwala P. Ltd,

(Transferor)

(2) M/s. Suresh Construction P. Ltd.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2310/Acq. R-III/Cal/86-87.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Narendra Chander Datta Sarani,

Calcutta,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 3-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication ofithis notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or

### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

3rd floor flat measuring 1247 sft. at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta registered before S.R.A., Calcutta vide deed No. I 13636 dated 2-6-85,

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, inpursuance of e said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-4-1986

#### FORM ITNS———

(1) Sutyendu Bhattacharyya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Smt. Dipali Dutta.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2311/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Incone-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 101, situated at Monoharpukur Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering. Officer at S.R.A., Calcutta on 5-8-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/3rd undivided share in two storied brick built old building having an area of 3 cottabs 25 sft. at 101, Monohar Pukur Road, Calculta registered before S.R.A., Calculta vide deed No. 11545 dated 5-8-1985.

> SHAIKH NAIMUDD!N Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-4-1986

(1) Konak Maitta.

(Transferor)

(2)

(2) Sri Kirit R. Shah and Smt. Shobhna K. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-111 CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2312/R-111/Cal, 86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing
No. 3A situated ut Madhab Chanterjee Street. Calcutta-20,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Ohice of the registering Officer at
IAC, Acq. R-III, Calcutta on 14-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aboresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent enosideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the conscialment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957%)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this totice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An undivided proportionate share of the land actual measuring 2 cottals 5 chittaks at 3A, Madhab Chatterjee Street, Calcutta-20, registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/306 dated 14-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

(1) Amalendu Bhattacharyya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bijay Dutta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2313/Acq.R-III/86-87/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 101 situated at Monoharpukur Road, P.S. Tollygunge, and more fully described in the Schedule annexed hereto)

No. 101 situated at Monoharpukur Road, P.S. Tollygunge, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 5-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in a two storeyed brick built old building having an area of 3 cottahs & 25 sq. ft. being premises No. 101, Monohar Pukur Road, Calcutta. Registered before the S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I-11519 dated 5-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

Scal:

(1) Sri Nilmoni Banerjee,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Barid Baran Mukherjee.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calculta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2314/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 6/1/1C, situated at Anil Moitra Road, Calcutta-19, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 7-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share in the proportionate being one storeyed building together with 2 Cottahs & 12 sft. at 6/1/1C, Anil Moitra Road, Calcutta-19. Registered before S.R.A. Calcutta, vide Deed No. 11626 dated 7-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquivities of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Nirmalendu Bhattacharyya,

(Transferor)

(2) Rajib Dutta.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2315/Acq.R-III/86-87.---Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 101 situated at Monohanukur Road, Calcutta-29,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 5-8-1985,

S.R.A., Calcular of 5-6-1905, for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/3rd share in a two storeyed brick built old building having an area of 3 Cottahs 25 Sft. being premises No. 101, Monoharpukur Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I-11518 dated 5-8-1985.

THE SCHEDULE

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-4-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2316 Acq. R-III/86-87/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 11B, situated at Srikrishna Lane, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5.R.A., Calcutta on August 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) l'acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Uma Roy Chowdhury, Sri Amiya Chatterjee, Smt. Bandana Mukherjee.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Lal Mitra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storcyed building having an area of 1 Cottah 4 Chittaks 17 Sft. at 11B, Srikrishna Lane, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Decd No. 11635 dated August 1985.

SHAIKII NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-4-1986

(1) Rajat Kumar Nandy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Shyamal Kumar Nandy. Sri Amal Kumar Nandy. Sti Sajal Nandy.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2317/Acq. R-III/86-87 (Calcutta.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 18 situated at Sibdas Bhaduri Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R.A., Calcutta on 3-8-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned  $\cdot$  -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Partly two storeyed and partly three storeyed tenanted building having an area of 3 Codabs 1 Chittak 27 Sft. at 18. Sibdas Bhaduri Street, Calcutta. Registered before S.R.A.. Cal., vide Deed No. I-11450 dated 3-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—86 GI/86

Date: 18-4-1986

Scal :

(1) Shambu Baran Mukheriee.

(Transferor)

(2) Smt. Shabita Dutta.

(Transferce)

## NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th April 1986

Ref. No. 2318 Acq. R-III/Cal 86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000% and bearing

No. 1A, situated at College Row, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 17-8-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- as facilitating the reduction or evasion of the liabile of the transferor to pay tax under th esaid Act in respect of any income arising from the transfer 8547 1 ere
- (o) facilitating the concealment of any meems or any moneys or other assets which have not been we which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax out, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premiscs No. 1A, College Row, Calcutta. Registered before Sub-Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed-No. 12073 dated 17-8-1985,

> SHAIKH NAIMUDDIN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-4-1986

(1) M. B. Enterprise.

(Titansferor)

(2) Smt. Pratima Mukherjee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 18th April 1986

Ref. No. 2319/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and beating No. 1/121 situated at Gariabat Road, Cal.,

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A., Calcutta on 16-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pormance of Section 269C of the saw Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A flat containing area of 880.27 Sq. ft. on the 3rd floor at 1/121, Gariahat Road, Calcutta. Registered before S.R.A. Calcutta, vide Deed No. 12071 dated 16-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 19-4-986

... ___ : . - --: _____- -- -- -- --

#### FORM ITNS———

origina de la colonia de la colonia de la compania de la colonia de la c

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUN SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II. CALCUITA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-1/R-II/Cal/86-87.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN

SHAIKH NAIMUDDIN
bring the Competent Authority under Section 269B of the
encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinsfter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
P-398 situated at Block-C, New Alipore, Cal-53.
(and more fully asscribed in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration ver 1908 116.

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Alipore, 24 Pge, under Registration No. 7357 on 20-8-1985

for me apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tractifier with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evanton of the liability siever to pay tax under the said Act, in me arising from the transfer:
- (b) facilitating the consenherent of any tocome or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purvosines of Section 269t, at the past Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely ; ---

(1) Smt. Tapati Mukherji.

(Transferor)

(2) 1. Soit. Chandrakanta Hailaika Sri Sandeep Harlalka.

(Transferee)

(3) Sri N. N. Bidani.

(Person(s) in Occupation of the property)

(4) Smt. Dipti Chaudhuri & Ors.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of meties on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

F. XPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/4th Share of land measuring 5.485 cottahs with to storeyed building at P-398, Bl. New Alipore, Calcutta-53. More particularly described in Deed No. 7357 of S. R. Alipore, 24 Pgs. of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN: Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Fati Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 17-4-1986

/ + E - 17 (TE 2.111)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. ΔC-2, R-II, Cal. 86-87.---Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 1-398 situated at Block-C, New Alipore, Calcutta-53. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Alipore, 24 Pgs. on 20-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The Theory was produced to the second of the (1) Str Asit Batan Acharya.

(Transferor)

----

(2) 1. Smt. Chandrakanta Harlalka 2. Sri Sandcep Harlalka.

(Transferce)

(3) Sti N. N. Bidani.

(Person in occupation of the property)

(4) Soit. Dipti Chaudhuri & Ors.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land: Undivided 4th share of land measuring 5,485 Cottahs with two storcycd building.

Address: P-398, Block-C, New Alipore, Calcutta-53.

Deed No.: 7358 of S. R. Alipore, 24 Pgs. of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 17-4-1986

Scal:

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IL CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-3/R-II/Cal/86-87.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No. P-398 situated at Block-C. New Alipore, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering) Officer at S. R. Alipore, 24 Pgs. on 20-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the esaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) Smt. Dipti Chaudhuri.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Chandrakanta Harlalka 2. Sri Sandeep Harlalka.

(Transferee)

(3) Sri N. N. Bidani.

(Person in occupation of the property)
(4) Sri Asit Kr. Acharya & Ors.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Undivided 4th share of land measuring 5.485 cot-

tahs with two storeyed building.

Address: P-398, Block-C. New Alipore, Calcutta-53.

Deed No.: 7359 of S. R. Alipore, 24 Pgs. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-4-1986

organis in the control of the contro

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOMF-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta the 17th April 1986

Ref. No AC-4, R-II Cal, 86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

SHAIRH NAIMUDDIN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
P-398 situated at Block-C, New Alipore, Calcutta-53
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of 'the Registering Officer at
S. R. Alipore, 24 Pgs. on 28-8-85
for an apparent consideration which in less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Act, 1922

(1) Sri Ajıt Kumar Acharya.

(Transferor)

(2) J. Smt. Chandrakanta Harlalka 2. Str Sandeep Harlafka.

(3) Sri N. N. Bidam.

(Transferce)

(Person in occupation of the proof of the pr (Persons whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Land: Undivided 1th share of land measuring 5.485 cottalis with two storeyed building.
Address: P-398. Block-C. New Alipore, Calcutta-53
Deed No. 7582 of S. R. Alipore, 24 Pgs. of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-4-1986

(1) R. N. Poddar & Sons.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Bajrang Lal Kheria 2. Damyanti Kheria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-5/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, situated at Belvedere Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 29-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

1-XPI ANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1562 sft flat No. 6A on the 6th floor 10, Belvedere Road, Calcutta-27.

Address: Registered before Competent Authority on 29-8-85.

Deed No.: vide Sl. No. 71 of 85-86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Rond
Calcutta-16

Date : 17-4-1986

Seal

#### FORM ITNS

(1) Maya Debi Bhatto.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-6/R-II/Cel/86-87.—
Whereas J, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax 1st, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

74A situated atKhelat Babu Lane, Calcutta-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereta) has been transferred and re registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. A. Calcutta under registration No. I 11449 on 3-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than afficer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; 114/11

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name'y :--35-86 GI/86

Rajat Kumar Nandy.

(Transferee)

(3) Swapan Kr. Kundu.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

1 (one) cottah and 7 chittaks of land with building at 74A, Khelat Babu Lane, P. S. Chitpur, Calcutta-2. More particularly described in Deed No. I 11449 of S. R. A. Calcutta of 1985.

> SHAIKH NAJMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II 54. Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 17-4-1986

#### FORM ITNS-

(1) Shubham Properties.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ellora Trading Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-7/R-II/Cal/86-87.— Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19B situated at Alipore Road, Calcutta-27 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and re registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at under Registration No. 62 on 9-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

parties has not been truly stated in the said instrument of

between the

consideration for such transfer as agreed to

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: The terms are a pressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1120 87° flat No. C on the 3rd floor at 19B, Alipore Road, Calcuita-27 Registered before Competent Authority vide Sl. No. 62 of 1985-86,

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-4-1986

(1) Manik Chand Damani,

(Transferor)

(2) 1. Shri Jay Prokash Bihani. 2. Smt. Prabha Bihani.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CALCUITA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-8/R-II/Cal/86-87.— Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 106 situated at increating Main Road, Calcutta-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registered with the Competent Authority 11/8 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 64 on 23-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reconcilon of evasion of the dandity of the transferor to pay tax under the said Act, or respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys on other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the more said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as

**reg defined in Chapter XXA of the said Act,

shall have the same meaning as given in
that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One flat No. C-101 on the 1st floor at 106, Narkeldanga Main Road, Calcutta-54. Registered before Competent Authority on 23-8-85 vide Sl. No. 64 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 17-4-1986

(1) Manik Chand Damani.

(Transferor)

(2) Smt, Kamala Devi Daga.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-9/R-II/Cal/86-87.-Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 [43 of 1961] (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fait market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 106 situated at Narkeldanga Main Road, Calcutta-54

(and more fully according in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962

under Registration No. 65 on 23-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Flat No. C-201 on the 2nd floor at 106, Narkeldanga Main Road, Calcutta-54. Registered before the Competent Authority on 23-8-85 vide Sl. No. 65 of 1985-86.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 17-4-1986

(1) Manik Chand Damani.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi Harlalka.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-10/R-II/Cal/86-87.—Whereas J, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,60,000/- and bearing
No. 106 situated at Nackeldanga Main Road, Calcutta-54
and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and re-registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act rend with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962

under Registration No. 66 on 23-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

used herein EXPLANATION:—The terms and expressions us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the and/or

(b) facilitating the concentment of any meetic or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); One flat No. C-202 on the 2ud floor at 106, Narkeldanga Main Road, Calcutta-54. Registered before Competent Authority on 23-8-1985 vide Sl. No. 66 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II 54 Rafi Ahmed Kidwal Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 17-4-1986

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Manik Chand Damoni.

(Transferor)

(2) Smt. Narayani Devi Rungta.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-11/R-11/Cal/86-87.-Whereas I, SILAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act /, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,50,000/- and bearing No. 106 situated at Narkeldanga Main Road, Calcutta-54

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962

under Registration No. 67 on 23-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to besters that the trace market value of the property as aforesaid accords the appearent consideration therefor by more than statem per a or make apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in to-just of any income arising from the trans NACE / DA

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the pervise of notice on the respective persons. whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-ention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Flat No. C-301 on the 3rd floor at 106, Narkeldanga Main Road, Calcutta-54. Registered before the Competent Authority on 23-8-1985 vide Sl. No. 67 of 1985-86.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 17-4-1986

#### (1) Manik Chand Damani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) 1. Sh. Ashok Kr. Bagaria.
2. Sh. Vijay Kr. Bagaria.
3. Sh. Sharwan Kr. Bagaria.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-12/R-II/Ca1/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. 106, situated at Narkelanga Main Road, Calcutta-54

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under registration No. 68 dated 23-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Flat No. D-1 on the 1st floor at 106, Nark ldanga Main Road, Calcutta-54. Registered before Competent Authority on 23-8-85 vide Sl. No. 68 of 85-86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Date: 17-4-1986

Scal:

(1) Manik Chand Damani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sh Radheshyam Bagaria. 2. Smt. Sulochna Devi Bugaria.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AR-13/R-II/Cal/86-87.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 106 situated at Narkeldanga

Main, Road, Calcutta-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the aid Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962

under registration No. 69 dated 23-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to nalieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to buttrees the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (p) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One flat No. D-2 on the 1st floor at 106, Narkeldanga Main Road, Calcutta-54. Registered before Authority on 23-8-85 vide Sl. No. 69 of 85-86. Competent

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-Π, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persens, namely :--

Date: 17-4-1986

FORM ITNS -----

(!) Manik Chand Damani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Shrikishan Jajodia,2. Sri Ashok Isr, Jajodia,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-14/R-II/Cal/86-87.—Whereas, f, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremann referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 106 situated at Narkeldanga Main Road, Calcutta-54
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and re-registered with the Competent
Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)
of Income-tax Rules, 1962

under registration No. 70 dated 23-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 36—86GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Carette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other p rson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this entire in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One flat No. D-302 on the 3rd floor at 106, Narkeldanga Main Road, Calcutta 54. Registered before Competent Authority on 23-8-85 vide 81, No. 70 of 1985 86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Radi Ahmed Kidwai Road
Cabatta-16

Date: 17-4-1986

Seal

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-15/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14 situated at Alirore Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta under registration No. I 12493 dated 28-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Kanak Lata Mullick.

2. Ashim Kr. Mullick,

Samir Kr. Mullick.
 Nabin Kr. Mullick.

5. Smt, Kalpana Sen.

(Transferor)

(2) Eldorado (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) 1. Turner Morrison & Co. Pvt, Ltd.

2. Macneill Magor Ltd.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of 31.42 Cottah's land with building, out house and garages at 14, Alipore Park Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 12493 of R.A. Cal of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 17-4-1986

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-16/R-1/Cal/86-87.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14 situated at Alipore Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been (ransferred and re-registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta under registration No. I 12133 dated 17-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ii of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kashi Nath Mullick,

(Transferor)

(2) Eldorado (India) Pvt, Ltd,

(Transferee)

(5) 1. Turner Morrison & Co. Ltd.

2. Macneill & Magor Ltd.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Kanak Lata Mullick & Ors.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) Ly any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of land measuring 31.42 cottahs with building at 14, Alipore Park Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 12133 of R.A. Cal of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, h. pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-4-1986

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF CAR INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISTION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-17/R-11/Cal/86-87.--Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-us t Act, 1901 (45 of 1961) (heremafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the im-

novable property leaving a fair marks, value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14 situated at Alipore Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transletted and re-registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at R. A. Calcutta under registration No. 1 12134 dated 17-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for cach transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) isodificating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income mislar from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Biswanath Mullick.

(Transferor)

(2) Fldorado (India) Pvt, Ltd.

(Transferee)

(3) 1. Turner Morrison & Co. Ltd. 2. Macneill & Magor Ltd.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Kanak Lata Mullick.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of land measuring 31.42 Cottahs with building at 14. Alipore Park Rhad, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 12134 of R.A. Cal of

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 17-4-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

Baidyanath Chatterjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I. Banwarilal Parasrampuria. Sashi Kant Parmanandka.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. 18/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value

chaceding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 91B, situated at C.I.T. Scheme No. VI M, Phoolbagan cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta under registration No. 11411 dated August 1985

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfe the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2.2 cottahs land at Plot No. 91B, C.I.T. Scheme No. VI-M, P.S. Phoolbagan, Calcutta. More particularly described in Deed No. 1 11411 of R.A. Cal of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the legue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following proofs, namely:---

Dated: 17-4-1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Keshab Chandra Basu.

(Transferor)

(2) 1. Ajit Kumar Ghosh. 2. Smt. Nomita Rani Ghosh.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Rcf. No. AC-19/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 3 situated at Sector-1. Northern Salt Lake City

Sector-1, Northern Salt Lake City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta under registration No. I 12464 dated 28-8-85

of the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

6.2528 cottahs land at Plot No. 3, Block No. BA in Sector-1 of Northern Salt Lake City, 24-Parganas. More particularly described in Deed No. I 12464 of R.A. Cal. of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta-16.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 17-4-1986

(1) Hiralal Agarwal.

(Transferor)

(2) Bhawal Brothers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-20/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 182 situated at C.I.T. Scheme No. VII M. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at R. A. Calcutta under registration No. I 11644 dated 7-8-85 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weelth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

6 Cottahs 6 Chittacks 33 Sft. land at Plot No. 182, C.I.T. Scheme No. VII M, P.S. Manicktala, 24-Parganas. More particularly described in Deed No. I 11644 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Dated: 17-4-1986

Scal:

(1) M/s. Sovana Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Santosh Kr. Tibrewala, H.U.F.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. AC-21/R-II/Cal/86-87.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 103 situated at Hem Chandra Naskar Road,

Calcutta-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 5-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

### THE SCHEDULE

Land: Undivided 1/3rd Share of 1248 sft. flat.

Address: Flat No. 2 on the 1st floor at 103, Hem Chandra Naskar Road, P.S. Beliaghata, Cal.-10.

Deed No.: Registered before Competent Authority on 5-85 vide Sl. No. 56 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta.

Dated: 17-4-1986.

(1) M/s. Sovana Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Bimala Devi Tibrewala.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-22/R-II/Cal/86-87.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

103 situated at Hem Chandra Naskar

Road, Calcutta-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 5-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land: Undivided 1/3rd share of 1248 sft. flat.

Address: Flat No. 2 on the 1st floor at 103, Hem Chandra Naskar Road, P.S. Beliaghata, Calcutta-10.

Deed No.: Registered before Competent Authority on 5-8-85 vide Sl. No. 58 of 1985-86.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

Dated: 17-4-1986.

Seal:

37-86 GI/86

(1) M/s. Sovana Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Amit Kr. Tibrewala (Minor) represented by Father and natural guardian Sri Santosh Kr. Tibrewala.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC23/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 103, situated at Hem Chandra Naskar

Road, Calcutta-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 5-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasioh of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect; of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Undivided 1/3 share of 1248 sft. flat. Address: Flat No. 2 on the 1st floor at 103, Hem Chandra Naskar Road, P.S. Beliaghata, Calcutta-10.

Deed No.: Registered before Competent Authority on 5-8-85 vide Sl. No. 57 of 1985-86.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 3214 Act, to the following persons, namely:-

Dated: 17-4-1986,

### FORM ITHS

....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-24/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 2008 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 103 situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10 and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Ciliar of Registration (1908).

1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 5-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(6) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sovana Construction Co.

(Transferor)

(2) 1. Sri Santosh Kr. Tibrewala HUF, 2. Smt. Bimala Devi Tibrewala, 3. Master Amit Kr. Tibrewala (Minor) represented by Father and natural guardian, Sri Santosh Kumar Tibrewala.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1248 Sft on the 1st floor.
Address: Flat No. 2 at 103, Hem Chandra Naskar Road, Cal.-10 PS. Beliaghata.
Deed No.: Registered before Competent Authority on 5-8-85 vide Sl. No. 56, 57 & 58 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Calcutta

Date: 17-4-86.

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Sant Kumar Jhunjhunwala, H.U.F.

(Transferor)

(2) Sri Loknath Saraf.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Smt. Gita Devi Saraf.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASTIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 54, RAFI ΛΗΜΕΌ KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-25/R-II/Cal. 86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to set the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 4 situated at Clyde Row, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 54 dated 1-8-85

under registration No. 34 dated 1-8-65 for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I berefor instante proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovates property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1568 Sft. flat No. 201 on the 2nd floor at 4, Clyde Row, Calcutta, together with servants quarter and one car Parking Space. Registered before the Competent Authority on 1-8-85 vide Sl. No. 54 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Calcutta

Date: 17-4-86.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AIIMFD KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-26/R-II/Cal/86-87,---Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a tair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 4 situated at Clyde Row, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 53 dated 1-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or everion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income may memory or other mosts which have 100 been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons namely:--

(1) Shoo Komar Thunihunwala, H.U.F.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Gita Devi Jhunjhunwala.

2. Smt. Prova Devi Jhunjhunwala

3. Smt. Kiran Devi Jhunjhunwala,

(Transferces)

(3) Smt. Bhagwati Devi Jhunjhunwala. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from s service of natios on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officis: CHARACTE

ERPLANATION .— ) AL TOTOM RING CAPECAROO USED BETOID AS are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2035 Sft. flat No. 204 on the 2nd floor at 4, Clyde Row, Calculta, together with servants quarter and two Car Parking space. Registered before Competent Authority on 1-8-85 vide Sl. No. 53 of 1985-86.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Calcutta

Date: 17-4-86.

(1) Renox Commercial Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Eulsian Mahadeolall Charitable Trust. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-27/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 8 situated at Raja Santosh Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at

Competent Authority, Acq. R-III, on 30-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferencial property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- in) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2510 Sft. flat No. 3C on the 3rd floor at 8, Raja Santosh Road, Calcutta-27. Registered before the I.A.C. Acquisition Range-III, Calcutta on 30-8-85 vide Sl. No. 1296.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :----

Date: 17-4-86.

Soal :

(1) M/s. Renox Commercial Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-28/R-II/Cal/86-87.-Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 Raja Santosh Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Competent Authority, Acq. R-III on 30-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) 1. Sri Rajendra Kr. Himatsingka.

M/s. Rajendra Kr. Himatsingka, H. U. F.
 Mrs. Asha Himatsingka.

Master Rohit Himatsingka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2510 Sft. Flat No. 4C on the 4th floor at 8, Raja Santosh Road, Clcutta-27. Registered bifore I. A. C. Acquisition Range-III, Calcutta on 30-8-1985 vide Sl. No. 1297.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 17-4-1986

Scal:

(1) M/s. Renox Commercial Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Shankarlal Saraf Charitable Trust. (Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-29/R-II/Cal/86-87.—
Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

8 Raja Santosh Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed heretc), has been transferred and re-registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4)

Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962

under Registration No. 1298 on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2510 Sft. Flat No. 2C on the 2nd floor at 8, Raja Santosh Road, Calcutt-27. Registered before I. A. C. Acquisition Range-III, Calcutta on 30-8-1985 vide Sl. No. 1298.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 17-4-1986

#### FORM ITNE

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

# INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. AC-30/R-II/Cal/86-87.-Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing 655 Tollygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta under Registration No. I 12504 on 28-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) lacily ating the reduction or evening of the lightlity of the transferor to pay tax eader the soid Act, in respect of any income arising from the transfer; BANK! /OY
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the inforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:—
38—86 GI/86

- (1) 1. Suhrid Ranjan Chatteriee
  - 2. Sunit Ranjan Chatterjee
  - 3. Amar Ranjan Chatterjee.

Transferor(s)

(2) M/s. Suryanchal Apartments Pvt. Ltd. Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ma are defined in Chapter XXA of the said Ass, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

8.69 Cottahs land with building at 655, Tollygunj Circular Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 12504 of R. A. Calcutta of 1985.

SHAJKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 17-4-1986

Scal:

(1) Veekay Properties Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Neclanjana Mitra.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
III-TONNY NOLLISIOOOV

Calcutta, the 18th April 1986

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No.2283/Acp.R-III/Cal|86-87.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saïd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/2 situated at Gariahat Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Competent Authority at I.A.C., Acp. R-III, Cal., on 14-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under his said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Flat No. 3C on 3rd floor at 18/2, Gariahat Road. Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/268 dated 14-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1986

(1) Ajanta Credit Corporation.

(Transferor)

(2) Modern Sixteen & Sovan Films

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A. 44/86-87/Sl.1206 I.A.C./Acq.R-1/Cal.— Whereas, I SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heregrafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1, situated at Crooked Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and are registered with the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with rule under registration No. C.A. 44 dated 2-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—'

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that space No. G-3 on Ground Floor measuring about 701 Sft. of Premises No. 1, Crooked Lane, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range--1, Calcutta vide Sl. No. C.A. 44 dated 2-8-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-4-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Yasa Vardhan Poddar Trust, Ishwari Prasad Poddar Family Trust & Poddar Beneficiary Trust.

(Transferor)

(2) Kidarsons Industries Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A. 45/86-87/Sl. 1207 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 71, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registrion Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the register ng Officer Competent Auhoriy, I.A.C. Acq. Range-I, Calcutt on 2-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in purmance of Section .69°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesa'd property by the issue of this ne ice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Space No. 2E on Second Floor at 71, Park Street, Calcutta measuring about 1404 Sft. Registered before the Competent Authority, I.A.C.. Acquisition Range-7, Calcutta vide Sl. No. C.A. 45 dated 2-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competend Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 17-4-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A. 46/86-87/Sl. 1208 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereus, I SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 26B, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registrion Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Competent Auhoriy, I.A.C. Acq. Range-I, Calcutta on 2-8-85

Calcula on 2-8-65 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

associated exceeds the appearent consideration therefor by more than sistem per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Basant Khandelwal, Shanti Devi Khandelwal, Marter Vivek Khandelwal & Smt. Gomti Bai Khandelwal,

(Transferor)

(2) Miss Ritika Jain (represented by her father & natural guardian Surendra Kr. Jain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Fl. No. C on the 4th Floor at premises No. 26B, Camae Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calutta vide Sl. No. C.A. 46 dated 2-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitica Range-I,
54, Rafi Ahmed Ki wai Road,
Calcutta-16

Date: 17-4-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

### FORM I.T.N.S.—

(Transferor)

(2) Mrs. Hemlata Jain, Mrs. Vinita Jain & Mrs. Bimla Jain.

(1) M/s. Sujan Viniyoge Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A. 47/86-87/Sl. 1209 I.A.C./Acq, R-I/Cal.— Whereas, I SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 18A, Park Street, Calculta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been rtansferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Range-I, Calcutta on 2-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

registering Officer Competent Authority, I.A.C., Acquisition

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability therer to pay the under the mid Act, in izone arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that undivided share or interest on the roof of 5th floor of premises No. 18A, Park Street, Clcutta comprised in flat No. 5-K. Registered before the Competent Auhority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 47 dated 2-8-1985

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the a quisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) 1. Sumitra Devi Kabra

Dinesh Kabra,
 Mahesh Kabra,

Lalita Kabra and
 Mamta Kabra,

(Transferee)

(2) Shri Ratilal Manek.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A. 48/86-87/Sl.1210/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 35/1, situated at Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registertd with the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No C.A. 48 dated 2-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or hwalch-bought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mini Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPERIMENTION:—The terms and expressions used herein 'as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 10 'E', Kailash Building at Premises No. 35/1, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-71. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. N. C.A. 48 dated 2-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
43, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-4-1986

жи

(1) Mr. Assandas P. Punjabi.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendra Haridas Popat & Mr. Dinesh Haridas Popat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A. 49/86-87/Sl.1211/I.A.C./Acq.R-I/Cal.— SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 35//, sivated at Jawaharlal Nehru Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registertd with the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 49 dated 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from that transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Flat No. 16C on 16th floor, Kailash Building at Premises No. 35/1, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-71, Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acquisition Rangt-I, Calcutta vide Sl. N. C.A. 49 dated 9-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 43, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 17-4-1986

Seal : •

----

FORM ITNS-

(1) Ajanta Credit Corporation.

(Transferor)

(2) Ratnalaya.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th April 1986

Ref. No. C.A.50/86-87/Sl. 1212 I.A.C./Acq.R-I/Cal.— Whereas, I, SHAIKH NAÍMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have man to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bedding No. 1, situated at Crooked Lang. Calcutta

(and more fully departited in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No.

C. A. 50 dated 9-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent comitternion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as parced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

39-86GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that space No. G-6 on Ground floor measuring about 494 Sq. ft. of premises No. 1, Crooked Lane, Calcutta. Registered before the Competent Authority I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A.50 dated 9-8-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitnon Range-I, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17- -86

(1) Baijnath Sarawgi Smriti Nidhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Integrated Shipping Agency Pvt. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RAINGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 17th April 1986

Ref. No. C.A.51/86-87/Sl. 1213 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7, situated at Camac Street, Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and re-registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act rend with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C. A. 51 dated 14-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Counts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

#### THE SCHEDULE

All that Office Block No. 6 on the Fourth Floof of Azimganj House, 7, Camac Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl No. 51 dated 14-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitnon Range-I,
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-4-86

Scal:

(1) Mrs. Urmilla Mulchandani.

(Transferor)

(2) Mrs. Lajwanti Jotwani.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A. 54/86-87/Sl.1214/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinacter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8, situate at Sudder Street, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registertd with the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 54 dated 22-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Flat No. D-1, 1st floor at 8, Sudder Street, Calcutta-700016. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 54 dated 22-8-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-4-1986

#### FURM TINS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri J. K. Shah, Smt. Meera Dobi Shah, Shri Prakash Shah and Shri Sanjay Shah.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Jhunjhunwala.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A. 55/86-87/Sl.1215/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the linearist Act, 1961 (43 of 1961) (heromatics referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property have a fairmarket value exceeding

Rs. 1,00,000/ and bearing No.

9/1, situated at Lower Rowdon Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registered with the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 55 dated 23-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscotion 1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aroresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the action in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Not, shou have are some meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that property at 9/1, ower Rowdon Street, 'Mani Mansion', Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 55 dated 23-8-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incmoe-tax Acquisition Range-I, 43, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-4-1986

19777

FORM ITNS——

(1) M/s. Chitrakoot Properties Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26910(1) OF THE

(2) M/s. Viny International Ltd.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A. 58/86-87/\$l.1216/f.A.C./Acq.R-I/Cal.— Whereas, I, SHAIKH NAJMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
71, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the schedule below) has been transferred and re-registered with the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 58 dated 30-8-1985 for an apparent consideration which is last than the first state of the said Act. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesead property and I have reason to exceeds apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:

(a) facilitating use reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been os which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Jedian Income-tax Act, 1922-11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 26% of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --- The terms and The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Change

# THE SCHEDULE

All that Space No. 1A measuring about 3931 sq. ft, on first floor at 71, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 58 dated 30-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A.59/86-87/Sl.1217/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

8/1A, situated at Chowringhee Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and re-registered with the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 59 dated 30-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercasid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jayant Kripalani,

(Transferor)

(2) Master Alok Agarwel.

(Transferee)
(Represented by his faither Mr. Srinivasdas Agarwal and mother Mrs Uma Agarwal).

(Transcree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided proportionate share of land together with a flat measuring 676 sq. ft. (approx.) on the second floor of 'Chowringhee Apartments' under construction at 8/1A, Chowringhee Lane, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 59 dated 30-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 17-4-1786

(1) M/s. Central, Housing Corporation.

(Transferor)

(Transferce)

(2) M/s, Shancellor Promoters & Builders (P) Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A.60/86-87/SI.1218/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 100 000/2 and beging No.

Ps. 1,00,000/- and bearing No.

8, situated at Sudder Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC., Acq. RI-, Cal Competent Authority, on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

All that Flat No. 1B on the 1st floor of 8, Sudder Street, Calcutta, consisting of covered area of 858 sq. ft. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 60 dated 30-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date: 17-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP.TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE-J, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. C.A.62/86-87/SI.1219/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8, situated at Sudder Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority IAC., Acq. R-I, Cal. on 30-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and the pro

on 30-0-1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may make the mid Act, as respect of may income; arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealthday Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M. s. Central Housing Corporation,

(Transferor)

(2) M/s. Shancellor Promoters & Builders (P) Ltd. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that Plat No. 3C on the 3rd floor of 8, Sudder Street, Calcutta, consisting of covered area of 549 sq. ft. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Rangt-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 62 dated 30-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, as pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, named :---

Date: 17-4-1986

Scal:

(1) M/s. Pari Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Choukhany.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA** OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. TR-190/86-87/Sl.1220/LA.C./Acq.R-I/Cal.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act; pare It and to there that the immovable referred to the competent begins a take market value acceptant. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7/1A, situated Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcula-17 (and more fully decenses in the Schedule almexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Calcutta.

No. I-13806P dated 8-8-1985

for an apparent consideration which is less than the toir market value of the aforcard property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcard exceeds the apparent consideration therein by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, it may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) of a younce person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcaion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as att Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share in one flat No. 3B at 3rd floor at the Northern portion of 7/1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A. Calcutta vide Deed No. I-13806P dated 8-8-85.

- (a) facilitating the reduction of these materials of the transferor to pay tes under the tard Adv to respect of any income arising from the manager and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which save not bese rewhich ought to be dislosed by the transferre to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957)

Now, therefore in necessaries or but on the the same Act, I hereby initiate proceedings for the suggestion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-40-86GI86

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-4-1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Pari Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Sriprakash Choukhany.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQÚISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. TR-191/86-87/SI.1221/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7/1A, situated at Dr. U. N. Biahmachari Street, Calcutta-17

7/1A, situated at Dr. U. N. Biahmachari Street, Calcutta-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at under registration No.

I-13805P dated 8-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons hamely '----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share in one flat No. 3B at 3rd floor at the Northern portion of 7/1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta. Registertd before the R.A./S.R.A. Calcutta vide Deed No. 1-13805P dated 8-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 17-4-1986

#### FORM ITNS ...

#### (1) M/s, Pari Enterprises.

(Transferor) (2) Shri Krishna Choukhany.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Grazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.

Ref. No. TR-192/86-87/Sl,1222/I.A.C./Acq.R-I/Cal.-

SHAIKH NAIMUDDIN SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000'- and bearing No.

7/1A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 8-8-85

for an apparent consideration which is Icss than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more Than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share in one flat No. 3B at 3rd floor at the Northern portion of 7/1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A. Calcutta vide Deed No. I-11687 dated 8-8-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 17-4-1986

Scal ·

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second second section of the sec

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I. **CALCUTTA**

Calcutta, the 17th April 1986

Ref. No. T.R.-207/86-87/\$1.1223/I.A.C./Acg.R-I/Cal,— SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

3A, situated at Loudon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Calcutta on 26-8-85

at Calcutta on 26-8-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the the said exceeds the said instrument aforensideration for such that the consideration for such that the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any macron of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 1090 of he so d Act. I hereby initiate proceedings for the requirities of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely :--

- (1) M/3. Purbasa Nirman Udyog Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Shri Surjit Sen.

(Transferee)

(3) Veudor.

(Person in occupation of tht property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in reliting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the sample of notice on the respective persons, which were neglect profites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable promoty within 45 and from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act snall have the same meaning as given in that Chenic.

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 5A(N) on the 5th floor measuring 650 sft., at 3A. For lon Street, Calcutta. Registered before the P.A./S.P.A. Calcutta wide Doed No. I-12432 dated 26-8-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta-16

Date: 17-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1986

Ref. No. AC-8/Acq.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I, Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Raignahat

situated at Rajarhat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 8-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jwala Prosad Arya & Ors.,
 A, Raja Subodh Mallick Square,
 Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Nchid Housing (P) Ltd., 29, Waterloo Street, Calcutta-69.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the anid property may be made in writing to the and estimated.

- of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 63 Dec. or 38 cottah more or less), Mouza-Tegharia, R.S. Dag No. 9, Kh. No. 179 P.S. Paiarhat, Dt. 24-Parganas Deed No. 11684 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-IV,
43, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 16-4-1986

#### PORM ITNS ---

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. N. Kapoor,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 130 37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the lacomesta, Act. 1961 /43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 11 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Lucknow on 9/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the t insferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andjor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ac 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11 on the third floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 630 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 143 deted 0.9 1085 143 dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 2690 of the value Act to the following bersons, namely :-

Date : 8-4-1986

#### FORM ITNS----

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvl. Ltd., Lucknow Through its Director.

(2) Arman Finance,

(Transferor)
(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 131/37EE/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269P of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 3 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred and the agreement is registered 1/269AB of the I.A. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at 1 ucknow on 9/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3 on the third floor of a multi-stereyed building known as "Vinay Place", measuring 630 sq. ft. situated at 11. Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow. under Sl. No. 144, dated 9-8-1985.

MRS. U. KANJILAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I ucknow

Date: 8-4-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

Lucknow

(Transferor)

(2) Master Girish Gulati.

Through its Director.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 132; 37EE/Acq -- whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under socion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Leacinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair arkit value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4 situated at

11, Ashok Marg, Lucknow

(and more fully accended in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.A. Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Lucknow on 9/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesast property and I have reason to believe that the faiar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration factafor by more than bifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gansfor with the expect of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) thousating the concealment of any income or any moners or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested In the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The 15 mm and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the third floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 371 sq. ft. situated at 11. Ashok Marg, Lucknow.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 145, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid tropect to the state of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Through its Director.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Rastogi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 133/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competen' Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 10 situa ed at

11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.A. Act, 1961 in the office of the Competent

Lucknow on 9/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Cificial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall keeps the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flet No. 10 on the first floor of a multi-storeyed building known as 'Vinay Place', measuring 370 sq. ft, situated at 11. Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 146, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-4-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the folks and persons, namely :-41-86GI86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.J.R. No. 134/37EE Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), here reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 1 situated at

11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.A. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on 9/8/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income uniting from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, -922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sunita Seth, 2. Shri S. K. Khanna.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, on the second floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 660 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 147, dated 9-8-1985.

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date : 8-4-1986

Scal;

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TANK ACT, 1961 (43 OF 1961)

### COVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 135/37EE/Acq.--Whereas, I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 305 situated at

11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.A. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on 9/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion a of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.
  - (Transferor)
- (2) 1. Shri S. K. Khanna,
  - Smt. Neera Khanna, 3. Miss Shameena Khanna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 305 on the third floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 37 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 148, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

New, therefore, in pursuates of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-4-1986

The state of the s

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

> COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

> > Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 136/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 306, 307 situated at

11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on 9-8-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.

(Transferor)

(2) Master Shri Shiv Malhotra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (2) by any of the albrevaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the wablication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as the section 1 in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Charles

### THE SCHEDULE

Flat No. 306, 307 on the third floor of a multi storeyed building known as "Vinay Place", measuring 660 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by he Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 149, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-4-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Mrs. Tripat Narpuri.

Through its Director.

ucknow

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 137/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

the Competent Authority under Section 269B of the Ucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immediately having a fair market value exceeding immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9 situated at

11. Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other oerson interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 9 on the third floor of a multi-storeyed bldg. know as "Vinay Place", measuring 37 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 150, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-4-1986

Compared to the property of th

### FORM ITNS

- (1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt, Ltd., Lucknow Through its Director.
- (2) 1. Dr. A. K. Kapoor, 2. Dr. O. P. Kapoor.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

### ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 138/37EE/Acq.—Whereas, I. VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 100 000/- and beging No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 210 sintated at

11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cant of such apparent consideration therefor by more than afteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liab of the Engelerer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tempolar; andler
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or warch ought to be discussed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1987);

Objections, if any, to the assistance of the said property may be made in westing to the madernigned .---

- (a) by any of the aieresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nerross. whichever period expires inter-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and empressions used borein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sumo recurring as given is that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 210 on the second floor of aulti storeyed building with as "Vinay Place", measuring 600 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 151, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aferonial property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

Date: 8-4-1986

Scal:

______

FORM ITNS ---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARC LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 139/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the said Act.) here census to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1 situated at

11. Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the finbility of the transferor to vay tax noder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow

Through its Director.

(Transferor)

(2) Mrs. Upma Agarwal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicher or period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the third floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 600 sq. ft. situated at 11. Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 152, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-4-1986

The second section of the section of the second section of the section of the second section of the section of the second section of the section of the second section of the section FORM ITNS——

### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 140/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2 situated at 11, Ashol Marg, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.

(Transferoa)

(2) 1. Shri J. C. Dhall, 2. Smt. Chand Dhall.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of time notice in the Official Gazette or a period of 30 %. from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the second floor of a multi-storeyed building know as "Vinay Place", measuring 688 sq. ft. situated at 11. Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been egistered by the Competent Authority. Lucknow, under Sl. No. 153, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intities proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :—

Date: 8-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT- 1961 (43 OF 1961)

### (1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.

Transferor(s)

(2) Smt. Samina Kidwai.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 141/37EE/Acq.—Whereas, I. VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5 situated at 11. Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5 on the second floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 600 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been negletered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No.

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-42-86GI/86

Date: 8-4-1986

Scal:

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.

(Transferor)

(2) Miss Monika Soi.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 142/37EE/Acq.-Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), here reason to believe that the knownovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 8 situated at

flat No. 8 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid arranged the apparent consideration therafor by more than exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafor with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trianger; and/or
- ib) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: -
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8 on the third floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 350 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been reigntered by the Competent Authority, Lucknow under St. No. 155, dated 9-8-1985.

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the secion (1) of Section 2699 of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1986

Scal:

### FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.

(2) Mrs. Surinder Kaur.

(Transferor)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 143(A)/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4 situated at

Flat No. 4 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the 1. T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or.
- ,b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the first floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 350 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been reigstered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 15, detect 0.8 1005 15, dated 9-8-1985

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-4-1986

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.

(2) Mrs. Surinder Kaur.

(Transferor) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.J.R. No. 143(B)/37EE/Acq.—Whereas, I. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

F at No. 5 situated at

11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

. e) facilitating the reduction or evenion of the Hab of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer Not buse

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been envised to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-time Act, 1957 (27 of 1957))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5 on the first floor of a multi-storeyed building know as "Vinay Place" measuring 370 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 156, dated 9-8-1985

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the classical property by the issue of this society under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely: -

Date: 8-4-1986

____

### FORM ITNS

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.

(Transferor)

(2) Mrs. Surinder Kaur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. G.I.R. No. 143/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Hat No. 6 situated at

11. Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the 1.T. Act, 1961 in the office of the Competent attacking, Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on the first floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 354 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow, The agreement has been reigstered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 155, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-4-1986

Soal:

### FORM TINE

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through its Director.

(Transferor)

(2) Mrs. Surinder Kaur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 143(D)/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 7 situated at

11. Ashok Marg, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of th Ceompetent Authority, Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more ann fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-to-Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 7 on the first floor of a multi-storeyed building know as "Vinay Place", measuring 274 sq. ft. situated at 11. Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 156, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

### (1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow

Through its Director.

(Transferor)

(2) Mrs. Surinder Kaur.

(Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 143(E)/37EB Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having to fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8 situated at

11. Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed horsto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as affect to between the profess has not been strally stated in after a total consideration. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ud or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other susets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8 on the first floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", situated at 11, Ashok Marg. Lucknow measuring 376 sq. ft. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under SI. No. 156, dated 9-8-1985.

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 8-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Mrs. Surinder Kaur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

> > Lucknow the 8tth April, 1986

Ref G.I.R. No. 143/F7/37EE.-Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9 situated at 11 Ashok Marg Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I. T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-8-1985 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-wax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(1) Shri Quick Constructtion & Engineering Co. Pvt.

Ltd. Lucknow, Through Its Director.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 9 on the first floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 370 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under SI. No. 156, dated 9-8-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 8-4-1986. Scal:

(1) Quick Construction & Engineering Co. Ltd. Lucknow Through its Director.

(Transferor)

(1) M/S. Motor Sales Limited, Lucknow.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

57, TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow the 8th April, 1986

Ref. No. G.I.R. No. 144/37EE/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3 situate at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the LT. Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transrefer to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any receive or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this neces in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 3 on the ground floor of a multistoreyed building known as "Vinay Place", measuring 3550 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 157, dated 9-8-1985.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

g Datte 8-4-1986. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

43-86GJ86

(1) Quick Consruction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow through Director.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Shri Desh Deepak Chopra

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd April 1986

Ref. No. G.I.R. No. 145/37EE/Acq.—Whereas I MRS. U. KANJII.AL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authoriy, Lucknow on 9-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the waid instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or cvasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the first floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 680 sq. ft, situated at 11, Ashok Marg, Luckonw. The agreement ahs been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 158, dated 9-8-1985.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preserve by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-57 RAM TIRTH MARG, LUCKNOW Lucknow, the 2nd April 1986

G.I.R. No. 146/37EE/Acq.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 265C of the self-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through Director.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Kamaljit Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the second floor of a multi-storeyed building known as "Vinay Place", measuring 590 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under St. No. 159, dated 159, dated 9-8-1985.

MRS. U. KANJILAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jul. now.

Date 2-4-1986. Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-57 RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1986

G.I.R. No. 147/37EE/Acq.-Winerens I. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through Its Director.
- (1) Shri Anand Kumar Agarwal. (2) Shri Manoj Kumar Agarwal.
- (3) Shri Rajesh Kumar Agarwal.(4) Shri Vishal Kumar Agarwal.
- (5) Shri Vineet Kumar Agarwal.

(Transferor)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the ground floor of a multistoreyed building known as "Vinoy Place", measuring 900 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registerred by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 160, dated 9-3-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date 8-4-1986. Seal ·

### FORM I.T.N.S.

(1) Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow Through Director.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferor)

19809

(1) 1. Smt. Dhanno Devi, 2. Smt 'Anita Agarwal.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-57 RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd April 1986

G.I.R. No. 148/37EE/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Falt No. 8 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Mahibity of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ٥٥/ قصه
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesses which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immevab property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No.8 on the second floor a multistoreyed building known as "Vinay Place", measuring 370 sp.ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under \$1.Nb.161, dated 9-8-1985

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I ucknow.

Date: 2-4-1985

FORM ITNS----

 Quick Construction & Engineering Co. Pvt. Ltd., Lucknow through its Director.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Maj. Gen. M.N. Rawat, 2. Mrs. Kamla Rawat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April, 1986

G.I.R. No. 148/37EE/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No.10 situated at11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Lucknow on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for, such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 /11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No.10 on the third floor of a multistoreyed buildng known as "Vinay Place", measuring 371 sq. ft. situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been regitered by the Competent Authority, Lucknow, under S1.No.162, dated 9-8-1985.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Date: 8-4-1986

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-57 TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th April, 1986

G.I.P. No. A-196/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR

bong the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No.6 situate at Premises No.7, Tilak Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 19-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Leila Seth.

(Transfer.)

- (2) 1. Ambrish Asthana,
  2. Sanjay Asthana,
  4. Rakesh Ashthana,

  - 5. Smt. Shyam Kishori.

(Transferee)

(3) Venor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing plot No.6, measuring 1500 sq.mtrs situated at Premises No.7, Tilak Marg, in front of Dalibagh Kothi, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed.

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow,

Date: 10-4-1986

### FORM LT.M.S.

(1) Dr. Hasan Sadik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vijay Pratap Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF BROOMS-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG., LUCKNOW Lucknow, the 10th April 1986

G.I.P. No. 194/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Vill. Kanausi, Pargana, Tehsil & Distt.

Lucknow

(and more fully described in the schedule amexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on August, 1985

Lucknow on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netter in the Official Gazette or a period of 30 days from the previous of motion on the respective persons.

whichever period expires later;

- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evaples of the liability of the transferor to pay tak micer the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land measuring 7,33,292 sq.ft. situated at Vill. Kanausi, Pargana, Tehsil and Distt. Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and 37G Form No.10745.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I ucknow.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inhibite proceedings for the acquisitein of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-1986

FORM LT.N.S.—

(1) Mr. Ashok R. Purohit.

(Transferor)

(2) Mrs. | Sudha S. Khaitan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (44 ON 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT . COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION: RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EF/7649/85-86.--Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. No. Flat No. 48, Gulistan, New Gulistan CHSL, 13, Cari-

chael Road, Bombay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afotesaid property and I have reason to believe that the fair ranket value of the properly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to vay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentment of any income of any moneys or other which have not been or which eaght to be discussed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property many he made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 48, Gulistan, New Gulistan Co-op, Housing Society Ltd. 13, Carmichael Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7197/85-86 on

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--44--86GI86

Dated 2-4-86. Seal:

#### (1) Mr. Manoharlal K. Chhabria, Mrs. Meenakshi M. Chhabria, Manoharlal Karamchand, HUF. (Transferor)

(2) Mr. Raiendra Prasad Agarwal.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay the 2nd April 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ARI/37EE/5758/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 21, 5th bloor, Krisdna Kunj, G-Road, Plot No.

94, Marine Drive, Bombay-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said imm value property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 21, 5th floor, Krishna Kunj, G-Road, Plot No. 94, Marine Drive, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay, under S. No. AR-I/37EE/7185/85-86 on

16-8-1985

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A + I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated 2-4-1986. Scal:

(1) Smt. Lalita Venilal Unadkat.

(Transferor)

(2) Shri Narayan Prasad Jajodia.

(Trauscree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITON RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay the 2nd April 1986

Ref No. AR-I/37EE/7604/85-86.--Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Office Premises No. 204, 2nd floor. Marine Chambers

43, New Marine Lines, Bombay-20. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-8-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersianed :--

- (a) by any of the secreeald persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticin the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Premises No. 204 on 2nd floor, Marine Chambers, 43, New Marine Lines, Bombay-400020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7148/85-86 on 9-8-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated 2-4-1985. Seal:

FORM ITNS----

(1) Smt. Ishwaribai Tikamdas.

(Transferor),

(2) Shri M. Noor Mohamed.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Mr. Pushpenderkumar A. Ochan. (Person in occupation of the property.)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMAS SIGNER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazett; or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever revied expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

(b) by any other person interested in the said immovrials property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-400 038, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7533/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XMA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a, the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office Praemises No. 419/A. 4th floor, Prasad Chambers, Swadeshi Mills Compound, Bombay-400 004
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay at 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by assore than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Office Premises No. 419/A. 4th floor, 'Prasad Chambers Swadeshi Mills Compound, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7082/85-86 on 2-8-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in rursuance of Soction 269°C of the mid A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260°C of the said Act, to the following tersons, namely:—

Date: 2-4-1935

(1) Mrs. Huanara M. Alam.

(Transferor)

(2) Mr. Subash R. Khanna,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 2nd April 1986

Ref No. AR-137EE/7598/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6, gr. floor, Gulistan, 13, Carmichael Road,

Bolhbay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-8-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said mamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 6, gr. floor, Gulistan, 13, Carmichael Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7142/85-86 on 9-8-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any access or other assets which have not been or which poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 2-4-1986

Seal

### FORM ITNS----

### (1) Smt. Rukmanı L. Sajnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Devendia D. Shah and Smt. Sugun D. Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-1/37112/7567/85-86.—Whereas, I, NISAR, AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter created to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, gr. door, May Flower CHSL, Carmichael Road,

Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the alorestid property, and I have reason to believe that the roll on the value of the property as aforesid exceeds the appoint consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such the such apparent of such the such apparent of the parties has not been ruly stated in the suit tention of the parties has not been ruly stated in the suit instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the fransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ludium Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on ground floor, May Flower Co-op. Housing Society, Carmichael Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7114/85-86 on 7-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-4-1986

### (1) Mr. Seplay C. Munshi

(Transfercs)

(2) M. Lareth Advadi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property.)

### GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7757/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe at the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 62, 6th floor, Venus Apartments, Altamount Road,

Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 27-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereir as the defined in Chapter XXA of the said not, shall have the more meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor, Venus Apartment, Altamount Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, floration, under S. c. AR-1/37EE/7209/85-86 on 27-8-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-4-1986

### 19820

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7759/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

using the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Apartment No. 4, 3rd floor, Sethna Building, 55, Queen Road, Bombay-2

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority.

at Bombay 27-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- rb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Gangabai Pahilaj.

(Transferor)

(2) Panna Textile Industries Pvt. Ltd.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

(4) Transferce.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exitanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

### THE SCHEDULE

Apartment No. 4, 3rd floor, Sethna Building, 55, Queens Road, Bombay-2

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7301/85-86 on 27-8-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-4-1986

Scal:

(1) M/s S. R. Exports.

(Trfansferor)

(2) M/s R. Rajesh and Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 196! (43 OF 196!)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property.)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7693/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said A.f'), have reason to believe that the immovable procerty, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 618, 6th floor, Prasad Chambers, Swadeshi Mill Compound, Tata Road No. 2, Opera House, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Sand Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the mirroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-45-86 GI/86

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trees the service of notice on the respective persone whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 618, 6th floor, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7237/85-86 on 21-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-4-1986

### FORM TING .....

(1) Mrs. Perin Nariman D. Hansotia.

(Transferor)

(2) Mr. Viresh P. Kothari.

(Transferee)

SOUICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### DEFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7556/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (+3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 61, 6th floor, Sainara, 17, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fustrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer धर्म /स
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

### THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor, Sainara, 17, Cuffe Parade, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomboy under No. AR-1/37FF/7104/85-86 on 6 8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 2-4-1986

Scal:

### FORM TING

(1) Shri Bhagwandas L. Rijawani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Pravin V. Turakhia, Smt. Kamlaben V. Turakhia, Smt. Kalpana P. Turakhia.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property.)
(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7785/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 13, Navare Apts. Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Scheme No. 6, Sion Matunga Estate, Saon, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 28-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said sustainable of transfer with the object of 3—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mouse or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-trac Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immetable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 12. 5th floor, Navare Apartments Co-op. Housing Society Ltd., Scheme No. 5, Sion Matunga Estate, Sion, Bombay-22,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7325/85-86 on 28-8-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1986

(1) Shri Dalichand F. Gandhi, Smt. Champa D. Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Tarun D. Shah, Orat. Isarui A. Shah and Ashwin D. Shah.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th April 1986

from the Competent Authority under Section 269B of the frome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Fint No. 8, 3rd floor, Apurva Bldg., Shree Hind CHSL, 23, Duncan Causeway Road, Sion-Chunabhatti, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under perion 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomp-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weakin-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dute of publication of this notice in the Official Gazutte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever seriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor, Apurva Bldg. Shree Hind Co-op. Housing Soc. Ltd., Plot No. 11, 23, Duncan Causeway Road, Sion (Chunabhati) Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, seement, under No. AR-1/37EE/7240/85-86 on 21-8-1985.

NJSAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foregaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-4-1786

### FORM LINS----

(1) Shri Ashok Kumar Dugar.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Smt. Jasuben M. Bhamra,

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7668/85-86,--Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing a rent magnetic state of the Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 91. 9th floor, Oceanic Apartments, Dr. Rajabali Patel Road, Off Bulabhai Desai Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 22-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said inscrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been are which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 91, 9th floor, Oceanic Apartment, Dr. Rajabali P Road, Off Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7273/85-86 on 22-8-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, munely :--

Date: 2-4-1986

### FORM TINS

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7673/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMFD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Ra. 1,00,000/- and bearing

Flot No. 27, 6th floor, Hanuman Sharan CHSL, 87-A, Bomanji Febt Bood, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269/1B of the Said Act in the Office of the Competent Authority

It Bombay on 10-8-1935. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslibert Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Chandraben N. Talreja.

(Transferor)

(2) Sudhaben K. Aga, Karehanlal M. Aga, Jyoti K. Aga.

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the corvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plat No. 27, 6th floor, Hanuman Sharan CHSL, 87-87-A, Eomanji Petit Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomboy, under S. No. AR-I/37EE/7216/85-86 on 19-8-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the negatition of the aforesaid property by the home of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-4-1986

Seal

(1) Mr. Kant Gupta.

(Transferor)

(2) Miss Sheroo A. Sourdas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 2nd April 1986

(a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-I/37EE/7529/85-86.-Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204B, Surya Apartment B, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2-8-1985

at Bombay on 2-3-1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 204, B, Surya Apartment B, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Portbay under S. No. AR-J/37EE/7081/85-86 on 2-8-1985.

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '.--

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 2-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7527/85-86.-Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Fs. 100,000/- and bearing

Flat No. 1, 13th floor Bendiding, Skyscraper, Bhulabhai Desai Road, Bomaby-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Miss Sheroo A. Soordas.

(Transferor)

(2) Smt. Poornima S, Aggarwal & Sharad C. Aggarwal.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period orgine later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Flat No. 1 on the 13th floor of B-Building Skyscraper, Sind Work Co-op. Housing Society Ltd., Bhulabhal Desal Road, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7079/85-86 on 2-8-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 2-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA THE INSPECTING ASSISTANT COMIS-SIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 2nd April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7716/85-86.- Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat on 2nd floor, Sagar Villa. 38 Bhulabhai Desai Road,

Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-8-1985

for an apparent conclusion which is less than the fair market value of the above and property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not born tody stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of '957);

(1) Asha V. Harlalka, Gautam Harlalka, Manish Harlalka.

(Transferor)

(2) Nirmala P. Gandhi. Prataprai S. Gandhi, Neha Nikhil Gandhi & Bhavesh P. Gandhi.

(Transferee)

Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

  This here period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat on 2nd floor, Sagar Villa, 38, Bhulabhai Desai Road,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7259/85-86 on 22-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--46—86 GI/86

Date: 2-4-1986

(Person in occupation of the property)

#### FORM ITNS-

(1) Mrs. Mehroo Kaki Gandhi, Miss Katy K. Gandhi.

(Transferor)

MOTIGH UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pratibha R, Shrimal & Rikhabchand G. Shrimal.

(2) Transferees.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 24th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7595/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the 'said Act'), have reason to behave that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and braving Flat No. 104, New Hormuzd CHSL, 131, August Kranti Marg, Bombay-400 036 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Compession of the Compession of the Compession 269 AB of the Said Act in the Office of the Compession of the Compessi section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) instituting the reduction as eventon of the lightly of the transferor to pay tax under the sold Ast, in respect of any incesses arising from the transfers سراعمة
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the trans purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pursuents. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104, Hormuzd Apt. New Hormuzd Co-op. Housing Society Ltd., 131, August Kranti Marg. Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/7154/85-86 on 9-8-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the sold Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-3-1986

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) M/s, Jogani Investments.

(Transferor)

(2) Shri Mangilal T. Jogani & Shri Suresh T. Jogani,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th April 1986

AR-1/37EE/7657/85-86.—Whereas, I, Ref. No. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

riat No. 101 & 102 alongwith two open car parking spaces, Red Rose Apt., Pochkhanwalla Street, Worli Bombay-18

uated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at ошьау **on 16-8-1985** 

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 101 & 102 alongwith two open car parking spaces, Red Rose Apartment, Pochkhanwala Street, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/7202/85-86 on 16-8-1985.

NISAR AHMI D Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-4-1986

and a general construction of the construction

FORM I.T.N.S.——

(1) Girdharidas Sewaram Rajani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kalyan Laxmanbhai Raghwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 14th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7517/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 46, Garage No. 23, Himgiri Co-op Housing Society
Ltd. Padam Tekari Peddar Road, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereas), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1885

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.:-- The terms and expressions used herein ___ are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the .ame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 46, Garage No. 23, Himgiri Co-op Housing Society Limited, Padam Tekari, Peddar Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7069/85-86 on 2-8-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ausets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

Date: 14-4-1986

(1) Mrs. Jashodabai Devji Soni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mrs. Varsha K. Mehta

(Transferee)

## INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038 the 10th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7701/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 2, 6th fl., A Wing, Tehmi Terrace Co-op. Hsg.
Society, Dr. Ambedkar Road, Bombay-14
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority Bombay on 21-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the agrarent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the contention of any morne or any manages of order many and heavy act been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 6th floor, A Wing, Tehmi Terrace Co-op. Housing Society, Dr. Ambedkar Road, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7244/85-86 on 21-8-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7742/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 401A Markar Mansion, 4th floor, 623, Matunga Estate, Fivo Gardens, Matunga, Bombay-14 situated at Rombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-8-1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for which outposes of the Indian Income-tax (11 of 1922) or the said Act, or the Act, 1957 (27 of 1957); Act, 1922 Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Miss Bina D. Ghalani alias Mrs. Bina S,

(Transferor)

(2) M/s. Super Engineers.

(Transferee)

(2) Transferee. (4) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows (to be interested in the property)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401 A, Markar Mansion, 4th floor, 623, Dadar Matunga Estate Five Gardens, Matunga Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-J/37EE/7284/85-86 on 26-8-1985.

**NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-1 Bombay

Date: 10-4-1986 Scal:

#### FORM ITNS -

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Vijaykumar Waman Laud & Mrs. Hirabai Waman Laud.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038 the 10th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7812/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 704, 7th floor, Garage No. 5, Udyan Darshan Bldg., Sayani Roao, Prabhadevi, Bombay-25

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Rombay on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 704 on 7th floor & Garage No. 5, 'Udyan Darshan' Building, Sayani Road, Prabhadevi Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7350/85-86 on 30-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-1986

#### FORM ITNS-

(1) Mr. Bhaskar Raghunath Nirody.

(Transferor)

(2) Mr. Sandsen Bhaskar Bhise.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

ೂ ಕಲ್ಪ್ ಪ್ರಕ್ತಿ <del>ಕಲ್ಲ</del>ಕ ಕಾರ್ಕ್ #್

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7661/85-86.--Whereas, I

NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 6, Deeplakihmi Bldg., Plot No.
T.P.S. IV, Bombay

Plot No. 1286, B-Part,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, v respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in oursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the Sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hat No. 6 in building 'Deeplakshmi'. 3rd floor, Plot No. 1286 B-Part, T.P.S. IV, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EF/7206/85-86 on 16-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I **Bombay**

Date: 10-4-1986

(1) M/s. Ferani Developers.

(2) Dr. Waman Vinayak Laud.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7792/85-86.—Whereas, I, MISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 705. 7th floor, Parking No. 5, Udyan Darshan building Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority of tent Authority at

Bombay on 29-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liables of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aggets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Art, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the Saue of this notice under subaction (I) of Section 2091) of the said Act, to the following pe sons, namely :--47—86 GI/86

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- within a period (a) by any of the aforesaid persons of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used never as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 705 on 7th floor & Parking No. 5, Udyan Darshan Building, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37FF/7332/85-86 on 28-8-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-4-1986

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 24th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7587/85-86.--Whereas, I,

ker. No. Ak-1/3/EE/7587/85-86.—Whereas, 1, AR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104, Hormuzd Apt., 131, August Kranti Marg, Rombay-36

Bombay-36

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Compotent Authority at

Bombay on 8-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) racilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

(1) Mrs. Mehroo Keki Gandhi & Miss Katy Keki Gandhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pratibha R. Shrimal & Sri Rikhabchand G. Shrimal.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104, Hormuzd Apt., 131 August Kranti Marg,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/7061-B/85-86 on 8-8-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Da e : 24-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 14th April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7625/85-86.—Whereas, I. -5 AR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Mahalaxmi Commercial Premises Co-op. Society Ltd., Mahamand Chambers, 23, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any inmoce or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weslet-ux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following actions, namely:—

(1) Mehtab Sohrab Modi.

(Transferor)

(2) Varcli Weaves Pvt, Ltd.

(Transferee)

(3) Vareli Weaves Pvt, Ltd.

es Pvt, Ltd. (Person in occupation of the property)

(4) None,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestal persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Mahalaxmi Commercial Chambers, 23, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7171/85-86 on 14-8-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 14-4-198p

#### FORM ITNO-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

## (1) Shri Raul Gomes & Smt. Maria Gomes.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar G. Kapoor & Smt. Asha Krishan Kumar Kapoor.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ΒΟΜΒΛΥ-38

Bombay, the 10th April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7781/85-86,---Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 47, 31d floor, Merry Land CHSL, Worli Sea-

face, Bombay-400 018

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority a; Bombay on 28-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, -if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XYA of the said Act, shall have the same moranna as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 47, 3rd floor, Merry Land Worli CHSL. Seaface, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I 371 E/7321/85-86 on 28-8-85.

> NISAR AHMED Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I **Bombay**

Dated: 10-4-86.

#### (1) Shri Gajanan Vaman Mundle.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manoj G. Bhuta & Smt. Varsha M. Bhuta, (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7536/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding S. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 14, Plot No. 90, Gitalnjali Bldg., Wadala,

Bombay-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to sclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any browne arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Wadala. Flat No. 14, Plot 90, Gitaniali building. Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7085/85-86 on 2-8-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of tthe said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10-4-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY-38**

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7528/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 72, 7th Floor Urvashi Building 66 Nepean Sea Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred and the acceptance in registered and or

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe-Competent Authority at

Bombay on 2-8-85 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaide exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in purmance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Prashant Shivanand Shah.

(Transferor)

(2) Maharashtra Hybrid Seeds Co. Ltd.

(Transferee) (3) Shri B. R. Barwale, (Person in occupation of the property) Maharashtra Hybrid Seeds Co. Ltd.

(4) As above.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 72, 7th floor of Urvashi Building, 66 Napean Sea Road, Bombay-400 006,

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7080/86-87 on 2-8-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 14-4-1986.

(1) Smt. Satwant Kaur Khalsa & Shri Sujan Singh B. Khalsa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mist. Sevantilal H. Paiekh, Mrs. Manjula S. Parekh, Jitesh S. Parekh & Mr. Binal S. Parekh (2) Mrs. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ВОМВЛҮ-38

Bombay, the 15th April 1986

Aef. No. AR-1/37/7486 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 18s. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, 3rd floor, Bldg. No. 4, Navjivan CHSL, Lamington Road, Bombay-8 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the company of the company o section 269AB of the said Act in the Office of the Compe-Competent Authority at Bombay on 1-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforestid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as gives. in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the und Act, in respect of any income arising from the transfers ind'/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7. 3rd floor, Building No. 4, Navjivan Co-op. Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-8.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7040/85-86 on 1~8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Dated: 15-4-1986, Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following בי על אית מת ביים, ביים

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7588/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1st floor, Robit Chambers, Ghoga Street, Fort,

Bombay-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe-Competent Authority at Bombay on 9-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tensor to the said instrument of transfer with the object of tensor that the said instrument of transfer with the object of tensor to the said instrument of transfer with the object of tensor that the said instrument of transfer with the object of tensor to the said instrument of transfer with the object of tensor to the said instrument of the said instrume

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act 1957 (22 of 1957);

(1) M/s. Express Stationery Service.

a <del>andre agree</del> de l'est au mandre de l'est de l

(Transferor)

(2) M.s. Rohit Pulp & Paper Mills Ltd.

(Transferce)

(3) M/s. Express Stationery Service.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said insurer able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1st floor, Rohit Chambers, Ghoga Street, Fort. Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7135/85-86 on 9-8-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Kange-1
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-4-1986.

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) Miss Shirlee Sadarangani,

(Transferor)

(2) Richardson Hindustan Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I ΒΟΜΒΛΥ-38

Bombay, the 15th April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7621/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 151-B, Khushnuma CHSL, 29-A, NIL Daha-

mikar Marg, Bombay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compe-Competent Authority at

Bombay on 12-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insergment of transfer with the object of :-

- (a) (ecilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. **海林心 /04**
- (b) facilitating the concomment of any income or any asoneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay Act, 192? 11 of 1922) or the said Act or the Verlth-tax 11t, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sumsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamebox

48-86 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said insmovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 151-B, Khushnuma Co-op, Housing Sc Ltd., 29-A, N.L. Dahamikar Matg, Bombay-400 026. Society

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7166/85-86 on 12-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority meeting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 15-4-

#### PORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 14th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7596/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter redecred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Land & Building known as Advani Chambers Sir P. M. Road,

Fort Bombay-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-8-1985

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cout of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) J. B. Advani & Company Pvt. Ltd.

(Transferor)

(?) Kamanwala Housing Development Finance Company Limited. (Transferee)

( ) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Georgette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land & Building known as Advani Chambers, Sir P. M.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7144-A on

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Rombar

Dated: 14th April, 1986

#### FURM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 14th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7796/85-86.—Whereas, I, NBSAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5-C 5th floor The Somerset Place Coop. Hsg Society Ltd. 61-D Bhulabhai Desai Road, Bombay-26

Society Ltd. 61-D Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Amin Tyabji and Mrs. Alice Mohsin Tyabji.
  (Transferor)
- (2) M/s. Mercator Lines Limited.

(Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5-C 5th floor, the Sometset Pince Coop. Hsg Socy, Ltd. 61-D Bludabhai Desai Road, Bembay-26. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I 37EE/7335 on 29-8-85.

NISAR AHMED
Competen. Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-f,
Bombay

Date: 14th April 1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M s. Dineshchandra Vijaykumar,

(Transferor)

(2) Mrs. Chanchal V Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7823/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereiasther referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-131, 13th fl. Chinar Building, C.S. Nos. 336 & 506 of Dadar Naigaum Divn. R. Kidwai Road, near Uganda Petrol Pump, Wadala Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-8-85

Bombay on 30-8-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the matice in the Official Gazeite.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-131, 13th floor, Chinar Building, C.S. No. 336 **Emi No. A-131, 13th noor, Chinar Building, C.S. No. 336 & 506 of DaJar Naigaum Division, R. Kidwai Road, near Um Ala Petrol Pump, Wadala, Bombay, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7360/85-86 on 30-8-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acculsition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Datest 10-4 86.

#### FORM ITNS-----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th April 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7789/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinater referred to as the said Act') have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000/- and begring No.

to as the said Act) have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 34, Vijay Villa CHSL, Worli Seaface. Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annuxed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chandrakant V Shah.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra V. Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 31, Vijay Villa Co-op. Housing Society Liu., Worli Sea Face, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/7329/85-86 on 29-8-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-4-85.

(1) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Uma Lamba.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th April 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-1/37EE/7683/85-86,—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 4th fl. Bldg. No. 2, PSB Apartments, B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed heretw), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-8-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 4th floor in Building No. 2, PSB Apartments, B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/7227/85-86 on 20-6-65.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-4-86.

(1) P.S.B. Construction Co. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Master Chetan K Mehta, Kum. B. K. Mehta, Kum. K. S. Mehta & Master P. Y. Mehta (Transferee)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7487/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

NS. 1.00,000/- and bearing Fiat No. 3 on Ground floor, Bldg. No. Two in PSB Apts., B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the consideration which is less than th

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the afcrecaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inscome arising from the present . and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

ments, B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7041/85-86 on 1-8-1985. Flat No. 3 on ground floor, Bldg. No. Two in PSB Apart-

> NISAR AHMED Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, tourstone, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-4-86,

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (*) Shri Javerchand K. Vikamsay and Shri Rajendra K. Vikamsay.

(Transferor)

(2) Shri Hasmukhlal R. Shah. Smt. Jinbala H Shah

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th April 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7492/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tast Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, 4th floor, Mangal Kunj A. 2, Mount Pleasant

Rd. Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

> Flat No. 403 on 4th floor, Mangal Kunj A, 2, Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

> The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7045/85-86 on 2-8-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 7-4-86

FORM I.T.N.S.——

(1) M/s. Delite Enterprises

(Transferor)

(2) Mrs. Hasina G. Merchant

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AA.II/37EE/23317/85-86,-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 202, Garage No. 4 CTS No. 804 D'Monte Park Rd. Bandra Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 2/8/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesard property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ce

.b) facilitating the concestment of any income or any moneys or other assets which have not been or-which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202 Plus Garage No. 4, Plot bearing CTS No. 804, D'Monte Park Road, Bandra, Bombay 400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37E/23317/85-86 on 2-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section "691) of the said Act, to the following persons, namely :— 49—86 GI/86

Date: 14-4-86

(1) M/s. C. Narain & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Mrs. Usha Batra & Mrs. Uma Batra.
- (Transferee)
- (3) Nibhana Co.op. Housing Society (Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23344/85-86.—Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing

No, Flat on 6th floor Plot No. 257, N. No. 4 of Danda,

Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6th floor in Nibhana Co.op. Housing Society Ltd. Plot No. 257, Hissa No. 4 of Danda, Pali Hill, Bandra

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23344/85-86 on 2-8-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asatt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-4-86

Seel :

- (1) Mrs. Shanta Alex, Mr. Alex Jacob
- (2) Mr. S. W. Vakil, Mr. G. A. Vakil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(3) Transferor

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23364/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II/3/EE/23304/85-00.—whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 71, Delite Apartments, Bandra, Bombay-50 introduct at Rombay

ituated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1985

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, 9th floor, Delite Apartment, Perry Cross Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23364/85-86 on 2-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-4-86

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23585/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 203, Meena Aparments 82 Hill Road, Bandra, Rembers 50.

Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Shirley Ernest.

(Transferor)

(2) Mrs. Niloufer Ebrahim, Mrs. Sofi Ebrahim & Mr. Ahmed Ebrahim.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203, Meena Aparments, 82 Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23585/85-86 on 9-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-4-86

Scal:

#### FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23620/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. All that Piece or Parcel of land or ground together with

the structures thereon at 49 C. D. Barfiwala Marg, Andheri

West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liab of the transferor to pay tax under the said Act, h respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt. Anshumati Bhaidas Jariwala Bipin Bhaidas Jariwala Smt. Leena Bipin Jariwala Anish Bipin Jariwala

(Transferor)

(Transferee)

(2)Smt. Leena Bipin Jariwala Prop. of M/s. Asha Enterprises

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Apt. shall have the same meaning as given in that Charter.

#### THE SCHEDULE

Piece or parcel of land or ground together with structures thereon at 49 C. D. Barsiwala Marg, Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/23620/85-86 on 9-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-4-1986

Scal:

(1) Otters Construction Co.

(2) Mr. Shabbirali J. Hemani and Ms. Tahera S. Hemani.

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23636/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat on 8th floor, Plot No. 118, St. Andrews Road, Reader, Rombay.

Bandra, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 9-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, gamely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on 8th floor, Chand Terrace, Plot No. 118, St. Andrews Road Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/23636/85-86 on 9-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-4-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DIDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23667/85-86.--Whreeas, I, PRASANTA RAY,

being the Compotent Authority under Section 269% of Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, Highland Co-op. Housing Society Ltd., 3 Pali

Hill Road Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more time fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 .(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Agt. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M/s. Thakur Constructions

(Transferor)

(2) National Organic Chemical Industries Ltd.

(Transferee) (3) M/s. Thakur Constructions

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, Highland Co-op. Housing Society Ltd., 3 Pall Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23667/85-86 on 9-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax AcAcquisition Range-II, Bombay.

Dated: 14-4-86

(1) Shri Ivo Pinto Lobo

(2) Shri Raul Gomes & Smt. Maria Goms

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.H/37EE/23817/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
flat No. 401, 4th floor, Bandra Olar Co-op. Hsg. Society
Ltd., St. Sabastian Road Bandra, (West) Bombay-50
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 16-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same neaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Bandra Olar Co-op. Hsg. Society Ltd., St. Sabastian Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23817/85-86 on 16-8-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 14-4-86

(1) Miss Marie Therese Menezes and Mrs. Glenda Maria Treadway

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ben Ville Construction Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23905/85-86.—Wherens, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 223 (Pt.) St. Andrews Rd., Bandra Bombay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 19-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pur test under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Art 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-50-86 GJ/86

Objections, if any, to the sequinities of ti o sald property may be made in writing to the

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Car de er s period ad 30 4471 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as piven in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 223 (Pt.) at Androws Road Bandra Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/23905/85-86 on 19-8-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax AcAcquisition Range-II, Bombay.

Dated: 14-4-86

Scal:

#### FORM I.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23908/85-86,—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 33 & 33A in Reg. District & Sub-district of Bombay City & Bombay Suburban Dist. Bandra with Bungalows. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

Competent Authority at Bombay on 19-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs Beryal L. Rodrigues, Mrs Yvonne J. Rozario, Mrs. Lorna E. Fernandes & Mrs Frances M. Fernandes. (Transferor) (2) M/s. Gozvhome Builders. (Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 33 & 33A in Reg. District & Sub-district of Bombay City & Bombay Suburban Dist. Bandra with Bungalows.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23908/85-86 on 19-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax AcAcquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-4-86

Scal:

#### FORM ITNE

(1) Mrs. Sushila Hero Bhavnani.

Transferor(s)

(2) Mr. Mohan M. Ahuja & Mrs. Sobha Ahuja.

Transferce(s)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23929/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Bs. 1,00,000/- and bearing

movable property, having a fair market value exceeding P.s. 1,00,000/- and bearing That No. 52, 'Nibbana' Apartment, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 22-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23929/85-86 on 22-8-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
AcAcquisition Range-II, Bombay.

Dated: 14-4-86

#### FORM ITHE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24111/85-86.--Whereas, L PRASANTA RAY,

PRASANTA KAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. All that piece or parcel of land bearing No. 63, plot No. 1 H. No. 1 (P).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or .
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sardar Singh Prubhi & Ors.

Transferor(s)

(2) M/s. Raja Estates.

Transferec(s)

(4) Transferors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Govt. land or ground situate at Bandra bearing No. 63 Plot No. 1 H. No. 1 (p).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24111/85-86 on 26-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
> Acquisition Range-If, Bombay

Dated: 14-4-86

(1) Mrs. Indira Bhupendra Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hansdwani Holding Pvt Ltd.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24129/85-86.--Whereas, I. PRASANTA RAY, prasanta Ray, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. BSD, Oshiwara, S. Part (41), plot Nos. F. 46, F-47 & 48 Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

Competent Authority at Bombay on 26-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other anote which have not been er which could to be distinced by the true the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1923) or the said Ast, or the Weekth-tag Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said /ct. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

BSD, Oshiwara, S. Part (41), plot Nos. F. 46, F-47 & portion of No. F. 48, Vacant Marshy undeveloped land

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24129/85-86 on 26-8-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in presumate of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afterestid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the first initial action. persons, namely :-

Dated: 14-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Rasiklal K. Shah, Mr. Mahendra R. Shah,

(Transferor)

(2) M/s. Hansdwani Holding Pvt. Ltd.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24130/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
BSD Oshiwara, S. Part (41) Plot No. F. 28, F-55 & F. 56,
Andheri (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the parties has not been truly stated in the said inste of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in scapes; of any income arising from the transfer. ACZĪ /OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Official

EXPLANATION: This come and expressions used herein as one dringed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Rcf. No. BSD Oshiwara, S. Part (41) plot No. F-28. F-55 & F-56. Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H/37EE/24130/85-86 on 26-8-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Dated: 14-4-1986

Scal:

(1) Mr. Bhupendra Rasiklal Shah & Ors.

(Transferor)

19867

(2) M/s. Hansdwani Holding Pvt. Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OL INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No.  $AR.\Pi/37EE/24131/85-86$ .—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'azid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No.

BSD Oshiwara Survey Part (41) Plot Nos. F-49, 50 & portion of plot No. E-51

tion of plot No. F-51.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given as that Chapter.

#### THE SCHEDULE

BSD Oshiwara Survey Part (41) Plot Nos. F-49, 50 & portion of plot No. F-51 Andheri (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II/37EE/24131/85-86 on 26-8-1985 26-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dated: 14-4-1986

PORM ITNS-

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Bhaskar Synthetic Mills.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMESTAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.JI/37EE/24-43/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 201, 202, 233 & 234 H-Bldg Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of teansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concoelement of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923), or the said Act or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atenesial property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, we well: ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the afarceoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gametre.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 201, 202, 233 & 234 H-Bldg Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24143/85-86 on 30-8-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-If, Bombay

Dated: 14-4-1986

Soal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24164/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heralnefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. A-43, Scema Apartments, Bundra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30 8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the opicer of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of the moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
51—86 GI/86

(1) Mrs Esther Abraham.

(Transferce)

(2) Anthony Julius D'Silva & Patricis Mary D'Silva

(Transferor)

(3 Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this metics is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. A-43, Seema Apartments, Bullock Road, Banstand, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24164/85-86 on 30-8-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Pombay

Dated: 14-4-1986

(1) Smt. Geeta Tulsidas Wanwari

(3) Transferee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpa Kishan Chand Raheja & Dr. Ashok Kishanchand Raheja

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24200/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 'Surbala, 287 SV Road, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the

Competent Auhtority at Bombay on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

5 shares of the Society alongwith right in flat No. 1, Surbala, 287 E. Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24200/85-86 on 30-8-1986.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ··. ons. namely :-

Date: 18-4-86

(1) M/s. Vishal Udyog.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shah Kishore Kumar Kunverji Mr. Shah Shantilal Kunverji.

(Fransferee)

# HOVERSTENT OF INDIA

OOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Rei. No. AR-II/37FF; 24287; 85-86. -Whereas I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 12 & 13 Vetex Yakes B., Andheri (F), Bombay s mated at Bombay

(and more tuffy described in the Schedulea annexed hereto), ia) been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other smets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I neroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 12 & 13, Ground floor, Vertex Vikas B, Andheri la Road, Andheri (East), Bombay -69.

the agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under No. AR-II/37EE/24287/85-86 on 30 8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Jate : 14-4-1986

(1) Madhava United Hotels (International) Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Uptron India Ltd.

<u>andre en allega en la companyación de la companyac</u>

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR-II/37EE/ 23341/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No.

ound floor of 'Keshava' on Plot C-5, 'E' Block, Bandra

(E), Bombay-51

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said last, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rabection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground floor of the building 'Keshava' on plot No. C-5, in the 'E' Block of Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (E), Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/23341/85-86 on 2-8-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Onte: 14-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR-II/37EE/23473/85-86.--Whereas, I, RASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 3, Gr. floor, Meghdoot Co. op. Housing Society, there Recombers 52

ishar, Bombay-52.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-*ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the followg persons, namely :-

(1) Shri H. R. Baluja.

(Transferor)

(2) Mrs. Laila Shaukat Lalani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property eay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Meghdoot Co.op. Housing Society Ltd., Linking Road Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/23473/85-86 on 5-8-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bomhay

Date: 14-4-1986

— (1) Laxmikant Narandas & Ors.

(Transferor)

(2) Maberji K. Mistry.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIS INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE IJ BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR-II/37EE/24079/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Fiat No. 477, 448 & 64-D, N.D. Marg, Bandra (W), Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered ander section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen her cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the constrainment of any uncome of any stations or other amount which have not been as which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakin-tax Act, 1957 (87 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said it. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act. to the fallowing sons, namely:—

(3) Tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the underagned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat No. 447, 448 & 64-D, N.D. Marg, Bandra (West) Bombay-400 050.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/24079/85-86 on 26-8-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 14-4-1986

(1) Magsood Zahoor Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

SAME FAMILIES THE STATE OF THE

(2) Shivlal Ratnakar Prem H. Lalwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR-II/37EE/24290/85-86.—Whereas, I. FRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 109, Ram Krishna Rd., Kondivita, Andheri (E),

Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property situated at 109 (1 to 4) City Survey No. 109, Ram Krishna Road, Near Shivsena Office, Kondivata Villege, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent thority, Bombay under No. AR-II/37EE/24290/85-86 Authority, cn 30-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2000 of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-4-1986

# (1) Smt. Labhuben Chandubhai Parmar.

(Transferor)

(2) Mr. Ajit Rasiklal Sanghvi Mrs. Malini Ajit Sanghvi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISTTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR-II/37EE/23430/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 6/B, Pearl Queen Co-op. Hsg. Society Ltd. Santacruz (W), Bombay-54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of, 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6/B, Pearl Queen Co.operative Housing Society Lt., Santacruz (W), Bombay-54,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/23430/85-86 on 2-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-4-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Swarup Nandkishore Bhatt.

(2) Shii Jitendra Gulabrai Mehta, Smt. Tapibai Gulabrai Mehta. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferec)

# GOVENMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23558/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, Parla Snen Milan Co-op. Housing Society Ltd., Bombay-56

4(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Parla Snen Milan Co-op Housing Society Ltd., Bhagat Singh Road, Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23558/85-86 on 9-8-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-4-1986

Seal:

52-86 GI/86

(1) Smt. Ayesha Asad Siddique.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) M/s Spartan Electricals.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR II / 37EE / 23664 / 85-86 .-- Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 201, Gazdar Apartments, Juhu Tara Road, Bombay-

54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Felt No. 201, 2nd floor, Gazdar Apartments, Juhu Tara

Road, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23664/85-86 on 9-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 14-4-1986

# HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR II/37EE/23835/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 4C, Balmoral, Zephyr Co-op. Housing Society,

Bandra, Bombay-50

tank more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 16-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. M. T. Gursahany and Mr. Shyam G. Sujan.

(Transferor)

(2) Mrs. Perin K. Cama and Mr. Phiroze K. Cama.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4C, Balmoral, Zephry Co-operative Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23835/85-86 on 16-8-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the interestal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-4-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. ΛR.II/37EE/23954/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Laxmi Niwas, Flat No. 4, Vile Parle (W), Bombay-56 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 22-8-1985

that an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect a posterior of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

(1) Smt. Purnimaban Kiritkumar Dave.

(Transferor)

(2) Shri Balwantbhai Kantilal Patel, Shri Gaurangbhai Kumudchandra Mahadevia HUF, Shri Ashuoshbhai K. Mahadevia (HUF), Smt. Urshila Gaurang Mahadevia and Smt. Meera, 2. Ashutosh Mahadevia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Laxmi Niwas, Bajaj Road, Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23954/85-86 on 22-8-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 14-4-1986

Scal:

(1) Shri Abbas K. Hakim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Col. Virbhadra Sinh.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24103/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, Swarna Santacruz (West), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

a Bombay on 26-8-1985 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as tareed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) Incilitating the reduction or evador of the imbility of the transferor to pay tax under the said Aos, is respect of any income arising from the transfers andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Swarna, Santacruz (W), Bombay-54. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/24103/85-86 on 26-8-1985.

PRASANTA RAY
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24110/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Flat No. 104. Jhuh Tara Road, Jhuh Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri G. D. Rao, Smt. Nirmala D. Rao.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Bhagchandka, Shri Omprakash Jhunjhunwala,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104 in Jhuh Beach Haven II Co-op. Housing Society Ltd., Jhuh Tara Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE, 224110/85-86 on 26-8-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1986

#### FORM ITNS .---

(1) Shri Mohanlal Lalji Patel & Shri Laxman Lalji Patel.

(Transferor)

(2) Shri Nandlal D. Chhabria and Smt. Jaiwanti N. Chhabria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCC ME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 11th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24152/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

PRASANTA RAY,
Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 6, 2nd floor, Jolly Apartments Co-operative Housing
Ltd., Santacruz (W), Bombay-54.
situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said AAct in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; mad/cr

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax x = 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Jolly Apartments Co-op. Housing Society Ltd., Saraswati Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24152/85-86 on 29-8-1985,

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-4-1986

#### FORM I.T.N.S.—-

(1) Smt. Rasikkanta Bhalchandra Bhatt,

(Transferor)

(2) Mr. Ramanlal Chimanlal Shah Mr. Rashmikant Ramanlal Shah.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/2440/85-86.—Whereas, J, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvement having a fair market realization. movable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 15, Kailas Deep Co-op. Housing Society Ltd.,
Bombay-56 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay on 29-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Fla No. 15, 3rd floor, Kailas Deep Co-operative Housing Society Ltd., Bajaj Road, Vilc Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/24240/85-86 on 29-8-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1986

Scal:

A TOTAL OF A TOTAL OF

and the second of the second o

FORM ITNS

(1) Mrs. Kumudini Gama Roy.

(Transferor)

(2) M/s. Wimco Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196? (49 OF 1961)

RENTER LINESPEED BOOKERS -

OFFICE OF THE CHAPTER OF THE COMMISSIONER OF INCOMPRANT .

ACOUSTICE PATTER,

Bomboy, S. Oliv Avril 1986

Ref No. AR.II/37EE/2484/05 06 -Where's, I,

PRADANTA RAY, before the local transfer that 2000 of the Incorrectors over the state of the state of the Incorrector over the state of the state of the immovable property laving a state of the state of the state of the immovable property laving a state of the state of the state of the immovable property laving a state of the state of

has been transferred and the appearent is a differed under section 269AB of the soid 700 in the fiftee of the Competent Authority to Demby the 2000 1985 for a parameter appearance to the fair

market value of the ofcogenia was structed I have reason to believe that the fall more in his of the property as aforethan aftern our unit is part to a recommittenation and that the consideration for such consider in agreed in between the parties has not from fredy scaled in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) farming the round a sersion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the reacculatent of any income or any moneys or other a kin will thave not been or which ought to be risclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

53-86 GI/86

persons, ramely :-

Objections, if any, to the acaquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable properly within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, Starsway Colony, Building No. 1, Juhu-Tara Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/24284/85-86 on 30-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24289/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, Sagar Samrat, Bombay-49.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said AAct in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Capt. Ravindra Sahai

(2) Mrs. Kalpana Sahai.

(Transferor)

(2) Mrs. Roshan J. Panthaky Niluser J. Panthaky.

(Transferce)

(3) Transferees,

(Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gwzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 401, Sagar Samrat, Greenfields A.B. Nair Road Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.JI/37EE/24289/85-86 on 30-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-4-1986

#### FORM ITNS———

(1) Shri Mafatlal M. Kotharl,

(Transferor)

(2) Shri Raghunathchand Lodha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferecs.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23302/85-86.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, Wing 'C', Kanyakumari Bldg. at M.V. Road, Andheri (E), Bombay-69 situated at Rombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereo), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair normarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redutation or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAT.ON: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 23, Wing 'C', Kanyakumari Building at M.V. Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23302/85-86 on 30-8-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-4-1986

### (1) Mr. G. D. Jayavant.

(Transferor)

(2) Mr. N. L. Hingəranji & Mr. L. N. Hingorani.

(Transferee)

(3) Mr. G. D. Jayawant.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23417/85-86.— Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 10-A, Jeevan Jagriti Co-op. Housing Society, Bandra

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gostette or a period of 30 days from · the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evalue of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; بملامد
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) Section 269D of he said Act, to the following sons, namely:-

# THE SCHEDULE

Flat No. 10-A, 3rd floor, 57D, Dr. Ambedkar Road, Jeevan Joyati Co-op. Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23417/85-86 on 2-8-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-4-1986

(1) Smt. Aruna Dattakumar Sawant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF- THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.11/37EE/23427/85-86.— Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value.

property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, Bldg. No. 'E' Carte Derabut 52 Carter Road, Khar-Danda,

Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitizing the reduction or evariou of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end a :
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act of the World tex Act, 1957 (27 et 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Mr. Raymond Francis Noronha Mrs. Husebia Noronha & Miss Loretta Noronha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immenable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 401, Building No. 'B' Shree Amrit Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 15, Carter Road, Khar-Danda, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR II/37EE/23427/85-86 on 2-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/24085/85-86.— Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. D. 40 Chakala Road, Andheri (East), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Govindlal Chhotalal Shah,

(Transferor)

(2) M/s. Creative Enterprises.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov; able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. D. ground floor. Bajsons Industrial 40 Chakala Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/24085/85-86 on

26-8-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 14-4-1986

(1) Mr. Matadin Surajmal Varma.

(Transferor)

(2) M/s. Zeba Developments.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

edical control to the control of the

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE AF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23475/85-86.-

Whereas J. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot, Kol Dongri, Vile Parle (E) Andheri (E), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under rection 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, so the consultation of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin see defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plots bearing (1) CTS Nos. 339, 339/1 to 339/10 and 343 and (2) CTS Nos. 341 & 341/1 to 341/24 at Kol Dongri Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23475/85-86 on

5-8-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Dr. G. S. Perhar & Mrs. Mahender Kaur Perhar.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Pillai & Mrs. Malathi Pilloi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23507/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-1, Madhurmilan Co-op. Hsg. Society Ltd., Khar, Bombay-52

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-1, Plot No. 66.G Madhurmilan Co-op. Housing Society Ltd., 14-B Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/23507/85-86 on 8-8-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C o the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

into : 14-4-1986

- (1) Mrs. Eugenie M. De Souza.
- (Transferor)
- (2) Mr. Mansoor Husain Dalal,
- (Transferee)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (3) Transferee & his family. (Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23619/85-86.-

Whereas I, PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 11, Glaxy Apartments Co-op. Hsg. Society Ltd., Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer:

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 11, Glaxy Apartments Co-op. Hsg. Society Ltd., 111 B. J. Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23619/85-86 on 9-8-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IL Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unedr sub-section
(1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-4-1986

(1) M/s. Shri Ganesh Developers.

may be made in writing to the undersigned :-

Mr. Francis Bugari and 18 others.

- (Transferor)
- (2) M/s. Steel Crete Builders.

(3) B. Benjamin

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMERCIAL OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23638/85-86.--Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reseon to believe that the immev-

able property, having a fair market value exceeding Rs .1,00,000/- and bearing Village Gundavali, CTS No. 192-192/1 to 18, S. No. 77, H. No. 2, Andheri (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Person in occupation of the property)

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatta.

REPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Village Gundavali, Taluka Andheri, C. J. J., L. 18, S. No. 77, H. No. 2, Andheri (E), Bombay.

Competent The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/23638/85-86 og 9-8-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I keepby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely .---

Date: 14-4-1986

Seal;

(Transferor)

#### FORM ITHE

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# Mrs, G. M. Chawla & Mr. Deepak M. Chawla.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23775/85-86.— Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. G-1, Exotique Co-op, Housing Society Ltd., Khar,

Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1985

Bombay on 10-8-1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid Act. It respect of any income arising from the transfer and/er

(b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income on Act, 1 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Mrs. Mary Pangajam,

(2) Mr. Motiram P. Chawla-

Mr. Peter Henry Fernandez.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

ESPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given a that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. G-1, Exotique Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 515/516, 17th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23775/85-86 on 16-8-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-4-1986

Scal:

(1) Mr. J. T. Pinheiro Mrs. Clare Pinheiro.

(Transferor)

(2) Mrs. Kulsum S. Gilani Mrs. Farida M. Gilani,

(Transferee)

(3) Transferees & their family. (Person in occupation of the property)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 14th April 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23937/85-86.—
Whereas I, PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, Bandra Joy Premises Co-op. Society Ltd.,

Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-8-1985

endior

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afore aid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette of a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the publication of this notice in the Official Constitu

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Bandra Joy

Society Ltd., 21st Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23937/85-86 on 22-8-1985.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-4-1986

(1) Mrs. Maimuna Hassan Chougule.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh Gopichand Gaba & Smt. Virbala Suresh Gaba.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

Bombay, the 14th April 1986

(a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/23988/85-86.— Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under S

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding as the Said Act, property having a fair market value.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 12, Smoky Hill, Bandra, Bombay-50

(b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Flat No. 12. Smoky Hill, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffiy the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal:h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

bay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. AR.II/37EE/23988/85-86 on 23-8-1985.

Flat No. 12, Smoky Hill 44 Pali Mala Road, Bandra, Bom-

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-4-1986